

શેઠ ભુરીઆભાઇ જીવણચંદ જવેરી, સુરત.

જન્મઃ– સં. ૧૯૨૪ ભાદ્રપદ શુકલ ૧૪

મૃત્યુઃ– સં. ૧૯૮૦ ચૈત્ર શુકલ ૧૧

निवेदन.



श्री अध्यात्मज्ञान प्रसारक मंडळ तरफथी जैनधातुप्रतिमा लेख संग्रह भाग बीजो छपाइने जरा मोडो बहार पाडवामां आवे छे. ऐतिहासिक पंडितोने एमांथी घणुं जाणवानुं मळशे अने तेथी जैन इतिहास पर घणो सारो प्रकाश पडशे. आ भागमां दिगंबर लेख पण आव्यो छे. हजी जैन पाषाण धातु प्रतिमाओना हजारो लेखो लेवाना बाकी छे. आणंदजी कल्याणजीनी पेढी वगेरे तीर्थरक्षकपेढीओ जो आ बाबतमां सहाय करे तो आ कार्य करवामां आगळ वधी शकाय. धनवंतोए आ तरफ लक्ष आपी मदद करवी जोईए. आ मंडळ तरफथी घणी सस्ती किंमते पुस्तको बहार पडे छे, अने पडशे.

आ ग्रन्थ अने प्रथम प्रगट थएल धातु प्र० लेख संग्रह भा. १ ए बन्ने ग्रंथो योगनिष्ठजैनाचार्य श्रीमद् बुद्धिसागरसूरिजी महाराजना परिश्रम अने प्रेरणाथीज प्रगट थयेल छे, एटलुंज नहीं पण तेओश्रीनी शरीर प्रकृति सारी नहीं छतां पण पुस्तको लखवानुं काम अविश्रांत पणे सतत चालु राखेल छे तेथी तेओश्रीनो उपकारनो बदलो कोई रीते वाळी शकाय तेम नथी.

धन्यवाद.

आ ग्रंथ छपाववामां सुरतना मर्हुम झवेरी भुरियाभाई जीवणचंद तरफथी रु. २०१) नी मदद मळेली छे, ते माटे मंडळ तेमनो आभार मानी तेमने धन्यवाद आपे छे अने तेमना स्मरण चिह्न तरीके तेमनुं जीवन चरित्र अने फोटो आ ग्रंथमां दाखल करवामां आवेल छे.

पादरा,
श्रावण वदि २
वि. सं. १९८०

श्री अध्यात्मज्ञानप्रसारक मंडळ.

वकील मोहनलाल हीमचंद.

प्रस्तावना.



जैनधातु प्रतिमा लेख संग्रह भारवा करतां मोडो बहार पडे छे धातु प्रतिमाओना लेखोथी ते ते कालना आचार्यो, देश, नगर, जैनधर्म वगेरेनी स्थितिनुं ज्ञान थाय छे. बीजा भागना लेखोमां जे जे गामोनां नगरोनां नामो आव्यां छे ते जुदां लखीने जणाववामां आव्यां छे. वि. सं. एक हजार वर्षनी पूर्वना धातुप्रतिमाना लेखो मळ्या नथी. वि. सं. एक हजारथी ते ओगणीससेनी साल सुधीना लेखो मळी शके छे. धातुप्रतिमा लेख संग्रह पहेला भागमां चोपन गामोना लेखोनुं लीष्ट छे अने बीजा भागमां गामनगरनां बार नाम छे. बधां मळी ६६ थाय छे, अमदावाद, पाटण अने सुरत ए त्रणना संपूर्ण लेखो लेवाया नथी, तेमांथी जे जे पोळनां देरासरना लेखो लीधा छे ते ते आ ग्रन्थमां जणाव्या छे. लेखो लखाया ते कालमां जे जे कोमो जैनधर्म पाळती हती तेनुं वर्णन प्रथम भागनी प्रस्तावनामां कर्युं छे तथा ते ते काले जे जे गच्छो हता तेनुं वर्णन पण प्रथमभागमां आप्युं छे अने बीजा भागमां पण छेवटे गच्छ अने गच्छना आचार्य तथा सालवार सूचिपत्र आप्युं छे. ते वांचीने वांचको सहेलाइथी लेखोनुं ज्ञान करी शकशे. जैनोनां हजारो देरासरो छे तेमांथी फक्त छासठ नगरगामना लेखो लेवाया छे. हजी तो हजारो लेखो लेवाना बाकी छे अने तेथी जैन इतिहास उपर खरुं अजवाळुं पडशे. प्रथम भागमां पन्नरसें त्रेवीश लेख छे अने बीजा भागमां अगियारसो पचाश लेख छे. सर्व मळी छवीसो तोतेर लेखो (बे भागना मळी छे.) हजी तो हजारो धातुप्रतिमाओना लेखो बाकी छे अने पाषाणनी प्रतिमाओना पण हजारो लेखो बाकी छे. श्रीविजयधर्मसूरिजी तथा श्रीविजयेन्द्रसूरिजी, पुरातत्त्व मंदिरना

आचार्य श्रीजिनविजयजी, तथा श्रीकांतिविजयजी प्रवर्तकजी, श्रीकल्याणविजयजी, विजयसिद्धिसूरिना प्रशिष्य श्रीधर्मविजयजी तरफथी पाषाण प्रतिमाओ वगेरेना लेखो लेवाया छे अने केटलाक छपाया छे. श्रावकोमां एक बाबु तरफथी केटलाक लेखो छपाइने बहार पड्या छे. दिगंबर जैनोए पाषाण धातु प्रतिमाओना लेखो लीधा होय अने छपाव्या होय एवुं मारा जाणवामां आव्युं नथी. तेओ पण चळवळ करता हशे. छासठ गाम पैकी अमदावाद, पाटण, सुरतना बाकीना लेखो अने बीजा सर्व नगर, पुर गामोना लेखो लेवानी अत्यंत जरुर छे धनवंतोनी मदद विना धातु पाषाण प्रतिमाओना लेखो लेइ शकाय नहीं अने छपावी शकाय नहीं अने ते विना जैन इतिहासनुं कार्य अपूर्ण रहे तेथी गृहस्थ धनवंत जैनोए सवेळा मदद करवा लक्ष्य देवुं जोइए. कंइ एक हाथे ताळी वागती नथी माटे विद्वानोनी अने धनवंतोनी मददनी याचना करीए छीए. प्रथम भागना अने बीजा भागना लेखो लेवामां जे जे मुनियोए अने श्रावकोए मदद करी छे तथा लेखो छपाववामां जेओए मदद करी छे तेओने अंतःकरणथी धन्यवाद आपीए छीए तथा सहायकारक श्रावकोने धर्मलाभाशीः पूर्वक धन्यवाद आपवामां आवे छे. मुनिश्री जयविजयजी. मुनिश्री कीर्तिसागरजी. पंडित चंदुलाल नानचंद पंडित लालचंद भगवानदास वगेरेए लेखो लेवामां तथा प्रुफ सुधारवामां सहाय करी छे, तेथी तेओने धन्यवाद देवामां आवे छे. शासन देवोनी सहाय अने आयुष्य बळ वगेरेनी सामग्री कायम रहेशे तो धातु प्रतिमा लेख संग्रहनो त्रीजो भाग बहार पाडवा प्रयत्न करीश. प्रवर्तक श्रीकांतिविजयजी तथा मोदी शा. केशवलालभाइ प्रेमचंद वगेरे ऐतिहासिक विषयना रागी अने ते बाबतमां उंडा उतरनारा छे. तेओ पण आ बाबतमां चळवळ करशे एवी आशा राखुं छुं. लेखो लेवामां अक्षरो बराबर नहिं वंचावाना कारणे भूलो थइ जाय अने एवुं बने तेथी बीजा

भागना लेखोमां जे जे भूलो रही गई हशे ते संबंधी विद्वानो सूचनाओ आपशे तो द्वितीयावृत्तिमां तेओनो सुधारो करवामां आवशे. धातु पाषाण प्रतिमाओना घणा हजारो लेखो लेवाय तो ते उपर प्रस्तावनामां लखी अजवाळुं पाडी शकाय. अध्यात्मज्ञान प्रसारक मंडलने गृहस्थ धनवंत जैनो मदद करशे तो ते द्वारा आगळ तुर्त कार्य शरु करवामां आवशे.

इत्येवं ॐ अर्हं महावीर शान्तिः ३

मु. पेथापुर (गुजरात)
वि. सं. १९८० श्रावण पूर्णिमा. } ले. बुद्धिसागर.



सुरतवासी जैन झवेरी मुरियाभाई जीवणचंदनुं जीवनचरित्र.

जन्म	मरण
वि. सं. १९२४ भाद्रवा सुदि १२	वि. १९८० चैत्र सुदि ११

लग्न छव्वीशमा वर्षे.

झवेरी मुरियाभाई जीवणचंद्रनुं नाम गुजरात जैन कोममां जाहेर प्रसिद्ध थयुं छे. तेमना नाना भाइयो अने भत्रीजाओथी तेमनुं कुटुंब सुरतमां जाहेरमां आव्युं छे. तेओ स्वभावे दयाळु, सत्यवादी, मिलनसार, परोपकारी अने नीतिना आचरणथी प्रमाणिक व्यापारी तरीके यशकीर्तिने पाम्या छे. देव, गुरु, धर्मनी श्रद्धामां पक्का हता. जीवदयाना कार्यमां सर्व युवकोने स्वमित्रोने पोतानी साथे जोडी हजारो लाखो रुपैयानां फंडो करीने अग्रगण्य तरीके भाग लेता हता, धर्मशास्त्रो छपाववां तेओ मदद करता हता, तेमणे सुरतमां एक जैनधर्मशाळा बंधावी छे के जे धर्मशाळानी घणी जरुर हती. तेमणे धर्मशाळा बंधाववामां रु. ६५०००) पांसठ हजार रुपैया खर्च्या हता अने धर्मशाळानुं नाम पोताना पिताना नामे जीवन निवास पाड्युं छे. तेमणे पानसर श्री महावीर प्रभु, देरासर तीर्थ अने धर्मशाळाओ वच्चोवच एक टावर बंधाव्युं छे अने तेनुं नाम कंकुबाइ टावर पाड्युं छे अने तेमां रु.२००००) आशरे वीशहजार रुपैया खर्चाया छे. झवेरी मुरियाभाइनी इच्छा आदर्श उझमणुं करवानी हती. वि. १९८० ना वैशाख मासमां उझमणुं करवानुं मुहूर्त आव्युं हतुं अने उजमणुं करवानी सर्व सामग्री भेगी करी हती पण पालीताणा सिद्धाचल डुंगर पर जतां तेमना पगे वाग्युं अने एमांथी दर्द वधी पड्युं. ते पर ओपरेशन कराव्युं पण उलटी तेथी वेदना वधी अने घणुं लोही वही गयुं

तेथी चैत्र सुदि अगियारसे मरण पाम्या. तेमनो विचार एवो हतो के अमने सुरत लेइ जवा अने अमारी रुबरुमां उद्यापन महोत्सव करवो पण तेमनी उमेद पार पडी नहीं. पानसरना टावरमां सारी लायब्रेरीनी व्यवस्था करवानी हती के जे लायब्रेरीनो हजारो यात्रालुओ लाभ उठावी शके. तेमनो उझमणुं कर्या बाद एक जैन बोर्डींग स्थापवानो विचार हतो पण ते विचारने साथे लेइ गया. तेथी बीजा जन्ममां जैन गुरुकुल बोर्डींग उद्यापन करवानी प्रवृत्ति थई शकशे.

मुरियाभाइ बाहोश व्यापारी हता. पोताना संबंधमां आवेला अंगत मनुष्योने तेमणे व्यापारमां हुशियार करी ठेकाणे पाड्या छे. तेमणे गरीबोने खानगीमां अने जाहेरमां हजारो रुपैयानी मदत करी छे. तेओना रुपैया अन्य झवेरी मित्र पासे ल्हेणा रह्या हता पण ते पर आर्थिक संकट पडतां पोताना रुपैयानी मागणी सरखी पण करी नथी. ते अमो खास जाणीए छीए. तेमणे गरीब जैनोने खानगीमां मदत करी ठेकाणे पाड्या छे. तेओ अमारी साथे वि. सं. १९६७मां सुरतथी मुंबाइ जतां विहारमां सात आठ श्रावको लेइने साथे रह्या हता अने अमारी साथे मोटा भागे विहार करता हता. अगाशीमां अमोए प्रतिष्ठा करी हती ते वखते तेमणे घणी सेवाभक्ति करी हती अने अगाशीमां अमोए मूल नायकनी प्रतिष्ठा वासक्षेप करी विहार कर्यो तोपण दरेक गाममां साथे रहेता हता. तेमणे भजनसंग्रह छठ्ठो भाग छपाववामां आगेवान थई मदतकरी हती. वि. सं. १९६७ मां मुंबाइमां अमारा चोमासा वखते गुजरातना करवरीया वखतथी गुजरातना घणा गामोनी टीपो आवी तेमां तेमणे झवेरी बजारमां जाते उभा रही टीपो भरावी छे. अन्यजीवने दुःख पडतुं ते देखीने तेमनी आंखमां आंसु आवी जतां. तेओ दान करवामां निरभिमानी हता. तेमणे आखी जींदगी पर्यंत कोइनी साथे क्लेश वैर टंटा झघडा कर्या

नथी. अमो जे जे गाममां चोमासुं करीए छीए त्यां ते आवी जता अने पाठशाला लायब्रेरी पांजरापोळ गरीब मनुष्यो अने देरासरोमां सेंकडो रुपैया आपी जता. रामनी साथे जेम सीता हती तेम तेमनी साथे तेमनी स्त्री हतां, तेमणे पोताना पतिने धर्मदान पुण्यकार्यमां घणी सहाय आपी छे अने धर्मकार्यमां अर्धांगना तरीके श्राविकाधर्म पाळीने सारो भाग लीधो छे. भुरियाभाइ वैरागी मनवाळा हता. अने स्वभावे आनंदी हता. प्रभु जिनेश्वरनी पूजामां गांडा गहेला जेवा भक्तिनी धूनमां थई जता अने दुनियानुं भान भूली जता हता. साधुओने अने साध्वीओने आहारपाणी वहोरावबामां अत्यंत रुचिवाळा हता. मांदा साधुओनी सेवा करवामां हजारो रुपैया खर्च करवामां उत्साही चढता भाववाळा हता. तेओ अनेक संतसाधुओना समागममां आव्या हता. दरेक गच्छना साधुओने गुणानुरागे पूजता हता. व्यापारमां प्रमाणिक होइ लक्षाधिपति थया हता. तेओ धर्मकार्यमां अमारी सलाह लेइ प्रवर्तता हता. तेमना समागमथी चंपकलाल तथा तलकचंद वगेरे सारा मार्गे चढ्या छे, तेओ कुटुम्ब सगांव्हालांओनुं हित करवामां सावधान हता. तेमना घरमां कुटुम्ब क्लेशनो अभाव हतो, एम कहेवामां अतिशयोक्ति नथी. स्वभावे शांत हता तेथी तेओना पासमां अनेक मित्रो रहेता हता. झवेरी जीवणचंद धर्मचंद तेमना मित्र हता. झवेरी भुरीयाभाई पोताना मित्रोने यथाशक्ति सहाय करता हता. तेमणे शत्रुंजय वगेरे अनेक तीर्थोनी यात्रा करी हती, प्रतिवर्षे शत्रुंजय तीर्थनी यात्रा करता हता. भुरियाभाइ प्रेमाळ हता. एकवार तेमना समागममां जे आव्यो तेनो तेमना पर प्रेम थइ जतो. झवेरी भुरियाभाइ जीवणचंद्रनो सातधातुनो देह गयो पण तेमनो यशःकीर्तिरुप अक्षरदेह तो घणा वर्ष सुधी जीवतो रही वाचकोने आदर्शजीवन दृष्टांतीभूत थशे. झवेरी भुरियाभाइ दातारत्न तरीके प्रसिद्ध थइ गया छे, तेमने पुत्र

नहोतो पण तेमनां कार्यो हाल जे मौजुद छे ते पुत्रनी पेठे लोकोने उपकारक थइ पडशे. तेमना आत्मामां अनेक सद्गुणो खील्या हता. तेओ यशःकीर्तिना भूख्या न होता पण धार्मिक कार्यो करवाना भूख्या हता. जैनधर्मना पूरा आस्तिक हता.

तेमनी पाछळ तेमनी पत्नी छे ते पण आत्मार्थी देवगुरु धर्मसेवा भक्ति करवामां श्रद्धाळु छे. सुश्रावक शा. मणिलाल मोहनलाल पादराकरे झवेरी भुरियाभाइ जीवनचंद्रनुं विस्तारथी जीवनचरित लख्युं छे. विशेष जिज्ञासुए ते चरित्र वांचवुं. जैनकोममां झवेरी भुरियाभाइनी अन्य सद्ग्र-हस्थोनी यादी साथे यादी रहेवानी. झवेरी भुरियाभाइ ओशवाळवंशी उत्तम नररत्न तरीके गणाशे. सुरतमां झवेरी धर्मचंद उदेचंद. झवेरी नगीनदास कपुरचंद. झवेरी नगीनदास झवेर झवेरी देवचंद लालचंद नगीनदास मंछुभाइ. झवेरी नेमुभाइ मेलापचंद तथा खीमचंदभाइ मेलापचंद तथा झवेरी तलक-चंद माणेकचंद वगेरे अमारा समागममां आव्या हता. एवा अनेक दातार नररत्नोनी जीवनी जळवाइ रहे एवी सुरती झवेरीओ कंइक सारी व्यवस्था करशे एवी सूचना करुं छुं के जेथी भविष्यनी जैनकोमने पोतानो इतिहास उज्जवल देखवानो लाभ मळे. हालमां सुरतमां झवेरी जीवण चंद साकेरचंद जैनसाहित्य बहार लाववामां अग्रगण्य भाग ले छे. झवेरी जीवणचंद धर्मचंदे पोतानी आर्थिक सारी स्थितिमां अनेक विद्यार्थी जैन गरीब बंधुओने सहाय करी छे सुरत अलबेली नगरी छे ते आवा नर रत्नोने जन्म आप्या करे छे अने भविष्यमां आपशे एम इच्छीए छीए झवेरी भुरीयाभाइना भत्रीजा भाइचंदभाइ जेचंद तथा दयाचंद जेचंदे अमने जीवनचरित्र लखवामां केटलीक हकीकत लखी मोकली छे तेथी तेमने धन्यवाद घटे छे. छेवटे झवेरी भुरियाभाइ के जे अमारा भक्त श्रावक हता तेमना आत्माने शांति मळो एम इच्छुं छु.

इत्येवं ॐ अर्हं महावीर शान्तिः ३

मु. पेथापुर.
श्रावण पूर्णिमा.

श्री अध्यात्मज्ञानप्रसराक मंडळ तरफथी

श्रीमद् बुद्धिसागरसूरिजीग्रन्थमाळामां

प्रगट थयेला ग्रन्थो.



ग्रथांक		पृष्ठ	किंमत.
	१ क भजन संग्रह भाग १ लो.	२००	०-८-०
	१ अध्यात्म व्याख्यानमाळा.	२०६	०-४-०
*	२ भजनसंग्रह भाग २ जो.	३३६	०-८-०
*	३ भजनसंग्रह भाग ३ जो.	२१५	०-८-०
*	४ समाधिशतकम्.	६१२	०-८-०
	५ अनुभवपच्चिशी	२४८	०-८-०
	६ आत्मप्रदीप.	३१५	०-८-०
*	७ भजनसंग्रह भाग ४ थो.	३०४	०-८-०
	८ परमात्मदर्शन.	४००	०-१२-०
*	९ परमात्मज्योति	५००	०-१२-०
*	१० तत्त्वबिंदु.	२३०	०-४-०
	११ गुणानुराग (आवृत्ति बीजी)	२४	०-१-०
*	१२-१३. भजनसंग्रह भाग ५ मो तथा ज्ञानदीपिका.	१९०	०-६-०
*	१४ तीर्थयात्रानुं विमान (आ बीजी)	६४	०-२-०
	१५ अध्यात्मभजनसंग्रह	१९०	०-६-०
	१६ गुरुबोध.	१७४	०-४-०
*	१७ तत्त्वज्ञानदीपिका	१२४	०-६-०
	१८ गहूंलीसंग्रह भा. १	११२	०-३-०

* १९–२०	श्रावकधर्मस्वरूप भाग १–२ (आवृत्ति त्रीजी)	४०–४०	–१–०
* २१	भजनपदसंग्रह भाग ६ ठो.	२०८	०-१२-०
२२	वचनामृत.	८३०	०-१४-०
२३	योगदीपक.	३०८	०-१४-०
२४	जैन एतिहासिक रासमाळा.	४०८	१–०–०
* २५	आनन्दघनपद भावार्थ (१०८) संग्रह भावार्थ सहित.	८०८	२–०–०
२६	अध्यात्मशान्ति (आवृति बीजी)	१३२	०–३–०
२७	काव्यसंग्रह भाग ७ मो	१५६	०–८–०
* २८	जैनधर्मनी प्राचीन अने अर्वाचीन स्थिति.	९६	०–२–०
* २९	कुमारपाल (हिंदी)	२८७	०–६–०
३०	थी ४-३४ सुखसागर गुरुगीता	३००	०–४–०
३५	षड्द्रव्यविचार.	२४०	०–४–०
३६	विजापुरवृत्तांत.	९०	०–४–०
३७	साबरमतीकाव्य.	१९६	०–६–०
३८	प्रतिज्ञापालन.	११०	०–५–०
* ३९–४०–४१	जैनगच्छमतप्रबंध, संघप्रगति, जैनगीता.	३०४	१–०–०
४२	जैनधातुप्रतिमा लेखसंग्रह भा. १		१–०–०
४३	मित्रमैत्री.		०–८–०
* ४४	शिष्योपनिषद्.	४८	०–२–०
४५	जनोपनिषद्.	४८	०–२–०
४६–४७	धार्मिक गद्यसंग्रह तथा सदुपदेश भाग १ लो.	९७६	३–०–०
४८	भजनसंग्रह भा. ८	९७६	३–०–०
* ४९	श्रीमद् देवचंद्र भा. १	१०२८	२–०–०
५०	कर्मयोग.	१०१२	३–०–०

५१	आत्मतत्त्वदर्शन.	११२	०-१०-०
५२	भारतसहकारशिक्षण काव्य.	१६८	०-१०-०
५३	श्रीमद् देवचंद्र भा. २	१२००	३-८-०
५४	गहुली संग्रह भा. २	१३०	०-४-०
५५	कर्मप्रकृतिटीकाभाषांतर.	८००	३-०-०
५६	गुरुगीत गुंहलीसंग्रह.	१९०	०-१२-०
५७-५८	आगमसार अने अध्यात्मगीता.	४७०	०-६-०
५९	देववंदन स्तुति स्तवन संग्रह.	१७५	०-४-०
६०	पूजासंग्रह भा. १ लो.	४१६	१-०-०
६१	भजनपदसंग्रह भा. ९	५८०	१-८-०
६२	भजनपदसंग्रह भा. १०	२००	१-०-०
६३	पत्रसदुपदेश भा. २	५७५	१-८-०
६४	धातुप्रतिमालेख संग्रह भाग २	२२५	१-०-०
६५	जैनदृष्टिए ईशावास्योपनिषद् भावार्थविवेचन.	३६०	१-०-०
६६	पूजासंग्रह द्वितीयावृत्ति तथा अन्यपूजाओ सहित-भाग २ बीजो बंधाय छे.	रु.	२-०-०
६७	स्नात्रपूजा.		०-२-०
६८	श्रीमद् देवचंद्रजी अने तेमनुं जीवनचरित्र.		०-४-०

संस्कृत ग्रन्थो

६९ शुद्धोपयोग
७० दयाग्रन्थ
७१ श्रेणिक सुबोध
७१ कृष्णगीता
(०-८-०)

७३ संघकर्तव्यग्रन्थ
७४ प्रजासमाजकर्तव्यग्रन्थ
७५ शोकविनाशक
७६ चेटकबोधग्रन्थ
७७ सुदर्शनासुबोध
(छूटक भाग रु० ०-८-०)

७८	लाला लाजपतराय अने जैनधर्म.	०-४-०

छपाता ग्रन्थो.

जैनधर्म अने ख्रीस्ति धर्मनो मुकाबलो.
जैन अने ख्रीस्ती संवाद.
मोटुं विजापुर वृत्तांत.
चिन्तामणि.
कन्याविक्रयदोष.
आत्मप्रकाश.
ध्यानविचार
अध्यात्मगीता (संस्कृत)
आत्मसमाधिशतक „
सत्य स्वरूप.
मणिचन्द्रकृत २१ सज्झाय भावार्थ (आत्मदर्शन).
जैनधर्म शंका समाधान
आत्मशक्ति प्रकाश.
क्षमापना.
तत्त्वविचार.
ॐ यशोविजयजी निबन्ध
भजनसंग्रह भा.१ चोथी आवृत्ति
श्रीमद् देवविलास रास (देवचंद्रजी चरित्र)
मुद्रित श्वेतांबर जैनग्रन्थ नामावलि.

* आ निशानीवाळा ग्रंथो सीलकमां नथी.

उपरनां पुस्तको मळवानुं ठेकाणुं.

वकील मोहनलाल हीमचंद.
(गुजरात) पादरा.

शा. आत्माराम खेमचन्द.
साणंद.

भांखरीया—मोहनलाल नगीनदास.
मुंबाइ कोटबजार गेट नं. १९२–९४

बुकसेलर, मेघजी हीरजी.
पायधुनी—मुंबाइ.

शेठ. नगीनदास रायचंद भांखरीया.
मु. मेसाणा.

विजापुर जैन ज्ञानमन्दिर.
शा. चन्दुलाल गोकलदास.

धातु प्रतिमा लेख संग्रह भा. २ तेमां गाम, नगरनी पोळ, मंदिरनी यादि.

गाम	पोळ	मंदिर
१ पादरा		शांतिनाथना लेखो, संभवनाथना देरासरना लेखो.
२ दरापरा		देरासर.
३ वडोदरा	मामानी पोळ.	कल्याणपार्श्वनाथना देरासरना लेखो, श्री महावीरदेरासरना लेखो.
	कोठीपोळ	शांतिनाथना देरासरना लेखो.
	पटोलीआपोल	मनमोहन पार्श्वनाथ देरासर, श्री आदिश्वर देरासर.
	जानीशेरी	आदीश्वर देरासर.
	पीपलाशेरी	चिंतामणी पार्श्वनाथनुं देरासर.
	महेतापोळ	नेमिनाथ देरासर
	फत्तेहपुरा	पार्श्वनाथ देरासर.
	सुलतानपरा	चंद्रप्रभ देरासर.
	नवीपोळ	शीतलनाथ देरासर.
	वाडी रंगमहाल	आदिजिनालय.
	बाबाजीपुरा	गोडीपार्श्वनाथ जिनालय.

देरापाळ

शेठ जमनालाल चुनीलाल वैद्यनुं घरदेरासर.

बापुभाइ हीराचंद वैद्यनुं घरदेरासर.

वैद्य त्रिभुवनदास भीखाभाइनुं घरदेरासर.

चुडगर जमनादास कीलाभाइनुं घरदेरासर.

शेठ मोतिलाल हीमचंदनुं घरदेरासर.

शेठ गरबडदास वीरचंद वीयानुं घरदेरासर.
शेठ फुलचंद डाह्याभाइनुं घरदेरासर.
कोठारी जमनादासनुं घरदेरासर.
झवेरी फत्तेहभाइ अमीचंदनुं घरदेरासर.
हिंदविजय प्रेसवाळानुं घरदेरासर.
शेठ छोटालाल करसनदासनुं घरदेरासर.
शेठ लीलाभाइ रायचंदनुं घरदेरासर.
जोगीदास विठ्ठलदासनी पोळनुं घरदेरासर
शेठ मोतीलाल हरखचंदनुं घरदेरासर.

४ छायापुरी—(छाणी)		१ कंथुनाथ देरासरना लेखो
		२ शांतिनाथ जिनालयना लेखो.
५ मीयागाम		१ मनमोहन पार्श्वनाथ जिनालयना लेखो.
		२ संभवनाथ देरासरना लेखो.
		३ श्रीशांतिनाथ जिनालयना लेखो.
६ भरुच		१ आदिनाथ जिनालयना लेखो.
		२ अनन्तनाथ जिनालयना लेखो.
		३ शांतिनाथ जिनालयना लेखो
		४ पार्श्वनाथ जिनालयना लेखो.
		५ मुनिसुव्रतस्वामि जिनालयना लेखो.
		६ संखेश्वरपार्श्वनाथ देरासरना लेखो.
		शांतिनाथ जिनालयना लेखो.
		महावीर जिनालयना लेखो.
	कबीरपुरा	श्री अजितनाथ जिनालय.
		श्री मुनिसुव्रतस्वामी जिनालय.
	वेजलपुर	श्री आदिनाथ जिनालय.

				श्री पद्मप्रभ जिनालय.
७	सीनोर			१ सुमतिनाथ जिनालय.
				२ अजितनाथ जिनालय.
				३ विजयलक्ष्मीसूरि देरीना लेखो.
८	डभोइ			पहेला भागमां न आवेला एवा चार लेखो.
९	नडियाद (गुजरात)			१ श्री शांतिनाथ जिनालय.
				२ श्री आदिनाथ जिनालय.
				३ श्री अजितनाथ जिनालय.
१०	खेडा	१	रबारीवाडो	शांतिनाथ जिनालयना लेखो.
		२	परामां	श्री आदिनाथ जिनालय.
		३	लांबी शेरी	श्री मुनिसुव्रतस्वामि जिनालय.
		४	शेठवाडो	शांतिनाथ जिनालय.
		५	दलालनो टेकरो.	पद्मप्रभजिनालय.
		६		महावीरजिनालय.
		७		भीडभंजन पार्श्वनाथ जिनालय.
११	मातर		सुमतिनाथ मुख्य बावन जिनालय.	
१२	खंभात	१		चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय लेखो.
		२	आरी पाडो.	शांतिनाथ जिनालय.
		३	कडाकोटडी	पद्मप्रभ जिनालय.
		४		शांतिनाथ जिनालय.
		५	मांडवी पोळमां	आदिनाथ जिनालय.
		६		नेमिनाथ जिनालय.
		७		मुनिसुव्रतस्वामि जिनालय.
		८		कुंथुनाथ जिनालय.

	९	कुंभारवाडो.	शीतलनाथ जिनालय.
	१०	शेरडीवाडानीपोळ.	सुविधिनाथ जिनालय.
	११	दंताळपोळ	शांतिनाथ जिनालय.
१२ खंभात	१२	दंताळपोळ	कुंथुनाथ जिनालय
	१३	उंडीपोळ	शांतिनाथ जिनालय.
	१४	दंताळपोळ	शांतिनाथ जिनालय.
	१५		श्री आदिनाथ जिनालय.
	१६	चोळापोळ	सुमतिनाथ चौमुख जिनालय.
	१७	गीपटी	महावीर जिनालय.
	१८		अजितनाथ जिनालय.
	१९	जिरारपाडो	चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय.
	२०		शांतिनाथ जिनालय.
	२१		अमीजरा पार्श्वनाथ देरासर.
	२२		मनमोहन पार्श्वनाथ.
	२३		अरनाथ जिनालय.
१२ खंभात	२४	संघवीपाडो	सोमपार्श्वनाथ जिनालय.
	२५		विमलनाथ देरासर.
	२६	चोकसीनीपोळ.	विमलनाथ देरासर.
	२७		चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर.
	२८		मनमोहन पार्श्वनाथ मंदिर.
	२९		महावीर जिनालय.
	३०		शांतिनाथ जिनालय.
	३१	अळिंग	सुमतिनाथ मंदिर.
	३२	लाडवाडो	अभिनंदन जिन मंदिर.
	३३	भोंयरापाडो	नवखंडा पार्श्वनाथ मंदिर.
	३४		पादुका शिलालेख.

		३५		नेमिनाथ मंदिर.
		३६		चंद्रप्रभ जिनालय.
		३७		शांतिनाथ जिनालय.
		३८		मल्लिनाथ मंदिर.
		३९	शिक्रिपुर	चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर.
१२	खंभात	४१	माणेकचोक	पार्श्वनाथ जिनालय.
		४२		धर्मनाथ जिनालय.
		४३		महावीरस्वामि जिनालय.
		४४		पार्श्वनाथ जिनालय.
		४५		शांतिनाथ जिनालय.
		४६		वासुपूज्य जिनालय.
		४७		आदिनाथ जिनालय.
		४८	खारवाडो	मुनिसुव्रत जिनालय.
		४९		महावीरस्वामि जिनालय.
		५०		कंसारी पार्श्वनाथ मंदिर.
		५१		अनन्तनाथ जिनालय.
		५३		थंभण पार्श्वनाथ मंदिर.
		५३		मनमोहन पार्श्वनाथ जिनालय
		५४		सीमंधर स्वामि जिनालय.
		५५	नागरवाडो	वासुपूज्य जिनालय.
		५६	बोळपीपळो	नवपल्लव पार्श्वनाथ जिनालय.
		५७		मुनि सुव्रत जिनालय.
		५८		संभवनाथ जिनालय.
		५९		चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर.
		६०		संभवनाथ मंदिर.

जैन धातु प्रतिमा लेख संग्रह बीजा भागमां आवेलां ग्राम, पुर, नगरनी यादी.

१ स्तंभतीर्थ(खंभात)
२ वीसरोडा
३ पाटरी
४ गोठुआ
५ गंधार
६ कालुपुर
७ पाटण
८ मातर
९ आंतरी
१० मुंझीकपुर
११ वडाल
१२ गुणवाटक
१३ कमरगिरि
१४ वीरमगाम
१५ वीजापुर
१६ सीतापुर
१७ मगोडी
१८ बारेजा
१९ अमदावाद
२० इखराड
२१ श्री क्षेत्र
२२ धखंडी
२३ घोघा
२४ भीमपल्ली
२५ वालघेरा
२६ गमीध
२७ आमलेश्वर
२८ मांडव
२९ आशापल्ली
३० आखापुर
३१ धारणपद्र
३२ चंपकपुर
३३ पेढडा
३४ आनंदपुर
३५ गोधाव (धावा)
३६ ओड
३७ जंबुनगर
३८ कोटडागढ
३९ गोधरा
४० जंटोडा
४१ यामलि(जामलि)
४२ स्यापागाम
४३ सिद्धपुर
४४ राजपुर
४५ गोत्रतरका
४६ बोरसद
४७ अलीणा
४८ जनउश्रा
४९ धंधुका
५० बालासीण

५१ गिरियावी
५२ बहाउल
५३ पाडला
५४ जयतपुर
५५ रुद्रातलि
५६ भिन्नमाल
५७ पाटरी
५८ सुरत्राणपुर
५९ तलाजा
६० भृगुकच्छ (भरुच)
६१ देवा
६२ वटपद्र
६३ रुद्रपल्लि
६४ सीहुज
६५ नडियाद
६६ चोटिला
६७ मांडल
६८ कर्करानगर
६९ बालसासण
७० मलकीपुर
७१ मदहड
७२ उंबरहट
७३ वढवाण
७४ कौढरव
७५ शिरोही
७६ झालोडा
७७ वीसलनगर
७८ सापखडा
७९ वृद्धनगर
८० कारियाणी
८१ रजोडा
८२ मंडुआनगर
८३ उगाण
८४ वडुद्रा
८५ राणपुर
८६ संखीसर
८७ खेटक
८८ जमालपुर
८९ पालनपुर
९० नंदरबारनगर
९१ कोरंट
९२ वेदुर
९३ गेहडिया
९४ भलाडा
९५ नंदिसाला
९६ डहिरवाला
९७ धाञ्यागाम
९८ उटव
९९ गोधावी
१०० वडद्रा
१०१ डाभिला
१०२ शेखपुर
१०३ वजाणा
१०४ राइधानपुर
१०५ मंडली
१०६ कालुपुर
१०७ भोइका
१०८ कतबपुर
१०९ तावीगाम
११० मंडवाडा

१११ रोजासर
११२ छनीआरी
११३ हमीरपुर
११४ कादभाणी
११५ वणुद्र
११६ लोहिआणा
११७ माणकुलि
११८ काहिआणा
११९ डहडा
१२० धोळका
१२१ विडाण
१२२ लीवाडी
१२३ खडहल
१२४ निजरार
१२५ कागढा
१२६ मालातीज
१२७ कोरडा
१२८ वालुकड
१२९ कोहर
१३० लाडोल
१३१ ववाणिया
१३२ पिपलासावारा
१३३ कडी
१३४ आणंद
१३५ दीकावाडा
१३६ अकब्बरपुर
१३७ डीसा
१३८ खराकोटडी
१३९ खागल
१४० सीगीवाढा

जैनधातुप्रतिमा लेखसंग्रह भाग १ पहेलामां आवेलां गाम, पोळ तथा देरासरजीनी यादी.



गामनुं नाम.	पोळ.	देराशरजीनुं नाम.
डभोइ		१ श्री शामळा पार्श्वनाथ देरासर.
		२ श्री लोढण पार्श्वनाथ देरासर.
		३ धर्मनाथ देरासर.
		४ मुनिसुव्रत स्वामी देरासर.
		५ शांतिनाथ देरासर.
गांभू		
चवेली		
वडावली		
चाणस्मा		
अमदावाद		चौमुखजीनुं देरु.
उंझा		१ घर देरासर.
		२ शांतिनाथनुं देरासर.
पाटण		१ भाभा पार्श्वनाथजीनुं देरासर.
	खजुरीनो पाडो	२ मनमोहन पार्श्वनाथजीना गभारानी
	लींबडीनो पाडो	३ मूलनायक श्री शांतिनाथजीना गभारानी.
	कनासानो पाडो	४ मोटा देरासरमां मूलनायक शांतिनाथजीना गभारामांनी.
		५ महावीर स्वामीना गभारानी.
		६ आदीश्वरजीना गभारानी.

	७ बाबू पन्नालाल पूर्णचंदजीना देरासरना मूळनायकजीनो लेख.
वाघपुर	
माणसा	१ मोटा देरासरनी प्रतिमाओना लेख.
	२ नाना देरासरजीना.
विजापुर	१ पद्मावतीना देरासरना.
	२ चिंतामणी पार्श्वनाथना देराना
	३ महावीर स्वामीना देराना.
	४ श्री शांतिनाथना देराना.
	५ श्री कुंथुनाथना देरासरना.
	६ ऋषभदेवना देरासरना.
	७ श्री अरनाथना देरासरना.
	८ गोडी पार्श्वनाथना देरासरना.
लाडोल	श्री पार्श्वनाथजीना देरासरना.
बामणवाडा	
संडेसर	१ आदिश्वरजीना गभारानी अंदरनी
	२ चंद्रप्रभुजीना गभारानी.
करबटीय पेपरदर	१ अभिनंदन भगवान्ना देरासरनी.
	२ पार्श्वनाथजीना देरानी सामे शांतिनाथजीना देरामांनी.
	३ श्री शांतिनाथजीना देरासरनी.
श्री वालम तीर्थ	श्री नेमनाथ भगवान्ना देरासरनी
वीसनगर	१ श्री कल्याणपार्श्वनाथजीना मेडा उपर श्री गोडीपार्श्वनाथजीना गभारानी.

	२ श्री शांतिनाथजीना देरासरना.
	३ श्री नेमिनाथना गभारानी.
	४ श्री कल्याणपार्श्वनाथना गभारानी
	५ श्री कल्याणपार्श्वनाथना मेडा उपर
वडनगर	१ श्री आदिश्वरजीना मीटा देरासरना
	२ श्री चौमुखजीना देराना.
	३ श्री आदीश्वरजीना गभारानी.
	४ कुंथुनाथजीना गभारानी.
अहमदनगर	१ श्री महावीर देरासरना.
	२ घर देरासरना.
	३ अजितनाथना देरासरना.
सुरत	नेमुभाइनी वाडीना देरासरना.
	नवापुरा देरासरना.
	मोटी देशाईनी पोळ ,,
सादरा	
ओराण	श्वेतांबर देरु सुमतिनाथनुं.
छारा	
अलुवा	
वासणा	
घडकण	
रायपर	
साणंद	१ श्री पद्मप्रभुना देरासरना. २ श्री पार्श्वनाथजीना देरासरना.
पामोल	
गवाडा	
कोळवडा	

गेरीता	
प्रांतीज	दिगंबर मंदिर.
ओराण	१ दिगंबर मंदिर.
	२ पाषाणप्रतिमा मूळनायकजीनो लेख
पेथापुर	१ बावन जिनालय देरासर.
	२ पानाचंद जेरामनुं देरासर.
रांधेजा	१ शांतिनाथनुं देरु.
	२ घर देरु बलाखी दीपचंद
कलोल	
कडी	१ चिंतामणि पार्श्वनाथजीना मंडलीवाळा देरासरनो.
	२ संभवनाथजी मूळनायकवाळा देरासरजीनो.
	३ नीचे भोंयरामां प्रतिमाना लेखो.
भोयणी	
ईंदरोडा	
खेरालु	१ श्री आदीश्वरजीनुं देरुं.
	२ श्री पार्श्वनाथजीनुं देरुं.
वलाद	
(कूबा) कोबा	
पोर	
उवारसद	
अडालज	१ देरासर.
	२ वापीलेख.
झुंडाळ	

अमदावाद	हठीभाइनी वाडी	बावन जीनालयना.
	सोदागरनी पोळ	
	झवेरी वाडो	१ संभवनाथ जैन देरासर.
		२ महावीर स्वामी मूळ नायकवाळा गभारामां.
		३ भोंयरामांना पंचतीर्थी प्रतिमाना लेख.
		४ श्री सुपार्श्वनाथ मूल नायकवाळा गभारामांनी.
		५ चौमुख शांतिनाथनुं देरुं गभारानी
		६ श्री पार्श्वनाथ मूल नायकवाळा गभारामांनी.
	रीचीरोड	श्री महावीर स्वामीना देराना.
	शेखनो पाडो	१ श्री अजितनाथना देराना.
		२ श्री शांतिनाथना देराना.
	देवसानो पाडो	१ श्री पार्श्वनाथजीना देरासरना.
		२ श्री धर्मनाथना देराना. उपलो गभारो—नीचेनो गभारो.
		३ श्री शांतिनाथजीना देराना.
		४ श्री सीमंधर जिनना देराना.
	नीसा पोळ	१ श्री जगवल्लभ पार्श्वनाथजीना देराना
		२ श्री शांतिनाथना देराना.
	श्री शांतिनाथजीनी पोळ	श्री शांतिनाथजीना देराना
	सुतारनी पोळ	श्री अजीतनाथजीना देरासरना
	फतासानी पोळ	श्री श्रेयांसनाथजीना देराना लेखो

ईडर	१ मूल नायक सन्मुख धातु प्रतिमा मूल नायक उपर एक सरखा पांच लेख
	२ चौमुखजीनी बे प्रतिमाओ कुवा वाळा देरासरे
केशरीयाजी	१ केशरीयाजी पादुका लेख.
डुंगरपुर	१ डुंगरपुर पार्श्वनाथ जिनालय लेख.
पोशीना	१ पोशीना पार्श्वनाथी देरीओना लेखो.
वीरमगाम	१ श्री अजितनाथजीना देराना
	२ श्री शांतिनाथजीना देराना.
दशाडा	दशाडाना देराना.
संखेश्वर	१ श्री संखेश्वर पार्श्वनाथजीना देराना
	२ श्री संखेश्वरजीना जुना देरासरनी टुटी गयेली देरीओ उपरना लेखो
पाटण	१ पाटण कोटावाला बाबुनी धर्मशाळामां देरानो लेख.

जे जे गामोमांथी लेखो लीधा ते गामोनी यादी.

धातुप्रतिमा लेख संग्रह भाग १.

१ डभोई
२ गांभू
३ चवेली
४ वडावली
५ चाणसमा
६ अमदावाद
७ ऊंजा
८ पाटण
९ वाघपुर
१० माणसा
११ विजापुर
१२ लाडोल
१३ बामणवाडा
१४ संडेसर
१५ करबटीआ पेपरदर
१६ वालम
१७ वीशनगर
१८ वडनगर
१९ अहमदनगर (गुजरात)
२० सुरत
२१ सादरा
२२ ओराण
२३ छारा
२४ अलुवा
२५ वासणा
२६ घडकण
२७ रायपर
२८ साणंद
२९ पामोल
३० गवाडा
३१ कोलवडा
३२ गेरिता
३३ प्रांतीज
३४ ओराण
३५ पेथापुर
३६ रांधेजा
३७ कलोल
३८ कडी
३९ भोयणी
४० इन्द्रोडा
४१ खेरालु
४२ वळाद
४३ कोबा
४४ पोर

४५ उवारसद
४६ अडाळज
४७ इडर
४८ केशरीयाजी
४९ डुंगरपुर
५० पोशीना
५१ वीरमगाम
५२ दशाडा
५३ संखेश्वर

धातुप्रतिमा लेख संग्रह भाग २. तेमां जे गाम शहेरोना धा. प्र. लेखो लीधा छे ते ग्राम नगरनी यादी.

१ पादरा
२ दरापरा
३ वडोदरा
४ छाणी
५ मीयांगाम
६ भरुच
७ सीनोर
८ डभोई
९ नडीआद
१० खेडा
११ मातर
१२ खंभात

---

६५ बे भागना थईने कुल थया छे.

सुरत, अमदावाद अने पाटणना सर्व देरासरोना धातुप्रतिमाओना लेखो लेवाया नथी.

जैनप्रतिमालेखसंग्रह.

पादरा.

श्रीशान्तिनाथजिनालयना लेखो.

१. सं० १५७७ वर्षे माघवदि ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय दो० धरणा भा० जीविणि सु० सीधर रूपा सीधर भा० अजीकेन स्व आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीजिनहर्ष-सूरिभिः ललिवास्तव्य । पंचतीर्थी ।

२. सं० १५५३ वै० व० ११ शुक्रे स्तंभतीर्थे श्रीमाली सा० महिराज भा० प्र(गे)ली सु० य(म)दन भा० वीक(रु) लघुभा० महीया तेन स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथः का० पल्ली० कु० यु० शान्तिसूरि भा० गु० वृ० तपाभ० श्रीधर्मरत्नसूरिभिः । पंचतीर्थी ।

३. सं० १५०३ वर्षे माघवदि २ गुरौ श्रीप्राग्वाटज्ञातीय सं० लूणासु० सं० षोभासु० सं० सिंघाभार्या गोरी सु० सं० सहदेवेन भा० मदन वीरमदे प्रमुखकुटुंबयुतेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीजयचन्द्रसूरिभिः । चोवीशी ।

४. सं० १५६१ वर्षे माघवदि ८ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० भूंभाभा० वमकुसु० तेजाकेन पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे भ० श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः वीसरोडावा-स्तव्य । पंचतीर्थी ।

५. सं० १५०६ वर्षे पोसवदि ५ सोमे पाटरीवास्तव्यश्रीश्री-माल...धर्मणिपुत्र श्रे० डुंगरेण भा० हर्षादेसुपुत्रेण स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुवि-

श्रीचित्रावालगच्छे धारणपद्रीयभ० श्रीविजयदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भूयात् । पंचतीर्थी ।

६. सं० १५८८ वर्षे ज्येष्टवदि २ रवौ श्रीउकेशवालज्ञातीयवृद्धशाखायां जगाभा० मांणिकदे सुतमं० नाकर मं० शेषा मं० लालाश्रेयोऽर्थं लालाभा० खणदे सु० गांगा मांगा पोपट समस्तकुटुंबयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्री सूरिभिः गोठूआवास्तव्य । पंचतीर्थी ।

७. सं० १६४४ वर्षे ज्येष्टसुदि १२ सोमे श्रीगंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० मामाआभा० कोडाई सु० सांद्धतजी भा० ठकराणी का० श्रीशीतलनाथबिंबं प्र० च श्रीतपागच्छाधिराजजगद्गुरुबिरुदधारी विजयमानभट्टारकश्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकारश्रीविजयसेनसूरिभिः शुभं भवतु । पंचतीर्थी ।

८. सं० १५५९ वर्षे वैशाखसुदि २ श्रीप्राग्वाटज्ञातीयव्य० पेथडसंताने व्य० मंडलीकसुत व्य० ठाईआ भा० मणकाईसुत व्य० नरनदकेन भा०हरषाई सु०भास्वरप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअभिनंदनचतुर्विंशतिपट्टः श्रीआगमगच्छे भ० श्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० चेति शुभं श्रीगंधारवास्तव्य । चोविशी ।

९. सं० १४७८ वर्षे पोषशुदि १५ बुधे मोढज्ञातीय ठ० वहुरा भा० मनू पु० ठ० धर्मा भा० राणी सु० ठ० वरसिंहेन भार्या वमडू भ्रातृ नरसिंग रयणायर सुत समधर घोघर सहसा हांसा नागराज समस्तकुटुंबसहितेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यादिचतुर्विंशतिजिनपट्टकः कारितः प्रतिष्ठितस्तपाश्रीरत्नागरसूरिक्रमेण श्रीजिनतिलकसूरिपट्टे श्री ज्ञानकलशसूरिभिः शुभं भवतु । चोविशी ।

श्रीसंभवनाथजी महाराजना देहराना लेखो.

१०. सं० १५८७ शाके १४५२ प्र० व० पोषवदि ६ रवौ

श्रीकालुपुरे श्रीओशवंशे लघुशाखायां दो० वीपाभार्या कप्रवाई सुत तथा मंत्रिथावरभार्या भीमाई तया स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपागच्छे भ० श्रीधर्मरत्नसूरिपट्टे भ० श्रीविद्यामंडनसूरिभिः। पंचतीर्थी ।

११. सं० १६४३ वर्षे फागणशुदि ९ गुरु स्तंभतीर्थवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय सा० जगपाल भा० जासलदे सुत सं० जीतपाल सं० पुरदे सु० देवकरण सोमकरण आगमगच्छे श्रीसंयमरत्नसूरि तत्पट्टे श्रीकुलवर्धनसूरीणामुपदेशेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीरस्तु। पंचतीर्थी ।

१२. सं० १४९० वर्षे मार्ग० व० ९ सोमे ऊकेशज्ञा० श्रे० सांगण भा० मेलू सु० धना भा० वारु सु० हीराकेन भा० सहरु प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपा-श्रीसोमसुंदरसूरिभिः।

१३. सं० १३९४ ज्येष्ठशुदि २ शुक्रे श्रीनागर(? गेन्द्र)गच्छे श्रीप्रद्युम्नसूरि सं० नागरज्ञातीयमातासालूणादेवीश्रेयसे सुतजयंतसिंहेन श्रीचन्द्रप्रभबिंबं कारितं।

१४. सं० १४१० आषाढशुदि ६ शुक्रे सौराष्ट्रप्राग्वाट ठा० पेथासुत ठा० धाठसुतेन ठा० सामलेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० चित्रभ० श्रीधर्मचन्द्रसूरिभिः ।

१५. सं० १५६३ वर्षे आषाढशुदि ८ गुरौ पत्तनवास्तव्य ऊकेशज्ञातीय सा. चाहण भा० अमरी हेमाई सुत सा० वसुपालेन भ्रातृ भा० धपा रूपा स्वभा० पार्वती सुत पंचानन भ्रातृ भा० अवचादो पल्हाद्रित सुतादिकुटुंबयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छे श्रीनिगमप्रादुर्भावकपरमगुरुश्रीइन्द्रनन्दिसूरिभिः ।

१६. सं० १५७५ वर्षे ज्येष्ठशुदि ६ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० साजण भा० रनू सु० जना भा० जासलदे सु० समधर किकाकेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं चुविसवटकबिंबं श्रीसुमतिनाथस्य कारापितं प्र० पूर्णिमापक्ष भृगुकच्छियसागरदत्तसूरिभिः मातरग्रामे शुभं भवतु ।

१७. सं० १५०६ वर्षे फाल्गुणशुदि ९ शुक्रे ऊकेशज्ञातीय सा० लषीमसी भा० जेसू पु० भुंभव भा० पानू पुत्रसा० साभाकेन भा० कसादे पु० सा० माला भा० माणिकदे सा० मन्हा भा० सिरियादे पौत्र सा० गासि पासी हासी घरा चांपादिकुटुंबयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

१८. सं० १५२५ राउलश्रीसोमदासराज्ये ओशवंशे चक्रेश्वरीगोत्रे सा० साभा भा० कर्मादे पु० सा० साला सा० साल्हा सालाभा० सुक्तादे तल्लघुभ्रातृ सा० राल्ह भा० सिरियादे कोडिआदे अनुपमादेव्या पु० सिंघा भा० तिषूरंगादे साहा भा० सहवादेव्यादिकु० आंतरीग्रामे सिंघाभार्यया रंगादेव्या श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ।

१९. सं० १५२९ वर्षे वै० व० ४ शुक्रे पलांडागोत्रे ऊकेश सा० साभा भा० कर्मादे सु० सा० साल्हभा० सिरियादे सु० सा० सिंघाकेन भा० तरषूरंगादे शकतादे प्रमुखयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ।

दरापरा.

२०. सं० १३८६ वैशाखशुदि २ शनौ प्राग्वाटज्ञा० ठ० राजडभा० राजलदेवीश्रेयोऽर्थं सु० ठ० नोहणेन शान्तिनाथबिंबं कारितं.................श्रीमेरुतुंगसूरिशाखे प्र०.............प्रभसूरि ।

२१. सं० १५०७ फाल्गुणशु० ४ शुक्रे मुझिकपुरे श्री-श्रीमालीज्ञा० मं० जेसा भा० जासलदे सु० मं० पर्वतभा० भली पु० घुसाकेन भा० माद्रिप्रमुखयुतेन स्वपितुः श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ।

२२. सं० १३७० वर्षे आषाढवदि ९.............................. श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ।

२३. सं० १३४४ माघवदि ३ गुरौ श्रीनासरगनेन.......... आत्मपूजार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीप्रद्युम्नसूरिभिः ।

२४. सं० १३२३ ज्येष्ठशुदि १० पितामह................ श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० श्रीसूरिभिः ।

२५. सं० १३१३ माघवदि ९ सोमे श्रीनाणकीयगच्छे........ नथलाभा० नयण पु० जगपाल मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० सिधसेनसूरिभिः ।

२६. सं० १५०८ ज्येष्ठशुदि ७ बुधे श्रीमालवंशे लघुशाखायां मं० हीरा भा० साधु पु० मं० षोधलसुश्रावकेण भा० अकाई पु० जीवा भ्रातृहाजासहितेन भगिनीराजुश्रेयसे श्रीअंचलगच्छेशजयकेसरि-गुरूपदेशेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन चिरं नंदतु ।

२७. सं० १५८० वर्षे वैशाखशुदि १३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा०

सा० गणपति भा० रंगाई सु० सा० गोव्यंदभा० गुराइनाम्न्या सुत गुरायण हरिजी शंकर प्रमुखकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं प्र० श्रीपुण्यरत्नसूरिपट्टे श्रीसुमतिरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० च विधिना ।

२८. सं० १५६९ वर्षे माघशुदि १० रवौ स्तंभतीर्थनास्तव्य श्रीओशवालज्ञा० वृद्धशाखायां सा० खिमाभा० दुबी सु० सा० श्रीपाल भा० मणकाई सु० थावरेण भा० पुनाई पुत्रसा० जयवन्त सा० उदयवन्तयुतेन शान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः । चोवीशी ।

वडोदरा.

(मामानी पोळ-कल्याणपार्श्वनाथजी देहराना लेखो).

२९. सं० १५०९ वर्षे वै० सु० ७ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० हेमा भा० मेनू सु० वीराकेन स्वपूर्वजपितृमातृभ्रातृपुत्रआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः वडालवास्तव्य ।

३०. सं० १३७६ माघव० १२ बुधे श्रीमालज्ञा० ठ० सोमाभा० कपूरी सु० वीकम भा० वीजलदेवि ठ० सलषा आह्लाभ्यां एतेषां श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीजिनसिंघसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसूरिभिः ।

३१. सं० १५१८ ज्ये० व० १० प्राग्वाट मं० मोइआ भा० झबकू सु० मं० हरपति भा० माधूनाम्न्या पु० जुठा सारंग जोगादि कुटुंबयुतया पुत्ररामदासश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्री लक्ष्मीसागरसूरिभिः ।

३२. सं० १५१३ वैशाखवदि ९ शनौ श्रीश्रीवंशे सं० झांझण भा० मापुरि पु० सं० लाषासुश्रावकेण भा० जीविणि पु०,

माणिक सीधर प्रमुखकुटुंबसहितेन मातुः पुण्यार्थ श्रीशान्तिनाथबिंब का० प्र० चैत्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिसंताने श्रीरत्नदेवसूरिभिः ।

३३. सं० १५१९ वर्षे ज्ये० शु० ९ प्राग्वाटश्रे० भीमा भा० भावलदे सु० लाषाकेन भा० लींबी पु० वरसिंगादिकुटुंबयुतेन निज-श्रेयोऽर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः गुणवाटकवास्तव्यः ।

३४. सं० १५२४ वर्षे पोषवदि ५ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० लषमण भा० लाछलदे सु० देवाईत भा० मटकू पितामहपितामही-पित्रोः श्रेयसे सु० गेभामेघाभ्यां पितृव्यसा. हर्षूयुताभ्यां श्रीसंभवनाथबिंबं का० पूर्णि० भीमपल्लीयभ० श्रीपासचन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीजयचन्द्रसूरीणा-मुपदेशेन प्र० पत्तनवास्तव्यः ।

३५. १६५६ व० वै० शु० ७ बुधे मोढज्ञा० श्रीकान्हबाईनाम्न्या श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपगच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ।

३६. सं० १५२९ वर्षे फा० व० ३ सोमे प्राग्वाटमं० देवा भा० झबकू सु० पोपटेन भा० मानू पु० कान्हाकेन युतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः। श्रीः ।

श्रीमहावीरस्वामिना देहराना लेखो.

३७. सं० १५१० वर्षे द्वितीयज्येष्ठ शु० ३ दिने श्रीश्रीमाल श्रे० भूमा भा० बहलीपुत्र्या श्रेयोर्थिन्या श्रे० जेसल भा० चारू सु० श्रे० ठाकरसी भा० रूपिणिनाम्न्या सु० देवा मोरा कर्मणयुतया श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

३८. सं० १३८३ वर्षे माघशु० ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० पितृवीकममातवील्हणदेश्रेयसे सु० वयरसीहेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० हारीज(?)गच्छे श्रीमहेन्द्रसूरिभिः ।

३९. सं० १६१६ वर्षे वै० शु० १० रवौ श्रीमरघाईश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ।

४०. सं० १४४९ वर्षे का० व० ११ रवौ प्राग्वाटज्ञा० महं० सलखा भा० सलपणदे सु० मं० भादाकेन श्रीआंचलिकश्रीमेरुतुंगसूरीणामुपदेशेन आत्मश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ।

४१. सं० ....८०२ नी० म० सु० ९ वा भोमे ऋषभदेवजी प्रतिष्ठा भ० हेमसूरि.

४२. सं० १३६३ वर्षे वै० शु० ९ बुधे गूजर श्रेष्ठिजइता सु० आल्हण सा० श्रे० भ्रातृआमसाहेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री सूरिभिः ।

४३. सं० १४६८ वर्षे वैशाख शु० ३ गुरौ प्राग्वाटवं० मं. सामंत भा० ऊमल पु० मं० धर्मसीह भा० धर्मादे पु० मं. राउल वडूयाभ्यां श्रीशांतिनाथस्य बिंबं पंचतीर्थीरूपं श्रीमेरुतुंगसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीसूरिभिः ।

४४. सं० १५६६ वर्षे माहवदि २ रवौ ओशवालज्ञा० छाजहडगोत्रे सा० हरषा भा० संपूरी सु० सा. वरजांग भा० पारवती सु० हेमा कला हचा सोढा श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीपल्लीवालगच्छे भ० उद्योतनसूरिभिः कमरगिरिस्थाने ।

४५. सं० १५४३ व० वै० शु. ३ दिने श्रीश्रीमालज्ञा० मं० अदा भा० वीझू सु० वच्छराज भा० हूताईनाम्न्या श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपाश्रीउदयसागरसूरिभिः । श्रीगंधारमंदिरे ॥

४६. सं० १५०९ वामईयाप्राग्वाटदो० सांगाभा० सिंगारदे पु० शिवाभार्यया श्रे० दूदादेवलदेपुत्र्या धरपूनाम्न्या पु० नाथाश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीजयचंद्रसूरिराजैः ।

४७. सं० १३६९ वर्षे पितृ राजा..............सुत वीजा अभयसीहाभ्यां बिंबं कारितं पिप्पलाचार्यैः श्रीजिनदत्तसूरिशिष्यैः (?) श्रीआमदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

४८. सं० १२२२...

४९. सं० १३९१ माघशु० ६ रवौ श्रीमालज्ञा० पितामह सीहडपितृसोममातृहीरलश्रेयसे पु० ठ० साजणेन श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे भट्टा० श्रीहरिप्रभसूरिशिष्यश्रीधर्म्मदेवसूरिभिः ॥

५०. सं० १५०४ वर्षे फागु० व० ९ सोमे ऊकेशज्ञा० सा० गोपा भा० रूडी पुत्ररूल्हाठाकुरभ्यां सहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरिणामुपदेशेन श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठित च।

५१. सं० १५३५ माघशु० ९ सोमे श्रीओसवंशे मांडउत्र-गोत्रे सगशाखीय साहदेवसीसुत साहपरबतपुत्र साहवीरमभार्याधनीपुत्र साहसालिगकेन भा० नाकूयुतेन सा० गंगदासनिमित्तं श्रीसुमतिनाथ-मुख्य..

(गच्छ, आचार्य विगेरेनां नामो कोइ द्वेषीए पाछळथी घसावी नाखेल छे.)

कोठीपोळ, श्रीशान्तिजिनालयना लेखो.

५२. संवत् १४२९ वर्षे ज्येष्ठवदि........प्राग्वाटज्ञातीयव्यव० कोकाभार्या राजलदे.....................तिहुणदे सुत...................... अमीपालेन श्रीपार्श्वनाथचतुर्विंशतिः कारिता प्रति० श्रीरत्नागरसूरिपट्टे श्रीहेमचंद्रसूरिभिः ॥

५३. सं० १५०४ माघशु० १३ गुरु वीरमग्रामवासिप्राग्वाट सं० गेला भार्याधारूसुत सं० सलषाकेन भार्याकर्म्मणिपुत्रधर्पसीनारदादि-

कुटुंबयुतेन निजश्रेयोथ श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छेश श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

९४. सं० १५११ वर्षे माघव० १ चांगव(?)द्रवासि ऊकेशश्रे० हरिभ्रम भा० मूंजी पुत्रश्रे० राघवेन भ्रातृमहिपाहापाभा० करणूजइतूहीरादेव्यादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे गच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९५. सं० १५११ वर्षे फागुणवदि २ सोमे उपकेशज्ञा० व्य० दामा (?) भा० सूहवदे पु० राजसी भा० रांभलदे पुत्र सधारणमलदेवाइतयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्र० ब्रह्माणीयगच्छे भ० श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

९६. सं० १५१६ वर्षे आषाढसु० ९ शुक्रे वीजापुरवासिश्रीओसवालज्ञाति सा० अर्जन भा० अहिवदे सुत गजाकेन भा० माणिकि सुतवर्द्धन प्र० कुटुंबयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः॥

९७. संवत् १५१७ वर्षे पौषवदि ५ गुरू श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिदेवसीभार्या अरघूसुतमूलाकेन मातृपितृश्रेयसे श्री सुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभिः सीतापुरवास्तव्य ।

९८. संवत् १५२० वर्षे ज्येष्टसुदि १० बुधवारे श्रीश्रीमाल ज्ञा० सा० साभा भा० रांभ सु० सा० कडूआकेन आत्मश्रेयसे श्री मुनिसुव्रतबिंबं कारापितं प्र० पू० श्रीगुणसुंदरसूरिणामुपदेशेन ॥

९९. स्वस्ति संवत् १५२९ वर्षे ज्येष्टवदि ७ गुरौ स्तंभतीर्थे उसवालज्ञातीय साहदेवराज सु० सा० आसपालरू० अमरी सु० हेमराजेन स्वपित्रोः श्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं । प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ।

६०. सं० १५३४ वर्षे माहसुदि १३ शुक्रे मगोडीवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० नरपतिभार्यानागलदेसुतसा० श्रीपालेन भार्या सिरिआदे भ्रातृनाथादिकुटुंबयुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीउदयसागरसूरिभिः ॥ श्रिये भूयात् ॥

६१. संवत् १५९३ वर्षे माघसु० १ बुधे प्राग्वाटवंशे सा० हरदासभार्या करमादे पुत्रसाहवर्द्धमानभार्या चांपलदे पुत्रसा० वीरपाल-सुश्रावकेण भार्याविमलादे लघुभ्रातृसाहमांकासहितेन श्रीमदंचलगच्छेश-श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६२. संवत् १५ आ० ९१ वर्षे वैशाषवदि २ सोमे श्रीश्री-मालीज्ञातीयमं० हीराभा० हेमादे पु० मं० लकाकेन भा० रत्नादे पु० भाऊआप्रमुखसमस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यमुख्यचतुर्विं-शतिपट्टः कारितः । श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयभ० श्रीचारित्रचंद्रसूरिपट्टे श्रीमुनिचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितः बारेजाग्रामवास्तव्य ॥

६३. सं० १६२४ वर्षे मा० शु० ६ सोमे श्रीअहम्मदावा-दवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखासा० जागाभार्यापद्मीसुतसा० सह-सवीरेण भार्यारजाईसुत सा० देवचंद सा० सूरज सा० वच्छराजप्रमु-खकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराज श्रीविजयदानसूरिपट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः शुभं भवतु ।

६४. सं० १६५४ वर्षे माघव० ९ रवौ श्रीअंचलगच्छे श्री धर्म्ममूर्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमालीज्ञातीय श्रे० रीडाभार्याकोडमदे-कस्य भत्रीज श्रे० लद्धजी श्रे० भीमजीकेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं प्रतिष्ठा-पितं गांधीहांसाप्रतिष्ठायां अलाई ४२ वर्षे ।

६५. संवत् १६९३ वर्षे फाल्गुनशु० १२ शनौ श्रीस्तंभतीर्थवास्त. भात्रर सा० व्यव. वा० हीराइनाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छे महातपाबिरुदधारकभट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ।

पटोळीआपोळ, मनमोहनपार्श्वनाथजीना देहराना लेखो.

६६. सं० १५१२ वर्षे श्रीपत्तनवासिप्राग्वाटज्ञा० श्रे० षीमा भा० जासू पु० नारदेन भा० कुंयरियुतेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं स्वपितृश्रेयसे प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

६७. सं० १३८७ वर्षे माघशु० ५ सोमे डायस(?) ज्ञा० वीसल श्रे० सु० सुनातसिंहेन श्रीआदिनाथबिंबं का० नागेन्द्रगच्छे प्र० श्रीहेमचन्द्रसूरिभिः ।

६८. सं० १५६३ वर्षे विशाखसु० ११ शुक्रे श्रीउकेशसा० मेघा भा० षीमी पु० सा० श्रीपालसुश्रावकेण भा० कीवाइ भ्रातृव्य सा० कोचा भा० सामा सा० सिंहसीप्रमुखकुटुंबसहितेन भा० कीवबाइ श्रेयोऽर्थं श्रीसूरीणामुपदेशेन श्रीअनंतनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीथनगरे ।

६९. सं० १५१५ वर्षे वै० शु० १३ दिने उकेशज्ञा० श्रे० गागा भा० वासू सु० आसी गणिआ गगाकेन जा० (भा०) माजू मनू पु० धनानाथादिकुटुंबयुतेन निजमातृश्रेयसे श्रीधर्मबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिश्रीमुनिसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

७०. सं० १५७३ वर्षे फाल्गुणसु० २ रवौ श्रीसावडहारज ओसवालज्ञ० षांटड़गो० सा० षेता भा० षितु पु० वीरसिंहकेन भा०

बगू पुत्रि(त्रि)का स्वकु० यु० स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीविजयसिंहसूरिभिः । श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ।

७१. सं० १४९९ वर्षे का० सु० १२ सोमे प्राग्वाटवंशे विसा २० सा० द्रोणशाखायां सा० सोला पु० सा० षीमा पु० सा० उदयसि पु० सा० लडा पु० झांबंट भा० माल्हदे पु० सा० पारासापहिराजाभ्यां अंचलगच्छेशश्रीजयकीर्तिसूरीणामुपदेशेन निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० च श्रीसंघेन ।

७२. सं० १२९९ वैशाखशु० ३ प्राग्वाटज्ञा० कुणपालेन पितुः श्रे० राणकस्य श्रेयोऽर्थं पार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री........गच्छे श्रीप्रद्युम्नसूरिभिः ।

७३. सं० १४८७ वर्षे माघसु० ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० वीरधवल भा० वीजलदेसु० भूंभत्रेन भा० भाभलदेप्रमुखकुटुंबसहितेन स्वपुण्यार्थं संभवनाथबिंबं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीसंघेन ॥

७४. सं० १२८७ चैत्रव० १ गुरौ वोराफद्रिय (?) गोत्रे ठं० सोला भा० म० सु० राजकेन श्रीशान्तिनाथप्रतिमा का० प्र० च श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ।

७५. १३०८ वर्षे विशाखव० ५ गुरौ भिल्केन मातृप्रहलादेवी श्रेयोऽर्थं........बिंबं का० श्रीसूरिभिः ।

७६. सं० १३९३ वर्षे फाल्गुणशु० ८ रवौ श्रीगूर्जर सा० ठ० रोता भा० बा० प्रतापदेव्याः सु० मं० देवसिंहेन मातृपित्रोः श्रेयसे श्रीयुगादिनाथबिंबं का० प्र० श्रीहंसराजसूरिभिः ।

७७. सं० १५१५ वर्षे माहसु० ११ भूमे ऊकेशवंशे साहूसषागोत्रे साहूसुइ भा० सोनलदे पु० सा० देवदत्त भा० रत्नाइ पु०

सा० हरखासहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरि तत्पट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः।

७८. सं० १३७७ वर्षे चैत्रवदि ८ शुक्रवारे श्रीऊपकेशज्ञा० सा० तुडा सु० ....सुयप भा० साभू पु० षीमानामालषमावाइप्रती आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० ।

७९. सं० १२९३....शुदि १० रवौ........श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीजिनसूरिसंताने श्रीसदनसूरिभिः।

८०. सं० १५१८ वर्षे शाके १३ प्रवर्तमाने चैत्रशु० तृतीया-दिने ओसवालज्ञा० साहझपा पु० चिकासा० शीवा भा० शवादेव्या आत्मपुण्यार्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० धर्मघोषगच्छे श्रीविजयचन्द्र-सूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः । शुभं भवतु ।

८१. सं० १३८९ वर्षे वैशाखशु० ६ बुधे श्रीनिवृत्तिगच्छे हूवट(हुंबड)ज्ञा० पितृषीमडमातृषीमलदेश्रेयसे श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीपार्श्वदत्तसूरिभिः ।

८२. सं० १५०९ फाल्गुणव० ८ गुरौ तिपलगोत्रे सा० मूंघडसंताने लखा तत्पुत्रकर्मसी तत्पु० ती....पु० खितावीराभ्यां निजश्रे-यसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० त० ग० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंस-सूरिभिः ।

८३. सं० १३७३ वि० शु० ७ सोमे मोढज्ञा० ठ० षीमा-केन पिताठ०वरदेवमाताहीरलश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीमेरुतुंगसूरिशिष्यश्रीमेरुप्रभसूरिभिः ।

८४. सं० १५१३ वर्षे पोषव० ५ रवौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञा० श्रे० वाच्छा भा० वाच्छु सु० सहसा पितृव्यमेघा भा०

रूपिणिनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिभिः ईषूाडग्रामे ।

८५. सं० १५४७ वर्षे वै० शु० ६ शुक्रे भा० पांत्रा भा० चमकू सु० भा० महीया सु० सोमादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० च श्रीक्षेत्रवास्तव्यः ।

८६. सं० १४८८ वर्षे वैशाखे प्राग्वाट सा० पाल्हा सु० रामा षीमा भ्रातृ मामाभा० जीवाणिनाम्न्या स्वभर्तृश्रेयसे श्रीमल्लिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ।

८७. सं० १४९३ वै० शु० ३ श्रीश्रीमाल मं० तांचख भा० पचू मं० हांपाकेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छेशश्रीसोमसुंदरसूरिगुरुभिः । श्रीः ।

८८. सं० १४८७ वर्षे मार्ग. सु०..........भावसार पांचा भा० जयती पु० भा० सारंगेण भा० लहकू पु० साईआदियुतेन पितृश्रेयसे सुपार्श्वबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः श्रीः ।

८९. सं० १४०८ वर्षे आषाढव० ९ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० डुंगर भा० हीरादे पु० वेलाकेन भा० वीजलदेसहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीजयशेखरसूरीणामुपदेशेन ।

९०. सं० १५७७ वर्षे ज्येष्ठशु० ५ शनौ वारे प्राग्वाटज्ञा० दो० वच्छा भा० राजति पु० दो० सीपा श्रीराज श्रीरंग शाणा सिवाप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः प्र० ।

९१. सं० १५१३ वर्षे पोषव० ९ गुरु श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे०

गांगच भा० वानू सु० आयाकेन श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीमुनिसुंदरसूरीणामुपदेशेन।

९२. सं० १४७१ वर्षे माघशु० १० शनौ प्राग्वाटवंशे विसा० २० व्य० दोणशाखा ठ० सोला पु० ठ० षीमा पु० ठ० उदयसिंह पु० ठ० लडा भा० हकू पु० सा० झांबटेन श्रीअंचलगच्छे श्रीमही-तिलकसूरीणामुपदेशेन पित्रोः श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबमुख्यश्चतु-र्विंशतिपट्टः का० प्रतिष्ठितश्च।

९३. सं० ११९६..................श्रीवासुपूज्यबिंबं का० महासुदि १२।

९४. सं० १३३८ ज्येष्ठसु० १२ बुधे श्रीगल्लकज्ञा० ठ० राणाकेन निजपितुः ठ० आसपालस्य श्रेयोर्थं श्रीचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीउदयप्रभसूरिशिष्यश्रीमहेन्द्रसूरिभिः प्रतिष्ठितः।

श्रीआदीश्वरजीना देहराना लेखो.

९५. सं० १९४२ वर्षे वै० सु० १ गुरौ सांडीयागोत्रे गूर्जर ज्ञा० मं० आभा भा० जसोदई सु० मं० कान्हा भा० पातीनाम्न्यापु० पौत्रचकुटुंबयुतया स्वभर्तृश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० आगमगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः।

९६. सं० १४७९ वर्षे माघव० ९ शुक्रे ऊकेशवंशे ठ० खी-मसी भा० जवनू सु० ठ० सु० भूभचेन भा० सुहगदे पु० साभा वीभा भोगी वीछी वानादियुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र०....गपिति।

९७. सं० १२३० वर्षे माघशु० १ बुधे थखंडीग्रामे धीरा ठ० धीपु भा० मां....सु० जागपालेन श्रीशान्तिनाथप्रतिमा का० वादिना।

९८. सं० १५१५ वर्षे माघशुदि ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० सिंघा भा० सहजलदे सुतचोटाकेन सुतसहिजासरवणादिस्व-कुटुंबयुतेन स्वभार्याअमकूश्रेयसे श्रीधर्मनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीपिप्पलगच्छे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥ शुभं भवतु ॥

९९. सं० १५०४ वर्षे फागुणशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिवाघाभार्या हांसी सुतसमधरेण भा० रूपणिसहितेन पितृमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथप्रमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः ॥ श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयश्रीपासचंद्रसूरिपट्टे श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितः॥

१००. संवत् १५७० वर्षे पोषवदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व० माला भा० माल्हणदे सुत जीवा पु० जयवंत श्रीवंत उदयकर्ण व० विदा(द्या)धरन० सहितेन कुटुंब० श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आग० शा(?)कुमारसूरिभिः । अहिमदावादवास्तव्यः ॥

१०१. सं० १५७३ वर्षे माघवदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० देधर भा० मचकू सु० जावड भावड जइताकेन ओ० भावडश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्रति० पूर्णि० प्र० भट्टारकश्रीदेवेन्द्रसूरिभिः। घोघा ७४ श्री ॥

१०२. सं० १३३४ वर्षे वैशाखवदि ४ गुरौ [हीरा पु० वीजाकेन]..नाथ का० प्र० श्री भ० त० (भाव)देवसूरिभिः ॥

१०३. सं० १५०३ वर्षे प्रा० ज्ञातीय सा० लाखा भा० लहकू पुत्र सा० धरणाकेन भा० शाणी पु० कुंरपालनरपालादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचन्द्रसूरिभिः । कल्याणं ॥

१०४. सं. १४१० वर्षे पोषसु० ११ शु० श्रीमालज्ञा०

पितृपाल्हा मातृमाल्हणदे सुतेन..........................श्रीपार्श्व-
नाथबिंबं का० मड्डकरगच्छे प्र० श्रीगुणप्रभसूरिभिः ॥

१०५. सं० १५०४ वर्षे माहशुदि ६ गुरौ प्रा० ज्ञातीय हादाभार्या हांसलदे सुत कडूया रामसी लालाकेन पितुः पितृव्यचूणानिमित्तं च श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसाधुपू० भ० श्रीश्रीरामचंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः ॥

१०६. सं० १५४३ व० वै० शु० ३ दिने श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० भोजा भा० वीजू सु० वीरपाल भा० अधिकूनाम्न्या श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीबृहत्तपाप० श्रीउदयसागरसूरिभिः॥श्रीगंधारमंदिरे॥

१०७. सं० १५११ पोषवदि ६ गुरौ श्रीहुंबडज्ञातिफ० देवराज भा० वनू सुत हावा भा० जयतू धाराकेन हावाश्रेयोनिमित्तं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं बृहत्तपा प० भ० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१०८. सं० १४१० वर्षे वै० शु० १२ श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ पिल्हा मातृपिल्हमदेवी सु० मेघाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीपुन्यप्रभसूरिभिः ॥ (?)

१०९. सं० १५[१]८ वर्षे माघवदि ९ भोमे श्रीश्रीमालज्ञा० ठ०....................सु० ठ०....................श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० भ० श्रीश्रीसाधुरत्नसूरिभिः प्र० कल्याणं ।

११०. सं० १३९६ वर्षे माघसु० ६ बुधे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० दमाल सु० ठ० जोगी ठ० धरणाभ्यां मा(भ्रा)तृव्य सा० ठ० सरसश्रेयसे श्रीमल्लिनाथबिंबं का० प्र० सूरिशिष्यश्रीशान्तिप्रभसूरिभिः ॥

१११. सं० १३७३ वै० शु० १३ प्राग्वाटज्ञा० पोल भा० देमति पु० राणकेन मा..................श्रीश्रेयसे श्रीशान्ति० का० प्र० ....श्रीचंद्रसूरिभिः ॥

११२. सं० १५९८ वर्षे फागुणसु० ८ सोमे ओसवालज्ञा० व्य० वाला भा० वीजलदे पु० वझाग भा० लषीनाम्न्या स्वभर्तुः श्रेयसे श्रीसंभवनाथमुख्यपंचतीर्थीबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयभ० श्रीचारित्रचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीमुनिचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना सलषणपुरवास्तव्यः ॥

११३. सं० १६६२ वर्षे वै० शु० २ बुधे................ वास्तव्य..................भा० हीरादे प्रमुखसकलकुटुंबयुतेन महामहोत्सवेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० च तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिशिष्य-श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

११४. सं० १५२४ वर्षे वैशाखशुदि सोमे अहमदावादवास्तव्यः श्रीश्रीमालज्ञा० श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टारकश्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

११५. सं० १६०५-वर्षे वैशाखशुदि ७ सोमे स्तंभतीर्थवास्तव्यः गरहणुआ भा० हीरादेवीश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीश्रीविशासोम(? विजयसेन)सूरिभिः श्रीरस्तु ॥

११६. सं० १२९० व० माघसु० १२ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा०...............पिता पितामहश्रेयोऽर्थं सु० व०............... श्रीसुमतिनाथबिंबं का० ॥

११७. सं० १५१७ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीपत्तनवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० श्रे० पाल्हा भा० वरजूदेवी कुक्षिगदे वरजूपु० श्रे० वासणेन भा० अमरीयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं स्वश्रेयसे का० प्र० वृ० तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

११८. सं० १३९७ श्रीगूर्जरज्ञा० सूरापुत्र्या वा० कामलय। श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीकर्पूसेन (?) सूरिभिः ॥

नरसिंहजीनी पोळ, दादापार्श्वनाथजीना देहराना लेखो.

११९. सं० १४८५ वर्षे माघवदि ५ गुरौ हुंबडज्ञातीय कमले भार्या हेली सतसगोत्रे श्रे० कणा भार्या.................कारापितं श्रीपूलंघतिलके देत्रायगणेयः वुस्तके गच्छे भुविललितकीर्तिशिष्यः ख्यातः कल्याणकीर्त्तिगुरुः । तदुपदेशतः ॥

१२० सं. १४६९ वर्षे श्रीऊकेशवंशे सा० धीनाभार्या धनसिरि सुतसा० भोजराजेन भार्याभोजसिरिसहितेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीदेवसुंदरसूरिराजशिष्यश्रीगुणरत्नसूरिभिः ॥

१२१. सं० १५२७ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सा० वाघू भा० कपूरी सु० अमीपाल भा० अमरादे अपरमातृश्रेयसे सु० तेजाकेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० पिप्फलगच्छे प्रतिष्ठितं श्री रत्नदेवसूरिभिः ॥ श्रीअहिमदावादवास्तव्यः ॥

१२२. सं० १४५३ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ.......... ज्ञातीय श्रे० वीकमसी सुत सोमा सुत जाला भार्या बा० पातू सुत कुजापूजाकेन पिता न(नि)मितं(त्तं) श्रीआदिनाथबिंबं कारितं [प्र०] श्रीवायडगच्छे श्रीराशिलसूरिपट्टे श्रीजीवदेवसूरिपट्टे श्रीजिनदत्तसूरिभिः ॥

१२३. संवत् १५४९ वर्षे माघशुदि ९ सोमे श्रीकोरंटगच्छे ओसवालज्ञा० ध्रुवगोत्रे श्रे० कालू भा० डाही पु० नाथा भा० नाथी सु० रत्नपाल सहजा वीरपालयुतेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीसावदेवसूरिपट्टे श्रीरत्नसूरिभिः ॥ शुभं भवतु ॥

१२४. सं० १५७७ वर्षे पो० व० १२ शनौ श्रीहूं० ज्ञातीय मंत्रीश्वरगोत्रे गां० देवसी भा० जीवी सु० गां० सिंघा भा० हीरादे

सुत कल्याणमल सु० राउल प्र० श्रेयोऽर्थं श्रीअरनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीवृ० श्रीधनराजसूरिभिः ॥

१२५. सं० १५११ वर्षे वैशाखशुदि ३ श्रीश्रीमालज्ञा० मं० जेसा भा० जरा(स)मादे सुतवाघाकेन भा० आसी सुतगोईआ बलराज अमरादिकुटुंबयुतेन स्वपितृश्रेयसे श्रीविमलनाथादिपंचतीर्थी कारिता आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठिता च। वाल-घेरावास्तव्यः ॥

१२६. सं० १५०८ वर्षे आसाढशुदि २ सोमे स्तंभतीर्थ-वास्तव्यश्रीओसवालज्ञातीय सा० पाल्हाभा० देमाई सुतधीराकेन भगिनी रूपाई भार्या कपूराई प्रमुखकुटुंबयुतेन निजपितृश्रेयसे श्री वासुपूज्यबिंबं कारितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुंदरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१२७. संवत् १३३० वर्षे चैत्रवदि ७ शनौ पितामहव्यव० सधारणश्रेयोऽर्थं पितृव्यव० लाषण मातृव्यव० लखमादेविश्रेयोऽर्थं च युक० व्यव० पाल्हणप्राल्हूणाभ्यां श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रति-ष्ठितं सूरिभिः ॥

१२८. सं. १५११ वर्षे वैशाखशुदि १५ सोमे श्रीमूल-संघे बलात्कारगणे सरस्वतीगच्छे भ० श्रीकुंदकुंदाचार्यान्वये भ० श्रीस-कलकीर्त्तिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीभुवनकीर्त्तिगुरोरुपदेशात् हूंबडज्ञातीय श्रेष्ठिनरसिंगभार्या चांपलदे सुत श्रे० ठाकरसी भा० हरषू सुत साईआ साल्हा संघवी परबत भार्या हूबी एते श्रीयुगादिदेवाष्टप्रतिहार्य-चतुर्विंशतिकां नित्यं प्रणमंति। शुभं भवतु ॥

१२९. सं० १५२९ वर्षे महाशुदि १० सोमे श्रीमूलसंघे सर-स्वतीगच्छे बलात्कारगणे श्रीकुंदकुंदाचार्यान्वये भ० पद्मनंदिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीसकलकीर्त्तिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीविमलेंद्रकीर्त्तिभिः श्रीअजितनाथ-

चतुर्विंशतिका प्रतिष्ठिता । हूंबडज्ञातीयमं० वाघा भा० रूपिणि सु० सं० गोधा भा० लाकू सु० सिवा भा० सहिजलदे सु० हरदास जिणदास महिपाल हरपाल जगपाल एते नित्यं प्रणमंति ॥ श्रीः ॥

१३०. सं० १४८३ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ ओ० ज्ञा० गो० आल्हा भा० सिंगारदे पु० वरसिंघ सूदाकेन पितृमातृश्रेयसे श्री चंद्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीजीरापल्लीगच्छे भट्टारकश्रीसालिभद्रसूरिपट्टे भ० श्रीउदयरत्नसूरिभिः ॥

१३१. सं० १३३९ चैत्रवदि ९ पल्लीपा(वा)लज्ञातीय श्रे० साहा सहजमल्लो मातापित्रोः श्रेयोऽर्थं च पुत्रपद्मलपद्माभ्यां श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयसेनसूरिशासने श्रीउदयप्रभसूरिभिः॥

१३२. सं० १३६३ वैशाखशुदि ९ बुधे श्रीभावडारगच्छे भा० अजुन भा० आल्हणदेवि पु० सांगणेन मातृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीवीरसूरिभिः ॥

१३३. सं० १२९४ वर्षे आसरा मातृराजूश्रेयोऽर्थं सुत पद्मसिंहेन श्रीऋषभदेवबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं छत्रापल्लीयश्रीपद्मप्रभसूरिभिः॥

१३४. सं० १५२१ वर्षे माघशुदि १३ गुरौ उपकेश० खीमा भा० लखणीपुत्र ऊगाभा० आल्हणदे पु० ऊदा षीदा पिथा स्वश्रेयसे श्रीवासुपुज्यबिंबं का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीसालिसूरिभिः ।

१३५. सं. १४८९ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० कर्मसी भा० कर्मादे सुतवरसिंहेन भा० आसू सुतभादादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१३६. सं० १५४२ वर्षे वैशाखशुदि २ गुरौ गंधारवास्तव्यः श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० धणपाल सु० दो० अभयसी सु० दो० महिज भा० भाकू सु० नगराज भा० जसाई सु० माणिक भा० लखी एतैः

स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रथम आगमगच्छे श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१३७. सं० १५२० वर्षे मार्ग. शुदि ९ शनौ श्रीप्राग्वाटज्ञातीय मं० राउल भा० फालू सुत नारद भा० अमकूसुश्राविकया सुतपहिराज त्रंबकदासयुतया स्वभर्त्तुः श्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरिणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

१३८. सं० १५११ वर्षे ज्येष्ठवदि १० सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० भोटू भा० पाल्हणदे सु० नउलाकल (?) भा० तेजू भ्रा० झांझणदूमणयुतेन पितृश्रेयोऽर्थे श्रीश्रेयांसबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसागरसूरिपट्टे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रति० विधिना ॥

१३९. सं. १४८६ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० माकाभा० शाणी सु० मूला भा० हीरू भ्रातृभोलायुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसागरसूरिश्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

१४०. सं० १५१९ वर्षे..............शु० ज्ञा० व्य० ....सु० व्य० दूला भा० हली पुत्रजूठाकेन भा० देपू प्र० कुटुंबयुतेन पितामहश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१४१. सं० १४०८ वर्षे श्रीप्राग्वाटज्ञातीय महं धरणिग प्रिया सुहागदे तयोः सुत जसादा एतेषां श्रेयसे वधूसरिणि श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारिता ॥

जानीशेरी, श्रीचन्द्रप्रभजिनालयना लेखो.

१४२. संवत् १६४२ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ सोमे श्रीश्रीमालवृहद-

ज्ञातीय सा० राणाभार्या राजलदे सुत सा० धीवर स्वश्रेयसे श्री विमलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीमत्तपागच्छाधिराजश्री५श्रीहीरविजयसूरिराजश्री५श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

१४३. संवत् १३८७ वर्षे माघशुदि १० शनौ श्रीउपकेशगच्छे खुरियागोत्रे सा० धीरात्मज सा० झांझणभार्या जयतलदे सुत छाडाआसाभ्यां मातृपित्रोः श्रे० श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्री ककुदाचार्यसंताने प्रभुश्रीकक्कसूरिभिः ॥

१४४. संवत् १५३१ वर्षे वैशाखवदि ८ शुक्रे श्रीकाष्टासंघे नंदीतटगच्छे भ० श्रीसोमकीर्तिशिष्य आ० श्रीवीरसेन युक्ते प्रतिष्ठितं। नारसिंहज्ञातीयहद्धसोहगोत्रे व० हापा भा० रूपिणि सुत मनाभा० अमकू सुत गांगा श्रीवासुपूज्यं प्रणमति ॥ गमीध ॥

१४५. संवत् १५२३ वर्षे वैशाखशुदि ३ लाडुश्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० हरखचंदभा० हांईपुत्र्या श्रे० चांगाभार्या श्रीनोडीनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टप्रभाकरश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ आमलेश्वरग्रामे ॥

१४६ सं० १४४७ वर्षे फागुणशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयठ० मंडिलकभा० बा० तेजलदे सुत संघवी धर्मसी सं० सूरा सं० परवतनामइ सं० देवराजबिंबं कारापितं ॥ तपागच्छे भट्टारकश्रीदेवसुंदरसूरिभिः ॥

१४७. सं० १३३१ वर्षे वैशाखवदि ७ षडायंशज्ञातीय ठ० जयतसिंह भा० जयतूव्यवहारिकया पुत्रव्यव० भाचाप्रभृतिकुटुंबसमन्वितया आत्मश्रेयसे श्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः ॥

१४८. संवत् १५२४ वर्षे खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिआदिः मुहतागोत्रे स० भीमसी भा० नायकदे । अंबिकादेवी कारापिता ॥

जानीशेरी, श्रीआदीश्वरजिनालयना लेखो.

१४९. सं० १५२१ वर्षे ज्येष्ठशुदि ४ मंडपदुर्गे प्राग्वाट मं० कडूआ भा० कर्मादेसुत मं० माधव भा० फदू सुत संग्रामेण भा० पद्माईपुत्रसायररयणायरादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१५०. सं० १३८६ वर्षे माघवदि २ सोमे श्रीप्राग्वाटज्ञातीयपितृ मं० लूणाश्रेयोऽर्थं सुतनागधनपालाभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्रीपद्मदेवसूरिपट्टे श्रीमानदेवसूरिभिः ॥

१५१. सं० १५३२ वैशाखशु० ३ प्रा० श्रे० कडूआ भा० वाछूपु० हरपालेन भा० हीरादेपु० जीवा जेसिंगादिकु० युतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । खानपुरग्रामे ॥

१५२. सं० १५२४ व० वै० शु० ३ सोमे आसापल्लीय श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० कर्मणभा० कर्मादेसुतसारंगेन भा० ९ भा० चाई पु० रत्नपाल वस्ता डामर महिपति स्वकुटुंबयुतेन श्रेयोऽर्थं श्री शीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

१५३. संवत् १५२८ आषापुरहि (ढादि) द्वीप०श्रीमालज्ञातीय ठ० मेघाभा० माकूसुत ठ० वरसिंग भा० रहीपुत्र ठ० ओघाकेन स्वश्रेयसे भर्तुः ठ० हेमालघुभ्रातृमाणिकयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीलक्ष्मीदेवसूरि[भिः] प्रतिष्ठितं । चैत्रगच्छे धारणपद्रीय ॥

१५४. सं० १५१० वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० भीमसी भा० हरखूसुत आल्हाकेन भा० कउतिगदे सुत सहिसा शिवदास

लखराजादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० वडगच्छे श्रीपूर्णचंद्रसूरिभिः ॥

१९५. सं० १५११ ज्येष्ठवदि १३ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० देदा भा० रयणीसुत वडआ भा० चाईनाम्न्या स्वभ्रातृजावडश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिपट्टे श्रीश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१९६. सं० १५३७ वर्षे माहशुदि ९ शुक्रे हूंबडज्ञातीय बुधगोत्रे श्रे० कूंपा भा० रांकु सु० नरसिंगेन भा० नयणादेसु० शाणा सहितेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसिंघदत्तसूरिभिः ॥

१९७. संवत् १५६४ वर्षे वैशाखवदि १२ बुधे श्रीश्रीवंशे सा० सिंहदत्त भा० मानूंपुत्र सा० देवासुश्रावकेण भा० लखाईपुत्र हरिचंदप्रमुखकुटुंबसहितेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीविधिपक्षगच्छे श्रीसद्गुरूणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन। श्रीचंपकपुरे ॥

१९८. सं० १५२३ वर्षे महाशुदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय दो० गिरूआ भा० धर्मणि सु० भीमाकेन भार्याभर्मादेयुतेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारापितं प्र० श्रीपू० प्र० श्रीगुणसुंदरसूरीणामुपदेशेन विधिना वा० ज्ञानकलसः (शैः) ॥

१९९. सं० १५९१ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीयमहालक्ष्मीमूर्त्तिः कारापिता ॥

घडीआलीपोल, श्रीकुंथुनाथजिनालयना लेखो.

१६०. संवत् १५१९ वर्षे माहवदि ९ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धर्म्मा भा० झबक सुत हेमा राणा हेमा भा० श्रीसू राणा भा० देपू हे० सु० करमसी भा० मानू हेमाराणाभ्यां स्वकुटुंबयुतेन स्व-

पित्रोः श्रेयसे श्रीअजितनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः । आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना ॥ पेढडावास्तव्यः ॥

१६१. संवत् १५१९ वर्षे आसाढशदि १ मंत्रिदलीय श्रीकाणा गोत्रे ठ० लहू भा० धर्मिणि पुत्र सं० अचलदासेन पुत्र ठ० उग्रसेन लक्ष्मीसेन सूर्यसेन देवपाल वीरसेन पहिराजादियुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० सं० सिंगारसी पु० सुदनपूजनार्थं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

पीपलाशेरी, चिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

१६२. सं० १५१२ वर्षे वै० शु० १० प्राग्वाटव्य० लूणा भा० लूणादे सुत व्य० रवीमाकेन भा० खेतू सा० जीणादिकुटुंबयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्री सोमसुंदरसूरिशिष्यैः ॥

१६३. संवत् १६०१ वर्षे फागुणशुदि ५ रवौ बोरसद्धिवास्तव्यः । श्रीश्रीमालज्ञातीयठ० सापा भा० लकू पुत्री बा० रंभा कारापितं (?) प्रमुखपरिवारयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री ५ विजयदानसूरिशिष्यश्री ५ राज(? हीर)विजयसूरिभिः तपापक्षे ॥

१६४. सं. १५७९ वर्षे वैशाखशुदि ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयपाडलीया मं० दाघा भा० जीवणि पु० सखा भा० कूमाई नाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं सुविहितसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

१६५. सं० १५८३ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ शुक्रे उप० ठाकु[र]गोत्रे सा० देवा भा० पदी पु० सोमा सिवा रतना सिवा भा० झबकू पु०

दासाहीदा युते पि० श्रे० श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० ज्ञानकी[य] गच्छे श्रीसिद्धसेनसूरिभिः ॥

१६६. सं० १३७२ वर्षे श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने वैद्यशाखायां सा० हसल अरसीहश्रेयसे हसलपुत्र जवात भा० वामदेवाभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

१६७. सं० १६७८ वर्षे आश्विनवदि १४ गुरुदिने श्रीऋषिमंडलयंत्रं प्राग्वाटज्ञातीयदोसी नानजी सुत दो० दवजी भार्या आसबाईसुत प्राग्वाटवंशविभूषण दो० केशवजीकेन ऋषिमंडलयंत्रं कारापितं स्वात्मश्रेयसे प्रतिष्ठितं भट्टारकप्रभुश्रीविजयसेनसूरिराज्ये आनंदपुरवास्तव्येन इति मंगलम् । उपाध्यायश्रीविजयराजगणिभिश्चिरं नंदतु ॥

म्हेतापोल, नेमिनाथजिनालयना लेखो.

१६८. सं० १५१९ वर्षे वै० शु० १३ प्राग्वाटमं० महिराज भा० वर्जूसुत मं० आंबानगराजाभ्यां भा० संपूरीसुहासिणियुताभ्यां स्वमातुः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरि-श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१६९. सं० १३३८ चैत्रवदि २ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० वयरसिंहसुत श्रे० लूणसिंहश्रेयोऽर्थं सुतसाजणतिजणाभ्यां श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीवयरसेणोपाध्यायशिष्यैः ॥

१७०. सं० १५१८ वर्षे फागुणवदि १ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० शिवा भा० संसारदे सुतसहजाकेन स्वमातृपितृश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना साकरग्रामे ॥

१७१. सं० १५७८ वर्षे माघशुदि ८ गुरौ श्रीश्रीमाली०

से० माला पूंजा से० जना से० गांगा से० लींबा से० लखा से० पहिराजप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीआगमगच्छे श्रीशिवकुमारसूरिभिः। गोधावः (घावा.)

१७२. सं० १३........शुदि १० श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० वयराभार्याढील्हणदेविश्रेयोऽर्थं द्वि० भार्या माधलदेव्या युतेन सुत सा०........श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलाचार्यगच्छे श्रीनरदेवसूरिशिष्यैः श्रीपद्मप्रभसूरिभिः ॥

१७३. सं० १५४२ वर्षे वैशाखशुदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० नारदभार्यालाडकीसुतहाछाकेन भगिनीमाणिकीश्रेयोऽर्थं श्रीअरनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः। गंधारमंदिरे ॥

१७४. कोटडीआ सा० धीरा भा० धीरादे सु० सा० रतना भा० रंगी सु० लावा जावड वागड सं० १५७९ ।

१७५. सं० १४३१ वर्षे ज्येष्ठसु० ८ शुक्रे श्रीश्रीमाल ज्ञा० व्य० पांचा भा० प्रीमलदे सु० सींगारसी श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीराजशेखरसूरिभिः ॥

१७६. सं० १५१७ वर्षे वै० व० ५ शुक्रे....ज्ञा० व्य० पेहा भा० रूई पु० सा० भाभाकेन भा० वादयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१७७. सं० १३४३ माघशुदि १० पितृनागदेवमातृसहजलदेवीसुखाय पु० नायकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१७८. सं० १५२३ वर्षे वै० व० ४ गुरौ ओडग्रामवासि प्राग्वाटज्ञा० श्रे० माईआ भा० मेचू सु० श्रे० नाथाकेन भा० नामलदे पु० नाकरधनादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसुधानंदनसूरिश्रीरत्नमंडनसूरिपरिवृतैः ॥

१७९. सं० १४८० वर्षे ज्ये० शु० ५ प्राग्वाटवंशे सा० सहजा भा० जाणीसु० चांपाकेन भा० चांपलदे सु० ऊधरणयुतेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० तपागच्छनायकश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१८०. सं० १५१० वर्षे चैत्रवदि ४ तिथौ शनौ लोढागोत्रे जेठूपौत्र कर्मसीपुत्रेण सा० भोलाकेन मातृकर्मसिरिनिमित्तं का० श्रीशीतलनाथबिंबं प्र० तपाभ० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

१८१. सं० १५८७ वर्षे फाल्गुणव० ३ बुधवारे ओसवाल ज्ञा०. षाटडागोत्रे सा० चंउध्र भा० लीलादे पु० आल्हा कूपा हरपाल लषादिभिः आत्मश्रेयोऽर्थं मातृपित्रोः पुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१८२. सं० १४०१ वै० व० ३ बुधे प्रा० ज्ञा० श्रे० आंवड भा० आल्हणदे पु० जडासहितपित्रोः तथा मातृनरमदिश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं हंसाकयु० श्रीमाणिक्यसूरीणामुपदेशेन का० प्र०

फतेहपुरा, श्रीपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

१८३. सं० १५०७ मार्गशु० २ मऊलविडवास्तव्यः ओसवालज्ञातीयश्रे० जूठिल भा० माकू सुत श्रे० सिवराज भा० मूजी पुत्रसाधाकेन भा० अमरीश्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारिता प्रति० श्रीसुविहितसूरिभिः । पं० शीहा ॥

१८४. संवत् १३८७ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृश्रे० वस्ता मातृधणदेविश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथपंचतीर्थी ठ० सीहडेन श्रीपूर्णिमापक्षे गुरुश्रीकमलप्रभसूरिउपदेशात् कारिता श्रीरिद्धिर्वृद्धिर्भवतु ॥

१८५. सं० १५३१ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञा० बोरसिद्धिवास्तव्यः

ठ० कुझा भा० भोली सु० ठ० महिराजभा० मल्हाईनाम्न्या स्वभर्तृ ठ० महिराजश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीवृहत्तपापक्षे श्री ज्ञानसागरसूरिभिः ॥

१८६. संवत् १९२२ वर्षे माघवदि १ गुरौ श्रीश्रीवंशे श्रे० अर्जुनभार्या अहवदे पुत्र श्र० पाताभार्या अरघूपुत्रश्रे० कालाकेन भार्याभावलदेसहितेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीअंचलगच्छाधिराजश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन । जंबूनगरे ॥

१८७. सं० १३७१ माघशु० ९ .... श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीप्रभसेनसूरिभिः ॥

१८८. सं० १२१० वर्षे फागुणव० २ बुधे वा० ओ० ज्ञा० श्रे० गन्हा भा० गाहूश्रे० सु० पानाकेन श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० श्रीआमदेवसूरिभिः ॥

सुलतानपुरा, श्रीचन्द्रप्रभजिनालयना लेखो.

१८९. संवत् १३३२ ज्येष्ठशुदि १३ श्रीकोरेण्हकीयराज्ये श्रीकृज्जाचार्यसंताने श्रीसावदेवभार्या सालूणि पुत्रणसाडेन स्वमातुः श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीसर्वदेवसूरिभिः ॥

१९०. सं० १९५४ वर्षे फा० सु० २ गु० प्रा० सा० पता सुता सा० सहिसाकेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

१९१. संवत् १९६७ वर्षे पोषवदि ६ गुरौ देवानंदशाखायां ओएसवंशे मं० सोगा भा० खीमीपुत्र महं. भाषरसुश्रावकेण भा० मांकू पु० हमीर कीका प्रमुखकुटुंबसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंच-

लगच्छेश्वरश्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीकोटडादुर्गे ॥

१९२. सं० १४८६ वर्षे वैशाखशुदि १० बुधे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० लूणाभार्याकामलदेसुतखीमसी भा० देऊयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्रति० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः । सत् आसापोपटवा ॥

१९३. संवत् १५८७ वर्षे पोषवदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रीजना भा० रूपाई पु० लखा भा० जीवादे स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीसंघदत्तसूरि तत्पट्टे श्रीशिवकुमारसूरिभिः गोधरो ॥

१९४. सं० १५१९ वर्षे वै० ११ भृगुरेवत्यां झंटोडावासि प्राग्वाटज्ञातीय को० भीलाभार्या हूसीसुत लुभाकेन भार्यामरगदि भ्रातृकडुआराजादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । पं० पुण्यनंदनगणीनामुपदेशेन ॥

१९५. संवत् १५७६ वर्षे महाशुदि ९ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयम० सुरा भा० राणीसुतजीवाकेन भा० जीवादे सुत ठाकरजीवा भ्रात्रि(तृ)नाकर मातृपितृश्रेयोऽर्थं आत्मश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं श्रीआगमगच्छे श्रीमुनिरत्नसूरिपट्टे श्रीआणंदरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं चिरं जीयात् यामलिवास्तव्यः श्रीरस्तु ॥

१९६. सं० १४९६ वर्षे पोषशुदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० साभा भा० सुहवदे सुतठाकुरमहेन भ्रातृबालादियुतेन पितृव्यश्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

१९७. सं० १५४८ ज्येष्ठवदि ६ शुक्रे श्रीमालसंघे उ० श्रीजिनचंद्रतट.........................शीतपरलाडनातीय साहाणाचंगोत्रे सं० वीका भा० राजू सं० का...................................॥

१९८. सं० १५०९ वर्षे माहाशुदि २ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमा० व० लाखासुतगोधाभा० मेलूसुतचांपाई चावापाभा० मेवू स्वभर्तृश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपज्जूनसूरिभिः ॥

१९९. सं० १५१७ वर्षे माघशुदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० नालाभा० माल्हणदेसु० गुणीउभा०...न पित्रोः निमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० चैत्रगच्छे धारणपद्रीयभ० श्रीलक्ष्मीदेवसूरिभिः स्याप्राग्रामे ॥

२००. संवत् १५२५ वर्षे माघशुदि ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय फडीआ ठ० दूचाभा० अर्बूसुतकान्हाकेन भा० बकी सुतसिंहराजयुतेन पितृमातृश्रेयसे श्रीनमिनाथमुख्यपंचतीर्थी का० प्र० पिष्पलगच्छे भ० श्रीगुणरत्नसूरिपट्टे श्रीगुणसागरसूरिभिः श्रीगंधारवास्तव्यः ॥

२०१. सं० १५१२ ऊकेश सा० लींबाभा० लीलादे सुत राजाकेन भा० राजलदेव्यादियुतेन स्वपितृव्यलाखाश्रेयसे श्री५सुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिश्रीउदययनंदिसूरिभिः सिद्धपुरे ॥

२०२. संवत् १५३३ वर्षे पोषवदि १० गुरौ ओसवालज्ञातीयबप्फणागोत्रे व० नरसिंहभा० नयणादे पु० देवा व० श्रीपालभा० सिरीयादे पु० श्रीवत्सयुतेन व० श्रीपालेन आत्मश्रेयसे श्रीअरनाथबिंबं कारितं प्र० उ० ककुदा० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

२०३. संवत् १५०९ ज्येष्ठवदि ९ शुक्रे श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नाचार्यसंताने ओ० वंशे सौगंधिकठाकुरवाछाभार्यापरबूश्रेयसे दौहित्रिकमाणिकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० सावदेवसूरिभिः ॥

२०४. सं० १३१२ वर्षे ज्ये० सु० १३ श्रीकोरण्टकीय............नन्नाचार्यसंताने श्रीभावदेव भा० सालूणि पु० पासडेन

..............मातुः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंत-(शांति)देवसूरिभिः ॥

नवीपोल, श्रीशीतलनाथजिनालयना लेखो.

२०५. सं० १३७३ वर्षे पोषवदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृवयजा मातृ..........श्रेयसे सुतढढाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । श्रीगुणप्रभसूरीणामुपदेशेन ॥

२०६. सं० १५३६ वर्षे ज्ये० शु० ११ प्राग्वाटदो० मेत्रा भा० सं.री पुत्रहरदासेन भा० हीराईपुत्रवर्द्धमानवदाम गनीनेनाई भ्रातृव्यखीमापर्वतभीमादियुतेन भ्रातृसीधरश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः राजपुरे ॥

२०७. सं० १५११ वर्षे माघसुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिपरबतभार्यापाल्हणदेसुतधनादेवाभ्यां पितृमातृश्रेयोऽर्थं आत्मश्रे।से श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीविमलसूरिभिः ॥ गोत्रतरकाग्रामवास्तव्यः । श्रीश्रीभवतु ॥

२०८. सं० १५४८ वर्षे वैशाखशुदि १० सोमे प्राग्वाटज्ञातीयश्र० चांदा पुत्राः सोमालपुहूटा तत्पुत्रौ गटा माधव ताभ्यां पूर्विर्वे अश्रेयोऽथ श्रीपार्श्वनाथबिंब कारापितं प्रतिष्ठितं भ० गुणसुंदरसूरिभिः ॥

२०९. सं० १६२६(९) वर्षे वैशाखशुदि ११ दिने बुधवासरे तपगणआम्नाय श्रीमान् श्री ५ श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रति० श्रीशांति बिंबं तिष्ठितं श्राविका लालू ॥

२१० सं० १३७८ वर्षे वैशाखवदि ९ गुरौ श्रीवायटज्ञातीय बाईन गलया आ.त्मश्रेयसे श्री शांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीराशिल्लसूरिभिः॥

वाडी रंगमहाल, श्रीआदिजिनालय.

२११. सं० १५२४ वर्षे वैशाखशुदि २ रवौ वोरसिद्धिवा० श्रीश्रीमालज्ञा० ठ० जयता भा० धाऊ सुतवीरमश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृहत्तपापक्षे भट्टा० श्रीश्रीश्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

वावाजीपुरा, देरापोल, श्रीगोडीपार्श्वनाथजिनालय.

२१२. सं० १४३३ वैशाखसुदि ९ श्रीमालज्ञातीय........ ....मादिश्रेयोऽर्थं सु०.............. ....श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

२१३. संवत् १३६७ आषाढशुदि ७ बुधे श्रे० पाल्हणभार्यापाल्हूपुत्रक....साहा....साहाभ्यां पितृव्य....जणश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं श्रीललितदेवसूरिशिष्य..............................प्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

२१४. सं. १४४० वर्षे पोषशुदि ११ बुधे उपकेशज्ञा०.... ....हणिसु० लखमण सुजउ माल्उ पितृमातृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीजीरापल्लीश्रीवीरतींद्रसूरिपट्टे श्रीसालिभद्रसूरिभिः ॥

२१५. सं० १६३२ वर्षे माघशुदि १० बुधे प्राग्वाटज्ञातीय दार्दसघपर्नी (?) सा० सहिसकरण भा० सौभाग्यदे तत्पुत्री जीवी आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० श्रीहीरविजयसूरिप्रतिष्ठितं ॥

२१६. संवत् १५७२ वर्षे ज्येष्ठवदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयठ० जइताभा० धाऊसुत ठ० माणिक भा० मरगदिपुत्री लीलानकन्या स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः वृहत्तपापक्षे

श्रीउदयसागरसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितः श्रीविधिना बोरसिद्धिग्रामे ॥ श्रीः

२१७. सं० १५२....वर्षे श्रीमालज्ञा० ढोरगोत्रे सा० सखासुत सा० मोल्हा (भोला) भा० रूपीपुत्र सा० अपा भा० सा० वीरोपुन्यार्थं श्रीसुपासनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरश्रीजिनतिलकसूरिपट्टे श्रीजिनराजसूरिभिः ॥ श्री ॥

२१८. स्वस्ति संवत् १५३० माघशुदि ५ दिने श्रीउपकेशवंशे लघुशाखायां श्रेष्ठि धणपालभार्याअरघूपुत्रघोघरभार्यानाईनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं अछीणाग्रामे ॥

२१९. सं. १२९८ वर्षे माघशुदि ६....कवडे भार्या पाल्हणिश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं ।

शेठ जमनालाल चुनीलाल वैद्यनुं घरदेहरासर.

२२०. संवत् १५०८ वर्षे आसाढशुदि २ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० काजाभार्याराजूसुतमं० राजाकेन भा० मल्हीसुत वीरपालप्रमुखकुटुंबयुतेन मातापितृश्रेयसे स्वश्रेयसे च श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च ॥ श्रीशुभं ॥

२२१. सं० १५०८ वैशा० शु० ९ श्रीउपकेशज्ञातीय सूरूआगोत्रे सा० कउरसीहपु० सं० रउला भा० महणश्रीपु० सं० भीमा भा० भीमश्रीपु० हांसा कान्हा वरदेवसहितैः श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीउपकेशगच्छे कक० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

वैद्य बापुभाई घेलाभाईनुं घरदेरासर.

२२२. संवत् १६६७ वर्षे माघशुदि ९ गुरौ चेडाग्रामे श्रीश्रीवंशे श्रे० गुणपति भा० मानूं पुत्री जीवीश्राविकया निजपति कडुआपुण्यार्थं श्रीचंद्रप्रभुबिंबं कारितं श्रीवृहत्तपागच्छे श्रीलब्धिसागर-सूरिसंताने श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठितं । चिरं जीयात् ॥

वैद्य त्रिभुवनदास भीखाभाईनुं घरदेरासर.

२२३. संवत् १५३३ वर्षे पोषशुदि १९ सोमे श्रीउकेशवंशे श्रीदव(र)डागोत्रे सा० देल्हाभार्या देल्हणदे पुत्र साधुकीहटभा० धारू पुत्र साधु आंवडसुश्रावकेण भा० पदमाई पुत्रटोकर श्रा० उदयराज भा० कपूराईप्रमुखपरिवारयुतेन निजजनकादिश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेशश्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ।

चुडगर जमनादास कीलाभाईनुं घरदेरासर.

२२४. सं० १५१८ ज्ये० व० १० वडलीवासी प्र० दो० पीपा भा० रूपिणि पु० मनाकेन भा० रमकूप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीवासु-पूज्यबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२२५. सं० १५११ वर्षे आषाढशुदि ९ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० जोगाभा० जाल्हणदेसुतगेलाकेन भा० वारूप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीपा-र्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्री-रत्नशेखरसूरिभिः ॥ जनऊआ(?) वास्तव्यः ॥ शुभं ।

२२६. संवत् १५२५ वर्षे वैशाखवदि १ गुरौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय श्रे० पासडसुतपितृदेवा मातृसरसईसु० लखमाभार्या साधू सु० महंइराजरूडागणपतियुतेन श्रीशांतिनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः

श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना ॥ धंधूकावास्तव्यः ॥

शेठ मोतीलाल हीमचंदनुं घरदेरासर.

२२७. सं० १५२७ ज्येष्ठशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञाति. मं० गांगाभा० गंगादेसुत मं० नाथाकेन भा० नागलदेपुत्रसहसा रहीयाप्रमुखकुटुंबयुतेन मं० जिनदासश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्री वृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीज्ञानसागरसूरिभिः बालासीणग्रामे ॥

२२८. सं० १५२८ माहवदि ५ श्रीपल्लीवालगच्छे गगउरीयागोत्रे सा० धारसीपु० चउडाभा० मचकूपु० मोलाकेन श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिपट्टे श्रीनन्नसूरिभिः ॥

शेठ गरबडदास वीरचंद घीयानुं घरदेहरासर.

२२९. सं० १५०८ वर्षे ज्ये० शु० १२ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० कर्म्मणभा० कपूरदेसुतसा० वहिदेनाम्ना भा० सोउ सु० केशवसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभमूलनायकः अंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना ॥ श्रीः भूयात् ॥

२३०. सं० १२९४ वर्षे वैशाख ७ शनौ प्रा० श्रे० धरणिगभार्या नागलदेसु० आ..........पितृश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसूरिभिः ॥

२३१. सं० १५९८ वर्षे आषाढशुदि ८ दिने अहिमदावादवासिश्रे० जावडभार्यापूरीसुतकसाभार्यासूपारनाम्न्या स्वसुतटोकरयुतया श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनिगमाविर्भावकश्रीइंद्रनंदिसूरिभिः ॥

२३२. संवत् १५३४ वर्षे वैशाखशुदि २ रवौ बोरसिद्धि

वा० श्रीश्रीमालज्ञाती० ठ० वीरमभा० श्रा० मल्हाईश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृहत्तपापक्षे भट्टा० श्रीश्रीश्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

२३३. सं० १५६७ वर्षे ज्येष्ठवदि ४ शुक्रे ओसवालज्ञा० सा० वलराजभा० पोई सुत सा० वेणा भा० नानीसुत रयणीयर माडण वाघा भार्या अजाई सुत पासा यादवद्र० कुटुंबयुतेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः पं० विजयहेमगणीनामुपदेशेन गिरियाविग्रामि ॥

फूलचंद डाह्याभाईनुं घरदेहरासर.

२३४. संवत् १५८४ वर्षे चैत्रवदि ५ गुरौ वीसनगरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयव्य० जीवा भा० टमकुसुतव्य० सीपाकेन भा० वीरी सु० पद्मालहुआपूजा सामल वइजा पौत्रवरसिंहवासणप्रमुखकुटुंबयुतेन बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृहत्तपापक्षे श्रीलब्धिसागरसूरिपट्टे श्रीधनरत्नसूरिश्रीसौभाग्यसागरसूरिभिः ॥

कोठारी जमनादासनुं घरदेरासर.

२३५. सं० १३९७ श्रीगुर्जरज्ञा० सा० मूरापुत्र्या बा० कामलया श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीवज्रसेनसूरिभिः ॥

२३६. संवत् १५०६ वरषे वैशाखवदि ९ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० पांचा भा० सूल्ही सु० समधर भा० सलषू सु० सा० गदीराजाभोजाकैः श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्री पूर्णिमापक्षीयभ० श्रीगुणसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठित विधिना श्राद्धैः ॥

२३७. सं० १५३६ वर्षे आ० सु० ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा-

तीयश्रे० परबत भा० बाइ कुतिगदे पु० श्रे० हासा भा० धारा कीका भार्या देई श्रे० सिधराजश्रेयोऽर्थं अंबिकागोत्रदेवी कारापिता श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीदेवप्रभ(? गुप्त)सूरिभिः प्रतिष्ठिता ॥

२३८. सं० १६२० वर्षे वै० सु० ९ बुधे श्रीमालसंघ भ० श्री सुमतिकीर्तिगुरूपदेशात् प० सवटास भा० ठ० ह.. ॥

झवेरी फत्तेहभाई अमीचंदनुं घरदेरासर.

२३९. संवत् १५६६ वर्षे वैशाखशुदि १० गुरौ श्रीपत्तनवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० डाहीआ भा० डाहीसुत आणंदमेघाभ्यां सुतसोमा प्र० परिवारयुताभ्यां स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥

२४०. संवत् १५६७ वर्षे ज्येष्ठशुदि १३ सोमे राजाधिराज श्रीनाभिनरेश्वरमाता श्रीमरुदेवी तत्पुत्रश्रीःश्रीःश्रीःश्रीःश्रीःआदिनाथस्य बिंबं कारितं सेवकनरबदभिमेन कर्मक्षयार्थं श्रेयसे ॥

२४१. संवत् १५९२ वर्षे वैशाखशुदि ६ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० सधारण भा० हर्षादेसु० श्रे० जइवंत भा० जीवादे भत्रीजजीवा शकर वच्छा समस्तस्वकुटुंबयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारापितं ब्रह्मणगच्छे सूरिभिः प्र० बहाउलिः ॥

हिंदविजय प्रेसवालानुं घरदेहरासर.

२४२. संवत् १६४४ (?) वर्षे ज्येष्ठसित १२ सोमवारे प्राग्वाटज्ञातीय शे० जसवीरभार्याकाकीसुतदो० धनजीकारितं श्रीशांतिनाथबिंबं प्र० श्रीहीरविजयसूरिशिष्यश्रीश्रीश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

२४३. संवत् १६२८ वर्षे वैशाखशुदि ११ बुधे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयसा० पासाभा० अरघाइ तत्सुतदेवाभा० देवलदेकेन धर्मनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

२४४. सं० १३५५ श्रीश्रीमालज्ञातीय सा०..धनपालेन श्रीमहावीरबिंबं का०

शेठ छोटालाल करसनदासनुं घरदेहरासर.

२४५. सं० १४५२ वर्षे वैशाखशुदि ६ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञा० पितृव्यव० झांझू मातृकपूरदेश्रेयोऽर्थं सुतमहिपालकेन श्रीसुमति-नाथबिंबं का० प्र० नागेंद्रगच्छीयश्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

२४६. संवत् १५६७ वर्षे वै० वदि १ गुरौ श्रीऊसवंशे सं० हीराभा० हांसीपुत्र सं० शिवाकेन भा०..................सुं० सं० पासवरादिकुटुंबयुतेन संतानार्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री-तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीकमलकल[श]सूरिपट्टे श्रीजयकल्या-णसूरिभिः आशापल्ली ॥

२४७. सं० १५१२ व० फागुणशुदि ८ शनौ श्रीश्रीमाल० मं० जेसा२कालाभा० देमईसु० सलषा भीमाकेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्री-आदिनाथबिंबं कारितं श्रीपीपलगच्छे श्रीगुणरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

२४८. संवत् १५७१ वर्षे वैशाखवदि ९ दिने श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयमहं डाहीआभार्या हीरूपुत्रमहं माधवभार्या माणिकदेपुत्रजयवंत-सहितेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ॥ पाडलावास्तव्यः श्रीसू-रिभिः ॥

२४९. सं० १५४४ गूर्जरज्ञा० मं० भोजा भा० रामति सु० नाथा सहिसा शीरंग कान्हा नाथा भा० नाथी श्रीपार्श्वनाथबिंबं आगमग० श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठित ॥

शेठ लीलाभाई रायचंदनुं घरदेरासर.

२५०. संवत् १६३२ वर्षे माघशुदि १० बुधे अहिमदाबादवास्तव्यप्राग्वाटज्ञा[ती]आ वरद्धशाषसा० हंसराजभा० हांसलदेपुत्रीरत्नाई आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छेशश्री हीरविजयसूरिप्रतिष्ठितं ॥ शुभं ॥

२५१. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठसित १२ सोमवासरे प्राग्वाटज्ञातीयदो० जयवीरभा० कीकीसुतदो० कुंभरजीकारितं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं श्रीहीरविजयसूरिशि० श्रीविजयसेनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

२५२. सं० १५२५ वर्षे मार्गशु० १० प्राग्वा० मं० चांपा भा० चांपलदे पुत्र मं० साईआकेन भार्या सहिजलदे वइजलदे पुत्रहेमराज धनराजादिकुटुंबयुतेन मातृश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

जोगीदास विठ्ठलदासनी पोळनुं घरदेरासर.

२५३. सं० १५०१ महाशुदि १० सोमे....जो..........
....गोत्रे..पुत्र मोकल श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र०......................श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

शेठ मोतीलाल हरखचंदनुं घरदेरासर.

२५४. सं. १६८३ वर्षे फा० व० ४ शनौ जंबूसरवास्तव्यव्य० प्राग्वाटज्ञातीय वोरा उदयकरणभार्याचा० उझूरिसु० वो० शांतिदासनाम्ना श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपाग० भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टे भ० श्रीविजयसेनसूरि तत्पट्टे भ० श्रीविजयतिलकसूरिप० भ० श्रीविजयाणंदसूरिभिः ॥

छायापुरी (छाणी).

श्रीकुन्थुनाथजिनालयना लेखो.

२५५. संवत १६३८ वर्षे माघशुदि १३ सोमे श्रीपत्तनवास्तव्यश्रीप्राग्वाटज्ञातीयमहं० नगाभार्या बाईपुगीसुत महं० श्रीवंत श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं तपागच्छे श्रीश्रीहीरविजयसूरिभिः स्वहस्तेन प्रतिष्ठितं श्रीसंघस्य भद्रं भवतु सुतछा० ठाकरसी ॥

श्रीशान्तिनाथजिनालयना लेखो.

२५६. सं० १३९७ माघ ९....श्रीश्रीमालज्ञा० पितृठ० वस्ता वउलदे ठ० सोमसूत मलदे ठ० तेजा प्र० पूर्वजश्रे० सुतमाणसिंहेन श्रीपार्श्व० पंचायत तस० का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीमानदेवसूरिभिः ॥

२५७. सं० १५२१ वर्षे ज्ये० शु० ४ मंडपदुर्गे प्राग्वाट सं० अर्जुन भा० टबकू सुत सं० वस्ता भा० रामासुत सं० चांदाभार्यया जीविणीनाम्न्या पुत्रलांबा आकादिकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं २४ पट्टः का० प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२५८. संवत् १५०९ वर्षे मार्गशीर्षशुदि ६ दिने श्रीमालवंशे मथा(घा)ऊगोत्रे सा० नानिगपुत्र सा० मेघा सा० खीमाभगिन्या चंगाईश्राविकया श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिनभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं ॥

२५९. सं० १५८० वर्षे वैशाखशुदि १३ शुक्रे श्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० रत्नभा० फदु सु० सा० जइतपालभार्या श्रीबाईनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

२६०. संवत् १५२५ वर्षे आणंदवासिवायडज्ञा० श्रे० सिंघाभा० वारूपुत्रश्रे० राजाकेन भ्रातृठाकुरसी भा० रमादे पुत्र कुपा राणाभाणाषोईआलाखा अमरादिकुटुंबयुतेन निजभ्रातृश्रे० कुराश्रेयसे श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने तपागच्छेश श्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२६१. संवत् १४२२ वर्षे वैशाखशुदि ११ बुधे ओसवाल-ज्ञातीयव्यव० केल्हणसीसुतमुलूश्रेयोऽर्थं सिंघाकेन श्रीपार्श्वनाथ कारा....

२६२. सं० १५३० वर्षे माघवदि २ शुक्रे वलादवासि श्रीश्रीमालज्ञातिश्रे० बोडाभा० सूहवदेसुतहरदासेन भार्यासहिजलदे सुतदेवदासदेवाप्रमुखकुटुंबयुतेन आणंदेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीवृद्धतपापक्षे प्रतिष्ठितं श्रीज्ञानसागरसूरिभिः शुभं भूयात् ॥

२६३. सं० १४८६ वर्षे वैशाखशुदि १० बुधे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० सरवणभार्यासूहवदेसुतदेदाकेन भा० जासूसुत लखमण अमरसी समधर धनादिकुटुंबयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं स्वश्रेयोऽर्थं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीश्रीश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२६४. सं० १५२६ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० तिहुणसी भा० करणूपुत्र श्रे० मणोरसिंहेन भा० चमकुपुत्रवरसिंहपितृव्यमुहणसीलख-राजादिकु० युतेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसं-ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः जयतपुरे ॥

२६५. सं० १५२३ वर्षे वै० व० ४ गुरौ आणंदग्रामे वा-यडज्ञातिश्रे० सदो भा० सुहवदे पुत्र श्रे० माला भा० मरगदेनाम्न्या भगिनिमहगलदे दौहित्रीजीविणियुतया स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

२६६. संवत् १५२९ वर्षे फागुणशुदि ७ बुधे श्रीश्रीमा० ज्ञा० सं० नरपालभा० सुल्हा तया पु० कुरपालजिणदासपौत्रशासवीर-युतया सुत ३ पुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारगच्छे श्रीश्रीश्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥

२६७. सं० १४९७ वर्षे वैशाखशु० ९ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० पापचभा० प्रिमलदे श्रेष्ठीसुय भा० मेलादे आत्मश्रेयसे सुतपूजा श्रीअनंतनाथादिचतुर्विंशतिबिंबं कारितं श्रीचैत्रगच्छे भट्टा० श्रीगुणदेव-सूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ।

२६८. संवत् १५३९ वर्षे आषाढशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० मांडण भा० रूपी सु० गजानिमित्तं श्रे० जीवाकेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० पू० पिप्पलगच्छे त्रिभवीआश्रीधर्मसागरसूरिभिः दसाडा ॥

२६९. सं० १४४७ फागुणवदि ८ चं० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञा० पाद्रवास्तव्यपितृदेवसीह मातृमघी पितृव्यभूनाश्रेयोऽर्थं सुतवयरा देपा जयताकेन श्रीवासुपूज्यमुख्यपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः ॥

२७०. सं० १५९५ (?) वर्षे महाशुदि १२ बा० पदमाइसं० जावड श्रीआदिनाथ प्रतिष्ठितं श्रीआनंदविमलसूरिभिः ॥

२७१. सं० १६१(?)७ वर्षे पो० व० १ दिने दो० संकर श्रीवज्र(विजय)देवसूरि (?) श्रीआदिनाथ ....

मीयागाम.

श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

२७२. सं० १४८१ वर्षे माघशुदि ५ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० खेतसिंहभा० खेतलदेसु० देदलभा० हमीरदेसु० षोष (खोख)भा० प्रीमलदेसु० संघपतिसादाभार्यासलखणदे सुत संघवी मुंमुवभार्या कर्मादेव्या निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथादिपंचतीर्थीबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

२७३. सं० १५३७ वर्षे वैशाखशुदि १० सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय उपमारूराजभा० लाछूसुत ठ० सहसाभा० वल्हादे ठ० सालिगभा० आसीठ० श्रीराजभा० हंसाईठ० सहिसासुतधनदत्तभार्याहर्षाई एतैरात्मश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीवृहत्तपापक्षे श्रीविजयरत्नसूरिभिः श्रीगंधारवास्तव्यः ॥

२७४. सं० १३८४ वर्षे..
....................श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री...[अम]रचंद्रसूरिशिष्य श्रीधर्मघोषसुरिभिः ॥

२७५. संवत् १५०३ वर्षे ज्येष्ठवदि १३ शनौ ओसवालज्ञातीयव्य० कोठारिभा० कुतिगदेसुतव्य० धना गांगा रत्ना एतेषां पितृव्यव्य० पांचाश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षे जयचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

२७६. सं. १५५२ वर्षे माघवदि ८ शनौ श्रीवायडज्ञातीय मं० भीमाभा० आसूसु० मं० येसाभा० जानूसु० २ अदराजवर्द्धमानाभ्यां मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथादिपंचतीर्थी आगमपक्षे श्रीसोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना रूदातलिवास्तव्यः ॥

२७७. सं. १४६२ वैशाखशु० ३.......................
...............श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० आगमिकगच्छीयश्रीअमरसिंहसू-
रीणामुपदेशेन प्र०...............भिः ॥

२७८. संवत् १६७७ वर्षे कार्त्तिकासितप्रतिपदनंतरद्वितीयायां बुधवासर स्तंभतीर्थे ओसवालज्ञातीयसा० श्रीमलभार्यारहीनाम्न्या कारितानि श्रीसुमतिनाथबिंबानि प्र० भ० तपागच्छभ० श्रीविजयदेव-सूरिभिः ॥

२७९. संवत् १३९२ वर्षे वैशाखवदि ५ सोमे गुर्जरज्ञातीय महं. भीमसिंहेन निजपितृमहं. पाल्हणश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं मलधारिश्रीपद्मदेवसूरिशिष्यश्रीश्रीतिलकसूरिभिः ॥

२८०. सं० १३(२)८९ वर्षे फागुणशुदि..............
............गुणपालभा० पदमणिपु० महंम. छाडाभ्यां पितृनिमित्तं श्री-पार्श्वबिंबं कारितं प्र० श्रीजत्नसूरिभिः ॥

२८१. सं. १५४९ वर्षे महावदि २ रवौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० कोहा सु० हरभम भा० ललनूसुत उदेसीभा० जसिवा० सहितेन पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपजूनसूरिपट्टे श्रीशीलगुणसूरिभिः भीनमालवास्तव्यः ॥

२८२. संवत् १५०६ वर्षे चैत्रवदि ५ वारगुरु श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० जेसींगक० जासलदेपुत्र २ साहसीहासा० सागरक० गुरीपुत्रवस्ता पुत्रीकुरमाई सहितेन सा० सागरेण निजपूर्वजश्रेयसे चतुर्विंशतिजिनमयश्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीहर्षतिलकसूरिभिः श्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥

२८३. सं० १४२५ वर्षे वैशाखशुदि १०..............

.......................देव्या स्वश्रेय० श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारि० प्र० श्रीवयरसेणसूरिभिः ॥

२८४. संवत् १५५६ वर्षे आमलेसरवास्तव्यः लाडूआश्रीमालीज्ञा० श्रे० करमसी भा० तेजूसुत श्रे० आसाकेन भा० कतासुतवेणा धेणाधनागोईआगांगाप्र० कुटुंबश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिप्रवरैः ॥

श्रीसंभवनाथजिनालयना लेखो.

२८५. सं० १४८८ ज्येष्ठशु० ५ रवौ उकेशज्ञातीय भ० नाथू भार्या धरमिणिसुत भ० पूनाभा० पूनादे सुत भ० साईआकेन भार्यासहजलदेहासूसुतमाणिकभार्या डाहीसुत भ० थणतप्रमुखकुटुंबयुतेन वृद्धमातुः श्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२८६. संवत १४७९ (८) वर्षे माघशुदि ७ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीय पं० महणसिंहभा० रूपलपु० पं० धरणा गदा सोभ्रमा मातृपितृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पं० धरणाकेन। प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२८७. संवत् १५८७ वर्षे माहशु० ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयडहिरवालीयमं० ढालाह्वि० भ्रातृ रेलामं० ढालासु० मं० भीम मं० अर्जुन मं० जसा मं० लहूआ माताधर्मणिपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

श्रीशान्तिनाथजिनालयना लेखो.

२८८. संवत १५१८ वर्षे वैशाषशुदि ५रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसंघवीटीलाभा० सं० लापूसुतहांसाभार्याहांसलदेसुतरूपा जूठा-

धूडा एतैः पितृमातृश्रेयोऽर्थं चतुर्विंशतिपट्टमुख्यश्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमधुकरगच्छे भट्टा० श्रीधनप्रभसूरिभिः पाटरीवास्तव्यः॥

२८९. सं० १४२३ फागुणशुदि ८ प्राग्वाटज्ञातीयव्य० झाटाभा० लखमादेपितृव्य० वीक्रमरावणभ्रातृवहुत्रडश्रे० श्रे० सीहडेन पंच० श्रीआदिनाथका० श्रीगुणभद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

२९०. सं० १५२५ वै० शु० ३ कुतुबपुरे श्रीमालीश्रे० फांफाभा० मजूपुत्रश्रे० षेताभार्यया मं० हीदाभार्याहांसीपुत्र्या मांजूनाम्न्या श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टालंकारश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु पूजाकारकस्य ॥

२९१. सं० १५३७ वर्षे वै० शु० १० श्रीश्रीमालज्ञातीयपरीक्षजावडभा० बदासुतपरी० गोराकेन स्वभा० लालाईश्रेयसे श्रीसंभवनाथमूलनायकालंकृतश्रीचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः गंधारवास्तव्यः ॥

भरुच.

श्रीआदिनाथजिनालयना लेखो.

२९२. संवत् १५९१ वर्षे वै० वदि २ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० करणाभा० पहुतीसु० जेसिंगभा० वीरूपु० राणा रामदास माधव मं० रामदासकेन भा० रमादेसु० हरदासयुतेन श्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणमेरुसूरीणामुपदेशेन विधिना प्रतिष्ठितं मातरग्रामे कल्याणं भूयात् ॥

२९३. सं० १५२२ का० व० १ श्रीमालज्ञातीयश्रे० धणपालभा० लीलादेपुत्रश्रे० रत्नसीभा० सोमीनाम्न्या सुतमाला सुताडाही

प्र० कुं० युतया स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः सुरत्राणपुरवास्तव्यः ॥

२९४. सं० १५७८ वर्षे माघवदि ५ गुरौ गंधारवास्तव्य प्राग्वाटज्ञाति०य० डूंगरसुत०य० कान्हाकेन भा० षोषीमेलादेसुतवस्तुपालादियुतेन धर्मनाथचतुर्मुखबिंबं आगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशान्मेलादेप्रमोदार्थं कारितं प्रतिष्ठितं ॥

२९५. सं० १४८९ वर्षे लाडूआश्रीमालज्ञा० श्रे० खीमसी भा० राणी सु० श्रे० आमा सूद्रा....जा कालाभगिनी श्रा० लाहूनाम्न्या निजश्रेयसे मूलनायकश्रीशांतिनाथयुतश्चतुर्विंशतिजिनपट्टः का० प्रति० श्रीसूरिभिः ॥

२९६. सं० १४[८]९ वर्षे लाडूआश्रीमालज्ञातीयश्रे० देपा भा० फाकीसुतया बोआवास्तव्यश्रे० वइजाभा० वजीसु० डूंगरभार्यया श्रीलालू(हू)नाम्न्या निजबांधवश्रेयसे मूलनायकश्रीशांतिनाथयुतश्चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

२९७. संवत् १५२९ वर्षे फागुणवदि १२ हींगडगोत्रे सा० कोल्हा भा० कमलश्रीपु० सं० बालाभार्या पुन्नीपु० रूपा खेमा हेमा पु० नरसिंह भा० केलू पु० जइतायुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं उपकेशगच्छे प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

श्रीअनन्तनाथजिनालयना लेखो.

२९८. सं० ११(२)८९ वैशाखवदि ६ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीयशोभद्रसूरिषु लक्ष्मीधरपत्नीश्रेयसे ठ० श्रीकुमारेण चतुर्विंशतिप्रतिमा कारिता ॥

२९९. सं० १३८६ माघवदि २ श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृवस्ता

मातृकील्हूश्रेयसे सु० पासडेन श्रीपार्श्वनाथ[बिंबं] कारितं प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥

३००. सं० १४०५ वर्षे वैशाखशुदि ७ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृकेल्हा मातृ ...नारदे....श्रेयसे सुत..........न श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीभावचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

३०१. सं० १५०५ वर्षे माघशुदि १० सोमे श्रीश्रीमा० ज्ञा० श्रे० लाषा (खा) भा० लषमादेसु० सीहाकेन भ्रातृसारंगनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

३०२. सं० १५५९ फागुणशुदि ७ दिने श्रीश्रीमालीज्ञातीय साहमाणिकभा० अपूरवपु० भाइआकेन स्वमातुपित्रोः श्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं तलाझीआश्रीशांतिसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३०३. संवत् १५२५ वर्षे वैशाखवदि १० शनौ प्राग्वाटज्ञातिश्रे० नाथाभा० खेतूपुत्रजूठाकेन भा० लाडीभ्रातृशाणावासण माइआप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

३०४. संवत् १४४५ वर्षे फागुणवदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृकेलूमातृपाईआबाईश्रीलाल्हणदेसुतमापापुत्र तत्सुतैः श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीवरा(ब्रह्मा)णगच्छे प्रति० श्रीविमलसूरिभिः ॥

श्रीशान्तिनाथजिनालयना लेखो.

३०५. सं० १५७६ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयलघुशाखीयसा० पासासुतवीरपालभा० अमरी तत्पुत्रसा० सागरेण भा० जाकुपुत्र-

श्रीवंतयुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं निजपितृश्रेयोऽर्थं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसुमतिरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीखंभायतवास्तव्यः ॥

श्रीपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

३०६. संवत् १५५६ वर्षे वैशाखशुदि ४ दिने आम्रद्रवास्तव्यलाडूआश्रीमालीज्ञातीयश्रे० लावडीभा० रामति सुतगूराभार्या कस्तुरी कुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३०७. संवत् १५०३ माघवदि २ शुक्रे ओसवालज्ञातीय व्य० सहसा सुतहरपतिभार्या रत्नाई तया स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीवृहत्तपोगणे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं ॥

३०८. सं० १५३३ वर्षे माघशुदि ९ रवौ प्राग्वाटज्ञा० व्य० पेथडसंताने व्य० हराजसु० व्य० गुणीआभार्या लाली सु० व्य० भूपतिवस्तादेपालाः चतुर्थः सहजपालस्तद्भार्या देमतिस्तया स्वश्रेयसे भर्तृश्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीश्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च ॥

३०९. सं० १५२९ वर्षे आसाढशुदि २ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय सं० लषा(खा) तृसं० गुणिआसुतवीराभार्या नाथी देवरसं० कालूकेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीश्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छाधिराजश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीगंधारमंदिरे ॥

३१०. संवत् १६१५ वर्षे पोषवदि ६ शुक्रे श्रीजंबूसरवास्तव्य सा० सिंहसवीरसुतसा० वच्छराजनाम्ना श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३११. सं० १५६९ वर्षे फा० शु० १३ दिने पितृश्रे०

महणाभार्या मातामाल्हणदेवीश्रेयसे पुत्रपाल्हाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपद्मप्रभसूरिशिष्यश्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

२१२. सं० १५२४ वर्षे वैशाखशुदि ६ गुरौ उपकेशज्ञातीय सो० धनाभा० कील्हणदे पु० सो० नरपाल भा० नामलदे पु० सो० रत्नपालभा० मेलादे भ्रातृकुंरपाल भा० धनाई आत्मपुण्यार्थं श्रीश्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० चैत्रगच्छे श्रीरामचंद्रसूरिभिः शुभं भवतु ॥

२१३. सं० १५३२ वर्षे वैशाखशु० १० सोमे ऊकेशवंशे श्रेष्ठिगोत्रे से० भीमसीपुत्रसेठिपाल्हापुत्रसेठिकर्मसीपु० से० वीकमपु० से० श्रीरंगना भार्या कीकी हंसाई पु० जागा अमरसी विजइसी परिवारसहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

२१४. संवत् १५१५ वर्षे फागुणशुदि ९ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयमं० मोषाभा० माणिकदेसुतभीम भार्याचंगाईसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः श्रीपत्तनवास्तव्यः ॥

२१५. सं० १५०८ वर्षे चैत्रशुदि १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय मं० देवाभा० देवलदेसु० आसाभा० कर्माईसु० मं० जूठा शाणाकेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे भ० श्रीसिंहदत्तसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः श्रीरस्तु ॥

२१६. संवत् १५६(४)७ वर्षे माघशु० १३ रवौ श्रीमंडप श्रीमालज्ञातीयसं० ऊदा भा० हर्षूसु० सं० षीमाभा० पूंजीपु० सं० जगसी भा० माकुपु० सं० गेल्हाभा० सापांपु० मेघाभा० शाणी लघुभ्रातृसं० राज....भा० सांगूपु० सं० जावडभा० धनाई जीवादे

सुहागदे सक्तादे धनाई पु० सं० हीराभा० रमाई सं० लालादिकुटुंब-युतेन १०४ बिंबकारयित्रा निजश्रेयसे श्रीपद्मनाभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे सुमतिसाधुसूरिभिः ॥

३१७. सं० १५२६ वर्षे श्रीमालश्रेष्ठिगोपालभा० गुरीपुत्री-माणिकिश्रे० तेजादियुतेन श्रीआदि[नाथ]बिंबं कारितं प्रति० तपाश्री-लक्ष्मीसागरसूरिशि० श्रीसोमजयसूरिभिः ॥

३१८. संवत् १५७९ वर्षे वैशाखशुदि ६ सोमे इडरवास्तव्य हूंबडज्ञातीयफद्रीआ आसाभा० कुंअरिसुतराणाकेन भा० रंगादेप्रमुख-कुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीधनरत्नसूरिश्री-सौभाग्यसागरसूरिभिः ॥

३१९. संवत् १५१२ वर्षे फागुणशुदि ८ शनौ श्रीहूंबड-ज्ञातौ बुधगोत्रे वि० नरपालभार्या पची तत्पुत्र वि०....सी व्य० तेजा-भार्या गुरी एतेषां श्रेयोऽर्थं सं० नाकरनाम्ना भार्यासं० डाहीसुतसं० हरपतिसहसाप्रमुखस्वकुटुंबसहितेन श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीवृहत्त-पागच्छे भ० श्रीजिनतिलकसूरि भ० श्रीज्ञानकलससूरि भ० श्रीविजय-तिलकसूरिपट्टे श्रीविजयधर्मसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालयना लेखो.

३२०. संवत् १६१५ वर्षे पौषवदि ३ दिने शुक्रवासरे गंधार-मंदिरवास्तव्यठाकुर अतासुतठ० सूरजीनाम्ना श्रीशांतिनाथबिंबं प्रति-ष्ठापितं तपागच्छयुगप्रधानश्री५श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३२१. सं० १५४६ वर्षे माघवदि १३ दिने दो० मूरासु० देवदास स्वश्रेयसे पट्टः का० श्रीआगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरिभिः प्र०॥

३२२. संवत् १६६१ वर्षे मार्गशिरवदि ५गुरौ श्रीऊकेशवंशे

भ० गोत्रे भं० रूपाभा० रूपलदेपुत्र नगूभार्या नागलदेपु० मेघराज-भा० महिमादेपुत्रसा० जिनदास तद्भ्राता वीरदासेन पुत्रजीवराजादिसपरिकरेण कारितं श्रीविमलनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतर-गच्छे श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टालंकारसारपंचनदीसाधकश्रीअकब्बरपातिसाहिप्रतिबोधकसर्वत्राषाढाष्टाह्निकामारिप्रवर्त्तकसाहिदत्तयुगप्रधानपदधारकयुगप्र० श्रीजिनचंद्रसूरिभिः आचार्यश्रीजिनसिंहसूरिसपरिकरैः लिखितं वा० श्रीसुंदरगणिना ॥

२२३. संवत् १४८९ वर्षे वैशाखशुदि ३ बुधे श्रीहुंबडज्ञातीयमहं० सूराभार्या बा० सोमलदेपुत्रमहं० वणसीपत्नीबा० झाणीपु० सं० वीरधवलभार्याबाईचापूयुतेन स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीज्ञानकलससूरिभिः शुभं भवतु ॥

२२४. सं० १५२६ आ० सु० ८ शुक्रे गंधारवासिश्रीमालज्ञातीयठ० शिवाभा० धारूपुत्रठ० हाझाकेन भा० हूडीप्रमुखकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीजयचंद्रसूरिभिः पूर्णिमापक्षे ॥

२२५. संवत् १५१२ वर्षे फागुणशुदि ८ शनौ श्रीहूंबडज्ञाति ऊतरेसरगोत्रे म० वणसिंहभार्या धारू तयोः सुतसं० देवराजेन स्वकुटुंबसहितेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीवृहत्तपापक्षे श्रीविजयधर्मसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

२२६. सं० १५०८ वर्षे वैशाखशुदि ३ दिने जंहरवारवासि प्राग्वाटज्ञातीयसा० षेताभा० षेतलदेसुतसा० वयजाभा० जइतूसुत हरपतिना स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं प्रति० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

२२७. सं० १५५५ वर्षे वै० शु० ३ आमलेसरवासि लाडुआश्रीमालीज्ञा० श्रे० गजाभा० बकूसुतश्रे० चांपाकेन भा०

अकू सु० अचिंतराजादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३२८. संवत् १४८८ वर्षे ज्ये० शु० ५ श्रीप्राग्वाटज्ञातीय-परी० कडूआभार्यारूपिणिसुतपरी० सिवाकेन निजमातुः श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं पंचतीर्थी कारापिता प्रतिष्ठिता श्रीतपागच्छाधिराज-श्रीसोमसुंदरसूरिभिः शुभं ॥

३२९. संवत् १५८४ वर्षे चैत्रवदि ९ सोमे आमलेश्वरवास्तव्य ला० श्रीमाळ० ज्ञा० श्रीजिनधर्मनिष्ठिकश्रे० सदाभा० नाथीपुत्रश्रे० जिणदासभा० पूतलिनाम्न्या श्रा० श्रे० डूंगरश्रेष्ठिवर्द्धमान श्रे० हेमादि-युतेन पुत्रभूपामंगासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतचतु० का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीश्रीसौभाग्यहर्षसूरिभिः ॥

३३०. स्वस्तिश्री संवत् १५४४ वर्षे वैशाखशुदि ६ गुरौ श्रीगंधारमंदिरवास्तव्यश्रीहूंबडज्ञातीयव्य० नरपालभा० पची तत्पुत्र व्य० वजेसीभा० वरणू तत्पुत्रसं० नाकरकेन भार्या डाहीसुत सं० हरपतिभा० रत्नादे सं० सहिसाभा० सहजलदे सं० श्रीपतिप्रमुख-पुत्रपौत्रादिसमस्तकुटुंबसहितेन श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीविजयरत्नसूरिपट्टालंकारभ० श्रीधर्म्म-रत्नसूरिभिः श्रीरस्तु सदा पूजकस्य ॥

३३१. संवत् १५०९ वर्षे वैशाखवदि ५ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय ठक्कुरकमलसीभार्या कमलादे सुतठकुर हरिजनभार्या रंगाईप्रमुखकुटुंब-युतेन मातृपितृश्रेयसे स्वश्रेयसे च श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च भृगुकच्छवास्तव्येन ॥

३३२. सं० १५२१ वर्षे वैशाखशुदि १० रवौ गंधारवासि श्रीश्रीमालज्ञातिसं० कुंपाभार्या सरसई सुतसं० शिवाभार्या माणिक्यदे

सुतेन सं० भोजाकेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च श्रीवृहत्तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिपट्टे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः ॥

३३३. संवत् १६२२ वर्षे माहवदि २ बुधे भृगुकच्छवास्तव्य पोरवाडज्ञातीयदो० लालासुत भा० बा० वच्छीसुतदो० कीका भट्टारकश्रीहीरविजयसूरिप्रतिष्ठितं श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं ॥

३३४. संवत् १५९६ वर्षे वैशा० शु० ३ साइषावासिलाडूआश्रीमालीज्ञातीयश्रे० गदाभा० श्रा० हांसीसुतश्रे० सहिदेभा० गुरीभ्रातृश्रे० भाणाभा० कुतिगदे सु० नाथाकर्मसीधर्मसीप्रमुखस्वकुटुंबयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३३५. संवत् १५४३ वर्षे वैशाखव० १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० वीरमभार्यानीवादेसुतधरणभार्याऊमादेभ्रातृअगराभार्यागुरी स्वमातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं पूर्णिमापक्षे श्रीकमलप्रभसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीप्रभसूरिभिः ॥

३३६. संवत् १५४१ वर्षे माहशुदि ९ गुरु श्रीभावडारगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० वयरसीपु० मं० जीवणभा० कुअरिपु० मं० शिवदासभा०देमतिपु० स्वश्रे० श्रीशीतलनाथबिंबं का० श्रीजिनदेवसूरिपट्टे प्रति० श्रीभावदेवसूरिभिः देवाग्रामे ॥

३३७. संवत् १५७८ वर्षे माघवदि ९ गुरौ श्रीगंधारवास्तव्यव्यव० परबतभा० लषीसुतव्यव० पाईआकेन भा० पूराईप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं श्रीआगमगच्छेशश्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं ॥

३३८. सं० १५०३ वर्षे माघवदि ८ बुधे श्रीश्रीमालश्र० मणपालभार्याफदूसुतभावडेन भार्याचांपूसुतरत्नामाळामाईआदियुतेन पि-

तृमातृश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिउपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं ॥

श्रीसंखेश्वरपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

३३९. संवत् १५६१ वर्षे ज्येष्ठवदि ९ रवौ श्रीअहमदावादनगरवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातिवृद्धशाषायां सा० नरपालभार्याश्रा० नामलदेसुतसा० जगाकेन भा० पञ्चाईसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीधर्मरत्नसूरिभिः ॥

३४०. संवत् १५९४ वर्षे फागुणशुदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० माणिकभा० रूडीसुतवस्ताभार्यामणकईनाम्न्या श्रीशीतलनाथपंचतीर्थी कारिता प्र० पिप्पलगच्छे श्रीगुणसागरसूरिप्र० श्रीशांतिसूरिभिः गंधारे ॥

(२) श्रीशान्तिनाथजिनालयना लेखो.

३४१. सं० १६८३ व० फा० ४ शनौ कयरवाडावास्तव्य लाडूआश्रीश्रीमालीज्ञातीयसं० षीमाभा० संघाईसुतसं० मेघनाम्ना भा०इंद्राणीसु० ठाकरभा० सहजलदेप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वप्रतिष्ठायां स्वश्रेयसे श्रीशांनिनाथबिंबं का० प्र० च तपाग० भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्ट भ० श्रीविजयसेनसू० प० भ० श्रीविजयदेवसू० भ० श्रीविजयतिलकसूरिपट्टालंकारभ० श्रीविजयाणंदसूरिभिः ॥

श्रीमहावीरजिनालयना लेखो.

३४२. संवत् १५०८ वर्षे वैशाखवदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयठ० हरीआ ठ० मूदा ठ० धरणा तत्सुतः ठ०मांडण तद्भार्या

बाईभरघू तया आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीहर्षतिलकसूरिभिः शुभं भवतु ॥

३४३. सं० १५१२ वर्षे ला० श्रीमालीसो० देवसीभार्या-वाछूसुतसमधरभा० चांपू सु० मांकादिकुटुंबयुतया भगिनीश्रा० आसिनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिं० का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीर-त्नशेखरसूरिभिः ॥

३४४. संवत् १५३६ वर्षे फागुणशुदि ३ रवौ ऊकेशवंशे छाजहडगोत्रे मं० कालूपु० भयणाभा० नामलदे तयोः पुत्रेण व्य० सिवाकेन भा० सिंगारदेपु० सादादिपरि० स० श्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्रति० श्रीखरतरश्रीजिनधर्म(? भद्र)सूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

कबीरपुरा, श्रीअजितनाथजिनालय.

३४५. सं० १५४२ वर्षे वैशाखशु० १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सा० आसाभा० रंगाईसु० सा० अदाकेन भा० इंद्राणीसुतविद्याधर-गदाधरबदासीयाप्रमुखकुटुंबयु० श्रीअनंतनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपा-श्रीउदयसागरसूरिभिः गंधारवास्तव्यः ॥

३४६. सं० १३११ वर्षे चैत्रवदि ७ बुधे श्रीब्रह्माणगच्छे स्वमातुः पाल्हणदेव्याः श्रेयोऽर्थं.. श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रति०..............श्रीजह(?ज्ज)कसूरिभिः ॥

३४७. सं० १४११ वर्षे वैशाखवदि १२ गुरौ श्रीमालज्ञातीय ....देन का० प्र० श्रीशांतिनाथबिंबं श्रीअमररत्नसूरिभिः ॥

(२) श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालय.

३४८. संवत् १५८४ वर्षे वैशाखवदि ४ शुक्रे श्रीश्रीमाल-

ज्ञातीयसा० वाला भा० वल्हादेपुत्रसा० जावडभार्यालाडीसुतधनराजनिजकुटुंब आत्मश्रेयसे श्रीश्रीश्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे भट्टारकश्रीशिवकुमारसूरिभिः वटपद्रनगरे ॥

३४९. सं० १५३३ वर्षे पौषशुदि १५ सोमे सिद्धपुरे भाव० साल्हाभा० साकुंसु० वलाकेन भा० अमकूसु० रत्नादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

३५०. सं० १५२४ वर्षे वै० शु० ३ विद्यापुरवासिश्रीश्रीमाळज्ञा० मं० लषमीधरभा० मांगूपुत्रकडूभार्यावीजूनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं..................[द्विवंदनीक]गच्छे श्री..............सूरिभिः ॥

३५१. संवत् १६१५ वर्षे पौषवदि ६ शुक्रे श्रीगंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयसाहपासवीरभार्यापूतलिसुतसा० वर्द्धमानभार्या विमलादेसुतसा० लहूजीनाम्ना स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३५२. संवत् १५४७ वर्षे मा० शु० १३ रवौ गंधारवासिसं० माईयाभार्यामाणिकदेसुतसं० भोजाभा० सं० हीरूनाम्न्या निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रति० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

३५३. संवत् १५०६ वर्षे वैशाखशुदि ६ सोमवारे पटरकाय(?)गच्छे उपकेशज्ञातीयवुहरागोत्रे देमाभा० दिल्हादे..........
..........श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीयशोभद्रसूरिसंताने प्रति० श्रीशांतिसूरिभिः ॥

३५४. संवत् १५९५ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे श्रीप्राग्वंशे

हिमु नामी धीना धरमसीभारजा कीलाई बिंबं श्रीपारसनाथ तपागच्छ श्रीआणंदविमलसूरिभट्टारकश्री[विजय]दानसूरिप्रतिष्ठितं ॥

वेजलपुरा, श्रीआदिनाथजिनालय.

२९५: संवत् १५१३ वर्षे वैशाखशुदि १० बुधे प्राग्वाट-ज्ञातीयव्य० पेथडसंताने व्य० हरराजभा० हीरादेसुतगुणीयाकेन भा० तालापुत्रभूपतिवस्तादेपालसहजपालादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथादि-चतुर्विंशतिपट्टः श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च गंधारवास्तव्यः शुभं भवतु ॥

२९६. सं० १५६० वर्षे ज्येष्ठव० ७ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय दो० वूसणभा० आपूपु० दो० धनदत्तेन भा० पद्माईपु० दो० श्रीराज मंगा चांपा प्र० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरीणां पट्टे श्रीलब्धिसागरसूरिभिः श्रीगंधा-रवास्तव्यः ॥

२९७. संवत् १५२३ वर्षे वै० शु० २ शनौ श्रीसींहुजग्राम-वास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयश्रे० झालाभा० मेघादेपुत्रश्रे० कालाकेन भा० हचीपु० करणावतावीछागांगादिकुटुंबयुतेन स्वपितृव्यश्रे० भूणाश्रेयोऽर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२९८. सं० १५०२ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय मं० सायरभा० कपूरीसुतमं० महणसिंहेन भा० वर्जूसु० षेतादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरिभिः शुभं भवतु ॥

२९९. सं० १३३७ मा० ४.................................
...................प्रतिश्रीविजय.................................... ॥

३६०. सं० १४३– वर्षे माघ.......२ सोमे......................................श्रीचंद्रप्रभबिंबं.................श्रीहरिप्रभसूरिपट्टे श्री..........घोषसूरिभिः ॥

३६१. सं० १४८९ आ० शु० ८ आमलेसरवासिश्रीश्रीमालज्ञा० व्य० षीमजीभा० राणीसुतया लाहूनाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रति० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

३६२. सं० १......वर्षे माघवदि ९ श्रीश्रीमालश्रे० कुंदलपुत्रश्रे० पाल्हा.........................श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रति० पिप्पलाचार्यश्रीधर्मचंद्रसूरिभिः ॥

३६३. स्वस्तिश्री संवत् १६०३ वर्षे वैशाखशुदि ९ दिने आमथडावास्तव्यमं० नरसिंगभार्यानामलदेपुत्रभाणाकेन निजश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमविमलसूरिभिः ॥

श्रीपद्मप्रभजिनालय(घरदेहरासर).

३६४. सं० १५४७ वर्षे वैशाखशु० ३ सोमे श्रीगंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० ठ० महिराजसु० ठ० सहिसाभा० सा० माईआभा० सूदीसुतावनीदेनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीश्रीधर्मरत्नसूरिभिः ॥

३६५. सं० १५४२ वर्षे वैशाखशु० १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० वि० महुणा भा० माणिकिदेपु० जगाभा० रूडीसु० जइताभा० परबूसु० धना भा० रूपाइ- स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलबिंबं का० प्र० श्रीअंच० श्रीसिद्धांतसागरसूरिभिः श्रीसंघेन गंधारमंदिरे ॥

सीनोर.

श्रीसुमतिनाथजिनालय.

२६६. सं० १५१९ माघशु० ४ रवौ उकेशज्ञा० पितामह-जयताभा० मेचू द्वि० भा०सारू पु०मालाभा०माणिकदेपु०वर्द्धनवीशलकमाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीश्रीवासुपूज्यबिंबं का० रुद्रपल्लीयप्र० श्री-देवसुंदरसूरिभिः ॥

२६७. सं० १२७९ वर्षे वैशाखशु० ३ बुधे ठ०विजयसिंह-श्रेयसे सु०नरपतिना श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा का० प्र० श्रीनमिचंद्रसूरिशिष्य-श्री........प्रभसूरिभिः ॥

२६८. सं० १७१० वर्षे पौषवदि ६ गुरौ स्तंभतीर्थवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० लघुशाखायां राजथाकेन भा०जीवादेगजु एतत्कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० च तपागच्छाधिराजश्रीविजय-राजसूरिभिः शुभं भवतु ॥

श्रीअजितनाथजिनालय.

२६९. सं० १५४२ वर्षे फा० व० ८ शनौ देवासिनगरवा-सिप्राग्वाटज्ञा० सा० देवसी भा० गुरीपु० सा० आसा० भा० धाईपु० सं० बचाकेन भा० माणिकदेपुत्रीनाथीप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२७०. सं० १५५७ वर्षे वैशाखव० ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गागाभा० गंगादेपु० गहिकाकेन भा० सोभागिणि स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसागरतिलकसूरिपट्टे श्रीगुणतिलकसूरिभिः ॥

श्रीविजयलक्ष्मीसूरिजीनी देरीना लेखो.

३७१. सं० १८१९ वर्षे चैत्रशु० १० वीरचंद भ० श्रीविजयसौभाग्यसूरीश्वरपादुकेभ्यो नमः सीनोरनगरे समस्तसंघेन का० श्रीकल्याणमस्तु–शिवमस्तु ॥

३७२. सं० १८६८ श्रावणव० १२ बुध श्रीसीनोरग्रामे संघसमस्तेन का० श्रीविजयलक्ष्मीसूरिपादुकेभ्यो नमः ॥

डभोई (दर्भावती).

[भाग १ मां न आपेला लेखो].

३७३. संवत् १७४५ वर्षे शाके १६१० प्रवर्तमाने मार्गशीर्षमासे शुक्लपक्षे एकादशीतिथौ त श्रीश्रीहीरविजयसूरीश्वरशिष्य उ। श्रीकल्याणविजयग। शिष्य पं। श्रीलाभविजयग। शिष्य पं। जीतविजयग। सोदर सतीर्थ्य पं। श्रीनयविजयग। शिष्यश्रीजसविजयगणीनां पादुका कारापिता प्रतिष्ठिता चेयं तच्चरणसेवकाय। उ[त्तम]विजयगणिना। श्रीराजनगरे ॥

३७४. सं० १८११ वर्षे शा० १६७६ माघशुदि १ शुक्रे श्रीपं० श्रीकृपासौभाग्यग। पंश्री६श्रीदेवसौभाग्यग। पादुका कृता श्रीसागरगच्छे श्रीरस्तु ॥

३७५. सं० १८०८ व० शा० १६७३ प्र० फाल्गुनवदि ८ गुरौ पं० श्री १०८ देवसौभाग्यग। शिष्य पं० रत्नसौभाग्यगणिपादुका स्थापिता श्रेयोऽस्तु श्रीसंघस्स ॥

३७६. सं० १८३१ शा० १६९६ प्र० पोषशु० ७ रवि पं० श्री ९ रत्नविजय पं० दयाविजयगणिशिष्यपं० लक्ष्मीविजयपादुका का० ॥

नडीआद (गूजरात).

श्रीशान्तिनाथजिनालय.

३७७. सं० १५११ वर्षे आसाढशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० डूंगरसीभा० गोमतिसुतव्य० बालाभा० बासूसु० व्य० गोलाकेन भार्यारहीसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिप्रमुखजिनचतुर्विंशतिपट्टः श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसागरसूरिपट्टे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना पूर्वं स्तंमतीर्थवास्तव्यः ॥

३७८. संवत् १५६२ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० वाछाभार्याविजलदेसुतकर्मसीधर्मसीरामाभीमाभार्यामावलदे मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं नागेंद्रगच्छे श्रीरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं षिदिरपुरवास्तव्यः ॥

३७९. सं. १५१९ वर्षे मागसिरवदि ९ गुरु श्रीमालवंशे सोवनगिरागोत्रे सं० धनराज सं० पूजा जीता संग्रामयुतेन माताकणकूसुहागदेपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः॥

३८०. सं० १५९५ वर्षे मात्रवदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीयसो० भीमाभार्याबाईभरमादेसुतसो० सधूभार्या बाई इंद्राणीनाम्नी श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं तपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३८१. सं० १७१० व० ज्ये० सि० ६ गुरौ राजतवा० बाईशिवानाम्न्या श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० तपा० आ० श्रीविजयराजसूरिभिः ॥

३८२. सं० १५२२ वर्षे आषा० व० ७ शनौ ऊमतावासि श्रीश्रीमालीमं० आसाभा० चनूपु० सालिगेन मा० चाईपु० रत्ना

भ्रातृबालासूरालांपादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिश्रीसोमदेवसूरिभिः ॥

३८३. संवत् १५८७ व० शा० १४५२ प्रवर्त्तमाने पोषवदि ६ रवौ श्रीहब्तपुरे श्रीओसवंशे लघुशाखायां श्रे० हर्षाभार्या अजीपुत्री तथा स्वसुरपक्षे मं० सिंघासुतमंत्रिहापाभार्या नाकू तया स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीधर्मरत्नसूरिपट्टे श्रीविद्यामंडनसूरिभिः ॥

३८४. सं० १५२५ वर्षे आणंदवासिवायडज्ञा० श्रे० सिंघाभार्यावीरूपुत्रश्रे० राजाभ्रातृठाकुरसिंहेन भा० पावूपुत्रमहिपादेपालादिकुटुंबयुतेन निजभ्रातृकुराश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

३८५. सं० १६७० व० वै० सि० पंचम्यां बा० तेजबाईनाम्न्या श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० अंचलगच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

३८६. सं० १६९७ फा० शु० श्रीमालीज्ञा० फूलबाईनाम्न्या श्रीशीतलनाथबिंबं प्र० अ० व भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

श्रीआदिनाथजिनालय.

३८७. संवत् १५१८ वर्षे ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे १५ तिथौ ओसवालज्ञातीयधन्नानागोत्रे मं० बालाभा० अमरीपु० मं० जेसा हाला मं० जेसाभार्यारतनाईपु० सहसवीरडूंगराभ्यां निजपितृमातुः श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहद्गच्छे बोकडीयाशाखायां श्रीमलयचंद्रसूरिभिः शुभं भवतु पूजकस्य ।

३८८. सं. १५२१ वर्षे माघशुदि १३ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० लींबाभा० ललतादेसु० जेमिंगभा० देकू द्वि० भा० आसीभ्रा० समधर भा० श्रीयादे द्वि० भा० सहिजलदे सु० हीरावेलासेलासहितेन भ्रा०

जरता सु० वाछा सर्वपूर्वजश्रेयोर्थं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः पिप्पलगच्छे भ० श्रीव....देवसूरिपट्टे भ०श्रीश्रीरत्नदेवसूरिभिः ॥

३८९. सं० १५१२ वर्षे प्राग्वाट० श्रे० झांझणभा० जामू पु० रत्नाभार्यारत्नादेपुत्रचांपासलाषाभ्यां भा० लपमादेपुत्रआसादि-कुटुंबयुताभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

३९०. सं० १४९८ वर्षे माघशु० ९ श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० धरणिगभार्यालाछलदेसुतमूंनाकेन भार्यानेबूभ्रातृदूदाश्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं ब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीश्री॥

३९१. संवत् १५९८ वर्षे वै० शुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० मेघाभार्या मरघाई तत्सुतसा० इंद्राभा० टांकूपुत्ररूपायुतया स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं सर्वसूरिभिः विधिना चिरं जीयात् ॥

श्रीअजितनाथजिनालय.

३९२ संवत् १५९८ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयमंत्रिजावडभार्याजीवादे तत्सुतसा० धनजी भा० कूंअरिनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं सर्वसूरिभिः विधिना शुभं भवतु ॥

३९३. सं० १५२३ वर्षे वै० व० ४ गुरौ श्रीआणंदग्रामवास्तव्यप्रा० ज्ञा० श्रे० कुजाभा० डाहीनाम्न्या पतिश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसुधानंदनसूरिश्रीरत्नमंडनसूरिपरिव्राजैः ॥

३९४. सं० १५२२ फा० शु० १० दिने प्राग्वाटज्ञाति०

श्रे० अर्जुनभा० तेजूपुत्रश्रे० नाभाकेन भा० चांदूपु० भनाभ्रातृ जकुझामतासुताभोलीप्रमुखकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्र० तपागच्छेश्वरश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसीहुजग्रामे ॥

३९५. संवत् १५५९ वर्षे माघवदि ४ सोमे मृगपल्लीवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० वरदेभा० सुहागदेसुत देवदत्त अदा देवदत्तभा० देवलदेपु० सीधरलपु० सामलनरसिंगयुतेन स्वमातृश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

३९६. संवत् १५०६ वर्षे वैशाखशुदि ६ दिने श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० सरवणभार्याटीवूसुतहेमराजेन भा० मटकूसुतजीवा भादाकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

३९७. संवत् १५६१ वर्षे फागणशुदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० ढोलाभा० माणिकदेसुतसा० गोविंदभार्यालाच्छीसु० सा० वस्ताभा० सोभागिणिसुतरायमल्लसा० वस्ताकेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं आत्मश्रेयसे प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीश्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

३९८. संवत् १४७९ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० देवडभा० देवलदेसुतचांपाकेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीपद्मप्रभबिंबं कारापितं आगमपक्षीयभ० श्रीअमरसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३९९. संवत् १५२८ वर्षे चैत्रवदि १० गुरौ श्रीश्रीवंशे सो० मनाभार्यारांभूपुत्रसो० मांडणसुश्रावकेण भा० लहिकूपुत्रसो० नरपति सो० जीवा सो० राजा पौत्रवस्ताकीकासहितेन पुत्रवधूजसमादेपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छाधीश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० संघेन ॥

४००. संवत् १५१५ वर्षे फागुणशुदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० फालु(?)भा० हरषूसुतदो० जगासुताझटकूनाम्न्या देवसीभार्यया आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीअनंतनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीजिनरत्नसूरिभिः ॥

४०१. सं० १५०९ वर्षे ज्येष्ठवदि ९ गुरौ ओसवालज्ञातीयमं० सारंगभार्याबा० संपूरी तयोः सुतमं० कुरसीभार्या कुतिगदे तत्सुतागदीनाम्न्या निजपितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे गच्छनायकभ० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः चतुर्विंशतिबिंबपट्टः ॥

४०२. संवत् १५६१ वर्षे वैशाखवदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयकाहानाभा० ऊछीसुतकोईआभार्यालषाईश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यचतुर्मुखबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः नडीआदवास्तव्यः ॥

४०३. विक्रमसं० १४९५ वर्षे माक(?)तज्ञातीयश्रा० टबकूभ्रातृमं० महिपाभा० लषमादेभा० साणीपुत्रमं० बुटाकेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीवर्द्धमानचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः ॥

४०४. सं० १५०८ वर्षे वै० शु० ५ वायडज्ञातीयनटीपद्रवासिदो० कर्मसीभा० कर्मादेसु० दो० जूठाकेन भा० माणिकदेभ्रा० शिवाभा० राजलदेपु० विरुआजेसिंगादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिपट्टे श्रीमुनिसुंदरसूरिश्रीजयचंद्रसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

४०५. संवत् १६१५ वर्षे श्रीनटपद्रवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयसा० जिणदाससुतसा० अमीपालभारजाबाईमोहणदेसुतसा०

रत्नपालसा० श्रीपाल श्रीशीतलनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः वैशाखशुदि ६ ॥

४०६. सं० १६६६ वर्षे फाल्गुनसितैकादश्यां शुक्रवासरे पुनर्वसुनक्षत्रे च नटपद्रवास्तव्य.. ....न स्वश्रेयसे श्रीहीरविजयसूरीश्वरपादुका कारापिता प्रतिष्ठिता च श्रीतपागच्छे पातसाहिश्रीअकब्बरप्रतिबोधदायकश्रीशत्रुंजयादितीर्थकरमुक्तिकारकभट्टारकपरंपरापोलोमीपोलोमीप्राणप्रियभट्टारक-श्रीहीरविजयसूरीश्वरपट्टोदयाचलशिखरसहस्रकिरणसमानपातसाहिश्रीअक-ब्बरप्रदत्तषड्जल्पस्फुरन्मानसंप्रतिविजयमानभ० श्रीविजयसेनसूरीश्वरशिष्य श्रीविजयदेवसूरिभिरिति श्रेयोऽस्तु ॥

खेडा (गूजरात).

रबारीवाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

४०७. संवत् १५१५ वर्षे फाल्गुनशुदि ८ शनौ गूजरवाडा-वास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिकडूआभार्यारूदीसुतगंगचप्रवरेण आत्मश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथादिपंचतीर्थी कारिता आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिसुगुरूपदेशेन प्रतिष्ठिता च ॥

परामां श्रीआदिनाथजिनालय

४०८. सं० १५२० वर्षे मार्गशीर्षव० ५ गुरौ प्राग्वाटज्ञातिसा० दुदाभा० देवलदेपुत्रसा० हरमाकेन भा० देमतिपुत्रदेवदावटसूरादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथमूलनायकश्चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० तपागच्छनायकश्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः मंडपे ॥

४०९. संवत् १५०९ वर्षे पौषवदि ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृव्यसं० चेपणपितृव्यापूरीश्रेयोऽर्थं भ्रातृव्यभामाकेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

४१०. सं० १५३४ वर्षे फा० शुदि १३ दिने श्रीगूर्जरज्ञा० साहूगोत्रे सा० सहसाभा० श्रा० मानूपुत्रसा० वीराकेन भा० श्रा० सुहामणिपुत्रश्रीराजसहितेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

४११. सं० १६४२ वर्षे माघवदि १० गुरौ अहिमदावादवास्तव्यगूर्जरज्ञातीयवृद्धशाखायां दो० मंगलसुतअमजी श्रीवासुपूज्यस्य बिंबं कारितं कर्मक्षयार्थं शुभं भवतु । बाईमाणिकदेसुतगवडश्रीमहिवलछज ॥

४१२. संवत् १५०७ वर्षे ज्येष्ठवदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० मलुसीभा० महगलदे पितृमातृलघुभ्रातृसमधरश्रेयसे सु० वाचाकेन भा० चाईसहितेन श्रीशांतिनाथमुख्यपंचतीर्थी कारिता श्री पूर्णिमापक्षे भ० गुणसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

४१३. सं० १५५२ वर्षे ज्येष्ठशुदि १३ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय अंबाईगोत्रजाभक्तश्रे० वीढाभा० शाणीपु० पदागदादेवायतननिमित्तं पुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं पीपलश्रीदेवप्रभसूरिभिः ॥

४१४. संवत् १५७३ वर्षे वैशाखशुदि ६ गुरौ श्रीश्रीमाल ज्ञातीयमं० भूचाभा० मावलदेसु० मं० अर्जन मं० चाचल अर्जनभार्यावनादेसुतषेतापाताभ्यां आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं

श्रीआगमगच्छे श्रीसोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं च विधिना चोटिलायवास्तव्यः ॥

४१५. सं० १५१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि ६ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० षेताभार्या साधूसुतमदाभा० माणिकदेसुतजीवा भ्रातृवालाकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१६. संवत् १५३० वर्षे माघवदि २ शुक्रे गोवूवास्तव्य प्राग्० श्रे० राणाभा० शाणीपु० नागाभा० रूडीपु० आमराज कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारापितं प्रति० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१७. संवत् १५१८ ज्येष्ठवदि ९ शनौ खेडाहरीआलावास्तव्यउपकेशज्ञातीयलघुशाखीयश्रेष्ठिनरसिंघभार्यानामलदेपुत्रश्रेष्ठिसांगाकेन भार्यारणकूप्रमुखस्वकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीजयचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

४१८. सं० १५२५ वर्षे फा० शु० ७ नीमाज्ञा० दो० वाछाभा० करणूपुत्रदो० महिराजेन भा० रंगीपुत्रपासादिकुटुंबयुतेन भ्रातृदो० सहजाश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छेश-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१९. सं० १५६८ वर्षे वै० शु० ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० लापासु० श्रे० नगाभा० मानूसु० २ श्रे० रंगा धर्मसी रंगाभा० लषमाईसु० अमरसी देवदास प्र० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसुमतिरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना मांडलिवास्तव्यः ॥

४२०. सं. १५२३ वर्षे वैशाखवदि ७ रवौ सीहुंजवास्तव्य प्रा० ज्ञा० सा० नागाभा० धारूसुतसा० आसाभा० दूसीसुतसा० आणंदेन भा० संपूरी भ्रातृगेलाभा० कलू श्रेष्ठिगणपतिप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४२१. संवत् १६२८ वर्षे वैशाखशुदि ११ बुधे वृद्धशाखायां श्रीश्रीमालज्ञातीयसो० अमासुतसो० मेत्राभार्याश्रीबाईसुतप० सहसवीर भार्या अमरादे द्वितीयभार्या वच्छाईसुतप० सूरजीप० अवजीकेन-स्वपितृसहसवीरवचनप्रतिपालनाय प० सूरजी अवजीकेन पित्रिपुण्यार्थं स्वकुटुंबयुतेन श्रीअनंतनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीहीरविजयसूरिभिः अहमदावादनगरे ॥

४२२. संवत् १५३३ वर्षे पौषवदि १० गुरौ ऊकेशवंशे दो० भाचाभा० मांईपुत्रदो० समधरेण भा० डाहीपुत्रसापापासादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः॥

४२३. संवत् १५३७ वर्षे वै०शु० १० ऊकेशसा० धाऊआभा० धर्मादे कउतिगदेपुत्रसा० मेघाकेन भा० जसाईपुत्रसा० सीधरभा० सीतादेप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४२४. संवत् १५०९ वर्षे मार्गसिरिसुदि ६ शनौ ऊकेशवंशे कादीगोत्रे कादासा० नेमणभा० श्रा० गरिनारीपुत्रका० सा० जीवाभा० सोनाई स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥ शुभं भवतु ॥

४२५. सं० १५२७ ज्ये०व० प्राग्वाटज्ञातीयसं० मोकलभा० जाणीसुतसं० कर्मसिंहेन भा०रमकूपुत्रसं० धिरपालभार्यावाल्हीप्रमु-

खकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्री-लक्ष्मीसागरसूरिभिः कर्करानगरे ॥

४२६. सं० १६२२ वर्षे पोसवदि १ रवौ अहमदावादे वृद्धशाषीश्रीमालीसा० सदयवंतभार्यया हरषादेनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं तपापक्षे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

लांबीशेरी, श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालय.

४२७. संवत् १२२९ ज्येष्ठवदि ५ जसवंतकुटुंबसहित संडेरण ॥

४२८. सं. १५२१ वर्षे माघशु० १३ गुरौ प्राग्वाटश्र० सापलभा० आसूसुतदो० धीगाकेन भा० भरमासुतसधारणनाथातागा-दिकुटुंबयुतेन मातृश्रेयसे श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्न-शेखरसूरिपट्टालंकारश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीअहम्मदावादे ॥

४२९. सं० १३०९ वर्षे फागुणवदि ५ गुरौ व्य० आषड-भार्यापूनिणिश्रेयोऽर्थं सुतआसदेवेन श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रति-ष्ठिता श्रीधर्मदेवसूरिभिः ॥

शेठवाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

४३०. सं० १५१३ वर्षे फागुणवदि १२ सोमे जंबडगोत्रे चंदूमंताने सं० चैतापुत्रसं० सीरंगपुत्रैः भानासीदेउराजासे० श्रीपालवी-रधवलारैयः निजमाताकोडीपुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

४३१. संवत् १५८० वर्षे ज्येष्ठवदि ९ गुरौ श्रीमालज्ञा-तीयसं० नारदभा० पुहुतीसु० सं० जेठाकुरपालनीसलश्रीपालैः भार्यापुत्रा-

दियुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

४३२. संवत् १५४३ वर्षे वैशाखवदि १० शुक्रे श्रीमद्गूर्जरज्ञातीयमं० गोपालभा० झाईसुत मं० संग्रामेण भा० रामतियुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

४३३. सं० १६२४ वर्षे महाशुदि ६ सोमे नागुरमध्ये श्रीश्रीओसवालज्ञातीयसं० श्रीकणभा० अरघादेसं० अचलदासभा० अचरंगदे श्रीवासुपूज्यबिंबं करापितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

४३४. सं० १५२० वर्षे माघशुदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालवंशे सो० मनाभा० रांभूपु० सो० सामलभा० चांपूपुत्रसो० सिंहासुश्रावकेण भार्यावाल्ही वृद्धभ्रातृसो० वाघा तत्पत्नी रामतिपुत्रतेजपालप्रमुखसमस्तकुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीगच्छनायकश्रीजयकेसरिसुरिगुरूपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीसंघेन प्रतिष्ठितः ॥

दलालनो टेकरो, श्रीपद्मप्रभजिनालय.

४३५. सं० १५०९ वर्षे महाशु० २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातौ श्रे० जेसिंगभा० जसमादे द्वि० भा० झबूसुतवांदाकेन पि० मा० पितृव्यमेघा भ्रातृदेवा स्वपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे भ० श्रीसोमचंद्रसुरिपट्टे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

४३६. स्वस्तिश्री सं० १५१३ वर्षे वैशाखशुदि २ सोमे श्रीगूर्जरज्ञातीयमं० सुहडाभार्या बाईसुहडादे तत्पुत्रमं० सारंगभा० सांतूपुत्रेण मं० वीरमनाम्ना भा० बाईगांगीसुत वस्ता तेजा हापा हंसराज पंचायण प्रमुखस्वकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीवृह-

त्तपागच्छे भ० श्रीविजयधर्मसूरिपट्टे भ० श्रीविजयरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीघोघावास्तव्यः ॥

४३७. संवत् १५१९ वर्षे पोषवदि ९ शुक्रे उ० ज्ञा० कूकूलोलगोत्रे महं०गोपालपु० जावडभा० २ संपूरी जीवादेपु० अदाहरराज सोमाएतैः मं० जावडनिमित्तं पितृनिमित्तं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे श्रीजयमंगलसूरिसं० श्रीकमलप्रभसूरिभिः शुभं भवतु ॥

श्रीमहावीरजिनालय.

४३८. संवत् १५०९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ११ श्रीश्रीमालीयज्ञातीय सा० सीत्तलभा० सुहागदेपुं० जीदाकेन आ० श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे श्रीपद्माणोदयसूरिभिः ॥

४३९. सं० १५४३ वर्षे फा० व० ८ शनौ सीद्रसावासि प्रा० सा० सोलाभा० रूडी पु० सा० मांजाभा० धरणूनाम्न्या प्रा(का)कीमा प्रमुखकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४४०. सं० १५३१ वर्षे वै० वदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० धनाभा० भरमादेसु० व्य० जेसाभा० कपूरीसु० प० वस्ताकेन भा० गांगीसुतहर्षाभा० अजीप्र० समस्तकुटुंबयुतेन पितृमातृश्रेयसे श्रीशांतिनाथादिच० पू० श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुप० कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना ।

श्रीभीडभंजनपार्श्वनाथजिनालय.

४४१. संवत् १५०७ वर्षे माघशुदि ११ बुधे श्रीश्रीमाल-

ज्ञातीयमं० मूंजाभा० वाछू भा० मचकू मं० मेघाभा० षीमा मं० सालिगभा० सोमलदे एभिः मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षे भ० गुणसमुद्रसूरिभिः । वा० बालसासण ॥

४४२. संवत् १६८३ ज्येष्ठशुदि ६ गुरौ श्रीश्रीमालीज्ञातीयपरीक्षसोनजीकेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं संघेन श्रीअंचलगच्छे भ० श्रीकल्याणसागरसूरीणामुपदेशतः सा० पदमसीकारितप्रतिष्ठायां श्रीरस्तु ॥

४४३. सं० १५२० वर्षे वैशाखशु० ११ दिने ५ उकेशवंशे साहूशाखायां सा० सिवापु० सा० सद्धाभा० सुहागदेपुत्रसा० श्रीमल्लेन भा० पल्हाईप्रमुखानि पूजार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः । अहमदावादवास्तव्यः ॥

४४४. संवत् १५२३ वर्षे वैशाखशुदि १३ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० नरपालसुतश्रे० जईताकेन भा० धनीसुतहीरसीहहर्षा प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्रति० श्रीविमलसूरिभिः वीजापुरनगरे ॥

४४५. सं० १२२० ज्येष्ठवदि........सोमे सुनावलीकया महावीरः कारितः ॥

४४६. संवत् १५७० वर्षे पौषवदि २ गुरौ श्रीअहम्मदावादनगरे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० डूंगरभा० वीरूसुतसा० नरपतिभा० जीवणिसुतदो० लषासुश्रावकेण भा० धारीसु० सा० जावडसहितेन स्वपितुः कारितनीलमणिपार्श्वनाथप्रतिमायाः श्रीअंचलगच्छेशश्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन स्वपुण्यार्थं परिकरोऽकारि प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन शुभं भवतु ॥

४४७. संवत् १६....वर्षे....मासे....पक्षे अहमदावादनगरे ओसवालज्ञातीयसाहहांसाभार्या हांसलदेपुत्रसा० श्रीपालेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीराजविजयसूरिभिरिति भद्रम् ॥

४४८. संवत् १५७२ वर्षे वैशाखशुदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० सं० हापाभा० मटकीनाम्न्या सु० श्रीरंगभा० शिरीयादेसु० रायमल्ल-श्रीमल्लादिस्वकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीश्रीविमलनाथादिपंचतीर्थी श्रीअंचलगच्छे श्रीसोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना अहमदावादवास्तव्यः ॥

४४९. सं० १५३१ वर्षे वैशाखवदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० सा० गोआभा० भाऊसु० सा० साजणभा० मंदोअरिसु० सा० लटकणभा० साडूसु० साहश्रीराजेन भा० हीराईप्र० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअरनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः पूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना श्रीअहमदावादवास्तव्यः ॥

४५०. सं० १५०१ वर्षे वै०शु० ३ शनौ ऊकेशज्ञातीये तेलहरागोत्रे श्रे० पद्माभा० झटकूसुतश्रे० पूनाभा० हर्षूसंपूरीसुतहीराकेन भा० कपूरीभ्रातृधीराभा० पूरीसु० हादाडाहादिकुटुंबयुतेन स्वपितृश्रेयोनिमित्तं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमुनिसुंदरसूरिभिः तपागच्छेशैः ॥

४५१. संवत् १५२८ वर्षे माघशुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सा० लीबाभार्यारत्नूसुतसा० समराभार्यासाधूसुतमेघाकेन भार्याजीविणिसुत असपतिभार्याहरषू द्वितीयसुतबडूयाभा० रमाईसुतहीरादिसमस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

४५२. संवत् १६२८ वर्षे वैशाषशुदिशुक्लैकादशीबुधे सकलसंघेन बिंबं कारितं श्रीतपागच्छाधिराजश्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं॥

४५३. सं० १५९५ वर्षे माघवदि २ बुधे बाई करमाईनाम्नी श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीतपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

४५४. सं० १५४७ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीमंडपे श्रीमालज्ञातीयसं० ऊदाभा० हर्षूपु० सं० षीमाभा० पूतीसं० नगसीभा० माकुपु० सं० गोल्हाभा० सामापु० सं० मेघापु० शाणी लघुभ्रातृ मं० राजाभा० सागूपु० सं० जावडभा० धनाईजीवादेसुहागदेसकूदेधनाईपु० सं० हीराभा० रमाई सं० लालादिकुटुंबयुतेन ४ बिंबकारापिता निजश्रेयसे श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीश्रीसुमतिसागरसूरिभिः ॥

४५५. सं० १५२१ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० बुधे बंलगोत्रे सा० कर्मणपुत्ररेलणपुत्रडीडाभा० देल्हणीदेपुत्ररामाकेन पुत्रनरसिंहादियुतेन निजपितृडीडापुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० कृष्णर्षिगच्छे श्रीनयचंद्रसूरिपट्टे श्रीजयसिंहसूरिभिः ॥

४५६. संवत १५९६ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे श्रीऊकेशज्ञातीयसो० गोव्यंदभार्यागंगादेसुतसो० मेघाभार्या श्रा० माहलणदेसो० कीकाभार्याश्रा० धर्म्माईसो० मेघारूडासो० काहनायुतेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥

४५७. संवत् १५२८ वर्षे माघशुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० म० राजाभार्याअमकूसुतया तथा सा० समराभार्यासाधूसुतसा० बहिदेभार्यया श्रा० कुतिगदेनाम्न्या सुतसा० पहिराजवदाप्रमुखकुटुं-

बयुतया स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः श्रीअहम्मदावादनगरे ॥

४५८. सं० १७०० वर्षे द्वि० चैत्रसित ८ गुरौ श्रीउमतावास्तव्य उकेशज्ञातीयदो० करमसीभार्या बाईकरमादेसुतदो० सोमजीनाम्ना श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराजभट्टारकश्रीश्रीविजयदेवसूरिभिः..........मलकीपुरे.......॥

मातर.

श्रीसुमतिनाथ मुख्य बावनजिनालय.

४५९. सं० १३४० वर्षे वैशाखवदि १० शुक्रे श्रीमालपितृ० ...मातृसाहिणिश्रेयोऽर्थं सुत जाल्ह...श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ॥

४६०. सं० १४११ व० ज्येष्ठशुदि १२ शनौ प्रा० ज्ञा० दो० लोलाभा० कुंरदे उभाभ्यां निमित्तं आकाहेन श्रीआदिनाथबिंबं का० मदा(डा)हडीयश्रीमाणिक्यसूरिपट्टे प्र० श्रीमाणदेवसूरिभिः ॥

४६१. सं० १४७७ व० वैशाख......उपकेशज्ञातीय दो० गोदाभा० गंगादेसु० साचानिमित्तं वेला सहसा रंगा सामत्त पांचाकेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं श्रीजीरापल्ली[य]गच्छे प्र० भ० श्रीसालिभद्रसूरिभिः ॥

४६२. सं० १५११ वर्षे ज्येष्ठवदि १० सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० परवतभा० मरगदिसु० केल्हाकेन भ्रातृजीदायुतेन

आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन का० प्रतिष्ठितं ॥

४६३. सं० १४३९ माघवदि १२........व्यव० डूंताभा० माल्हणदेपुत्रमल्हणाकेन पित्रोः श्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्रति० मडृहडीयश्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

४६४. सं० १४९९ आ० शु० १० प्राग्वाटव्य० सांगणभा० सुदीसुतखेताकेन वाछाऽपरनाम्ना भा० कांऊपुत्रवस्तावाघादियुतेन भ्रातृहकूश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीमुनिसुंदरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

४६५. सं० १४८३ वर्षे वैशाखशुदि ५ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० मेघाभार्यारामलदेसुतवयरसिंहेन भार्याकाऊं भ्रा० हाथिया गांगा कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसागरसूरिभिः ॥

४६६. सं० १५५४ वर्षे फागुणशुदि...श्रीप्राग्वाटज्ञातीय व्य० पेथडसंताने व्य० भूपति भा० साधूसुतापतूनाम्न्या भ्रातृसचवीर डूंढादिकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन कारापितं प्रतिष्ठितं चेति ॥

४६७. संवत् १५८१ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० रतनाभा० धाकापु० सा० डाहीयाभा० पद्माईसहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं श्रीअंचलगच्छे श्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

४६८. सं० १५२७ वर्षे वैशाखवदि १० भावसार स० करणा भा० राजूसुतजीवाभा०.............तृश्रेयसे श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं श्रीआगमगच्छेशश्रीदेवरत्नसूरींद्राणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

४६९. सं० १५२३ वर्षे वैशाखशु० ३ प्राग्वाटज्ञा० सा० भोजाभा० हीरूपुत्र्या मानूनाम्न्या श्रे० नरसारपुत्रहीराभार्यया निज-श्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरि-पट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ऊंबरहटवास्तव्यः श्रीरस्तु ॥

४७०. संवत् १४७६ वर्षे चैत्रवदि ९ रवौ भावसारबडूया-भार्याबा० लाडकीसुतेन भा० हरदेवेन स्वश्रेयसे आगमगच्छे श्रीजया-नंदसूरीणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथादिपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीसू-रिभिः शुभं भवतु ॥

४७१. संवत् १४६१ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० शुक्रे उपकेशज्ञा० श्रे० सांगणभार्यासुहवदेपुत्रधणसीहेन सु० मेघासहितेन पितृपितृव्यराणा-निमित्तं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० काशह्रदगच्छे श्रीदेवचंद्रसूरिभिः ॥

४७२. सं० १५०८ वर्षे वैशाखशुदि ९ सोमे ओसवंशे दुसाझगोत्रे सा० राउलपुत्रेण सा० वस्ताकेन स्वपुण्यार्थं श्रीअजितनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीमलधारिश्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

४७३. ....श्रीशांतिनाथ प्र० श्रीमदनसूरि ॥

४७४. सं० १–२९ वर्षे वैशाखशुदि १०....श्रीमालि० साल्हणभा०....रणह....निमित्तं........पंचतीर्थीबिंबं प्र० उ० श्रीमुनि-चंद्रसूरिभिः ॥

४७५. सं० १५२० वर्षे वैशाखवदि ५ दिने श्रीमालीयज्ञातौ लघुशाखायां मं० ऊदाभार्यावाऊपु० मं० साईयाकेन भा० पूरीपुत्रमं० खेतावरूआसहितेन श्रीआदिनाथबिंबं कारि० श्रीउप०गच्छे कक्क० संताने प्र० श्रीककसूरिभिः ॥

४७६. संवत् १५४९ वर्षे कार्त्तिकशुदि १२ गुरौ श्रीश्रीमा-लज्ञा० श्रे० देवाभा० धर्मिणि पु० गहियाकेन भा० सहितेन स्वमातृ-

पितृनिमित्तं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीशीलगुणसूरिभिः वढवाणवास्तव्यः ॥

४७७. सं० १३४९ वैशाखशुदि....श्रीमालज्ञातीयश्रे० क(म)-हणसिंहेन भार्या........श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री-पासदेवसूरिभिः ॥

४७८. सं० १५२९ वर्षे मार्गशिरशुदि १० शुक्रे प्राग्वाट-ज्ञातीयमं० मांडणभार्याआसूसुतसोलाकेन भार्यामाणिकदेपुत्रभचातेजा-दिसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः कौढरवग्रामे ॥

४७९. सं० १५१९ वर्षे माघशुदि १ शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० परी० गदाभार्यावाछूपुत्रहीराभा० हीरादे पितृमातृश्रेयोऽर्थं आत्मश्रेयसे श्रीअ-जितनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीमा० पूर्णिमापक्षीयभ० श्रीजयशेखर-सूरीणामुपदेशेन श्रीसूरिभिः ॥

४८०. सं० १५१६ वर्षे वै०व० १ ऊकेशव्य० वाछाभा० झबकूपुत्रव्य० देवराजेन भा०नगलदेपुत्रपासडलोलादिकुटुंबयुतेन श्रीन-मिनाथबिंबं का० प्र० ब्र० गच्छे श्रीसूरिभिः सीरोहीनगरे ॥

४८१. सं० १५४६ वर्षे मा०शु० २ शनौ आशापल्लीयप्राग्वाट-ज्ञातीयदो० सापाभार्यागिरमूपुत्रीनाथीकया निजमातृश्रेयोऽर्थं श्रीआदि-नाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः॥

४८२. सं० १५०५ वर्षे वैशाखशु०२ प्राग्वाटज्ञा० व्य० नरसीभा० पूरीसुतसदाकेन भा० रूपिणिसुतहेमागणीआदिकुटुंबयुतेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरि-शिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

४८३. सं० १४९९ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीमालज्ञातीयठ० गोराभा० जयतिलदेपितृगोवलमातृललतादेभ्रातृसिंघाश्रेयोऽर्थं सूराकेन श्रीशांतिनाथपंचतीर्थी कारिता प्र० श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीपासचंद्रसूरीणामु० ॥

४८४. संवत् १५६१ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ दिने श्रीमालवंशे फोफलियागोत्रे सं० लाषाभार्यालीलादेपु० सं० जेसिंघभा० षीमाईनाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

४८५. सं० १५०१ वर्षे ज्येष्ठवदि १२ ओ० पीपाडागोत्रे सा० सूमणपु० कमलभा० कील्हणदेपु० सा० केलाकेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीपल्लिकीयगच्छे श्रीशांतिसूरिपट्टे श्रीयशोदेवसूरिभिः ॥

४८६. सं० १३७९ वर्षे फागणशु० ८ सोमे कापडवाणिज्ये श्रीगूर्जरज्ञातौ मातृजयतल्लदेविश्रेयोऽर्थं ठ० साजणेन श्रीआदिनाथबिंबं श्रीकमलप्रभसूरीणामुपदेशात् कारितं प्रतिष्ठितं च ॥

४८७. सं० १५१९ वर्षे आसाढव० १ दिने श्रीमंत्रिदलीयश्रीभगाडगोत्रे ठ०चंदनभार्यासिंगारदेवीपुत्रठ० सं० नाथेन भार्यानामलदेव्यादिपरिवारसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

४८८. सं० १५०५ वर्षे प्राग्वाटसा० महणाभा० भर्मीपुत्रसा० कूर्माकेन भा० गुरीकुतीपुत्रवस्ताहांसादियुतेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिप० श्रीजयचंद्रसूरिभिः पौष शु० १५ ॥

४८९. संवत् १..णेन

पितृपा.......श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता श्रीवंकेधरसूरिशिष्यश्रीवीरप्रभसूरिशिष्यश्रीपृथ्वीचंद्रसूरिभिः ॥

४९०. संवत् १५९६ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे ६ तिथौ सोमवासरे श्रीअहिम्मदावादवास्तव्य श्रीऊकेशज्ञातीयसा० जीवाभार्याकीबूसुतसा० सीवाकेन भार्यामांगूयुतेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥

४९१. सं० १५१३ वर्षे वैशाखव० २ सोमवारे श्रीश्रीमालज्ञा० दो० चांपाभा० पूनीपु० दो० धनाभा० जीविणिसु० सिंघासीहादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

४९२. संवत् १५२२ वर्षे पौषशुदि १३ सोमे प्राग्वाटज्ञातीयश्रेष्ठिधनाभार्यामिचूपुत्रवाछाकेन भार्यासाधूपुत्रजीवराजसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं द्विवंदनीकगच्छे भट्टारकश्रीसिद्धसूरिभिः प्रतिष्ठितं झालोडाग्रामे ॥

४९३. सं० १५१९ वर्षे आषाढशु० ७ गुरौ वीसलनगरवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० जेसाभार्यानीनूसुतसहितासूंचराभ्यां अमकूगरीसुतवासादिकुटुंबयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः ॥

४९४. संवत् १४९४ वर्षे माघशुदि अष्टमी शनौ श्रीमालज्ञातीयव्य० लाषाभार्यालाषणदे तत्श्रेयोऽर्थं वाघासीहाकेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवप्रभसूरिभिः ॥

४९५. संवत् १५१५ वर्षे माघशु० ७ गुरौ पोसीनासावलीनिवासी ओसवालसं० लाषाभा० हर्षूसु० सं०तिहुणाकेन भा० नीती

भ्रातृषीमायुतेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

४९६. सं० १४२४ वैशाषशुदि २ बुधे प्राग्वाटज्ञा० पितृदेलामातृलाछिश्रेयोऽर्थं सुतनरदेवेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं श्रीनेमिचंद्रसूरिपट्टे श्रीदेवचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

४९७. सं० १६१७ वर्षे पौषवदि १ गुरौ अह्मदावादे आगमगच्छीयश्रीमालीसा० तेजाभा० मल्हाईसुतहासाभा० हर्षाईसुतहरपतिना भा० कोडमदेयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

४९८. सं० १२७८ वर्षे श्रे० श्रा०....लसुतमहआल्हणेन स्वमातृमंदोदरिश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं कारितं ॥

४९९. सं० १५१६ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ गुरौ श्रीमालज्ञा० वि० जगसीभा० जासलदेसुतशाणाभा० अमकू तया भर्त्तृश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं च ॥

५००. सं० १४७१ वर्षे माघशु० ७ प्राग्वाटज्ञातीयव्य० सांगाभार्या ऊमलपुत्रलींबाकेन स्वमातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीदेवसुंदरसूरिशिष्यश्रीसोमसुंदरसूरिभिः॥

५०१. संवत् १५२७ वर्षे पौषवदि १ सोमे श्रीप्रा........दाकेन भा० धाईसु० अमीपालसहितेन पितृनिमित्तं श्रीश्रीकुंथुनाथबिंबं का० वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसुरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

५०२. सं० १४८४ वर्षे वै० शु० २ शनौ श्रीश्रीमालीमं० सिंहाभा० सींगारदेसुतवाछाकेन भा० राजूसुतमहिराजजोगामुख्यकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

५०३. संवत् १६४४ व० फा० शु० २ रवौ श्रीअमुदावाद-वास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० रहीयाभा० बाईनाकूसुतभीमाभा० अमाईसुतसुश्रावकसा० नाकरभा० मकूसहितेन श्रीअंचलगच्छेश-श्रीधर्ममूर्त्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं श्रीसंघेन प्रतिष्ठितं स्वश्रेयोऽर्थं श्रीरस्तु ॥

५०४. सं० १५२७ आषाढशुदि १० बुधे श्रीओएसवंशे मीठडीयाशाखायां सोनीमहुणसीभार्याकरमाईपुत्रसो० गोराभार्यारजाई पुत्रसोनीसकलचंदसुश्रावकेण वृद्धभ्रातृसूरचंदसहितेन पितुः पुण्यार्थं श्री-अंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

५०५. संवत १५८४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १३ श्रीश्रीमालिज्ञातौ श्रीआचवाडियागोत्रे मं० हर्षाभार्याकीकीपुत्रमं० महिपालेन भार्याइंद्रा-णीपु० मं० चांपसीनाकरठाकुरपौत्रश्रीकरणधरणादिपरिवृतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिपट्टे श्रीजि-नमाणिक्यसूरिभिः ॥

५०६. संवत् १५६१ वर्षे ज्ये० शुदि २ सोमे श्रीविमलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः प्रतिष्ठितः श्रीनिगमाविर्भावकश्रीइंद्रनंदिसूरिभिः कारितः श्रीश्रीमालीज्ञातीयदो० जुसाभा० पूगीसुतपाहिराजेन भार्यासोनाईयुतेन स्वश्रेयोर्थं ॥

५०७. संवत् १५२९ वर्षे ज्येष्ठवदि १ शुक्रे हुंबडज्ञातीय-जंगमलषमसीहभार्याफदूसुतजंगमदेल्हास्वसा लील्ह एतया आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथस्य चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः । हेमसुंदरगणिश्रेयसे भवतु पूजकस्य श्रीर्भवतु ॥

५०८. सं० १४९२ वर्षे पौषवदि..शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे०

साजणभा० सहजलदेसुतलींबाभार्यालाछलदेसुतदेवराजझांझण एताभ्यां पितृव्यलाषामूलागांगाकोकाश्रेयोर्थं तथा भ्रातृराजासहजासागरश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० ब्रह्माणगच्छे श्रीवीरसूरिभिः शुभं भवतु ॥

५०९. संवत् १५३१ वर्षे माहवदि ८ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय मंत्रिमंडलिकभार्याडाहीपुत्रवरसिंहभार्यावईजलदेयुतेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं द्विवंदनीकगच्छे भ० सिद्धसूरिभिः ॥

५१०. सं० १५०६ माघे वीसलनगरे डीसावालज्ञातीयश्रे० वीकाभा० मचकूपुत्र्या श्रे० समधरभार्यया कालीनाम्न्या श्रीश्रीश्री-मुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

५११. सं...बिंबं कारितं प्र० नागेंद्रगच्छे श्रीपद्मचंद्रसूरिभिः ॥

५१२. सं० १२७० श्रे० चोढडिभार्या विजयसिरिपुत्रीताल्हा-स्वश्रेयसे श्रीमहावीर का० प्र० ब्रह्माणेशश्रीमदनप्रभसूरिपट्टे श्रीमद्रेश्वर-सूरिभिः ॥

५१३. सं. १४०.........................श्रेः। बिंबं का० प्र० श्रीसर्वानंदसूरिभिः ॥

५१४. सं० १५१७ वर्षे मार्गशिर ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा-तीयश्रेष्ठिमांडणभार्यामाल्हणदेसुतमणोरसीभार्यामांजूसुतनागाकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीहारीजगच्छे श्रीमहेसरसूरिभिः सापषडावास्तव्यः ॥

५१५. संवत् १५१५ वर्षे माहशुदि १ शुक्रे श्रीश्रीमाली-ज्ञातीयमं० मेवाभा० माल्हणदेसुतमं० रत्नाभार्या तेजूसुतअमरासीधर-

पुत्रसहितेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीशुभं ॥

५१६. सं० १५४३ वर्षे वैशाषव० १० शुक्रे गूर्जरज्ञा०म० गोपालभा० झाईसु० म० संग्रामभा० रामतिनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं गंधारमंदिरे ॥

५१७. संवत् १५२८ वर्षे पौषवदि ५ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० देवाभा० देऊसुतगणीयानीसलेन स्वपितृव्यसिवाभ्रातृषेताझीथानिमित्तं श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं प्र० अंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

५१८. संवत् १३४६ (?)..............................श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीललितदेवसूरीणामुपदेशेन ब्रह्माण....सूरिभिः॥

५१९. सं० १३७१ वर्षे माघशुदि १४ सोमे पितृसूमदेवपितृव्यतेजपाल पितामही रतनसिरि तथा मातृमेषू एतेषां श्रेयसे सुतमूलूधनपालपूनप्रभृति श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० मलधारिश्रीतिलकसूरिभिः ॥

५२०. संवत् १२७९ माघशुदि २ गुरौ मातृठ० सुहागदेविश्रेयोऽर्थं परीक्षजयताकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचंद्रगच्छीयश्रीश्री[वीर]चां(चं)द्रसूरिभिः ॥

५२१. सं० १३८६ वैशाखवदि १० सोमे व्य० तेजपालभार्या...णदेविपुत्रआवडेन मातृश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्री सूरिभिः ॥

५२२. सं० १४८० वर्षे वैशाखव० ७ शुक्रे प्राग्वाटज्ञा०

महं. पूनाभार्या पूरी सुतपाल्हाकेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारि० प्र० श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

५२३. सं० १....९ कार्त्तिकवदि ४ शनौ श्रीमालज्ञातिपितृ-लोलाश्रेयोऽर्थं मातृवीसलदेविपूजार्थं सुतजगाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं॥

५२४. सं० १४४६ वर्षे वैशाखवदि....उपकेशज्ञातीयव्य० छाडाभार्या किल्हणदे पितृमातृश्रेयसे सुतमेघासिंघाभ्यां श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीपू० श्रीदेवचंद्रसूरिप० श्रीपासचंद्रसूरि उपदेशेन ॥

५२५. संवत् १५३१ वर्षे ज्ये० शु० २ रवौ नागरज्ञातीय वृ० सं० बिंबचीयाणागोत्रे पा० हापाभार्याराजूसुतभलागोपालाभ्यां कुटुंबयुताभ्यां मातृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरिभिः वद्धनगरे ॥

५२६. सं० १४३८ वर्षे ज्येष्ठव० ४ शनौ प्राग्वाट० व्य० मोषट भा० सोमलदेपु० झांझणेन पित्रोः श्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्री गुणसागरसूरिपट्टे श्रीमलयचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

५२७. सं० १४(?)२६ वर्षे वैशाखशुदि १० रवौ श्रीमालज्ञा० ....नाथबिंबं कारितं श्रीकमलचंद्रसूरीणा-मुपदेशेन ॥

५२८. संवत् १४१५ ज्येष्ठवदि १२ वायडज्ञा० पितृमंडलिक मातृमाल्हणदेश्रेयसे सुतवाघाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीरा-सिल्लसूरिभिः ॥

श्रीस्तंभतीर्थ (खंभात).

श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालयप्रशस्तिः ।

॥ ६० ॥ ॐ ॥

५२९. श्रेय:संततिधामकामितमनःकामद्रुमांभोधरः
पार्श्वः प्रीतिपयोजिनीदिनमणिश्चिंतामणिः पातु वः ।
ज्योतिःपंक्तिरिवाब्जिनीप्रणयिनं पद्मोत्करोल्लासिनं
संपत्तिर्न जहाति यच्चरणयोः सेवां सृजन्तं जनं ॥ १ ॥

श्रीसिद्धार्थनरेशवंशसरसीजन्माब्जिनीवल्लभः
पायाद्वः परमप्रभावभवनं श्रीवर्द्धमानप्रभुः ।
उत्पत्तिस्थितिसंहृतिप्रकृतिवाग् यद्गीर्जगत्पावनी
स्वर्वापीव महाव्रतिप्रणयभूरासीद् रसोल्लासिनी ॥ २ ॥

आसीद्वासववृंदवंदितपदद्वंद्वः पदं संपदां
तत्पट्टांबुधिचंद्रमा गणधरः श्रीमान् सुधर्म्माभिधः ।
यस्यौदार्ययुता प्रहृष्टसुमना अद्यापि विद्यावती
धत्ते संततिरुन्नतिं भगवतो वीरप्रभोर्गौरिव ॥ ३ ॥

बभूवुः क्रमतस्तत्र श्रीजगच्चंद्रसूरयः ।
येस्तपाबिरुदं लेभे बाणसिद्ध्यर्क१२८५वत्सरे ॥ ४ ॥

क्रमेणास्मिन् गणे हेमविमलाः सूरयोऽभवन् ।
तत्पट्टे सूरयोऽभूवन्नानन्दविमलाभिधाः ॥ ५ ॥

साध्वाचारविधिपथः शिथिलतः सम्यक्श्रियां धाम यै–
रुद्दध्रे स्तनसिद्धिसायकसुधारोचिर्म्मिते १५८२ वत्सरे ।

जीमूतैरिव यैर्जगत्पुनरिदं तापं हरद्भिर्भृशं
सश्रीकं विदधे गवां शुचितमैः स्तोमै रसोल्लासिभिः ॥६॥

पञ्चाशयैरलमलंक्रियते स्म तेषां
प्रीणन्मनांसि जगतां कमलोदयेन ।
पट्टः प्रवाह इव निर्जरनिर्झरिण्याः
शुद्धात्मभिर्विजयदानमुनीशहंसैः ॥ ७ ॥

तत्पट्टपूर्वपर्वतपयोजिनीप्राणवल्लभप्रतिमाः ।
श्रीहीरविजयसूरिप्रभवः श्रीधाम शोभंते ॥ ८ ॥

ये श्रीफतेपुरं प्राप्ताः श्रीअकब्बरशाहिना ।
आहूता वत्सरे नंदानलर्त्तुशशिभृ१६३९ न्मिते ॥ ९ ॥

निजाशेषेषु देशेषु शाहिना तेन घोषितः ।
षाण्मासिको यदुक्त्योच्चैरमारिपटहः पटुः ॥ १० ॥

स श्रीशाहिः स्वकीयेषु मंडलेष्वखिलेष्वपि ।
मृतस्वं जीजिआख्यं च करं यद्वचनैर्जहौ ॥ ११ ॥

दुस्त्यजं तत्करं हित्वा तीर्थं शत्रुंजयाभिधं ।
जनसाद्यद्गिरा चक्रे क्ष्माशक्रेणामुना पुनः ॥ १२ ॥

ऋषी(षि)श्रीमेवजीमुख्या लुंपाकामतमात्मनः ।
हित्वा यच्चरणद्वंद्वं भेजुर्भृंगा इवांबुजं ॥ १३ ॥

तत्पट्टमब्धिमिव रम्यतमं सृजंतः
स्तोमैर्गवां सकलसंतमसं हरंतः ।
कामोल्लसत्कुवलयप्रणया जयंति
स्फूर्जत्कला विजयसेनमुनींद्रचंद्राः ॥ १४ ॥

यत्प्रतापस्य माहात्म्यं वर्ण्यते किमतः परं ।
अस्वमाश्चक्रिरे येन जीवंतोऽपि हि वादिनः ॥ १५ ॥

सुंदरादरमाहूतैः श्रीअकब्बरभूभुजा ।
द्राग् यैरलंकृतं लाभपुरं पद्ममित्रालिभिः ॥ १६ ॥

श्रीअकब्बरभूपस्य सभासीमंतिनीहृदि ।
यत्कीर्त्तिर्मौक्तिकीभूता वादिवृंदजयाब्धिजा ॥ १७ ॥

श्रीहीरविजयाह्वानसूरीणां शाहिना पुरा ।
अमारिमुख्यं यद्दत्तं यत्साक्षात्सकलं कृतं ॥ १८ ॥

अर्हंतं परमेश्वरत्वकलितं संस्थाप्य विश्वोत्तमं
साक्षात् शाहिअकब्बरस्य सदसि स्तोमैर्गवामुद्यतैः ।
यैः संमीलितलोचना विदधिरे प्रत्यक्षशूरैः श्रिया
वादोन्मादभृतो द्विजातिपतयो भट्टा निशाटा इव ॥ १९ ॥

सैरभी सौरभेयी च सौरभेयश्च सैरभः ।
न हंतव्या न च ग्राह्या बंदिनः केऽपि कर्हिचित् ॥ २० ॥

येषामेष विशेषोक्तिविलासः शाहिनामुना ।
ग्रीष्मतप्तभुवेवाब्दपयःपूरः प्रतिश्रुतः ॥ २१ ॥ युग्मम् ॥

जित्वा विप्रान् पुरः शाहेः कैलास इव मूर्त्तिमान् ।
यैरुदीच्यां यशःस्तंभः स्वो निचख्ने सुधोज्ज्वलः ॥ २२ ॥

इतश्च—

उच्चैरुच्छलिताभिरूर्मिततिभिर्वारांनिधेर्बंधुरे
श्रीगंधारपुरे पुरंदरपुरप्रख्ये श्रिया सुंदरे ।
श्रीश्रीमालिकुले शशांकविमले पुण्यात्मनामग्रणी-
रासीदाल्हणसी परीक्षकमणिर्नित्यास्पदं संपदां ॥ २३ ॥

आसीद्देल्हणसीति तस्य तनुजो जज्ञे धनस्तत्सुत-
स्तस्योदारमनाः सनामुहलसीसंज्ञोऽभवन्नंदनः ।

तस्याभूत् समराभिधश्च तनयस्तस्यापि पुत्रोऽर्ज्जुन–
स्तस्यासीत्तनयो नयोर्ज्जितमतिर्भीमाभिधानः सुधीः ॥२४॥

लालूरित्यजनिष्ट तस्य गृहिणी पद्मेव पद्मापते–
रिभ्योऽभूत्तनयोऽनयोश्च जसिआसंज्ञः सुपर्वप्रियः ।
पौलोमीसुरराजयोरिव जयः पित्रोर्मनःप्रीतिकृद्
विष्णोः सिंधुसुतेव तस्य जसमादेवीति भार्याऽभवत् ॥२५॥

सद्धर्म्मं सृजतोस्तयोः प्रतिदिनं पुत्रावभूतामुभा–
वस्त्येको वजिआभिधः सदभिधोऽन्यो राजिआह्वः सुधीः ।
पित्रोः प्रेमपरायणौ सुमनसां वृंदेषु वृंदारकौ
शर्व्वाणीस्मरवैरिणोरिव महासेनैकदंताविमौ ॥ २६ ॥

आद्यस्य विमलादेवी देवीव सुभगाकृतिः ।
परस्य कमलादेवी कमलेव मनोहरा ॥ २७ ॥

इत्यभूतामुभे भार्य्ये द्वयोर्बांधवयोस्तयोः ।
ज्यायसो मेघजीत्यासीत् सूनुः कामो हरेरिव ॥२८॥ युग्मम् ॥

सुस्निग्धौ मधुमन्मथाविव मिथो दस्राविव प्रोल्लसद्–
रूपौ ख्यातिभृतौ धनाधिपसतीनाथाविव प्रत्यहं ।
अन्येद्युर्वृहदिभ्यसभ्यसुभगं श्रीस्तंभतीर्थं पुरं
प्राप्तौ पुण्यपरंपराप्रणयिनौ तौ द्वावपि भ्रातरौ ॥ २९ ॥

तत्र तौ धर्म्मकर्म्माणि कुर्व्वाणौ स्वभुजार्जितां ।
श्रियं फलवतीं कृत्वा प्रसिद्धिं प्रापतुः परां ॥ ३० ॥

काश्चिल्लदिक्पतिरकब्बरसार्वभौमः
स्वामी पुनः परतकालनृपः पयोधेः ।

कामं तयोरपि पुरः प्रथिताविमौ स्त-
स्तत्तद्दिशोरसदृशोरनयोः प्रसिद्धिः ॥ ३१ ॥

तेषां च हीरविजयव्रतिसिंधुराणां
तेषां पुनर्विजयसेनमुनीश्वराणां ।
वाग्भिर्मुधाकृतसुधाभिरिमौ सहोदरौ
द्राग् द्वावपि प्रमुदितौ सुकृते बभूवतुः ॥ ३२ ॥

श्रीपार्श्वनाथस्य च वर्द्धमान-
प्रभोः प्रतिष्ठां जगतामभिष्टां ।
घनैर्धनैः कारयतः स्म बंधू तौ
वार्द्धिपाथोधिकलामितेऽब्दे १६४४ ॥ ३३ ॥

श्रीविजयसेनसूरिर्निर्म्ममे निर्म्ममेश्वरः ।
इमां प्रतिष्ठां श्रीसंघकैरवाकरकौमुदीं ॥ ३४ ॥

चिंतामणेरिवात्यर्थं चिंतितार्थविधायिनः ।
नामास्य पार्श्वनाथस्य श्रीचिंतामणिरित्यभूत् ॥ ३५ ॥

अंगुलैरेकचत्वारिंशता चिंतामणेः प्रभोः ।
संमिता शोभते मूर्त्तिरेषा शेषाहिसेविता ॥ ३६ ॥

सदैव विध्यापयितुं प्रचंड-
भयप्रदीपानिव सप्तसर्प्पान् ।
योऽवस्थितः सप्त फणान् दधानो
विभाति चिंतामणिपार्श्वनाथः ॥ ३७ ॥

लोकेषु सप्तस्वपि सुप्रकाशं
किं दीप्रदीपा युगपद्विधातुं ।
रेजुः फणाः सप्त यदीयमूर्ध्नि
मणित्विषा ध्वस्ततमःसमूहाः ॥ ३८ ॥

सहोदराभ्यां सुकृतादराभ्या-
माभ्यामिदं दत्तबहुप्रमोदं ।
व्यधायि चिंतामणिपार्श्वचैत्य-
मपत्यमुर्व्वीधरभित्समायाः ॥ ३९ ॥

निःकामं कामितं कामं दत्ते कल्पलतेव यत् ।
चैत्यं कामदनामैतत् सुचिरं श्रियमश्नुतां ॥ ४० ॥

उत्तंभा द्वादश स्तंभा भांति यत्रार्हतो गृहे ।
प्रभूपास्त्यै किमभ्येयुः स्तंभरूपभृतोऽशवः ॥ ४१ ॥

यत्र प्रदत्तदृक्शैत्ये चैत्ये द्वाराणि भांति षट् ।
षण्णां प्राणभृतां रक्षार्थिनां मार्गा इवागतेः ॥ ४२ ॥

शोभंते देवकुलिकाः सप्त चैत्येऽत्र शोभनाः ।
सप्तर्षीणां प्रभूपास्त्यै सद्विमाना इवेयुषां ॥ ४३ ॥

द्वौ द्वारपालौ यत्रोच्चैः शोभेते जिनवेश्मनि ।
सौधर्म्मेशानयोः पार्श्वसेवार्थं किमितौ पती ॥ ४४ ॥

पंचविंशतिरुत्तुंगा भांति मंगलमूर्त्तयः ।
प्रभुपार्श्वे स्थिताः पंचव्रतानां भावना इव ॥ ४५ ॥

भृशं भूमिगृहं भाति यत्र चैत्ये महत्तरं ।
किं चैत्यश्रीदिदृक्षार्थमितं भवनमासुरं ॥ ४६ ॥

यत्र भूमिगृहे भाति सौपानी पंचविंशतिः ।
मार्गालिरिव दुरितक्रियातिक्रांतिहेतवे ॥ ४७ ॥

संमुखो भाति सोपानोत्तारद्वारि द्विपाननः ।
अंतः प्रविशतां विघ्नविध्वंसाय किमीयिवान् ॥ ४८ ॥

यद् भाति दशहस्तोच्चं चतुरस्त्रं महीगृहं ।
दशदिक्संपदां स्वैरोपवेशायेव मंडपः ॥ ४९ ॥

षड्विंशतिर्विबुधवृंदवितीर्णहर्षा
राजंति देवकुलिका इह भूमिधाम्नि ।
आद्यद्वितीयदिवनाथरवींदुदेव्यः
श्रीवाग्युताः प्रभुनमस्कृतये किमेताः ॥ ९० ॥

द्वाराणि सुप्रपंचानि पंच भांतीह भूगृहे ।
जिघत्सवोऽहोहरिणान् धर्म्मसिंहमुखा इव ॥ ९१ ॥

द्वौ द्वास्थौ द्वारदेशस्थौ राजतो भूमिधामनि ।
मूर्तिमंतौ चमरेंद्रधरणेंद्राविव स्थितौ ॥ ९२ ॥

चत्वारश्चमरधरा राजंते यत्र भूगृहे ।
प्रभुपार्श्वे समायाता धर्म्मास्त्यागादयः किमु ॥ ९३ ॥

भाति भूमिगृहे मूलगर्भागारेऽतिसुंदरे ।
मूर्तिरादिप्रभोः सप्तत्रिंशदंगुलसंमिता ॥ ९४ ॥

श्रीवीरस्य त्रयस्त्रिंशदंगुला मूर्तिरुत्तमा ।
श्रीशांतेश्च सप्तविंशत्यंगुला भाति भूगृहे ॥ ९५ ॥

यत्रोद्धता धराधाम्नि शोभंते दश दंतिनः ।
युगपज्जिनसेवायै दिशामीशा इवाययुः ॥ ९६ ॥

यत्र भूमिगृहे भांति स्पष्टमष्ट मृगारयः ।
भक्तिभाजामष्टकर्म्मगजान् हंतुमिवोत्सुकाः ॥ ९७ ॥

श्रीस्तंभतीर्थपूर्भूमिभामिनीभालभूषणं ।
चैत्यं चिंतामणेर्वीक्ष्य विस्मयः कस्य नाभवत् ॥ ९८ ॥

एतौ नितांतमतनुं तनुतः प्रकाशं
यावत् स्वयं सुमनसां पथि पुष्पदंतौ ।

श्रीस्तंभतीर्थधरणीरमणीललाम
तावच्चिरं जयति चैत्यमिदं मनोज्ञं ॥ ५९ ॥

श्रीलाभविजयपंडिततिलकैः समशोधि बुद्धिधनधुर्यैः ।
लिखिता च कीर्त्तिविजयाभिधेन गुरुबांधवेन मुदा ॥ ६० ॥

वर्ण्णिनीव गुणाकीर्णा सदलंकृतिवृत्तिभाग् ।
एषा प्रशस्तिरुत्कीर्णा श्रीधरेण सुशिल्पिना ॥ ६१ ॥

श्रीकमलविजयकोविदशिशुना विबुधेन हेमविजयेन ।
रचिता प्रशस्तिरेषा कनीव सदलंकृतिज्जयति ॥ ६२ ॥

इति परीक्षकप्रधानप० वजिआप० राजिआनामसहोदरनिर्म्मापित-श्रीचिंतामणिपार्श्वजिनपुंगवप्रासादप्रशस्तिः संपूर्णा । भद्रं भूयात् ॥

ॐ नमः । श्रीमद्विक्रमनृपातीतसंवत् १६४४ वर्षे प्रवर्त्तमान-शाके १५०९ गंधारीयप० जसिआ तद्भार्या जसमादे संप्रति श्रीस्तंभ-तीर्थवास्तव्यतत्पुत्रप० वजिआप० राजिआभ्यां वृद्धभ्रातृभार्या विमलादे लघुभ्रातृभार्या कमलादे वृद्धभ्रातृपुत्रमेघजी तद्भार्या मयगलदेप्रमुखनिज-परिवारयुताभ्यां श्रीचिंतामणिपार्श्वनाथश्रीमहावीरप्रतिष्ठा कारिता श्रीचिं-तामणिपार्श्वचैत्यं च कारितं । कृता च प्रतिष्ठा सकलमंडलाखंडलशाहि-श्रीअकब्बरसन्मानितश्रीहीरविजयसूरीशपट्टालंकारहारसदृशैः शाहिश्री-अकब्बरपर्षदि प्राप्तवर्ण्णवादैः श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

५३०. सं० १५०९ वर्षे मार्गशीर्षशुदि ६ दिने ऊकेशवंशे श्रे० सीहाभार्यासलषूपुत्रेण श्रेष्ठिमहिराजेन निजमातृपुण्यार्थं श्रीसुमति-नाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनराजसूरिपट्टेशश्रीजिन-भद्रसूरियुगप्रवरागमैः ॥

५३१. सं० १३८० वर्षे माहशुदि ६ सोमे श्रीउपकेशगच्छे वेसटगोत्रे सा० गोसलान्य० जेसंगभा० आसधरश्रे० भ्रातृसंघ० श्रा० देसल तत्पुत्रसा० सहजपालसा० साहणसा० समरसिंहपितृव्यसा० लूणा तत्पुत्रसा० सागतसांगणप्रमुखैश्चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीककुदाचार्यसं० श्रीककसूरिभिः ॥

५३२. सं० १४१० वर्षे माघवदि ६ बुधे..........मरसीहेन स्वपितुः सा०..........र्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपद-(?)मसूरिसंताने श्रीराजगच्छे श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

५३३. सं. १५२२ वर्षे फागणशुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा-तीयसा० हलाभा० रंगाईसु०सा० सदासा० वस्तासा० मदनाख्या सा० सदाभा० धर्माईनाम्न्या सु० मलादिकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना श्रीस्तंभतीर्थे ॥

५३४. सं. १५६८ वर्षे ज्येष्ठवदि ८ रवौ उपकेशज्ञातौ चीचटगोत्रे देसलशाखायां सा० सूरपालभा० रामतिपु० सा० सधारणेन भा० पदमाईपु० सहसकिरणसमरसीसहितेन बाईपारबतीपुण्यार्थं श्रीअ-रनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीउपकेशगच्छे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिपट्टे भ० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

५३५. संवत् १५१७ वर्षे फागणशुदि ३ शुक्रे श्रीभावडह(र) गच्छे श्रीश्रीमालीयज्ञातीयमं० हांसाभा० हीराईपु० जिणदत्तदेवसीह स्वकुटुंबेन निजपूर्वजनिमित्तं स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं. प्रति० श्रीकालिकाचार्यसंतानीयश्रीभावदेवसूरिभिः स्तंभतीर्थे ॥

५३६. सं० १४९५ वर्षे माघवदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय

श्रे० षेताभा० षेतलदेसु० पांचाकेन पितृमातृभ्रातृपासापरबतघूलाश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीश्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

९३७. संवत् १५०७ वर्षे माघशु० १३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० जाल्हाभार्या वाऊनाम्न्या तया भर्तुः श्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं कारीयाणीवास्तव्यः ॥

९३८. सं० १५१३ वर्षे माघवदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय गां० देवराजभा० देवलदेसु० गां० गहिगाकेन भा० गुरदेसु० युगपालसहितेन पितृमातृश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः रजोडाग्रामे ॥

९३९. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीगंधारवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां परी० जसीआभा० जसमदेसु० परी० राजीआभा० ललनादेकारितं श्रीसुमतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छाधिराजजगद्गुरुबिरुदधारिविजयमानश्री५श्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकारश्रीविजयसेनसूरिभिः शुभं भवतु ॥

९४०. सं० १५१९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे ओसवालज्ञातीयसं० चापापु० सं० सारंगपु० सं० आसधरभा० वीरूपु० संघवी गाइआभार्यानाईमाणिकदेव्या श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंडेरगच्छे भ० श्रीशांतिसूरिपट्टे श्रीश्रीईश्वरसूरिभिः ॥

९४१. सं० १४२२ वैशाखसु. ११ बुधे श्रीउपकेशग.... ....प्र० श्रीककुदाचार्यसंताने श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

९४२. सं० १५२९ वर्षे आसाढशुदि....आणंदग्रामवासिवायडज्ञातिश्रे० गोव्रलभा० माल्हणदे कउतिगदे पुत्र देवदासपुत्रजना हरषा

रत्ना । हरदासभ्रातृमहिराजेन भा० वल्हादेभ्रातृसागा पुत्री सोहीगोई कुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९४३. सं० १३९६ ज्येष्ठवदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिमहिपाल श्रे० लाषूश्रेयोऽर्थं श्रे०....हनागसीहाभ्यां श्रीश्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

९४४. संवत् १६१२ वर्षे वैशाखशु० बीजिदिने श्रीजंबुसरग्रामे श्रीप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धराजनै बाई दूना तस्य सुताबा० चंगाईपुत्रवु० वेगडकारितं श्रीचंद्रप्रभबिंबं श्रीविजयदानसूरिप्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

९४५. संवत् १५६६ वर्षे....शु० ५ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवासि मं० मूलाभा० मणकाईसु० मं० विद्याधरभार्या व्य० राजाभा० नाथीपुत्री पुराई तया सु० मंका मं० नारसिंघ मं० श्रीदत्तप्रमुखकुटुंबसहितया स्वमातृश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृ०शाखायां भ० श्रीपूज्यश्रीधर्मरत्नसूरिभिः ॥

९४६. संवत १६४३ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ सोमे श्रीवटपद्रवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० गोराभार्या जमनादेसुतसा० वस्ताभार्या विमलादेसुतसा० पंचायणनाम्ना पुत्रदेवाप्रमुखस्वकुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं श्रीमत्तपागच्छाधिराजजगद्गुरुभट्टारकप्रभुश्री५श्रीहीरविजयसूरि आचार्यश्रीविजयसेनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

९४७. सं० १२९८ ज्येष्ठशुदि ९ ठ० जोलाकेन पितृठ० वीजडश्रेयोऽर्थं श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवप्रभसूरिभिः ॥

९४८. सं० १३०७ वर्षे वैशाखवदि ११ नाहरगोत्रे सा० जगपालभा० जयतलदेविपुत्रवीकमभार्या विजयदेविपुत्रहरपाल ....खणसी......................सुत डासागण..........ण्याकैः

पितृमातृश्रे० श्रीआदिनाथ[:]कारितः प्र० श्रीधर्मघोषसूरिपट्टे श्रीअमरचंद्रसूरिशिष्यश्रीज्ञानचंद्रसूरिभिः ॥

९४९. सं० १३०९ वर्षे चैत्रवदि ९ गुरू थारापद्रीयगच्छे श्रे० चावाभार्यापद्मलश्रेयसे विंबं का० प्र० श्रीमदनचंद्रसूरिभिः ॥

९५०. सं० १५०२ वर्षे माघशुदि ६ गुरौ श्रीसंडेरगच्छे श्रीयशोभद्रसूरिसंताने डु० श्रे० पदमप० लीबाभा० लीलादे प०.... साताभा० जसमाई प० रयणीयरभा० श्रीकरणन्या सापानिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीशांतिसूरिभिः ॥

९५१. सं० १३८७ वर्षे माहशुदि १०...........श्रीगूर्जरज्ञातीयठ० दूबासुतठ० वरणिगेन पितृव्य........................ श्रीअजितनाथस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

९५२. ....का० प्र० श्रीविबुधप्रभसूरिभिः पिप्पलाचार्यगच्छे ॥

९५३. सं० १५४७ व० वैशाखशु० ३ सोमे गंधारवासिप्राग्वाटज्ञा० सा० महिराजभा० रूडीपु० सं० पासवीरकेन भा० पूरी स्वकुटुंबयुतेन अंबिकामूर्त्ति[:] का० प्र० श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

९५४. संवत् १३२८ वैशाखशु० ७ सो० व० चाचासीलूपुत्र्या हीरीश्राविकया आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीनेमिबिंबं कारितं प्र० श्रीशिष्यश्रीवर्द्धमानसूरिभिः ॥

९५५. संवत् १२७५ ज्येष्ठशुदि १३ भौमे श्रे० साढापुत्रहरिश्चंद्रेण स्वश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृहद्गच्छीयश्रीहरिभद्रसूरिशिष्यैः श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

९५६. सं० १४७१ वर्षे माघशुदि १० शनौ श्रीमालीसा०

आसधरभा० तिलूपुत्रेण सा० हांसाकेन पितुः श्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीमहीतिलकसूरीणामुपदेशेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च ॥

५५७. संवत् १५२४ वर्षे चैत्रवदि ५ भूमे श्रीश्रीमालीज्ञा० श्रे० डूंगरभा० देल्हणदेसु० सुमण मांडणयुतेन नमिप्र० कारापि० पूर्णि० प्र० श्रीगुणसुंदरसूरिणा ॥

५५८. सं० १४९७ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० झांझणभार्या रूडीपुत्रव्य० पुत्रामल पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं नागेंद्रगच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥

५५९. संवत् १५२५ वर्षे फागुणशुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयठ० सुगालभा० मदीसु० चांपाकस्य स्वभर्त्तुः निमित्तं आत्मश्रेयसे भा० लीला तया श्रीनमिनाथपंचतीर्थीश्रीजीवितस्वामिबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलगच्छे श्रीगुणरत्नसूरिभिः । मंडुआनगरे ॥

५६०. संवत् १४६८ वर्षे आषाढशुदि ३ रवौ उपकेशज्ञातौ वेसटान्वये चिंचटगोत्रे सा० श्रीदेसलसुतसाधुश्रीसमरसिंहनंदनसा० श्रीसज्जनसिंहसुतसा० श्रीसगरेण पितृमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथप्रमुखचतुर्विंशतिजिनपट्टकः कारितः श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

५६१. संवत् १७०६ वर्षे ज्येष्ठवदि ३ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखीयगां० सूराभा० ना० लीलाई सुतया दो । यादसुतदो । जीवराजभार्या राजबाईपुत्रस्य परी । वजिआराजिआह्वानां भागिनेयस्य पालितपुत्रस्य च सकलश्रावकगुणमणिभूषितगात्रस्य नानाविधधर्मकार्यसमर्थनोद्भूतकीर्त्तिसुधारसपात्रस्य नेमिदासस्य वनितया दानगुणनिर्जितनिर्जरलतया सुकृतिकृतिस्तवनीयसम्यक्त्वशीलशोभितया श्रा० नारिंगदेनाम्न्या श्रीनारिंगपुराख्यश्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं

प्रतिष्ठितं च तत्त्व(? त्सुत)कारितप्रति(ष्ठा)यां तपागच्छाधि(धी)शपात-साहिश्रीमदकब्बरप्रदत्तजगद्गुरुबिरुदधारकभट्टा० श्रीहीरविजयसूरिपट्टा-लंकारभ० श्रीविजयसेनसूरिपट्टोद्योतकभ० श्रीविजयतिलकसूरिपट्टांबर-भास्करैर्भट्टा० श्रीविजयाणंदसूरीश्वरैः आचार्यश्रीविजयराजसूरिराजपरि-करितैः .... ॥ आचंद्रार्कं नंदतादिदं श्रीधरणेंद्रश्रीपद्मावतीदेवीसान्निध्यात् ॥

५६२. संवत् १६३२ वर्षे वैशाखशुदि १३ शुक्रे श्रीस्तंभतीर्थे श्रीहीरविजयसूरिप्रसादात श्रीसंघेन श्रीपंचासरापार्श्वनाथेति नाम बिंबं कारापितं श्रीमत्तपागच्छेशश्रीहीरविजयसूरिभिः आचार्यश्रीविजयसेनसू-रिभिः सह प्रतिष्ठितं समस्तश्रीसंघस्य भद्रं भवतु ॥

५६३. संवत् इलाही ४६ वर्षे संवत् १६५८ वर्षे माघसित ५ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयप० वजिआराजिआभ्यां स्वश्रेयसे श्रीस्तंभनकपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे महानृप-प्रतिबोधकसुविहितभ० श्रीहीरविजयसूरितत्पट्टोद्योतकारकभट्टारकश्री५ श्रीविजयसेनसूरिभिः आचार्यश्री ५ श्रीविजयदेवसूरिउ० श्रीविमल-हर्षग० उ० श्रीकल्याणविजयग० उ० श्रीसोमविजयग० प्रमुखपरिवार-परिकरितैः ॥

५६४. श्रीमन्नृपविक्रमसमयातीतसंवत् १४९१ आसाढादि ९२ वर्षे शाके १३५७ प्रवर्त्तमाने मार्गशीर्षशुक्लत्रयोदश्यां १३ तिथौ शनिवारे कृत्तिकायां घडी २८ अपरांतरोहिणीनक्षत्रे सिद्धियोगे रात्रि-घ० १२ समये सिंहलग्ने वहमानेऽस्यां शुभग्रहावलोकितकल्याणवतीवे-लायां श्रीराजगच्छे श्रीराजप्रभुगुरुसंताने श्रीहेमप्रभसूरिसंताने श्रीहरिप्रभ-सूरिपट्टे श्रीभट्टारकसंताने श्रीमेरुचंद्रसूरिजीवितस्वामिमूर्त्तिः ॥ चिरं जयतु शुभं भवतु ॥ (जमणी बाजू) श्रीमलयचंद्रसूरिमूर्तिरियं ॥ (डाबी बाजू) श्रीमुनितिलकसूरिमूर्तिरियं ॥

आरीपाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

५६५. संवत् १५९१ वर्षे वै० वदि ६ शुक्रे श्रीगंधारवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयसा० लषाभार्यया व्य० परबतपुत्र्या श्रा० झकूनाम्न्या सुतधर्मसिंहअमीचंद्रप्रमुखकुटुंबयुतया श्रीअनंतनाथबिंबं श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशतः कारितं प्रतिष्ठितं चिरं नंदतु ॥

५६६. संवत् १७६४ वर्षे ज्येष्ठशुदि ५ गुरौ स्तंभतीर्थबंदिरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयव० मेघराजभा० तेजकूअरिसुत भूलाकेन श्रीपार्श्वनाथपंचतीर्थी कारापिता प्रतिष्ठिता तपागच्छे भ० श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

५६७. संवत् १७६४ वर्षे ज्येष्ठशुदि ५ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थबंदिरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयव० मेघराजभा० तेजकूवरिसुतभूलाकेन स्वद्रव्येण श्रीशांतिनाथपंचतीर्थी कारापिता प्रतिष्ठिता श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविज्ञपक्षीयभ० श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

५६८. सं० १५२३ वर्षे वैशाखवदि ११ दिने गुरुवारे बोरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमाळज्ञातीयसोनीसगरभा०बा० सहिजलदेपु० ४ सो० गोल्हणगोविंदगोपासासिंघाभा० पूतलि पु०१जसाकेन स्वपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्र० श्री० पू० प्र० भट्टा० श्रीगुणसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना श्राद्धैः ॥

५६९. संवत् १७६४ वर्षे ज्येष्ठशुदि ५ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थबंदिरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयदो० मेघराजभा० तेजकूअरिसुतभूलाकेन स्वद्रव्येण श्रीआदिनाथपंचतीर्थीबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छभ० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविज्ञपक्षीयभ० श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

९७०. संवत् १७६४ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थबंदिरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयदो० मेघराजभा०तेजकुअरिसुत भूलाकेन स्वद्रव्येण श्रीअजितनाथपंचतीर्थीबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छभ० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविज्ञपक्षीयभ० श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

९७१. संवत् १५६९ वर्षे वैशाखशुदि ३ रवौ वटपद्रवासि प्राग्वाटज्ञातिसा० गजाभार्याजीविणिसुतसा०लषाकेन पितृष्वसाश्रा० देमाश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

९७२. संवत् १६०४ वर्षे वैशाख ७ सोमे श्रीपोरवाडज्ञातिवु० वीरजीभार्याबा० गौरीपुत्रजेराजजिवण श्रीधरमनाथबिंबं........ ....नसूरिभिः ॥

९७३. संवत् १६३७ वर्षे वैशाखशुदि १२ रवौ श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीनागरज्ञातीयसा० पताभार्या लीलादे सुतसा० हांसाभार्या हांसलदेनाम्न्या श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारापिता श्रीमत्तपागच्छे भट्टारकप्रभुश्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठिता शुभं भवतु ॥

९७४. संवत् १५०७ वर्षे फागणव० ५ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० कडूआभार्याकमलदेसुतइनाकेन भार्याआल्हणदे सुता राजू कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः तहरवाडावास्तव्य शुभं भवतु ॥

९७५. सं० १९७१ वर्षे वैशाखशु० ६ सोमे उपकेशवंशे वृद्धशाखायां कर्मदीयागोत्रे सा० देकाभा० देवलदेपु० सा० धीरासा० हीराभा० हीरादेपु० सा० सोनपालभा० पूनी तयोः पुत्रेण मेघराजेन भा० मटकुपु० जइतपालरत्नपालादिपरिवारयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीकुंथु-

नाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिपट्टालंकारश्रीजिन-
चंद्रसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

५७६. सं० १४७२ वर्षे वैशाखवदि ७ शनौ श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीयश्रेष्ठिदेदाभार्यापचूपुत्रसंखीमाकेन भार्याखेतलदेसंग्राममुख्यबहु-
पुत्रसहितेन श्रीधर्मनाथबिंब स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीगच्छनायक-
श्रीजयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठापितं च श्रीभवतु ॥

५७७. सं० १६५६ अलाई ४५ वर्षे वैशाखसित ७ बुधे
स्तंभतीर्थवास्तव्यवृद्धशाखामोढज्ञातीयव० कीकाख्येन भा० वनाईपुत्र
व० काला ठ. लालजी ठ. हीरजी प्रमुखपरिवारयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं
स्वयं प्रणामकारापणपूर्वं का० प्र० च भट्टारकश्रीहीरविजयसूरिपट्टा-
लंकारकोटीरहीरश्रीतपागच्छाधिराजभट्टारकश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

५७८. सं० १६८२ व० वै० शु० १ वार पत्तनवास्तव्य
प्रा० वृ० बा० वच्छाई स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च
श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

५७९. सं० १६२६ व० फागुणशुदि ८ सोमे तपागच्छे
श्रीहीरविजयसूरि..............................कथनातः बा० सखमाई
.... ॥

५८०. संवत् १५२९ वर्षे फागुणशुदि २ शुक्रे श्रीश्रीवंशे
रसोईयागोत्रे श्रे० डाहाभार्यारंगाईपुत्रश्रे० देवरसुश्रावकेण भा०
कूयरिभ्रातृसीधरयुतेन श्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन
स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीपत्तननगरे ॥

५८१. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीयपरी० वजिआभा० वहलदेसुतपरी० मेघजीनाम्ना श्रीशांति-

नाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे जगद्गुरुश्रीहीरविजयसूरिविजयराज्ये पट्टालंकारश्रीविजयसेनसूरिभिः प्रतिष्ठितं च श्रीरस्तु ॥

५८२. सं० ११६० ज्येष्ठवदि २ सांतिरुद्रेण महावीरमियं (? बिंबं) कारापितं ॥

५८३. संवत् १५३७ वर्षे वैशाखशुदि १० सोमे दिने श्रीगंधारमंदिरे श्रीश्रीमालज्ञातीयठ० सहसाभार्या बाई वाल्हीतायाः पुत्रीबा० अरघूनाम्न्या स्वसृपक्षे सो० गणाभार्यामणकाईपुत्रस्य सा० वसुपाल स्वस्य भर्त्तुः पूजित्ततश्रीसुविधि९जिनबिंबं कारितं प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीश्रीश्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

५८४. सं० १५१७ वर्षे ज्येष्ठशुदि ५ गुरु प्राग्वाटज्ञातीय पारिषमादाभार्यामाकूसुतजीवामूलासहितेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथ-जीवितस्वामिबिंबं का० प्र० वृहद्गच्छे सत्यपुरीशाखायां भ० श्रीपासचंद्रसूरिभिः झायणाग्रामे ॥

५८५. संवत् १६२२ वर्षे माघवदि २ बुधे सोनी देवचंद. सोनी भीमजी. बाई मनाई सिद्धचक्रपट्टः कारापितः पूज्यश्रीश्रीश्रीहीर-विजयसूरिप्रतिष्ठितं ॥

५८६. सं० १६८२ व. फा. व० ४ स्तंभतीर्थवास्तव्यगां० कुअरजीना श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० भ० श्रीविजयाणंदसूरिभिः ॥

५८७. सं० १५२१ व० वैशाखव० ५ ओसवंशे मं० सूरसीभा० हीरूसुतमं० सिंघाभा० धनीसुतश्रीरंग तथा मं० मेघा भा० कपूराई सु० नगराज शिवदास प्र० कुटुंबयु० हीरूसुतया श्रा० लीलाईनाम्न्या निजश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिपट्टे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः स्तंभतीर्थे ॥

५८८. सं० १६९४ मा० व० ९ रवौ श्रीअंचलगच्छे श्रीधर्ममूर्त्तिसूरिसंततीयवंत्रासस० डुंगरकेन श्रीसुपार्श्वबिंबं प्रतिष्ठापि[तं] गंधारप्रतिष्ठायां ॥

५८९. सं० १५१२ वर्षे फा० शु० ५ श्रीमालवंशे छकडियागोत्रे सं० गुणराजभार्याचांपलदेपुत्रसं० देवदत्तश्रावकेण भार्यामाणिकदेपुण्यार्थं पुत्रादिपरिवारयुतेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

कडाकोटडी, श्रीपद्मप्रभस्वामिजिनालय.

५९०. सं० १५०८ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० कालाभार्या कपूरीसुतसा० मालाभार्यावातूश्रेयसे श्रीसुमतिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वैशाखशु० १२ ॥

५९१. सं० १३९१ वर्षे माहवदि ११ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय व्य० डूंगरेण पितामहीबाईगुरदेवीश्रेयोऽर्थं बिंबं कारापितं ॥

५९२. सं० १५६३ वर्षे वै० शु० ६ शनौ श्रीस्तंभतीर्थवा० ऊकेशज्ञा० सो० जिणीआभार्यामाचीसुतसो० जीवाभार्याजीवादें- नाम्न्या पुत्रवच्छासंग्राममेघजीप्र० कुटुंबयुतया श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः श्रेयोऽस्तु ॥

५९३. सं० १५१९ वर्षे कार्त्तिकवदि १ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० भीमासुतश्रे० पाचाभार्या लापूसुतश्रे० आल्हणसीकेन भा० जीविणियुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च माणकुलिवास्तव्यः ॥

५९४. सं० १३०१ फा०शुदि ९ श्रीमालज्ञातीयधुवसाम-

नेन खिलूठ० चिलामातृ....त्तश्रेयोऽर्थं चतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीचंद्रगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिशिष्यश्रीनेमिचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितः ॥

५९५. सं० १५२० वर्षे वै० शु० ३ त्रिपुरपाटकवासि प्राग्वाटज्ञा० भीमाभार्याकांऊंपुत्रधूघाकेन भार्यावानूपुत्रधनदत्तझांझणादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीतृतीयतीर्थंकरचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

५९६. संवत् १६४३ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ सोमे श्रीप्राग्वाटज्ञातीयसीहाभूतिभार्याभरमादेपुत्रसाहासिहिसकरणभार्याधनादेपुत्रीवाहालबाई प्रेमाईयुतेन स्ववंशश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमत्तपागच्छाधिराजजगद्गुरुश्री६हीरविजयसूरिपट्टप्रभाकरश्री६विजयसेनसूरिभिः ॥

५९७. सं० १५४४ वर्षे माघशुदि १३ रवौ उपकेशवंशे कर्मदियागोत्रे सा० देवापु०सा० धीराभा०धीरादेपु०सा०सोनपालेन भा० पूतलिपु० सा० मेघराजयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टमंडनजिनहर्षसूरिसद्गुरुभिः ॥

५९८. सं० १६१२ वर्षे पौषशुदि ६ बुधे भावणायगोत्रे आदकरणश्रीअजितनाथप्रति० श्रीचे० सूरि ॥

५९९. सं० १४३२ व० फागु० शुदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० पितृरणसी धणसी पुनसी रणसीभा० लूणादेसुतसहजानिमित्तं सुतकुंझाकेन श्रीपद्मप्रभपंचतीर्थी का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीरत्नशेखरसूरीणामुपदेशेन ॥

६००. संवत १४७६ वर्षे वैशाखशुदि ५ ऊकेशवंशे सो० गोईद। रजलदेसुतसो० वीसलभार्यासो० वील्हणदेपुत्रेण सो०हरपतिना

भार्याहमीरदेसुतसो० हीरावीरागणपत्यादिकुटुंबसमेतेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनादिचतुर्विंशतिपट्टकः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः ॥

१०१. संवत् १२६३ वर्षे आसाडशुदि १० शनौ महं. चा-(वा)हडश्रावकेण पितृठ० आसपालश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठापिता च ॥

कडाकोटडी, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

१०२. सं० १५२२ वर्षे माहशुदि ९ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० माईआभार्यामिचूसुतनाथाकेन भा० नामलदेव्या कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ओडिग्रामे ॥

१०३. सं० १५६३ वर्षे माघशु० ५ सोमे स्तंभतीर्थवा० श्रीश्रीमालज्ञा० सा० कानाभा० लखाई पु० सा० रामाकेन भार्या रत्नाईलघुभ्रातृसा० हरदासविण्णादियुतेन निजश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं सर्वसूरिभिः श्रीसुतसंतानवृद्धिरस्तु ॥

१०४. सं० १६३७ माघव० ३ शनौ सा० हंसराजभा० इंद्राणीसु०धनजीना श्रीशीतलनाथः श्रीतपागच्छभ० श्रीहीरविजय-सूरिभिः प्र० ॥

१०५. संवत् १५२५ वर्षे माहशुदि ११ भूमे उकेशवंशे साहूसषागोत्रे साहसउद्रभार्यासोनलदेपुत्रसाहदेवदत्तभार्या रत्नाई तत्पुत्र साहहर्षासहितेन रत्नाईपुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखर-तरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥ शुभं भवतु ॥

१०६. सं० १३९८ वर्षे वैशाखवदि ६ शुक्रे गौर्जरज्ञातीय

महं. सोमाभा० सूरिठश्रेयसे न० पात....ठरूपि श्रा·········तश्रीशांतिः कारितः प्र० श्रीसूरिभिः ॥

६०७. सं० १५५१ वर्षे पौषवदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सा० नागसीभा० जासुसुतसा० वाच्छाभार्यया श्राविकाअमकूनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथजीवितस्वामिबिंबं सद्गुरूणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः श्रीरस्तु ॥

६०८. सं० १५१२ वर्षे आषाढवदि १ श्रीऊकेशवंशे सा० आमूसंताने भ० कर्मासाधूपुत्रसा० वच्छाकेन भार्याहसाईप्रमुखपरिवारसहितेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

६०९. सं० १२५९ ज्येष्ठशु० १९ थारागच्छे श्रीशांतिसूरिसंतानेऽकारिटावडग्रामे पाजाश्रेयोऽर्थं पौत्रयशश्चंद्रेण श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं ॥ मः १ ॥

६१०. संवत् १६६७ व० वैशाखमासे कृष्णपक्षे ७ तिथौ भृगुवासरे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यलघुशाखायां श्रीमालज्ञातौ सा०वछू भा० अछबादेपु० बईलाछि श्रीआगमगच्छे श्रीकलसेन(?)सूरीणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं.............................तेपा० श्री.... [हे]मसोमसूरिप्र० ॥

६११. सं० १६६७ वैशाखवदि ७ बुधे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य ऊकेशज्ञातीयवृद्धशाखायां सा०धर्मसीभा०धर्मादेसुतसा०कर्मसीभार्या सषमादेसुतउदयवंतरहीयायुतेन स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं तपागच्छे श्रीसोमविमलसूरिपट्टे श्रीहेमसोमसूरिभिः आचार्यश्रीविमलसोमसूरियुतैः प्रतिष्ठितं स्तंभतीर्थे श्रीप्रतिष्ठाकारि श्रा० पाची ॥

६१२. सं० १६२७ वर्षे ज्ये०व० ११ शुक्रे आशापल्ली-

वासि ऊकेशज्ञातीयसं० झांझणभा० झमकूपुत्रसं० जइताभा० झटकूसुत सा० महिपालेन भा० मल्हाईसुतरत्नपालस्वलघुभ्रातृसा० लटूभा० इंद्राणीप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६१३. सं० १४८२ वर्षे फाल्गुनशुदि ३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयसं० व्य० पेथडसंताने व्य० आल्हणसीहभार्याव्य० ऊमादेसुतसंघ० व्य० मंडलिकेन स्वश्रेयसे आगमगच्छे श्रीजयानंदसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीसुमतिनाथबिंबादिपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः शुभं भवतु ॥

६१४. सं० १५४७ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीमंडपे श्रीमालज्ञातीयसं० कूडाभा० हर्षूपु० सं० खीमाभा० पूजीपु० सं० जगसीभा० माकूपु० सं० गोल्हाभा० सामापु० सं० मेघापुत्रीशाणीलघुभ्रातृसं० राजाभा० सांगूपुत्रसं० जावडेन भा० धनाई जीवादे सत्कादे सुहागदे धनाईपु० सं० हीराभा० रमाईसं० लालादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे १०४ बिंबकारयित्रा विहरमानश्रीविशालनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

६१५. संवत् १५७९ वर्षे फागुणशुदि ५ सोमे वृद्धशाखायां उसवंशे सा० ठाकरसीभा० पचीपु० वरद हासा वरदभा० जीवणिसु० संग्राम तेजा लहूआ नाईआ गांगा साईआ नरपति हांसाभा० लीलादेसु० आणंद कमलसी भूपति श्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं श्रीआगमगच्छे भट्टा० श्रीशिवकुमारसूरिभिः प्रतिष्ठितं चतुर्विंशतिपट्टे कारितं ॥

६१६. सं० १६२२ वर्षे पौषवदि १ रवौ ओसवालज्ञातीय मडावरागोत्रे सा० धवकरणभार्यासिवादेपुत्रसा० पा....भार्याअमर....पुत्र

सा०श्रीपतिधनपतिसर्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसोमविमलसूरिविजयराज्ये ॥

मांडवीपोळ, श्रीआदिनाथजिनालय.

६१७. संवत् १४४७ फाल्गुनशुदि ८ सोमे श्रीमालवंशे ढोरगोत्रे ठ० रतनपु० नरदेवभार्याबा० नाल्हीपु० ठ० धिरियारामकर्मसीहटीलादिभिः श्रीपार्श्वनाथसहिता पंचतीर्थी का०प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनमेरुसूरिपट्टे श्रीजिनहितसूरिभिः ॥

६१८. संवत् १५२१ वर्षे ज्येष्ठशुदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० लाषाभार्यालाषणदेसुतहीराभार्याहीरादेश्रेयोऽर्थं सुत—जगमालेन श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीश्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना उगाणवास्तव्यः ॥

६१९. संवत् १५१० वर्षे फागु० वदि २ शुक्रे सौराष्ट्रिकज्ञातीयठ० मालाक० सूल्हीसु० श्रे० टाहाक० चनूसु०श्रे०माईयाक०माणिकिदेसुत सधारण एतैः स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरीणामुपदेशेन विधिना श्रीरस्तु॥

६२०. संवत् १२३४ माहशुदि ५ कंबोचीग्रामे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रे० नंदाकेन नाथूभार्यासमेतेन भाःपितृयशोधनस्वश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीमहेंद्रसूरिभिः ॥

६२१. संवत १५९५ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे ओसवंशगना-(ज्ञा)तीय आंगोठीवास्तव्य भारज्यारभूसुतराजपालकारयेत श्रीआदिनाथः तपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरिभट्टारकश्रीविजयदानसूरिप्रतिष्ठितं सुखकरः॥

६२२. संवत् १२७९ वर्षे वैशाखशुदि..........................

जदेवप.............नामा सुश्रा...............श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवसूरिगच्छे श्रीवयरसेणसूरिभिः ॥

६२३. सं० १३७१........................केन....ज श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० श्रीविबुधप्रभसूरिभिः ॥

६२४. सं० १४३० माहवदि २ सोमे...........ज.........भ ....नावलपु०..............भ्रातृधरणापुण्यार्थं पंचतीर्थी का० प्र० श्रीधनदेवसूरिभिः वृहद्गच्छे ॥

६२५. स्वस्ति सं० १५१० वर्षे फागुणवदि २ शुक्रे....... ....पुत्रेण सा० सगरेण भा० वा० लाडूसुतसा० गदा वीकागोरा प्रमुखस्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीविजयतिलकसूरिपट्टे भ० श्रीविजयधर्मसूरिवरैः शुभम् ॥

६२६. सं० १६८१ वर्षे फा० शु० १० कडूआमतीगच्छे सो। अमीआसुत सो। रतन श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रतिष्ठापितं सुश्रावकेण सा। श्री तेजपालेन प्रतिष्ठितं ॥

६२७. सं० १२८१ वैशाखशुदि ३ शनौ पितामहश्रे० साम्बपितृश्रे० जसवीर मातृलाषू एतेषां श्रेयोऽर्थं सुतगांधि गोसलेन बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीचंद्रप्रभसूरिशिष्यैः श्रीजिनेश्वरसूरिभिः ॥

६२८. सं० १४९१ वर्षे माघवदि १० सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० लूणाभा० लक्ष्मादे पितृमातृश्रेयसे पितृव्यमोकलसूहडा गोरा हीरा भ्रा० नरबदाश्रेयसे नरपालषोनाभ्यां श्रीश्रेयांसनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः प्र० पिप्पलगच्छे भ० श्रीसोमचंद्रसूरिपट्टे श्रीश्रीउदयदेवसूरिभिः श्रीशुभं भवतु ॥

६२९. सं० १५०३ वर्षे माघव० ६ वीरमग्रामवासिप्राग्वाट-

न्य० हेमाभा० रुदीपुत्रन्य० नरबदभ्रातृवाच्छाकेन भार्याशाणीपुत्र-धनानगराजादिकुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोम-सुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

६३०. संवत् १६१२ वर्षे वैशाखशुदि ६ बुधे श्रीश्रीमाली-ज्ञातीयवृद्धशाखायां स्तंभतीर्थे सा० समधरण भार्या टाकूसुतसा०.... ....वुढाभा० सोनाई...............श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

मांडवीपोळ, श्रीनेमनाथजिनालय.

६३१. संवत् १४३९ वर्षे पौषवदि ८ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय चिवश्रयेसहे भा० माणिकिदेपु० हाबाभार्या जीणीपु० चांपा सांगा न्य० हावांकेन मातृपित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीज-याणंदसूरिभिः ॥

६३२. संवत् १५१६ वर्षे माहवदि ८ सोमे ओसवालज्ञातीय सा० माकडभा० माल्हणदे द्वि० भा० मेलादे पितृमातृभ्रातृनयणश्रेयसे सु० नाथाकेन भा० धनीपु० पदनापोमायुतेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० पूनिमपक्षे भीमपल्लीयभ० श्रीपासचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीजयचंद्रसूरीणामु-पदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

६३३. सं० १५२१ वर्षे माघशुदि १३ प्राग्वाटज्ञा० सं० हापाभा० हांसलदेसुतसं० नासणभा० नागलदेपुत्रसं० नारदेन भा० कर्माईप्र० कु० निजश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसूरिसंताने श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिश्रीसोमदेव-सूरिभिः अहम्मदावादे ॥

६३४. संवत् १५५६ वर्षे वै० शु० ३ आमलेश्वरवास्तव्य-

लाडूआश्रीमालीज्ञातीयश्रे० भादाभा० मोलीसु० श्रे० देपालकेन भा० जीवासु० श्रे० ठाईआ वीराहीरामहीआदिस्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभिः श्री ॥

६३५. सं० १४३२ फा० शुदि २ शुक्रे उपकेशज्ञातौ चेचटगोत्रे वेशटशाखायां सं० देसलसंताने सं० समरसिंहसु० सा० डुंगरसिंह भा० डूलहदेव्या सु० समरसिंहश्रे० श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० ककुदाचार्यसंताने श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

६३६. सं० १३८० माघशुदि ६ सोमे श्रीभावडारगच्छे उकेशज्ञातीयश्रे० कालूभार्याचांचीसुतेन भ्रातृझांझणलालतीडाकालश्रेयसे मातृपित्रोश्च श्रीशांतिनाथप्रभृतिपंचतीर्थी सा० घांगाकेन कारिता प्रतिष्ठिता श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

मांडवीपोळ, श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालय.

६३७. संवत् १५१२ फागुणशुदि ८ शनौ श्रीमालज्ञातीय मं० नरूआभार्यावाछीपुत्रकूरणा मं०..जणसीप्रमुखस्वकुटुंबसहितेन मं० पेथासुश्रावकेण भार्या वीरूसंजितेन च निजश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं संघेन ॥

६३८. संवत् १५५७ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थे श्रीगूर्जरवंशे मं० वदाभा० राणीपुत्रमं० महिराजभार्यासंपूरीपु० मं० वंकासुश्रावकेण भा०हीराईलघुभ्रातृमंत्रिसहसाभा० सहजलदेप्रमुखसमस्तकुटुंबसहितेन स्वश्रेयसे श्रीमदंचलगच्छेशश्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६३९. संवत् १६०४ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीस्तंभतीर्थे

ओसवालज्ञातीयवृद्धशाखायां से० कर्माभार्याकरमादे श्रीमुनिसुव्रतस्वामि प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीअमररत्नसूरिभिः ॥

मांडवीपोळ, श्रीकुंथुनाथजिनालय.

६४०. संव० १५०६ वर्षे वै० शुदि प्राग्वाटज्ञातीयव्य० विरुआभार्यावीझूसुतव्य० नरसिंहेन स्वश्रेयसे श्रीवीरबिंबं का० प्र० तपाग० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

६४१. सं० १४२० वैशाखशुदि १० शुक्रे उपकेशज्ञातीय ....पितृमातृपूर्वज....................श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमसूरिसंताने श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

६४२. संवत् १६६७ वर्षे वैशाखवदि ७ बुधे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य ऊकेशज्ञातीयसा० कर्मसीभा० सषमादे स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं तपागच्छे श्रीसोमविमलसूरिपट्टधारिश्रीहेमसोमसूरिभिः आचार्यश्रीविमलसोमसूरियुतैः प्रति० स्थंभतीर्थे प्रतिष्ठाकारि श्रा० पांचीकेन ॥

६४३. सं० १५२९ वर्षे वैशाखशुदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालिज्ञातीयसा० पूंजाभार्यालीलूसुतसा० सूंटाकेन भा० रानाईसुतनाथाचांदादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे रत्नमयश्रीपार्श्वनाथबिंबे परिकरः श्रीआगमगच्छेशश्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठापितश्च श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

६४४. संवत् १४७४ वर्षे ज्ये० व० ११ रवौ डीसावालज्ञातीयमं० नरसीभा० सुहवदेसुतमं० दूदाकेन भार्याफदीभोलीसुतलाषागोवनादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपापक्षे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

६४५. संवत् १५१८ वर्षे पोसवदि १३ भूमे श्रीमालज्ञा० रम्यकगोत्रे मंत्रिधर्मसीभा० रूपणिसुत राणउ परबत फालु परवत-भा० वाल्हीसुतपोपट .गोपउ फालाभा० पूरीसु० कानउविजउसहिज्ञा-सहितेन पूर्व० श्रेयो० श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे चांद्र-संमी भ० श्रीमलयचंद्रसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः पानसीशा........॥

६४६. सं० १३८६ वर्षे वैशाखशुदि १३ सा० अरसीभा० धानीपु० हरदेवभा० हीरलपु० सांगण वीनाराजडसाहडकरमणलूणा-सांग....पु० वीसल सकुटुंवेन भ्रातृलाषणश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

६४७. सं० १५१० वर्षे ज्येष्ठशुदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा-तीयठ० वउलासु० ठ० छाडासु०पाताभा०साधूसु०भीमाभा० रूपाईनाम्न्यां स्वश्रेयोऽर्थं जीवितस्वामिश्रीशीतलनाथादिजिनचतुर्विंश-तिपट्टः श्रीपूर्णिमापक्षे सद्गुरूणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना श्रीस्तंभतीर्थे श्रीर्भूयात् ॥

६४८. संवत् १७०६ वर्षे ज्येष्ठशुदि १३ रवौ श्रीस्तंभतीर्थ-वास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० हीरासुतसा० सेसकरण-केन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं त० श्रीविजयाणंदसूरिराजआ० श्रीविजयराजसूरिभिः ॥

कुंभारवाडो, श्रीशीतलनाथजिनालय.

६४९. संवत् १६६७ वर्षे वैशाखमासे कृष्णपक्षे ७ तिथौ भृगुवासरे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यलघुशाखायां श्रीश्रीमालज्ञातीयवल्लू तत् भार्या बाईपाचाई....सु० बबादे तत्सुतसा० यजलवंतभा० मोहणदेसुतरिष-

भदास आगमगच्छे भट्टारकश्रीकुलवर्द्धनसूरीणामुपदेशेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना चिरं नंदतु शुभं ॥

६५०. सं० १४०८ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ पल्लीवालज्ञातीय पितृश्रे० श्रीखेताश्रेयोऽर्थं मातृआल्हूपुण्यार्थं सुतसमेतेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्रीपद्मदेवसूरिपट्टे श्रीमानदेवसूरिभिः ॥

६५१. संवत् १६०४ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे बटका ४ श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० वजिकरणभार्याबा० हांसलदेनाम्न्या परतमा श्रीसुमतिनाथ श्रीविजयदानसूरिप्रतिष्ठितं ॥

६५२. संवत् १४९६ वर्षे ज्येष्ठशुदि ७ सोमे श्रीमालज्ञातीय पिताकडूआभा० लषमादेसुत माकड भूंभा तेऊ पितृमातृश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं प्रतिष्ठितं नागेंद्रगच्छे श्रीरत्न[सूरिभिः] ॥

६५३. संवत् १४........वर्षे फागुणशुदि २....प्राग्वाटज्ञातीय ....तेजपाल श्रे०................घर पितृश्रेयसे सुतपूजाकेन श्रीसंभवनाथ का० नागेंद्रगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

६५४. सं० १५९३ वर्षे माघशुदि ५ रवौ प्रा० श्रे० पाताभार्यासुहामणिसुतगोगनेन भार्यामनकाईसुतवीपाफताल्कादिकुटुंबयुतेन पितृश्रेयसे श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छाधिराजश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

६५५. सं० १३४३ माघशुदि १२ पल्लीवालज्ञातीयसंघ० हरिचंदसुतसंघ. तेजपालेन मातापाल्हणदेव्या श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं रत्नमयं कारापितं ॥

६५६. सं० १६११ व० ज्येष्ठशु० १२ शनौ ओ० ज्ञा० सा० हेमा सं० सा० सिघराजेन श्रीसुपार्श्वबिंबं कारितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः प्रति० ॥

६५७. संवत् १७६५ व॰फा॰शु॰ ५ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यसा॰चिदकिरणभा॰ कपूरबाईसुतसा॰ जयकरणकेन स्वद्रव्येण भावीजिनश्रीपेढालनाथबिंबं कारि॰ प्रति॰ तपागच्छे संविज्ञपक्षे भ॰ श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

शेरडीवाळानी पोळ, श्रीसुविधिनाथजिनालय.

६५८. सं. १५६५ वर्षे वैशाखव॰ ३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय लघुशाखायां सं॰विरूया भा॰ककूसुयमाणिकभा॰ पूतलि मं॰मेघराजभा॰मयगलदेअजाईसा॰श्रीराजभा॰सहिजलदे तत्सु॰ सं॰रामसा हर्षा आमराज अजयराजप्रभृतिसमस्तकुटुंबश्रेयोऽर्थं मं॰ मेघराजेन श्रीसुविधिनाथचतुर्विंशतिपट्टबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भ॰ पूज्यश्रीविजयरत्नसूरिपट्टे भ॰ श्रीधर्मरत्नसूरिभिः ॥

६५९. संवत् १४९० वर्षे वैशाखव॰ ७ ऊकेशवंशीयम॰ धरणिगभार्यानामलदेसुतमहणसीभा॰ महणदेसुतम॰आबाकेन भ्रातृलीबाकेन भ्रातृजमंदिरमेघादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छनायकश्रीसोमसुंदरसूरिभिः श्रेयोऽस्तु ॥

दंताळ पोळ, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

६६०. सं॰ १५४४ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा॰ धनाभा॰ मरगदिपुत्रसा॰ देवाकेन भा॰पूरीपुत्रषीमाशाणादिकुटुंबयु॰ पुत्रवइजाश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का॰ प्रति॰ श्रीसूरिभिः ॥

६६१. संवत् १५७५ वर्षे माहवदि १ शनौ श्रीमालज्ञातीयम॰ गांगाभार्यानाथीसुतहर्षारूडाश्रीपालहर्षाकेन कलत्रपुत्रादिकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्रीपू॰श्री५लब्धिसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना वडुद्रवास्तव्यः ॥

६६२. संवत् १५८४ वर्षे चैत्रवदि ५ गुरौ वीसलनगरवास्तव्य-नागरज्ञातीयछालीयाणगोत्रे श्रे०राजाभा० राजलदेपु०श्रीगोइआकेन भा०कूंअरिस० सीपामांगाप्रमुखपरिवारयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं. प्रतिष्ठितं विधिपक्षे श्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥

६६३. संवत् १५३१ वैशाखशुदि ५ सोमे श्रीवायडज्ञातीय व्यव० कान्हडभा० सहजलदेपुत्रकर्मणभार्या खेतूपु० नगराजमहिराज जावडनगराजेन भा० रंगीपु० धनादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीसर्वदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

६६४. सं० १५४२ वै० शु० १३ ऊकेशसा० देवाभा० कउतिगदेपु० कान्हाकेन महिराजसमरामणोरभा०रंगाइसोभागिणि चंगाईसोभागिणि चंगाईमल्हाईपु० वांदाकीका चांपा सहसराजादिकुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का०प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिराजैः चंपकनेरवासि ॥

६६५. सं० १५४९ वर्षे ज्ये०शु० ९ सोमे श्रीश्रीमालीय बोरसिद्धित्रा० सो० गोविंदभार्यारूपाईसुतसो० गांगाकेन भार्या लखाईसुतानदुश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणरत्नसूरिभिः ॥

श्रीकुंथुनाथजिनालय.

६६६. सं० १५२० वर्षे आषाढशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० कोरंटीआश्रे० अमराभा० लाछूसुतकडूआकेन भा०कउतिगदेप्रमुखकुटुंबयुतेन पितृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वाम्यादिपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना राणपुरवास्तव्यः श्रीः॥

६६७. संवत् १५६७ वर्षे माघशुदि ५ गुरौ श्रीश्रीवंशे सा०

महिराजभा० माल्हणदेपु०सा० श्रीराजभा० देमाई पु०मेघाकेन भा० रमादे भ्रातृसा० रत्ना सा० रींडा सा० लालावाघावछाप्रमुखस्वकुटुंबस-हितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छेशश्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीश्री-शीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीअहम्मदावादनगरे ॥

६६८. संवत् १६३२ वर्षे माघशुदि १० बुधे मोढज्ञातीय ठकरजागाभार्याबाईठकराणीपुत्रीबाईहीराईनाम्न्या श्रीशांतिनाथमूलनायक-चतुर्विंशतिपट्टः कारापितः श्रीस्तंभतीर्थे तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितः स्वहस्तेन श्रीश्रीसंघेन महतादरेण श्रीसंघस्य भद्रं भवतु ॥

६६९. सं. १२२८ ज्ये......श्रीश्रीमालज्ञा०श्रे० लषमा-भा० साधुसु० महिराजभा० पूरीपु० झांझणभार्यापदमाईदेव्या आत्म-श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतादिपंचतीर्थी कारापिता श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन धंधूकावास्तव्यः ॥

ऊंडीपोळ, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

६७०. स्वस्ति संवत् १५११ वर्षे माघशुदि ५ गुरौ श्रीगूर्जर-ज्ञातीयडूंगरीआगोत्रे सा० समधरभा० वाई पांचू तयोः पुत्रेण सा० सालिगनाम्ना स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

६७१. संवत् १५०९ वर्षे ज्येष्ठवदि ९ शुक्रे श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीउपकेशवंशे सौगंधिकसाहधणसीपु० साह पाल्हाभार्या पाल्हणदेपु० लींबाभा० रंगाईपुत्रसाहमाणिक्नाम्ना सुश्रावकेण आत्मपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यमूलनायकयुतश्चतुर्विंशतितीर्थंकर-पट्टः कारापितः प्रतिष्ठितः पूज्यश्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीश्रीश्रीसावदेवसूरिभिः साहमाणिकभार्याहर्षाईपुत्रप्राप्तिर्भवतु ॥

६७२. संवत् १५२८ वर्षे चैत्रवदि १० गुरौ श्रीवीरवंशे श्रे० मांडणभार्याजयतूपुत्रश्रे० कुंपासुश्रावकेण भा० मनीपुत्रकीकाभ्रा० देवसीसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छाधीश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६७३. संवत् १५९१ वर्षे वैशाखव० ६ शुक्रे श्रीगंधारवास्तव्यश्रीप्राग्वाटज्ञातीयव्य० कान्हाभा० पोषीमेलादेसु० व्य० वस्तुपालेन भा० वल्हादे प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीसंयमरत्नसूरीणामुपदेशतः कारितं प्रतिष्ठितं पूज्यमानं चिरं नंदतु श्रीरस्तु ॥

६७४. संवत् १५४९ वर्षे आषाढशुदि २ शनौ बोरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयठ० पासाभार्याराजूसुतठ० हरपतिश्रेयोऽर्थं ठ० सिंहाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीश्रीश्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

६७५. सं० १५८४ वर्षे वै० शुदि ८ रवौ श्रीश्रीमालीज्ञा० सा० डुंगरभा० कुंतुसुतसा० हीराकेन भा० राजूसुतसा० हांसासा० पासवीरसा० भोजासु० मेघासिंघराजादिपुत्रपौत्रादिपरिवारयुतेन निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

६७६. सं० १५२९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ रवौ श्रीश्रीमालीज्ञा० सं०, देवांभा० चांपूसुतसा० लूणाकेन भार्या सुहगीसुतमांडणसदादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रति० श्रीसूरिभिः शुभं भवतु ॥

६७७. सं० १५३२ वैशाखशु० ३ प्रा० श्रे० हेमाभा० दूबीपु० शिवाकेन वृद्धभ्रा० पुंजादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६७८. संवत् १५५१ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ श्रीओएसवंशे वागडीआशाखायां सा० साजणभार्यासुहडादेसुतसा० वयजासुश्रावकेण भार्यापदमाईसुतसा० श्रीपतिवृद्धभ्रातृसा० सहिजासहितेन श्रीअंचलगच्छेशश्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीर्भूयात् श्रीस्तंभतीर्थनगरे ॥

६७९. संवत् १६१७ वर्षे पौषव० १ गुरौ बोरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयसा० हापाभार्याकुमाईपुत्र जयवंतनाम्ना श्रीपद्मप्रभ का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

६८०. सं० १५६४ वर्षे ज्ये० शु० १२ शुक्रे श्रीओसवंशे सा० श्रीथावरभा० पूनाईसुतजयवंत....वतक श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

दंताळवाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

६८१. संवत् १५२१ वर्षे वैशाखशुदि ६ बुधे श्रीप्राग्वाटवंशे लघुसंताने श्रे० भरमाभा० छालीपुत्रदीनानाम्ना जीवासुश्रावकेण भा० कूंअरिभ्रातृसदाचांदाचांगासहितेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६८२. संवत् १५०७ वर्षे माघशु० १३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० कर्म्मसीभार्याकर्मादेसुतकालाभा० फदूसुतधनाकेन भा० हीमतिभ्रातृवडूआयुतेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनस्वामिबिंबं कारितं श्रीआगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीपत्तनवास्तव्य शुभं भवतु ॥

६८३. संवत् १५८७ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीश्रीवंशे दो० जणीयाभार्याजसमाई पु० दो० षेताभा० पीमाईपु० दो०

नाकरभा० दीवी लघुभ्रातृ दो० ठाकुरभा० धनाई स्वपुण्यार्थं पितुः दो.... सहितेन श्रीअंचलगच्छाधिश्वरश्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीचंपकदुर्गे ॥

६८४. संवत् १५४८ वर्षे माघशुदि ४ अनंतर ५ सोमे गोधिरावास्तव्यः श्रीमालज्ञातीयलघुसाजनिकमं० धनाभार्यामांकूसुतमं० सादासुश्रावकेण भार्यामोलीसुतमाधवभ्रात्रिमं० सूरामं० परबतमं० सिंघासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीआदिनाथमूलनायकचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन ॥

६८५. सं० १५२३ वर्षे वै० व० ४ गुरौ सोझीत्रावासि प्राग्वाटज्ञातीयव्य० हापाभार्या हांसलदेसुतव्य० गुणियाकेन भ्रा० राजाभा० रमादेसुतव्यव० आसधीर श्रीपाल श्रीरंगादिकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छेशश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

श्रीआदिनाथजिनालय.

६८६. सं० १४१५ वर्षे ज्येष्ठवदि १३ रवौ जघरालवास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीयव्यव० गाहिसभ्रातृनालाकेन मातापितृव्य० वीकमश्रे० श्रीपार्श्वनाथपंचतीर्थी कारापिता प्र० नायलशाखायां श्रीसाम(ग)रचंद्रसूरिभिः ॥ ७४ ॥

६८७. संवत् १६८३ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ सोमे कडूआमतीगच्छे ओसवंशे वृद्धशाखायां सोनीपोमसीभार्याबा० इंद्राणीसुत सोनीपनीआकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं सा० तेजपालेन प्रतिष्ठितं ॥

६८८. सं० १६१० व० श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयसा० श्रीपालपुत्रसा० शिवाभार्याशृंगारदेव्याः पुत्रकुंरजीसहितेन

स्वपुण्यार्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीछापरीआपूर्णिमापक्षे श्रीहर्षरत्नसूरीश्वरेण ॥

चोळापोळ, श्रीसुमतिनाथ (चौमुख) जिनालय.

६८९. संवत् १५२४ वर्षे चैत्रवदि ६ बुधे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिरामाभार्यारामलदेसुतदेवाभार्या चमकूसुतरत्नदेवराजकेन मातृपितृश्रेयसे श्रीश्रीसंभवनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीविमलसूरिभिः दसाडाग्रामवास्तव्यः ॥

६९०. सं० १५२० वर्षे वैशाखशुदि ११ बुधे उपकेशवंशे साधुशाखायां सा० डूंगरभा० दूल्हादेसुतसा० जीवाकेन भा० हंसाईपु० साहसहसधीरसहसवीरयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

६९१. संवत १५६१ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ बुधे श्रीप्राग्वंशे वृद्धशाखायां संघ० कुझाभार्यागुरुदेपुत्रसं० हंसराजभार्याहांसलदेसुश्राविकया पुत्रसं० हर्षामुख्यकुटुंबसहितया निजश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीकक्कसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थे ॥

६९२. संवत् १५३७ वर्षे वैशाखशुदि १० सोमे श्रीगंधारवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयठ० महिराजभा० लाछूसुतठ०सहसाभा० वाल्ही ठ० सालिगभा० आसीठ० श्रीराजभा० हेमाईठ० सहसासुतठ० धनदत्त भा० हर्षाई एतैरात्मश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीविजयरत्नसूरिभिः ॥

६९३. सं० १४७९ वर्षे श्रीभावदेवसूरिमूर्त्तिः ॥

६९४. सं० १६२१ वर्षे फागणशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमाल-

ज्ञातीयसाहराजपालभार्या श्राविका पूनी श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

६९५. संवत् १५१२ वर्षे फागुणवदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० वाघा भा० चेदूपुत्रदो० वाछासु०दो० बदालदादो० वाछा भा० लक्ष्मीसुत कर्मसीभा० रामति तया आत्म०नि।श्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीआगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

गीपटी, श्रीमहावीरस्वामिजिनालय.

६९६. संवत १६१२ वर्षे शाके १४७८ प्रवर्त्तमाने साह जीवाभा०जीवादे पुत्रीबाईरत्नाई बिंबं कारापितं श्रीशांतिनाथः । कर्मक्षयार्थं प्रतिष्ठितं च श्रीकोरंटगच्छे भट्टारिक श्री५नन्नसूरिभिः श्रीशांतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं शुभं ॥

६९७. सं० १४३९ पौषवदि सोमे उपकेश..........हर्षीमाभार्या वाऊपुत्र—केन पितुः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० उपकेशगच्छे श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

६९८. संवत १६४४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीगंधारवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयपरी. वजीआभार्यावलादेपुत्रपरी. मेघजीभार्यामंगलादे कारितं श्रीवासुपूज्यबिंबं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छाधिराजजगद्गुरुबिरुदधारिविजयमानश्रीहीरविजयसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

६९९. सं० १६६७ व० वैशाखशु० ४ दिने प० भीमसीकेन का० प्र० श्रीजिनसिंहसूरिभिः श्रीखरतरगच्छे । (श्रीदादागुरुचरणपादुका) ॥

७००. संवत १५०९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ५ रवौ श्रीश्रीमाल-

ज्ञातीयमंत्रिमाईआभार्यामाल्हणदेसुतधाराकेन श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे श्रीगुणरत्नसूरिभिः षापडीग्रामे ॥

७०१. संवत् १५१३ वर्षे वैशाखवदि ४ शुक्रे वायडज्ञातीय व्य० ठाकुरसीभार्यावीरूसुतनरत्रदेन भा० रूदी तया सुतमूलाराईआ-सहितेन मातृपितृश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः ॥

७०२. सं० १३३१(२) वर्षे वैशाखशुदि ३ रवौ डीसा(दाभा)-वालज्ञातीयश्रे० पूवडभा० पाचूपुण्यवृद्धयर्थं पुत्र....तेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीचांद्रगच्छीयश्री....सूरिशिष्यश्रीरत्नप्रभसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

७०३. संवत् १४८८ वर्षे वैशाखशुदि १३ रवौ श्रीबुद्धगोत्रे श्रीहुंबडज्ञातीयव०नरसिंहभार्याबा० जामू तया [श्रे०देवडभार्यादेवलदे ?] पुत्रठ० हीराठ०वईराठ०पेथाकेन श्रीआदिनाथ[बिंबं] कारापितं स्वश्रेयसे प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीज्ञानकलससूरिभिः शुभं भवतु ॥

७०४. संवत् १५७९ वर्षे फागुणशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमा-लज्ञातीयमं० पाल्हासुतमं० मांडगभा० माणिकदेसुतनरपाल जेसंगकेन भा० जसमादे भ्रातृव्यजीवासहितेन मातृपितृपूर्वजश्रेयोऽर्थं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः प्रतिष्ठितः श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमुनि-चंद्रसूरिपट्टे पूज्यश्रीवीरसूरिभिः संषीसरग्रामवास्तव्यः ॥

७०५. सं० १५३५ पौषवदि १३ बुधे उपकेशज्ञातीय असुभगोत्रे साहनयणाभा० लषमादे द्वि० गांगीसुतसाहभुणाभा० जयकूभ्रातृवेला साहमांडा श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं श्रीज्ञानकीयगच्छे प्र० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

७०६. संवत् १५४६ वर्षे माघशुदि १३ दिने प्राग्वाट-ज्ञातीयव्य० कर्माभार्याधर्मणिसुतव्य० सुभगिरेण भार्याशरीयादेपु०

व्यव० अमीपाल रत्नपाल भ्रातृसु० व्य० वीरपालादिसहितेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरिभिः ॥

७०७. संवत् १५५२ वर्षे माघवदि १२ बुधे श्रीमालज्ञा० संघवीभोटाभा० कउतिगदेपुत्रसा० रांपसीभा० जीजीश्राविकया स्वपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

७०८. सं० १५२० प्राग्वाटश्रे० पाल्हाभार्यामेचूपुत्रश्रे० धनाकेन भार्यारूडीपुत्रहीराजूठाप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः श्रीतपाः ॥

७०९. संवत् १५५४ वर्षे पौषशुदि ९ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिवराईभार्यारत्नादेसु० श्रे०वेलाभा० वील्हणदेसु० मूलाकेन भार्यागौरीमातृपितृआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः मांडलिवास्तव्यः ॥

७१०. संवत १५६६ वर्षे माघशुदि ५ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० सागाभा० रूपाईसु० तेजाकेन भ्रातृसा० पहिराजासु० जीवानागाहांमाप्र० कुटुंबयुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० आगमगच्छे श्रीशिवकुमारसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

७११. सं० १५३० वर्षे माघवदि २ शुक्रे लाडउलिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा० दोसीठाकुरसीभा० लाडीपु० भोजाभा० लीलादेसु० धरणाहर्पासापासहितेन आत्मपुण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का०प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे चतुर्थशाखीयश्रीधर्मशेखरसूरिपट्टे श्रीश्रीविशालराजसूरीणामुपदेशेन विधिना ॥

७१२. सं० १५४९ वर्षे फा०शु० २ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा० सो०माणिकसु० सो०सीहाभा० पूतलिसुत

सो० जीवाजगमाळअमीयावीराकैः श्रीनेमिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः सूरिभिः ॥

श्रीअजितनाथजिनालय.

७१३. ....व. मार्गशु० ३ रवौ उ० ज्ञा० महाजनीगोत्रे मं० घडसीपु० देपाभा० मेत्रादेपु० हेमा अंबाई का० प्र० श्रीको० नन्न ॥

७१४. संवत् १६१२ वर्षे वैशाखशुदि ६ बुधे ओसवालज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० जीवराजभार्याधनाईपुत्रीबुध्री श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं तपागच्छे श्री६विजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

७१५. सं० १५४७ वर्षे माघशुदि १३ रवौ ऊकेशसा० देवाभा० श्रा० कउतिगदेनाम्न्या सुतदो० कान्हामहिराजसमरामणोरप्र० कुटुंबयुतया निजश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रति० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः श्री ॥

७१६. सं० १४०४ वर्षे........................रपाल लषमसी........................श्रीआदिनाथपंचतीर्थी श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीविद्याणंदसूरीणामुपदेशेन कारिता प्र० श्रीसूरिभिः ॥

७१७. संवत् १५३२ वर्षे वैशाखशुदि ६ दिने श्रीमालज्ञातीयनाचणगोत्रे सं० श्रा० दौसी० नाल्हापूर्वजश्रेयोऽर्थं तत्संतानीयसा० श्रा० धरणपुत्रसा० लूणासुश्रावकेण श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

७१८. सं० १५२८ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीप्राग्वाटज्ञातीयव्य० रत्नाभा० अरघूसुतधणा.ति मंडलिकयुतेन व्य० रत्नाकेन पुत्रीकतूनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७१९. संवत् १५५२ वर्षे माघवदि १२ बुधे श्रीमालज्ञा० सं० फमण सं० सारंग पु० सं० पोचा भ्रातृसं० भोटाभा० सं० कुतिगदे(?)या पु० सं० दत्ता सं० जावडप्रमुखपरिवारयुतया स्वपुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

जीरारपाडो, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

७२०. संवत् १५११ वर्षे महाशुदि ९ गुरौ ओएसवंशे वडालीयागोत्रे साहदेवराज तत्पुत्रसा० गुणिआभा० भोली तत्पुत्रसाहकरणाकेन स्वश्रेयसे श्रीआदिजिनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे भट्टारकश्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

७२१. संवत् १५८९ वर्षे वैशाखशुदि १२ सोमे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० गोविंदभा० गौरीपुत्रनरपालभार्या...वीपुत्रनाकरभा०पना...रदे कुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं द्विवंदनीकगच्छे भ० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

७२२. स्वस्ति संवत् १५०८ वर्षे कार्तिकवदि १० गुरौ वृद्धश्रीमालज्ञातीयभ० नासू तस्य भार्याबा० हासू बा० साडूसुतभ० माईआभार्याबा० कूंअरि ताभ्यां स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षीयभ० श्रीविजयधर्मसूरिभिः ॥

७२३. सं० १५३२ वर्षे ज्येष्ठव० ३ रवौ ऊकेशज्ञातीयसीरोहीवा० खाटडगोत्रे पितृषेतामातृनयणूसुततोलाभ्रातृभीदाभा० रूपाईनाम्न्या सुतसिंहदत्तसुजवलदूर्जनसल्लसहितया स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं धर्मघोषगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

७२४. संवत् १५२१ वर्षे वैशाखशुदि ३ दिने सिद्धपुरवासिऊकेशश्रे० धरणिगभा० सारूपुत्रगदागणपतिना भा० मटूपुत्रहेमा

सामादियुतेन श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७२५. संवत् १५६० वर्षे वैशाखशुदि ३ दिने ओसवालज्ञा० लघुसंताने मं० ईचाभा० संपूरीसु० मं० गोविंद्भा० गंगादेसुतसहितेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० श्रीद्विवंदनीकगच्छे सिद्धाचार्यसंताने प्रतिष्ठितं श्रीकक्कसूरिभिः षेटग्रामवास्तव्यः ॥

७२६. संवत् १६७७ वर्षे कार्त्तिकासितप्रतिपदनंतरद्वितीयायां बुधे स्तंभतीर्थे वृद्धशाखीय ओसवालज्ञातीयसा० श्रीमल्लभार्यया श्रा० वल्हादेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं प्रतिष्ठापितं पातशाहिश्रीसलिमशाहिराज्ये प्रतिष्ठितं च तपागच्छालंकारभट्टारकप्रभुश्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टोदयाचलसहस्रकिरणायमानभट्टारकश्रीविजयदेवसूरीश्वरैः सपरिकैर्जीयादाचंद्रार्कं श्रेयोऽर्थं सकलसंघस्य ॥ (पाषाणप्रतिमा) ॥

श्रीशान्तिनाथ जिनालय.

७२७. संवत् १५२० वर्षे वैशाखशु० १२ बुधे ओसवालज्ञातीयश्रे० लाडणभा० टीवूसुतपनाकेन भा० दनादेसुतमांकायुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः जमालपुरवास्तव्यः ॥

७२८. सं० १२९१ वर्षे वैशाखशुदि १३ बुधे.........सुतदेवचंद्रपाचडसुत. क०........कुटुंबसमस्तयुतेन कारिता प्रतिष्ठिता ....श्रीमाणदेवसूरिभिः ॥

७२९. सं० १६२२ वर्षे वैशाखशुदि ३ सोमे श्रीओसवंशे शंखवाढगोत्रे सा० कोचरसंताने सा० देवापुत्रसा० भादापुत्रसा० भोजापुत्रसा० ताल्हणभार्यारंगादेपुत्रसा० वच्छाभा० वल्हादे वइजलदे पुत्र सा० हीरजी सा० सूरजी० वीरजी सपरिवारान् श्रेयोऽर्थं सद्गुरुपादुकानि

कारापितानि श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनेश्वरसूरिश्रीजिनचंद्रसूरिश्रीअभय-देवसूरिश्रीजिनवल्लभसूरिश्रीजिनदत्तसूरिपट्टानुक्रमे श्रीजिनमाणिक्यसूरि-पट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिप्रतिष्ठितानि सुखं भवतु ॥

७३०. सं० १५२४ वर्षे वै० शु० ९ शनौ श्रीस्तंभतीर्थे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० गोधाभा० कूअरिसुतकालाकेन भा० कुतिगदे भ्रातृ मला गेजा राजा भा० भावलदे भईर्मादे रंगी सुतवईजासहनामांकाश्रीपाला-दियुतेन स्वपितृव्यश्रे० लांपापुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

भोंयरामां.

७३१. सं० १५०२ डीसावालज्ञातीय जामलिआ गोगन-चमकूपुत्रसूराभा० शाणी मूरानुजनरपालगांगीपुत्रसमधरेण भ्रातृमाधवशिव-दाससूरास्वभा० सोहीपुत्रजसराजहंसराजादियुतेन श्रीआदिनाथचतुर्विंश-तिपट्टः का० प्र० तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

७३२. संवत् १५६५ वर्षे वै० शुदि ८ शनौ श्रीओसवाल-ज्ञातीयसा० वीरासुतसा० हकाभार्यालीलीपुत्रीबाईचांदूपितृव्यसा० जिणदत्तभार्याइंद्राणीसुत ४ सिवदास पचा कुरा जयचंद ससुरपक्षे भ्रातृसा० काहनागो० श्रीराजभा० सोमाईसुतसुभगिरभार्यया श्रा० चांदू-नाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीलब्धिसागर-सूरिभिः श्रीचारित्रसागरसूरियुतैः शुभं भवतु ॥

७३३. सं० १३४६ वर्षे वैशाखशुदि ७ सोमे दिने श्रीसंडेर-..........पुत्रदेवकुमारसुत.......... ....जिनबिंबं कारापितं ॥

७३४. सं० १३५१ माघवदि १ श्रीप्रल्हादनपुरे श्रीयुगादि-देवविधिचैत्ये श्रीजिनप्रबोधसूरिशिष्यश्रीजिनचंद्रसूरिभिः श्रीजिनप्रबो-

धसूरिमूर्त्तिः प्रतिष्ठिता कारिता...रामसिंहसुताभ्यां सा० नोहाकर्मण श्रावकाभ्यां स्वमातृराईमईश्रेयोऽर्थं ॥ (पाषाणमूर्त्ति) ॥

७३५. संवत् १३१५ वर्षे वैशाखशुदि ११ रवावद्येह स्तंभतीर्थे थारापद्रीयगच्छे श्रीऊदावसहिकायां श्रीमत्पत्तनवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीय महं० श्रीआंबूसुतमहं० श्रीयशोराजांगजमहं० श्रीपृथ्वीपालप्रसुतमहं० श्रीऊदामहं० श्रीउदयमतिकुक्षिसं....महं० श्रीदेवसिंहस्य भार्यया महं० श्रीश्रिया देव्या स्वश्रेयोऽर्थं भविष्यचतुर्विंशतिजिनप्रतिमाः कारिताः प्रतिष्ठिताः श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥ श्रीपद्मनाभ ॥ १ ॥

७३६. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयसींद्धवजीभार्याठकराणीपुत्रीजीबाइ श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीतपागच्छे जगद्गुरुबिरुदधारकश्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकार आचार्यश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

७३७. संवत् १५३७ वर्षे वैशाखशुदि १० सोमे गंधारवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयठ० महिराजभा० सुतठ० सहसाभा० वाल्हीठ० सालिगभा० आसीठ० श्रीराजभा० हंसाईठ० सहिसासुत धनदत्तभा० हर्षाई एतैरात्मश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीविजयरत्नसूरिभिः ॥

७३८. सं० १६१३ वर्षे वैशा०शु० १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयदो० श्रीझालणभा० कमलीसुतदो० कान्हा जीभा आत्मश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं कारापितं तपगच्छनायकश्रीविजयदानसूरीश्वरविजयराज्ये आचार्यश्रीहीरविजयसूरियुवराज्ये शिष्यपंडितधर्मविमलगणिना प्रतिष्ठितं नंदरबारनगरे ॥

७३९. सं० १५०५ वर्षे पौषशुदि १५ दिने ऊकेशवंशे सा० सुधर्मभा० सलषणदेसुतसा०बलाकेन भा०चंपाईसु० सहसकरणश्रीकरणादि-

कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यानामेषां ऋद्धिर्वृद्धिर्भवतु कल्याणं भवतु ॥

७४०. संवत् १४९१ वर्षे माघशुदि १० सोमे उपकेशज्ञातीयसा० अदाभार्याबा० रूपादे तत्सुतेन सा०पोपटाह्वयेन भा०श्रा० धरमाईसहितेन पितृमातृश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री० कोरंटगच्छे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

७४१. सं० १५०९ माघे ऊकेशको० नरपतिभा०देमाईपु० को० पूनसीभा० को०मनाभ्रातृजासा सा०वीरपालभा०वाछूपु०नेताईनाम्न्या पु० हेमाईयुतया श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्री० सोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः वेदुरवास्तव्यः ॥

७४२. सं०१४९१ वर्षे द्वितीयज्येष्ठवदि ८ रवौ उपकेशज्ञातौ भोचू (?) गोत्रे च साहजेसलभा०साऊंपु०सा० देइयाभा०देवलदेपु० सा०नींबाकेन पित्रोः श्रेयसे पूर्वजनिमित्तं च सुविधिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० धर्मघोषगच्छे भ० श्रीमलयचंद्रसूरिपट्टे भ०श्रीपद्मशेखरसूरिभिः शुभं भवतु ॥

७४३. सं० १५१९ वर्षे कार्त्तिकवदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० गां० तिहुणासुतमेघाभा० सांपूसुतसारंगभा० अरघूभ्रातृसहसापुत्र वांगणसहितेन पितृमातृभ्रातृआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीपूर्णि०प्रधानशाखायां श्रीजयसिंहसूरिपट्टे श्रीजयप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं गेहडीया ॥

७४४. सं० १३८९ वर्षे प्र० आषाढवदि १ रवौ श्रीआंचलगच्छे सा० समधरपुत० जसदेव धणसीहसुतमलयसीहपुनसीहेन कुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं ॥

७४५. सं० १५३० व० माघशुदि ४ शुक्रे सांबोसणवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० व्य० रामसीभा० सोमीपु० व्य०लालाभा०झटकूनाम्न्या भ्रातृव्य०कालादिकुटुंबयुतया निजश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपाग० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७४६. संवत् १६२२ वर्षे पौषवदि १ रवौ श्रीप्राग्वाटज्ञातिवृद्धशाखायां सा० पदमाभा० भूलाईसुतसं० मचाभा० हरषादे सुतसं० जिवंत कीका श्रीधरमनाथबिंबं तपागच्छे गुरुश्रीहीरविजयसूरि प्रतिष्ठितं ॥

७४७. सं० १५२८ वर्षे माघवदि ५ तपागच्छे प्राग्वाटज्ञातीयपंचाणेचागोत्रे सा० सारंगभा० सुहडादेपु० देहडभा० देवलदेपु० नाथा धना आत्मश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७४८. संवत् १५३१ वैशाखशुदि ५ सोमे श्रीओसवंशे वृद्धशाखीयश्रे० श्रवणसुतश्रे० सारंगभा० सहजलदेपुत्रश्रे० हापाभा० मटकूपुत्रश्रे० माणिकजीवाभ्यां पुत्रपौत्रशृंगारिताभ्यां स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिपट्टे प्रभुश्रीसावदेवसूरिवरैः प्रतिष्ठितं भलाडाग्रामे ॥

७४९. सं० १५०३ वर्षे सं० माइआभार्यामाणिकदेपुत्रवच्छराजतनुजश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

७५०. सं० १५३१ वर्षे वैशाखशुदि १० शनौ श्रीश्रीमा० श्रे० भीमाभा० हर्षूसु० लाखाजनाभ्यां पितृव्यश्रे० धनाश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं श्रीपूर्णि० श्रीश्रीश्रीगुणधीरसूरीणामुप० कारितं प्र० विधिना नंदीसालाग्रामे ॥

७५१. संवत् १५०८ वर्षे माहशुदि ऊ० टपगो० गे० अं० (?)सा० हेमाभा० हेमादेपु० सहिसा मा० डाहीपु० नाथासंहितैः सा० मेघानि० श्रीअजितनाथबिंबं कारापितं श्रीसंडेरगच्छे प्र० श्रीशांतिसूरिभिः ॥

जीरारवाडो, श्रीअमीजरापार्श्वनाथजिनालय.

७५२. संवत् १६२२ वर्षे माघवदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० भावडभार्याबा० सबूसुतदोसीज(?)नपालभार्या बा० जीवादेसुतदो० जयवंतेन श्रीश्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः श्रीतपागच्छे श्री ५ सोमविमलसूरिप्रतिष्ठितं श्री५हीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

७५३. संवत् १५२० वर्षे मार्ग०शुदि ९ शनौ श्रीप्राग्वाटवंशे सं० कउआभा० गुरुदेपु० सिंघराजसुश्रावकेण भार्या ठणकूपुत्र जीवराजभ्रा० हंसराजभ्रातृव्यभोजराजसं० जसराजसहितेन मातुः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीओसवालगच्छे श्रीकक्कसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

७५४. संवत् १५०६ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० मेलाभा० करमादेसुतश्रीरंगभा० अमरी स्वश्रेयोहेतवे श्रीश्रीचंद्रप्रभनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः चतुर्दशीपक्षे चैत्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिसंताने श्रीजिनदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितः शुभं भवतु ॥

७५५. संवत् १५५३ वर्षे माघशुदि १२ शनौ श्रीधंधूके श्रीश्रीवंशे मं० तेजपालभार्यागोमतीसुतमं० क्रान्हासुश्रावकेण भार्याकरमादेपुत्रमं० देवासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीनमिनाथमुख्यश्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीपिप्पलगच्छेशश्रीधर्मवल्लभसूरिभिः प्रतिष्ठितः ।

७५६. संवत् १५२८ वर्षे फा० व० १३ श्रे० झांझणभा० लषीपु० देवाभा० वाल्ही द्वि० पु० देवसी प्र० यु० श्रीअंबिका का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७५७. सं. १६६० वर्षे वैशाखशु० १३ दि० श्रीश्रीमालज्ञा० श्रा० विमलादेपुत्री श्रा० वीरा श्रीसंभवनाथबिं० का० प्रति० तपाश्रीविजयसेन म० प्रण० श्रीनयविजयग० ॥

७५८. संवत् १६७७ वर्षे मार्गशीर्ष ५ रवौ श्रीहीरविजयसूरिपट्टप्रभाकरभट्टारकश्रीविजयसेनसूरीश्वराणां मूर्त्तिः भट्टारकश्री....... .... ॥

जीरारवाडो, श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालय.

७५९. सं० १४८९ वर्षे वै० शु० २ ऊकेशज्ञा० व्य० भादासुतधनाभा० साजूसुतसदाकेन भ्रा० मेघाभा० कमलाईसु० माणिक हीरा वीरा भा० जीविणिप्र० कुटुंबयुतेनात्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीदेवसुंदरसूरिपट्टभूषणश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीमुनिसुंदरसूरिभिः ॥

७६०. संवत् १३४९ वर्षे ज्येष्ठवदि ६ बुधे स्तंभतीर्थे श्रीरोथडीचैत्ये देवश्रीआदिनाथ........बने श्रीनागेंद्रगच्छे आचार्यश्रीगुणसेणसूरिसंताने आचार्यश्रीजिन...........सूरिभिः स्वश्रेयसे श्रीशारदामूर्त्तिः कारापिता स्वयं प्रतिष्ठिता शुभं ॥ (पाषाणमूर्त्ति)

जीरारवाडो, श्रीअरनाथजिनालय.

७६१. संवत् १५६६ वर्षे पौषवदि ९ सोमे गोठूआग्रा० वास्तव्य ऊकेशज्ञातीयमं० कडूआभा० षूनिरिपुत्रमं० नागाकेन भा०

माकूपुत्रसहदेलटकणादिपंचपुत्रयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

७६२. सं० १६५३ वर्षे का० सित० ८ दिने प्राग्वाटज्ञातीयसा० पोपटभार्या वीरा तत्सुतसा० अर्जुनकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छाधिराजश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

७६३. संवत् १४२१ वर्षे चैत्रशु० १३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० वीरमभा० हीमादे भ्रा० नानु बानु प० मेघाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीरत्नशेखरसूरि उप................ ॥

७६४. सं० १४९६ आषाढशुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालीज्ञा० वृद्धशाखीयम० ठाकुरसीपुं० म० मणोरसीभा० हर्षूपुत्रमहं० सहणकेन समस्तपूर्वजमातृपितृश्रेयोऽर्थं मूलनायकश्रीश्रीअभिनंदनजिनचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प० श्रीकोरंटगच्छे नन्नाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

७६५. सं० १५१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ शनौ उपकेशज्ञातौ कुकुटगोत्रे साह ऊदापुत्रसाहलाषापुत्रसाहगणपतिपुं० सा० हरिराजेन भा० हमीरदेपु० समरसी जमणसी रत्नसी विजयसी पु० सा० कर्मसी श्रे० श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिभिः श्रीः ॥

७६६. सं० १५५२ वर्षे वैशाखवदि १३ सोमे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० हरपाल भाषर मं० धनाभा० धरमादे पु० जागुभूपतिनाथाभा० करमादे जीवाभा० लीलादे मातृ० भ्रातृश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेंद्रगच्छे भ० श्रीसोमरत्नसूरि तत्पट्टे श्रीहेमसिंहसूरिगुरुक्करे चा(ण) ॥

७६७. सं० १५०७ वर्षे वैशाखवदि ६ गुरु श्रीमालज्ञातीय-श्रे० देवडभा० साल्हूपुत्रलीबाकेन भा० पूरीसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० सिद्धांतीयगच्छेशश्रीसोमचंद्रसूरिभिः ॥

७६८. सं० १३९१ मद्राहडीयश्रे० झांझणभा० देल्हणदे पु० धरणिरोला पुत्रश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नाकर-सूरिशिष्यश्रीसोमतिलकसूरिभिः ॥

७६९. संवत् १५७३ वर्षे आसाढशुदि ९ गुरौ ओसवालज्ञा० वृद्धशाखीयसा० धर्मणभा० धर्मादेपुत्र्या तथा सा० सहसकिरणभार्यया सोनाईनाम्न्या श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं कोरंटगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः मातरग्रामे ॥

७७०. संवत् १५७१ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालीज्ञा० श्रे० तांइयाभा० मरघूसुतश्रेष्ठिसा० ऊग्राभा० रत्नादेपुत्रजयवंतसहितेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीनागेंद्रगच्छे प्र० श्रीमहीरत्नसूरिभिः।

७७१. संवत् १७२१ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ रवौ खंभायतवास्तव्य-प्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयसा० जगासुतसा० काहनजीभार्याबाईपाषड-नाम्न्या श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छीयभ० श्रीविजयाणंदसूरिपट्टालंकारभट्टारकश्रीविजयराजसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

संघवीपाडो, श्रीसोमपार्श्वनाथजिनालय.

७७२. सं० १५६३ वर्षे वैशाखशुदि ६ शनौ श्रीकुकुटगोत्रे ऊकेशज्ञा० सा० गुणिआभार्यामणकाईसुतसा० समरसिंहेन भार्या रूपाई धारूप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीओसवालगच्छे श्रीसूरिभिः ॥

७७३. संवत् १६०४ वरसे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीश्रीमाली-

ज्ञातिसा० गणपतिपुत्रगोविंदभार्या बा० गोराई सा० नारायण सा० हरजी सा० देवा बा० रूडी १६ श्रीशांतिनाथबिंबं श्रीविजयदानसूरिप्रतिष्ठितं ॥

७७४. संवत् १६६० वर्षे ज्येष्ठवदि ७ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय साहगणपतिभार्या रंगाई तत्सुत सा० जगा सा० राजा सा० गोविंद जगाभार्याजासलदेनाम्न्या निजकुटुंबयुतया श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन स्तंभतीर्थे श्रीरस्तु ॥

७७५. संवत् १५२१ वर्षे आषाढशुदि २ गुरौ ओसवंशे सा० खीमाभा० खीमादेपुत्रसं० करणाभा० सोमीपुत्रसं० श्रीवंतेन भा० पल्हाईप्रमुखकुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वपितृपूर्वजश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीरस्तु ॥

७७६. सं० १३५२ वैशा० व० १० शुक्रे श्रीवायडीयश्रे० लूणासुतश्रे० वीसलेन पितृमातृ आत्म....प्रभृतिश्रेयसे श्रीवायटगच्छीयश्रीजीवदेवसूरिभिः श्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः ॥

७७७. संवत् १५३२ वर्षे माघशु० ६ सोमे ऊकेशवंशे सा० सरवणभा० वाछूसुतसा० वाचाभा० तेजलदेसुतसा० राणाकेन भा० आपूप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० स्वश्रेयोऽर्थं प्र० तपागच्छेशश्रीश्रीश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थनगरे ॥

७७८. संवत् १५६१ वर्षे वैशाखवदि ९ बुधे श्रीओएसवंशे सा० हांसाभा० हर्षूपुत्रसा० गुणीयाभा० गंगादेपुत्रसा० मेघराजसुश्रावकेण भार्या वीराई वृद्धभ्रातृसा० कुंरा लघुभ्रातृहेमराजसूरा

मुख्यकुटुंबसहितेन स्वमातुः श्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन श्रीपत्तने ॥

७७९. सं. १५२८ आषाढशुदि २ दिने श्रीऊकेशवंशे सा० सामलपुत्रसा० मांडाभार्याभावलदेवीपुत्रेण सा० पूनाश्रावकेण भ्रातृसा० चोखाप्रमुखपरिवारसहितेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

७८०. संवत् १६२२ वर्षे माहवदि २ बुधे वडदलावास्तव्य प्राग्वाटज्ञातिश्रृंगारमंत्रिजिणदासभार्यारहीपुत्रमं० कीकाभार्याकर्मादेवीपुत्रहंसराजभार्याइंद्राणीपुत्रधनराजहीरजीहरजीप्रमुखसमस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं श्रीतपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरि तत्पट्टे श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे भट्टारकप्रभुश्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं स्तंभतीर्थे शुभं भवतु ॥

७८१. सं. १५१० ऊकेशगांधीगोत्रे सं. बाहडभार्या वल्हादे पुत्रसं. पासदेवपत्न्या सो. सिंघाडूल्हादेपुत्र्या सं. बा. सिरिनाम्न्या पुत्रसं. रयपति संमारठंई आसा रामा जयता पौत्र हीरा काला वीरा ठाकुर जयसिंघ जगसी रत्नादियुतया श्रीपार्श्वबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः॥

संघवीपाडो, श्रीविमलनाथजिनालय.

७८२. संवत् १६२६ वर्षे फागुणशुदि अष्टमी सोमवासरे श्रीमत्तपागच्छाधिराजश्री५श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीश्रीमालज्ञातीयसाहकान्हआभार्या बाई कपूराई सुत कुंअरजी भीमजी रामजी इंद्रजी युतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं स्वश्रेयसे ॥

७८३. संवत् १६१६ वर्षे वैशाखशुदि १० रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां साहलटूपुत्रसाहजीवाभा० जीवादेपुत्रदो०

रतनपाल श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छगुरुश्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

७८४. संवत् १५१७ वर्षे माघशुदि १ शुक्रे श्रीश्रीवंशे व्य० स्रालिगभार्या ल्हिकूपुत्रव्य० वेलासुश्रावकेण भार्याकुंअरिपुत्रदेवदास गंगदाससहितेन श्रीश्रीश्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीश्रीश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन पितृमातृपुण्यार्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीरस्तु डहिरवालाग्रामवास्तव्यः ॥

७८५. संवत् १६३१ वर्षे पौषमासे कृष्णपक्षे षष्ठीदिने रविवासरे श्रीस्तंभतीर्थनगरे श्रीओसवंशे वृद्धशाखीयसा० जिइतसीभार्याजिइतलदे सुनी वनाई श्रीविमलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छनायकश्रीश्रीहीरविजयसूरीश्वरैः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

७८६. संवत् १४८५ वर्षे माहशुदि १० शनौ उकेशज्ञातीय श्रे० नाथाभार्या वानू पु० सा० महुणाकेन भार्यापूरीप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीजिनश्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीदेवसुंदरसूरिपट्टधरश्रीसोमसुंदरसूरिराजैः सुविहितचूडामणिभिः ॥

चोकसीनी पोळ, श्रीविमलनाथजिनालय.

७८७. संवत् १५४४ वर्षे माघशुदि १३ रवौ ओसवालज्ञातीयलघुशाखायां सा० मलामा० हांसूसुतवीरपालकेन भा० जीवादेप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीमूलनायकश्रीसुमतिनाथप्रमुखचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीधर्मरत्नसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

७८८. संवत् १५२१ वर्षे वैशाखशुदि ३ प्राग्वाटज्ञातीयव्य० राउलभार्यावीझूसुतसमाकेन भार्यागउरीसुतधनावनादत्तादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः

तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः शुभं भवतु ॥

७८९. संवत् १६३० वर्षे पौषवदिचतुर्थीदिने सोमवासरे श्रीमालीज्ञातीयदो० रीडाभा० बाईजीवादेसुतदो० मेघजीनाम्ना श्रीवासुपूज्यप्रतिमा कारिता सकुटुंबनिजश्रेयोऽर्थं प्रतिष्ठिता च श्रीतपागच्छनायकभट्टारकप्रभुश्री५श्रीहीरविजयसूरिभिः श्रीपत्तननगरे श्रीरस्तु ॥

७९०. संवत् १५१३ वर्षे पौषव०३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसंघवीगोगाभार्यारतनादेसुतधीराभार्यारांकुसुतसिवाकेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीसंघेन विधिना धाव्याग्रामवास्तव्यः ॥

७९१. संवत् १५८७ वर्षे पौषशुदि १३ श्रीवीसलनगरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयप० हरपतिभा० हीरूपुत्रपटुआहेमराजकेन भगिनीकतूभा०झमकीप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीश्रीश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

७९२. सं० १५५२ वर्षे माघव०८ शनौ ऊकेशवंशे सा०देवा पु०सा० चांपाभा० वीकूपु० वरसिंगधर्माभा०जीवादेसं० कुरपालभा० कमलादेपुत्रसं० गोइंदभा०गांगीपु०सं०देवाभा०देवलदेपु०सा०राजा भा०रमाईपुत्रसं०हेमाकेन भ्रातृसं० खीमासं० लाषासं० हेमापुत्रजगमाल जिणपाल सं०खीमाभार्यासिंगारदेपु०महिपालसं० लाषाभार्या लाषणदेपुत्रजयतपालप्रमुखकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीश्रीश्रीअजितनाथबिंबं चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसंडा(डे)रागच्छे श्रीशांतिसूरिभिः॥

७९३. सं० १४१० माघव०१ रवौ उपकेशज्ञा० श्रे० सलषाभा० सलषणदेपुत्रगुनपालभा० झणकूपुत्रसींघणेन श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीनाणकीयगच्छे श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

७९४. संवत् १६१७ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ सोमे श्रीपत्तनमध्ये

श्रीओसवालज्ञातीयपरी० मालाभार्याबाईमरघाईपुत्रजयवंतभार्याकीबाई श्रीवंतभार्याटांकूपुत्रीकसतूराई बिंबं श्रीअनंतनाथ कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीविजयदानसूरिभिः कल्याणं शुभं भवतु ॥

चोकसीनी पोळ, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

७९५. संवत् १२०५ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ रवौ कान्हाभार्या सा....श्रेयोऽर्थं चांदलालाकयोः कारापिता ना" (इ)लगच्छे ॥

७९६. संवत् १५१७ वर्षे माहशुदि १० सोमे श्रीश्रीवंशे श्रे० मांडणभा० फदूपु० राजासुश्रावकेण भा० हर्षूभ्रा० मनामेहालाषासहितेन श्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

७९७. संवत् १५२३ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमालीज्ञातीयश्राविकागांगीनाम्न्या भ्रातृव्यपुत्रनिटहीत(?) श्रे० कर्मसीभा०नामल तया श्वश्रूनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमागच्छे श्रीराजतिलकसूरिभिः ॥

७९८. संवत् १५०५ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीयव्य० मलाकेन निजभगिनीव्य० धनाभार्याचांपूश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरिभिः उटववास्तव्यः ॥

७९९. सं० १५०३ वर्षे आषाढवदि ७ सोमे ऊकेशवंशीयगोठीचांपाभार्या श्रा०चांपलदे तयोः सुतगोठीसोनपालेन स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीशांतिबिंबं कारितं प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

८००. संवत् १५१३ वर्षे माघवदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० पाताभा०माणिकिश्रे० चापुक० चांपलदेसुताकोईश्रेयोऽर्थं पातासुतेन वर्द्धमानेन क० वउलदेयुतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः गोधावीवास्तव्यः ॥

८०१. सं० १३०.........सु.................................सीहभार्या
नायकपुत्रजयता....................मातृपितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीअमरप्रभसूरिशिष्यैः श्रीज्ञानचंद्रसूरिभिः॥

८०२. संव० १५१२ वैशाखमासे श्रुति ९ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पासडसु० पचाभा० पूजापु० श्रे० अर्जनमं० सहजाभार्यातिली तयोः आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीविजयधर्मसूरिभिः॥

८०३. सं० १३५६ ज्येष्ठ वदि ८ श्रे० दीणासुतश्रे० आजाश्रे० वीकमाभ्यां मातृलाछिश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृहद्गच्छे श्रीहेमप्रभसूरिशिष्यैः श्रीपद्मचंद्रसूरिभिः॥

८०४. सं० १५०७ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० सोमे श्रीस्तंभतीर्थीयसौवर्णिकज्ञातीयसो० कर्मसीमा० राऊंसुतावारूनाम्न्या श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः॥

८०५. सं० १४७९ वर्षे..............श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० वईजाभा० वनीसुतडूंगरेण भा० लालूसुतसमधरादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीश्रीधर्मनाथपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः॥

८०६. संवत् १५४२ वर्षे वैशाखशु० १० गुरौ गूर्जरज्ञातीय वि. जेसाभार्यानारूपुत्रविसानाथाभार्यामकीसुतलाइयाभिधानेन निजपितुः श्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः श्रीआगमगच्छे श्रीजिनराजसूरि तत्पट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं कल्याणं भूयात् घोघावास्तव्यः॥

८०७. सं० १४७७ वर्षे मार्गव० ४ ऊकेशवंशीयमं० कालाभा० रणादेसुतमं० सिंहाकेन भा० देवलदेपुत्रमं० लांपा सहसा आसधरदेवराजादियुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिगुरुराजैः श्रीः श्रीः॥

८०८. संवत् १५०६ वर्षे चैत्रवदि १ रवौ ब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञातीयश्रे० कर्मणभार्याबाऊंसुतपितृपर्वतमातृलाछूश्रेयोऽर्थं सुतनासण बचा गेला एतैः श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥ वडद्रावास्तव्यः ॥

८०९. संवत् १४८६ वर्षे वैशाखशुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयम० धणपालभार्या धांधलदे तयोः सुतमं०अर्जन स्वपितुः श्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथस्य बिंबं श्रीमुनिसिंहसूरीणामुपदेशेन कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीशीलरत्नसूरिभिः पूर्वं डाभिलावास्तव्यः सांप्रतः अरणी ओडावास्तव्यः॥

८१०. संवत् १५०८ वर्षे वैशाखवदि १० रवौ ओसवंशे सिंघाभा० मचकूपु०सामनभार्यया बा०वीरूश्राविकया पुत्र रत्ना धर्मा कर्मासहितया श्रीअंचलगच्छे श्रीगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

८११. संवत् १५१६ वर्षे मार्गशुदि ३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे०मूलूभार्या अरघूसुतश्रे० गोईआश्रेयोऽर्थं श्रे० रत्ना श्रे० राणा श्रे० चांदाकेन कारितं श्रीसुमतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

८१२. सं० १५०५ वर्षे माघशुदि ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० आसाभा० राजूसु०माणिकभा०रामतिसु०पशमलेन स्वपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना श्रीस्तंभतीर्थपुरे ॥

८१३. सं० १४९१ फा०व० ५ श्रीश्रीमालज्ञातीयम० षोषाभा०षेतलदेपुत्रमं० जेसाकेन भा०चमकूपुत्रीराजू तत्सुतश्रीपालयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपागच्छप्रभुश्रीसोमसुंदरसूरिभिः॥

८१४. सं० १५३७ वर्षे पौषव०१० गुरौ ऊकेशज्ञातीय

सा० नरसिंगभा० नायकदेपुत्रवजांगेन भा०सूलेसरि भ्रा० हर्षासिंघापुत्र धीरारत्नागदादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

८१५. सं० १५७२ व० वै० शु० ८ बुधे गिरपुरे हुंबडज्ञातीयमंत्रीसुरगोत्रे गां० शिवाभार्याभूवदेसुतगां. तेजा नाईआ तेजाभा० नाथीसु० वाघासिंघारंगानाईआभा० मरघीनायकदेसु०केशवप्रमुखकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं सूवदेनिमित्तं श्रीवृ० तपापक्षे भ० श्रीधनरत्नसूरिश्रीसौभाग्यसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८१६. संवत् १५२० वर्षे माघवदि १० गुरु श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिसाईआभार्याअरघूसुतचांईयाकेन भा० मीरूसु० भोजाराजायुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविमलसूरिभिः जालीयावास्तव्यः ॥

८१७. सं० १४९० वर्षे वैशाखशुदि ७ गुरु श्रीमोढज्ञा० दो० सहजाभा० सूल्हीसुतदो० सायरेण पित्रोः श्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीविद्याधरगच्छे श्रीदेवप्रभसूरिभिः ॥

८१८. सं० १३–१ ज्येष्ठवदि २ गुरौ..........लालिश्रेयसे.......................श्रीशांतिनाथः कारितः श्रीविबुधप्रभसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८१९. सं० १३९१ वर्षे आषाढशुदि ५ सोमे श्रीमालज्ञा० ठ०.... जासु० ठ० देवसीश्रेयसे ठ० लूणाकेन श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीमेरुतुंगसूरिशिष्यश्रीमेरुप्रभसूरिभिः ॥

८२०. सं० १३०९ व० फागुणशुदि ८ प्राग्वाटश्रे० गहगडभा० नायकपु०पाल्हाकेन पित्रा श्रे० श्रीपार्श्वबिंबं कारितं श्रीसोमतिलकसूरीणामु० ॥

चोकसीपोळ, श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालय.

८२१. संवत् १३८८ वैशाखवदि ६ शुक्रे पं० खेताश्रेयोऽर्थं मं० राणाकेन श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता ॥

८२२. सं० १५१९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० निरूआभा० शाणीसु० व्य० भोजाभा० फाल्हसु० ठाईआकेन स्वकुटुंबयुतेन पितुमातृश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं पू० श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुप० कारितं प्रति० विधिना शेपपुरग्रामे ॥

८२३. सं० १३१४ वैशाखवदि १२ श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीपजनू(पज्जून)सूरिसंताने श्रे० जालासुतश्रे० आल्हणेन श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं ॥

८२४. सं० १५२० वर्षे वैशाखवदि ७ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० हीराभा० हरषूकेन स्वभर्तृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीआणंदप्रभसूरि उपदेशेन श्रीगुणरत्नसूरिभिः बजाणावास्तव्यः ॥

८२५. सं० १४९९ वर्षे फागुणव० २ उपकेश० सुचिंतीगोत्रे सा०वीराभा० भाउलदेपु० देवाभा० कउतिगदेयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० उपकेशगच्छे ककुदाचार्य० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

चोकसीपोळ, श्रीमहावीरजिनालय.

८२६. संवत् १५८१ वर्षे माघवदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखीयम०झालाभा० सषीसु० म०कडूआभा० कामलदेसु० टोकरनाकरकुटुंबयुतेन श्रीमन्निगमप्रभावकपरमगुरुश्रीआणंदसागरसूरिभिः श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं राइधानपुरवास्तव्यः ॥

८२७. संवत् १५१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० राणाभार्याराणीसुतश्रे० लाडणेन भार्यालापणदेप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूणामुपदेशेन प्रतिष्ठापितश्च मंडलीवास्तव्यः ॥

८२८. सं० १६२७ वर्षे पौषशुदि १५ गुरु ओसवालज्ञातीयवृद्धशाखायां साहहांसासुतवा० वरवा श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः स्वहस्तेन स्तंभतीर्थे ॥

चोकसीपोळ, श्रीशांतिनाथजिनालय.

८२९. सं० १३७१ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञातीयभ्रातृ भीमा समस्तपूर्वजानां श्रेयसे श्रा०महूणाकेन पंचपरमेष्ठि कारितः प्र० विमलसूरिभिः ॥

८३०. सं० १४७२ वर्षे फागुणवदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृश्रे० महिपा मातृप्रीमीश्रेयसे सुतमेघाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षे श्रीजयतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं सूरिभिः॥

८३१. संवत् १५३१ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीश्रीमा० पोमाभा०पोमादेसुतमहिराजभार्यापातीचा श्रा० स्वभर्तृश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीश्रीश्रीकमलचंद्रसूरीणामुपदे० श्रीश्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

८३२. संवत् १५३१ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीओएसवंशे सा०कुजाभा० कुतिगदेपुत्रसा० वाघासुश्रावकेण मा० कर्माईपुत्रभीमासहितेन पत्नीपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

८३३. सं० १२..............शुदि १३.......................................
श्रीपार्श्वबिंबं.............................श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

८३४. संवत् १५४८ वर्षे वैशाख०शु० २ शनौ गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयप० लूणसीसु० गोपालसु० सारिंगभा० धारूसु० भोजाभा० वारूसु० पदमसिंहेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं, आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८३५. संवत् १४८१ वर्षे माघशुदि ९ शनौ ऊकेशवंशीय सा० नागपालभार्याश्रा० नागलदेसुतया मल्हाईनाम्न्या श्रीजीवितस्वामिश्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीवृद्धतपापक्षे ॥

८३६. सं० १५३१ वर्षे ज्ये०शु० २ रवौ महिसाणावासिप्राग्वाटज्ञा०सा० गोधाभा० डाहीसुतसा० कर्मणेन भा० पतीनाम्न्या श्रेयोऽर्थं श्रीनमिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसुमतिसुंदरसूरीणामुपदेशेन श्रीरस्तु ॥

८३७. सं० १५०६ वर्षे फागुणवदि ५ सोमे सा० डूंडाभार्या भरमादेपुत्रसालाभार्यासातदेपुत्रसवपाषोपाकूपाचाचासहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ब्रह्माणगच्छे भ०श्रीउदयप्रभसूरिभिः॥

८३८. संवत् १३८९ (?) वर्षे फागुणशुदि २ सोमे वीरा(?)-पुरीयगूर्जरज्ञातीयश्रे० राजडभा........पितामहषीमाभा० सरसई श्री-श्रीशांतिनाथबिंबं ॥

८३९. सं० १४९० श्रीपू० सोनीसालिगकारितं श्रीआ-दिनाथः ॥

८४०. सं० १२६१ ज्येष्ठशुदि २ श्रीपार्श्वनाथबिंबं सु० देदाराजापंचाजयनू.......................श्रीध.........सूरिशिष्यैः श्रीजय.... सूरिणा प्रतिष्ठितं ॥

८४१. सं० १५६२ वर्षे वैशाषशु० ६ शनौ श्रीस्तंभतीर्थवा० श्रीऊकेशज्ञा० सो० जिणीआभार्या माचीसुतसो० जईतभार्या जईतलदेनाम्न्या पुत्रजयवंतादियुतया श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

८४२. सं० १५०८ वर्षे चैत्रशुदि १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पंचाभा० अहविदेपु० अमरसी भ्रा० कमलसीभा० चमकूपु० देवाकेन भा० देल्हागदेसहितेन स्वपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे भट्टारकश्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥

८४३. सं० १५२४ वै० व० ७ प्रा० व्य० नारदभा० करमीसु० व्य० लाईया भ्रा० कूंरपालेन भा० मरगदिपु० सुरदास वर्द्धमानादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छाधिराजश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिराजैः श्रीकालूपुरनगरे ॥

८४४. सं० १५११ माघशु० ४ चांगपद्रवासिऊकेशमं० संखणसुतमं० रामभा० लाडीसुतलुपाकेन भ्रा० चांपाभा० चमकूश्रीलादेसुतआपाहानाहराजादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

८४५. सं० १५३४ वर्षे माघशुदि १० दिने ऊकेशसा० मकाभा० माल्हणदेव्या सुतसा० पहापासामदे धर्मण पौत्रसुंटा समरस वच्छा अपौत्रसिंघदत्तादिकुटुंबयुतया श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः वीसलनगरे ॥

८४६. सं० १५३१ वर्षे माहशुदि १० सोमे श्रीश्रीमाल मंत्रिमांइआभा० माणिकदेसु० सहिसाभार्या वडघी स्वभर्त्तारनिमित्तं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीजीवितस्वामिश्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलगच्छे त्रिभ० श्रीधर्म्मसागरसूरिभिः ॥

८४७. संवत् १६३९ वर्षे चैत्रवदि ११ भूमे षरदूथभा० जीऊ पुत्र सोमापुत्रमहम स्वश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्री ...(मिह)सूरिभि ... गच्छे ॥

८४८ सं० १४८६ श्रीमाल ज्ञातीय मा० मोहणसुतसा० हरपालभा० सोनीपु० सा० वच्छराजेन भा० जजण भ्रातृसमधरादि-कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपापक्षे श्रीभट्टारक-श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥ सं० १४८६ श्रीमालसा० हरपालपु० वच्छराजेन चतुर्विंशतिपट्टः का०

अलिंग, श्रीमुनिसुव्रतजिनालय.

८४९. संवत् १५१६ चैत्रवदि ५ गुरौ प्राग्वाटश्रे० कर्मसी भा० फदकूपुत्रमहिराजेन भा० सोहीयुतेन पितृश्रेयसे श्रीवासुपूज्य-बिंबं कारापितं श्रीवृद्धतपापक्षीयभ० श्रीविजयरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८५०. संवत् १५१७ वर्षे माघशुदि १० सोमे स्तंभतीर्थ-वास्तव्य ओसवालज्ञातीयसा० वरसिंगभार्यामेघूसुतवीराकेन भार्या चंपाई भ्रातृहीरादिकुटुंबयुतेन श्रीश्रेयांसचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः संडेरगच्छे श्रीईसरसूरिभिः ॥

८५१. सं० १५०६ व० कार्त्तिकव० ५ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सा० कर्मणभा० कामलदेपु० गजाकेन भा० जीविणिपु० देवदत्तस० श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसाधुपूर्णिमाप० श्रीरामचंद्रसूरिप० श्रीपूर्णचंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः ॥

८५२. संवत् १५२८ वर्षे फा० शुदि ७ डीसावालज्ञातीय सं० भीमाभार्या अरघूनामातृव्य० मोषाभा० गुरीनाम्न्या श्रीपद्मप्रभ-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः शुभं भवतु कारकस्य ॥

८९३. सं० १५२८ फा० शु० १० बुधदिने स्तंभतीर्थवासि मोढज्ञातिश्रृंगारठ० पर्वतभा० सावित्रि सहजल्दे पुत्रेण ठ० कान्हाकेन भा० सारूपुत्रजिणदासप्रमुखकुटुंबयु निजश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः तपागच्छाधिराजैः ॥

८९४. संवत् १६६२ वर्षे द्वितीयचैत्रकृष्णषष्ठी शुक्रे वृद्धशाखायां प्राग्वाटज्ञातीयस्तंभतीर्थवास्तव्यसा० सिवासुतसा० लपासुतसा० हीमाभार्याविइजलदेसुतसा० अमिआख्येन भार्यातेजलदेसुतसा० पुण्यपालप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छे भट्टारकश्रीविजयसेनसूरीश्वरैः ॥

८९५. सं० १५०४ आषाढशु० २ प्रा० ज्ञा० व्य० राजसीभा० मेघूसुतधरणाभा० सारूसुतहेमाकेन भ्रातृअमरापितृव्यसावा स्वकुटुंबयुतेन पितृश्रेयसे श्रीअनंतनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

८९६. सं० १४९२ वर्षे चैत्रवदि ९ शुक्रे प्रा० सा० पाल्हाभा० नागूपु० सिवाभा० अरघू आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसर्वसूरिभिः ॥

८९७. संवत् १५६३ वर्षे वैशाखशुदि ६ शनौ श्रीश्रीवंशे सा० वाच्छाभा० रूपाईसु० साल्हाभा० कपूपुत्रश्रीचंद्रसुश्रावकेण भा०विमलादेपुत्रनाकरसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन शुभं भवतु ॥

८९८. सं० १५५६ वर्षे वैशाखशुदि ११ शुक्रे गंधारवासिश्रीश्रीमालज्ञातीयमांडवीआसा० सायरभा० गौरीसुतरणायरभा० ककूनाम्न्या पुत्रहंसराजयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पीपलगच्छे सर्वसूरिभिः ॥

लाडवाडो, श्रीअभिनंदनजिनालय.

८५९. संवत् १६७७ वर्षे कार्तिकासित ६ रवौ स्तंभतीर्थे मोढज्ञातीयहानाश्राविकया अनंतनाथबिंबं स्वप्रतिष्ठायां प्रतिधारितप्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारकपुरंदरश्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

८६०. पातसाही ४१ फा० शु० ८ ओसवालवृद्धशा० साह जगपालभार्या बाई रूपाई कारितं श्रीशांतिबिंबं प्र० तपाश्रीविजयसेनसूरिभिः १६५२ ॥

८६१. संवत् १५१५ वर्षे फागुणशुदि १२ बुधे श्रीकोरंटगच्छे उपकेशज्ञातीयसाहधर्मसीभार्याधर्म्मादेपुत्रश्रेष्ठिधाराश्रेष्ठिलाइआ श्रे० लाइआकेन भ्रातृवलश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीसोमदेवसूरिभिः ॥

भोंयरापाडो, श्रीनवखण्डापार्श्वनाथजिनालय.

८६२. सं० १५१७ वर्षे माघशु० १० सोमे बोरसिद्धिवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयठ० मणोरसीभा० शाणीसुतामनीनाम्न्या श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

८६३. सं० १५१८ वर्षे फागुणवदि १ सोमे चंडालियागोत्रे उपकेशज्ञातीयसाहमुणीआभा० भोलीनाम्न्या पुत्रकमलाभोजासहितया स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे भट्टारकश्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

८६४. संवत् १६७७ वर्षे कार्त्तिकासितप्रतिपदनंतरद्वितीयायां बुधेवासरे स्तंभतीर्थे उ०ज्ञातीयसा० चय(?)भा०वीरगाईनाम्न्या श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छभ० श्रीविजयसेनसूरिपट्टालंकारभट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

८६५. सं० १३१० व० वदि १० गुरौ.....................
वाल्हणेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं श्रीनागेंद्रसुरिभिः

८६६. सं० १४६५ वर्षे वैशाखशुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० कालामा० पाल्हणदेसु० वीराकेन वृद्धभ्रातृचांपाश्रेयोऽर्थं पंचतीर्थी श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीपू०श्रीविद्याशेखरसूरीणामुपदेशेन ॥

८६७. सं० १४६५ वर्षे वैशाखशुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे०मा...भार्यामावलदे पितृमातृश्रेयसे कारितं ब्रह्माणगच्छे श्रीवीरसूरिभिः प्रतिंष्ठितं श्रीदेवेंद्रसूरि आदि............ ॥

८६८. संवत् १५३७ वैशाखशुदि ३ दिने श्रीओसवंशे सुराणागोत्रे संघवीवीरदेवपुत्रसं०गोसलभार्यारंगाईपुत्रसं० जीवणमा० जीविणिपु०सं० विद्याधरसाडाभ्यां संघ० रंगाईपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे श्रीपद्मानंदसूरिभिः ॥

८६९. सं० १६१७ वर्षे पोषव० १ दिने वोरसिद्धि प्रतिष्ठितं प० सिंघीमा० राजलदेनाम्न्या श्रीशीतलनाथबिंबं तपापक्षे श्रीविजयदानसूरिपट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः भद्रं भवतु ॥

८७०. संवत् १५२७ वर्षे वैशाखवदि ५ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० पांचाभा० प्रीमलदेसुतथरसीभा०रंगीभ्रातृपेथासह पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणदेवसूरिभिः विरूशापा मोईकाग्रामे ॥

८७१. संवत् १५३१ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीश्रीवंशे मं० रत्नसीभार्यालिहकूपुत्रमं०वीराभार्याजाईपुत्रसिंघराजसुश्रावकेण भा०मटकूपुत्रमं० हंसराजवृ०भ्रा०नगराजलघुभ्रातृगोधूसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसु-

विधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थमहानगरे श्रीरस्तु ॥

८७२. सं० १५२६ वर्षे आषाढशु० ९ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० वाच्छाभा० वनीसुतश्रे०सांगाकेन भा०झाबूसुतवीर जेसिंगादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः कतकपुरवास्तव्यः ॥

८७३. सं. १५३२ वैशाखशुद ३ प्रा०श्रे० नरपालभा० वरजूपु० झांझणेन भार्याजीविणिसु०विरूआभा०हांसीप्र०कु०युतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

८७४. सं० १४६८ वर्षे वैशाखवदि ३ शुक्रे उपकेशज्ञा० ठ० रामभार्यादेईसुतमाधवेन स्वमातुः श्रेयसे श्रीश्रेयांसपंचतीर्थी का० प्र० श्रीजीरापल्लीयगच्छे भ० श्रीसालिभद्रसूरिपट्टे श्रीवीरभद्रसूरिभिः ॥

८७५. संवत् १५१४ वर्षे माहशुदि १ शुक्रे उकेशज्ञातौ नाहरगोत्रे सा० मलूपु० गोपाल कामा पु० अमराकेन भार्या अहिवदे तयोः पु० जिणदत्तयुतेन आत्मपुण्यार्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ।

८७६. सं० १५६५ वर्षे वैशाखव० ३ रवौ श्रीजंबूसरवास्तव्यश्रीप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखायां व्य० राजाभार्याराजलदेसु० व्य० कालूभा० धर्माईसु० व्य० शाणाभा० रही तया स्वभर्तुः श्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीधर्मरत्नसूरिभिः श्रेयसे ॥

८७७. संवत् १५१२ वर्षे वैशाखशुदि..................... बा..सलाभ्यां पितृमातृभ्रातृस्वपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारि० प्रति० पिप्पलगच्छे भ० श्रीसोमचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीउदयदेवसूरिभिः तावीग्रामे ॥

८७८. सं० १४५९ वर्षे फा० वदि ११ रवौ मोढज्ञा० पितृ० देल्हाभा० पितृ० लाडी श्रे० सु॰कपूआकेन श्रीपार्श्वनाथः का० श्रीविद्याधरगच्छे भ० श्रीगुणप्रभसूरिभिः ॥

८७९. संवत १३४.......... ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय ठ० पासू ठ० प्रथमदेविश्रेयोऽर्थं सुत रणसिंहेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्रीरत्नप्रभसूरिशिष्यैः श्रीपद्मप्रभसूरिभिः ॥

पादुका शिलालेख ।

८८०. संवत् १७१३ वर्षे माहशुदि ६ तिथौ भट्टारकश्रीजिनसिंहसूरिशि० पट्टे श्रीयुगप्रधानश्रीजिनराजसूरिपादुके भट्टारकयुगप्रधानश्रीजिनरंगसूरिप्रतिष्ठिते संघवी बाठीगा.......तद्भार्यावीरमदेकारिते संघकल्याणाय ॥

८८१. सं० १६९४ वैशाखशुदि ३ दिने शुभवारे वा० श्रीहर्षविशालगणिपादुके प्रतिष्ठितं सवाईभट्टारकयुग० श्रीजिनरंगसूरिवचनैः महामहोपाध्यायश्रीज्ञानसमुद्रगणिशिष्यवा० ज्ञानराजगणिभिः ॥

८८२. सं० १६७७ वर्षे माघवदि १० दिने गुरुवारे युगप्रधानश्रीजिनचंद्रसूरीणां पादुके कारिते खरतरगच्छे ओसवंशे..........तै सं० जसराजभार्याजसलदेपुत्रमं० मांडणकेन प्रति०युगप्र०श्रीजिनसिंहसूरिवरैः ॥

८८३. सं० १७९५ वर्षे शाके १६६० प्रवर्त्तमाने स्तंभतीर्थे श्रीखरतरग० श्रीपिप्पलीयागच्छे आसाढशुदि २ गुरुवारे भट्टारकयुगप्रधानश्रीजिनवर्द्धमानसूरि ततूशिष्यभट्टारकश्रीजिनधर्मसूरिप० भट्टारकयुगप्रधानश्रीप्रभाविकश्रीजिनचंद्रसूरिसूरीश्वराणां प्रसिद्धनामश्रीजिनचंद्रसू-

रीणां पादुका कारापिता श्रीसमस्तश्रीसंघेन पादुका प्रतिष्ठिता मकारइ श्री ९ ॥

८८४. संवत् १६७९ वर्षे वैशाखवदि १ सोमे श्रीबृहत्खरतरगच्छे स्तंभतीर्थे आचार्यकीर्त्तिरत्नसूरिपादुके कारिते श्रीओसवंशे शंखवालगोत्रे सा० समदत्तपुत्रजसवीरभार्याजसमादेपुत्रसा० सुमकर सा० करमचंद्राभ्यां पुत्रपौत्रादिपरिवारपरिवि(वृ)तैः प्रतिष्ठितः श्रीजिनराजसूरिवचनैः बा० हरषवल्लभगणिभिः ॥

भोंयरापाडो, श्रीनेमनाथजिनालय.

८८५. संवत् १५२३ वर्षे माघवदि ९ शनौ प्राग्वाटज्ञातिशृंगारसा० भोलाभा० वइजाईपुत्रसा० कान्हाभा० वीजीपुत्रसं० केशवेन भा० जीनापुत्रसं० हांसा गुणपति सा० हांसाभा० सोनाई पुत्रझांझणमांडणप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीमंडवाडानगरे श्रीरस्तु ॥

८८६. सं० १४९० वर्षे वैशाखशुदि ३ सोमे श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकीर्त्तिसुरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमालमंत्रिवाकाभार्याराजूश्राविकया मं० महिराजजोगाजनन्या स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च सुश्रावकैः ॥

८८७. सं० १६५४ वर्षे भाद्रपदमासे वदिपक्षे दशम्मी.... ....वृद्धशाखायां सा० श्रीशंकरभा० सोभागिनी.............. कारापितः वृद्धतपापक्षे श्रीस्तंभतीर्थे श्रीवैराग्यसागरसूरिभिः प्र० प० विद्यासागरेण ॥

८८८. सं० १५४० वर्षे माघशु० १३ रवौ ऊकेशसा०

कर्मणभा० श्रा० सुदीसुतसा० मोषाभार्याश्रा० संपूरीनाम्न्या निजश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्रति० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

८८९. संवत् १५१६ वर्षे चैत्रवदि ४ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिहात्थीभार्यादूबीसुतरत्ना धारा वीरा रत्नाभार्या माजू वीराभार्या साधू स्वपूर्विजपितृश्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीआणंदप्रभसूरिभिः रोझासरवास्तव्यः ॥

८९०. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीगंधारवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयपणवजभार्या अमरादेपुत्रीगांगबाई कारितं श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छाधिराजजगद्गुरुबिरुदधारकविजयमानश्री ५ श्रीहीरविजयसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

भोंयरापाडो, श्रीचंद्रप्रभजिनालय.

८९१. सं० १५१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० वीराभा० अमकूपु० गदाभा० लापूपु० श्रीवत्सभा० रंगाई कुटुंबस्य श्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीगुणसुंदरसूरिभिः बोरसिद्धिवास्तव्यः ॥

८९२. सं० १३१४ वर्षे ज्येष्ठवदि १२ बुधे पितृव्यकचो.... श्रेयोऽर्थं भात्रिसुतमहं० वीरपालेन कारापितमिदमिति ॥ (पार्श्वनाथबिंबं)

८९३. संवत् १४९४ मार्गशु० ११ शुक्रे प्राग्वाटमं० नागडभा० हीरादेसुतमं० गांगदभा० गंगादेसुतमं० कूपाकेन मा० रूपिणि भ्रातृजगं० वीसाहीरादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

८९४. संवत् १५५२ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीश्रीमाल-

ज्ञातीयश्रे० धरणाभा० मांजूसुतमेघाभार्या सोनाईसु० अमीपालादि-स्वकुटुंबयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं श्रीआगमपक्षे श्रीसोमरत्न-सूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना छनीआरिवास्तव्यः ॥

८९५. संवत् १५४८ वर्षे वैशाखवदि १० रवौ श्रीश्रीमाल-ज्ञा० सिद्धशा० श्रे० लष्मसीभा० मांजूसु० मटाभा० माकूसु० कर्म्मणकेन भा० सोभागिणिसहितेन पितृमा० भ्रा० नि० आत्मश्रे० श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० पिप्पलग० श्रीरत्नदेवसूरिपट्टे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥ पत्तनवास्तव्यः ॥

८९६. संवत् १५५३ वर्षे भाद्रवाशुदि ९ वीरबुद्धश्रीगौतम-स्वामि हेमकारापित ॥

भोंयरापाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

८९७. संवत् १५७६ वर्षे चैत्रवदि ५ शनौ श्रीश्रीवंशे सा० वीराभा० नाईपु० सिंहराजभा० मटकीपु० हंसराजसुश्रावकेण भा० इंद्राणीपुत्रसाहजसराजशांतिदासप्रमुखकुटुंबसहितेन इंद्राणीश्रेयोऽर्थं श्रीअ-रनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं सर्वसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थनगरे ॥

८९८. सं० १५९६ वर्षे मा० शु० षष्ठयां श्रीश्रीमालिज्ञाति पा० देवाभार्यारणीसुतना० सीहाकेन भार्याधनाईप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारि० प्र० तपागच्छेशश्रीइंद्रनंदिसूरिभिः ॥

८९९. संवत् १३८३ वर्षे माहशुदि १० सोमे श्रीउपकेश-ज्ञातीयसा० पेथाभा० प्रपुन्नदेपुत्रसोगाभा० लक्ष्मादेपुत्रसमरासलणाभा० पूर्वजश्रेयोऽर्थं [पार्श्व]बिंबं कारा० प्र० श्रीपल्लीवालगच्छीयश्रीमहेश्वरसूरि-शिष्यश्रीअभयदेवसूरिभिः ॥

९००. संवत् १५२८ वर्षे मागसिरशुदि २ गुरु श्रीब्रह्माण-

गच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० चांपाभार्या चांपलदेसु० देल्हाभार्या देवलदेवानरकेन स्वपित्रोः श्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं प्र० श्रीविमलसूरिप०-श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः राणपुरवास्तव्यः ॥

९०१. सं० १५२३ वर्षे वै० वदि ४ गुरु श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० महं. सामसीभार्या अरघादेसुतनबाभार्यानामलदे मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारापितं पंचतीर्थी प्रतिष्ठितं श्रीवीरसूरिभिः हमीरपुरे ॥

भोंयरापाडो, श्रीमल्लिनाथजिनालय.

९०२. सं० १६१८ वर्षे वै० शु० ७ गुरौ गंधारवा० स० हरपतिभा० रहीनाम्न्या पु० सं० धरणाभा० रूपादेपु० श्रीवच्छसदयवच्छयुतया स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

९०३. संवत् १५७२ वर्षे फागणशुदि २ रवौ श्रीश्रीवंशे मं० वीरासुतमं० सिंहराजभार्यामटकीपुत्रसा० हंसराजसुश्रावकेण भार्याइंद्राणीपुत्रसा० जसराजसा० शांतिदाससहितेन निजमातुः पुण्यार्थं श्रीविधिगणे श्रीसुविहितसूरीणामुपदेशेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

९०४. सं० १५४३ वर्षे शाके १४८८ प्र० मार्गशिरवदि २ दिने ओसवालज्ञातीयटापलीयागोत्रे सा० माला पितापुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपुण्यवर्द्धनसूरिभिः ॥

९०५. संवत् १५४८ वर्षे वैशाखवदि १० सोमे श्रीसूरतवास्तव्यश्रीओसवंशे संघवीवीराभार्याहीरादेसु० पासाभार्याकत्थाई भ्रातृगे-

ईआ नरबदा भ्रात्रि श्रीपतिभा० रूपाई स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्री....णम(?)भवसूरिभिः ॥

९०६. सं० १५२८ वर्षे आषाढशुदि २ सोमे श्रीऊकेशवंशे साधुशाखायां सा० पर्वतभा० मणकीपु० सा० तेजसीहश्रावकेण भा० डाही भ्रातृहर्पतिप्रमुखपरिवारसहितेन श्रीसंभवबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

९०७. सं० १३५३ वैशा० व० १० शुक्रे श्रीवायटीयमहं० सोमसुतवयराकेन पितृव्यऊदाश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवायटगच्छे श्रीजीवदेवसूरिभिः ॥

९०८. संवत् १५५३ वर्षे वै० व० ११ शुक्रे ओसवं० सा० वाघाभा० कर्माईसुतसा० भीमाभार्यामिरगाईसुतसा० शांतिदत्तभ्रा० पासदत्तसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

शकोपुर, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

९०९. संवत् १५०८ वर्षे चैत्रशुदि १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० मेलाभा० अमकूसु० राजा सामंत मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीआगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

९१०. सं० १६७७ वर्षे मार्गशीर्षशुक्ल ९ रवौ स्तंभतीर्थे लघुशाखीयश्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० नाकरपु० सा० रहिआकेन का० श्रीसुविधिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीभट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

९११. संवत् १७८४ मागसिरवदि ६ दिने बुधवासरे श्रीस्तंभतीर्थबंदिरे श्रीतपागच्छे सुविहितभट्टारकश्रीआणंदविमलसूरिपट्टप्रभावक श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टे सद....विजयसेनसू-

रिपट्टे भ० श्रीविजयदेवसूरिपट्टप्रभावकसकलभ० पुरंदरभ० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविज्ञपक्षे भट्टारकप्रभुश्रीज्ञानविमलसूरीश्वरचरणपादुकाः शुभं भवतु ॥

९१२. संवत् १८४८ वर्षे माहशुदि १० गुरौ भट्टारकश्री १०८श्रीज्ञानविमलसूरि तत्पट्टे श्रीलक्ष्मीविमलसरि तत्पट्टे श्रीमहिमाविमलसूरिचरणपादुका कारापिता खंभायतनगरे ॥

माणेकचोक, श्रीपार्श्वनाथजिनालय.

९१३. सं० ईलाही ४८ सं० १६५९ वर्षे वैशाखवदि ६ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थबंदिरे श्रीओसवालवंशे वृद्धशाखायां आतूरागोत्रे सौवर्णिकसा० वछिआभार्यासोहामिणिसुतसो० तेजपालनाम्ना भार्यातेजलदेप्रमुखपरिवारयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे भ० श्रीहेमविमलसूरिपट्टप्रभाकरभ० श्रीआणंदविमलसूरिप्रभु[पट्ट]मुकुटमणिभ० श्रीविजयदानसूरिपट्टपूर्वपर्व्वतपद्मपाथि(?)भट्टारककोटीरहीरभ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टपाथोनिधिपीयूषमव्ज(?)स्ववचनचातुरीचमत्कृतचित्तशाहिश्रीअकब्बरदत्तबहुमानभट्टारकपरंपरापुरंदरसुविहितसाधुशिरोमणिभट्टारकप्रभुश्रीविजयसेनसूरिभिः श्रीरस्तु ॥ (पाषाणप्रतिमा भोंयरामां)

९१४. सं० १६६१ व० वै० शु० ७ सोमे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारि० सा० नाथुसुतसा० विजयकर्ण प्र० तपाश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

९१५. सं० १६६१ वर्षे वै० शु० ७ सोमे सो० तेजपालभार्यातेजलदेकारितं श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

९१६. सं० १५१० वर्षे ज्येष्ठशु० २ दिने ऊकेश० छा-

जह्डसा० हस्तिराजसा० नरसिंहसा० सिवापु० सा० सहजपालेन सा० लखराजपुत्रसा० महिपालयुतेन सा० अदादिपूर्वजपुण्यार्थं श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० श्रीखरतर. श्रीजिनसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

९१७. सं० ११७२ फाल्गुनशुदि ७ सोमे श्रीऊकेशीय-सावदे०पत्न्या आम्रदेव्या कारिता ककुदाचार्यैः प्रतिष्ठिता ॥

९१८. सं० १५२५ वर्षे माघव० ६ प्राग्वाट०य० पर्वत-भार्याफलीपुत्रव्य० गेपाभ्रातृव्य० षीमाकेन भार्यारत्नादेप्र० कुटुंबयुतेन श्रीअनंतनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९१९. सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठवदि १ चिचटगोत्रे सा० श्रीरतनभा० अमरादेपुत्रसा० श्रीसूरपालेन भा० रामतिपु० सिंघराज सधारण श्रीवंतसहितेन मातृपित्रोः श्रेयसे श्रीसुमतिबिंबं का० प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

९२०. सं० १३.................................श्रे० वासभूव महं० भीमेन श्रीमहावीरः कारापितः....................श्रीमदनसूरिभिः ॥

९२१. सं० १३७१ .... श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसुकवि(ति)सूरिभिः ॥

९२२. सं० १४२३ फागुणसु० ९ चं० श्रीश्रीमालज्ञा० पितृसारहाभार्याहीरादेविश्रेयसे सुतदेऊदाकेन श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं का० श्रीपूर्णि० प्र० श्रीसुमतिसिंहसूरीणामुपदेशेन ॥

९२३. सं० १५३६ वर्षे पौषवदि २ गुरू श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिमूजाभा० नाईसुतपासई भार्याराणीश्रेयोऽर्थं जीवितस्वामिश्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठि० श्रीवीरसूरिभिः कांह्राआणीवास्तव्यः ॥

९२४. सं० १०२४ वर्षे...

....महं पितामहीश्रे० श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीसागरचंद्रसूरिभिः ॥

९२५. सं० १५२८ वर्षे माघवदि ५ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० शवाभा० माणिकिदेसुतगोनागोव्यद एतैः पितृपितृव्यसरवणपाल्हा-श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीब्रह्माणगच्छेशश्रीवीरसूरिभिः वणुद्रवास्तव्यः ॥

९२६. सं० १३५४ वर्षे माघव० ५ पतनत्यश्रे० हरिपाल-भार्यासीतपु०ठ० अजयसाहभार्यालषमसुतगोनामूजापद्मधरणिग पित्रोः श्रेयसे [पार्श्व]बिंबं का० प्रति० चैत्रगच्छे श्रीधर्मदेवसूरिभिः ॥

९२७. सं० १२६३ वर्षे वैशाखशु० ६ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे ठ० जयतसीहश्रेयोऽर्थं पदमसीहेन श्रीमहावीरप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता श्रीविमलसूरिभिः ॥

९२८. सं० १२५९ ज्येष्ठशुदि ३ थारापद्रीयगच्छे श्रीजिन-दत्तसूरौ पितुराणामातृशिवादेविश्रेयोऽर्थं अ(श्र)णवूकेन कारितः ॥

९२९. सं० १३२९ वर्षे वैशाषवदि ९ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय-देपालभार्यादुरहेविश्रेयोऽर्थं सुतमहं आल्हणेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीभावदेवसूरिभिः श्रीभावडारगच्छे ॥

९३०. सं० १२५२ ज्येष्ठवदि १० श्रीमहावीरदेवप्रतिमा ठ० अश्वराजश्रेयोऽर्थं पुत्रभोजदेवेन कारिता प्रतिष्ठिता जिनचंद्रसूरिभिः ॥

९३१. संवत् १४३७ वर्षे द्वि० वैशाखवदि ११ सोमे श्रीश्री-मालज्ञातीयव्य० पूछा(?)भार्याकुंतादेश्रेयसे सुतभादाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० पिप्पलाचार्यश्रीधर्म्मतिलकसूरिभिः ॥

९३२. सं० १२७० वैशा० शु० ६ रवौ ब्रह्माणगच्छे पितृ-यशोधर........निमित्तं ठ० पालाकेन श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं श्रीप्रद्यु-म्नसूरिसंताने ॥

९३३. सं० १५१२ प्राग्वाटसा० लीबाभार्यासिरीपुत्रसा० जगाकेन भा० पूरीभ्रातृलाषापुत्रछांछालषमादियुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिश्रीजयचंद्रसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रीलोहिआणावास्तव्यः ॥

९३४. सं० १२७० वर्षे माघवदि १ गुरौ श्रीमालज्ञातीयपितृमहं श्रीआहुडमातृजयतलदेश्रेयसे........हाभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं ॥

९३५. सं० १६१७ वर्षे पोषव० १ दिने बोरासयसा० जगुभा०कीकापुत्रसा० वस्ता पामा कारापितं श्रीसुमतिनाथबिंबं श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

९३६. संवत् १५६८ वर्षे वैशाखशुदि ३ शुक्रे दिने प्राग्वाटज्ञातीयमं० सोमाभा० मटकूपुत्रजूठाकेन भार्यावरहादेपुत्र वच्छाहर्षादिसकलकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिश्चिरं जीयात् आचंद्रार्कं नंद्याद् बिंबं कर्त्ता च ॥

९३७. सं० १५२५ वर्षे माघशु० १३ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्र० पांचाभा० पोमीसुतमं० आल्हणसिंहेन भा० जीविणिसुत हेमादिकुटुंबयुतेन पुत्रीधनीश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्रतिष्ठापितं च माणकुलिवास्तव्यः ॥

९३८. सं० १४९९ वर्षे माघवदि ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० नरीआभा० देवूपु० देपालभा० हीदेदीशांति(?)पु० माणिके पि० म० श्रीसुमतिनाथबिंबं का० नागेंद्रगच्छे प्रति० श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥

९३९. सं० १५२८ वर्षे आषाढशुदि २ सोमे प्राग्वाटवंशे मं० साढूलपुत्रसा० सिवाकेन भार्यारत्नाईपुत्रश्रीराजगेईयादि-

सहितेन पूर्वंनपुण्यार्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

९४०. संव० १५३० वर्षे वैशाखशु० ३ उपकेशज्ञातीय गोवर्द्धनगोत्रे साहमूलाभार्यासूजीसुतशवाप्रथमभार्यासोनलदेनिमित्तं तत्पुत्रदेवा अपरभार्याकुंअरिपुत्रनगराजपौत्रछाजूयुतेन श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्यसंताने श्रीदेवगुप्तसूरिभिः श्रीपत्तने ॥

९४१. सं० १४२९ वर्षे माघवदि ७ सोमे श्रीमालज्ञातीय ठ० कुरसीहभार्या आल्हणदेव्या सुतावानूश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीपू० श्रीगुणभद्रसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसूरिभिः ॥

९४२. सं० १३....वर्षे वैशाखशुदि ९ शुक्रे श्रीवासुपूज्यबिंबं बाईलांपू प्रणमति ॥

९४३. सं० १४९१ वर्षे माघशुदि ९ बुधे श्रीअंचलगच्छेश-श्रीजयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन ऊकेशवंशे सं० गोपाभा० साधूपुत्र्या रमाई-श्राविकया निजश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च समग्र-श्रीसंघेन ॥

९४४. सं० १५८४ ज्येष्ठशुदि १३ ऊकेशवंशे कांकरीया-गोत्रे सा० रत्नाभार्याषीमाईपुत्रमाहराजपालेन भार्यावीराईपुत्रविद्याधरादि-सहितेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० खरतरगच्छे श्रीजिन-माणिक्यसूरिभिः ॥

९४५. सं० १४२४ वर्षे आषाढशु० ६ गुरु श्रीमालज्ञा० पितृमहंसांगणभा० नीसेलभा० महालक्ष्म्यालदेमाहण........श्रे० महं० देवसिंहेन श्रीमहावीरपंचतीर्थी कारिता श्रीश्रीकमलचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

९४६. सं० १५३६ वर्षे पोषवदि २ गुरु श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० वाघाभा०वीजलदेसुतमाईआभा०माणिकिदेसुतव-स्तावीरासहितेन स्वपूर्विजश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे भट्टारकश्रीबुद्धिसागरसूरिभिः काहीआणावास्तव्यः ॥

९४७. सं० १५२९ वर्षे वै० शुदि ५ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय-सा०पूजाभा०लीलूसुतशाणाकेन भार्याहीराईसुतहर्षादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे प्रवा० श्रीअभिनंदनबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठापितं च स्तंभतीर्थे ॥

९४८. संवत् १७१३ वर्षे कार्त्तिकवदि २ दिने पातिसाह श्रीसाहिजिहांविजयमानस्तंभतीर्थबंदिरवास्तव्य ओसवालज्ञातीय वृद्धशाखीयसा० घूलासुतसा० षीमंसीभार्यासषाईपुत्रीबाईसोनाई षीमाईइं स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीवीरपरंपरागततपागच्छाधिराजपातिसाहि श्रीअकब्बरप्रदत्तबहुमानभट्टारकश्रीहीरविजयसूरि तस पाटवी पातिसाहि श्रीअकब्बरसभाप्राप्तजयवादभ० श्रीविजयसेनसूरि तस पाटवी पाति-साहिश्रीजिहांगीरप्रदत्तमहातपाबिरुदधारकभट्टारकश्रीविजयदेवसूरि तस पाटवी २ हवा आचारय श्रीविजयसिंहसूरि भ० श्रीविजयप्रभसूरि ते मध्ये प्रथम पाटवी मेवाडदेशाधिपतिराणाजगत्सिंहादिअनेक राजप्रतिबोधक श्रीश्रीविजयसिंहसूरि ते थाप्या. पछी २८ वरसे सुरलोकि पधार्या तेहनी पादुका करावी छे ते तदनंतर श्रीविजयदेवसूरि स्वहस्त स्थापित औदार्यधैर्यगांभीर्यादिगुणविराजमान वाणीविशाल भट्टारक श्रीविजयप्रभसूरि प्रतिष्ठावी छइ ॥ इति मंगलम् ॥

माणेकचोक, श्रीधर्मनाथजिनालय.

९४९. सं० १५१५ व० माघशु० १ शु० श्रीमालज्ञा०

महं० मालाभार्यामाल्हणदेसुतधाराकेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं पूर्णिमाप० श्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन घूटूग्रामे ॥

९५०. सं० १५१९ वर्षे ज्येष्ठवदि २ सोमे श्रीश्रीज्ञा० वस्तूगीयाशाखायां व्यव० बुलाभार्याबुलदेसुतचुघानिमित्तं जगाकेन श्रीश्रीश्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं नागेंद्रगच्छे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥

९५१. संवत् १५५३ वर्षे वै० व० ११ शुक्रे श्रीश्रीमालीय श्रे० सीहाभा० सिंगारदेपुत्रश्रे० पूजाभा० मटकूसु० श्रे० गोपालेन भा० गुरदेकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥ श्री डहडाग्रामे ॥

९५२. सं० १५२५ वर्षे मार्गशु० १० प्राग्वाटश्रे० भीमाभा० रमकूसुतकालाभा० ढूबीनाम्न्या पुत्रजिनदास देवदास सिवदास प्र० कुटुंबयुतया श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः धवलक्के ॥

९५३. सं० १५३५ वर्षे मा० शु० ५ गु० डीसाश्रे० जूठाभार्याअमकूसुतश्रे० भोजाकेन भ्रा० वछूभा स्व० भा० मऊकूसुतनाथादिकुटुंबश्रेयसे श्रीधर्म्मबिंबं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिप० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९५४. संवत् १५५४ वर्षे फागुणशुदि २ शुक्रे श्रीऊसवंशे सा० शुभकरभा० कीकीपु० सा० जगमालसुश्रावकेण भार्याधनीपु० सा० श्रीकमलभा० शृंगारदे लघुभ्रातृसा० जांबूभा० इंदीमुख्यकुटुंबसहितेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसर्वसाधुश्रीसूरिभिः अरिहंत देव सुसाधु गुरुः ॥

९५५. सं० १३०४ वैशाखशु० १० थारापद्रीयगच्छे

श्रीमालज्ञातीयश्रे० बाहडश्रेयोऽर्थं सु....न चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीपुरुषोत्तमसूरिभिः ॥

९५६. संवत् १५१२ वर्षे फागुणशुदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० सिंघाभार्या ब० सिंगारदेसुतसा० वाछाभार्या व० राजूसुतसा० जोणकेन भार्या ब० मांजूपुत्र सा० रीडा सा० सांडा गोधाभ्रातृसा० महिराजभ्रातृव्यसा० हापाप्रमुखसमस्तकुटुंबसहितेन स्वश्रेयोऽथ त्रयोविंशतिजिनसहितश्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीरस्तु ॥

९५७. सं० १५०८ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसं० कडूयाभा० सं० कुंतिगदेसु० सं० सालिगभा० सं० सूल्हीसु० सं० भोजाकेन भा० सं० पार्वतीसहितेन स्वभार्याश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथजीवितस्वामिबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीश्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना श्रीस्तंभतीर्थे ॥

९५८. संवत् १५१३ वै० वदि २ श्रीश्रीमालीज्ञातीयकपर्दशाखीयपरीक्षकसारंगभार्यालाछूपुत्रप० गलाकेन भा० माणिकसुतजइतावीराहीरायुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः आशापल्लीनगरे ॥

९५९. सं० १५३७ वर्षे ज्येष्ठवदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय ठ० जइताभा० धाऊंसुतठ० भांभटेन भा० नागिणिद्वि० भा० कुतिगदेप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं वृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं वोरसिद्धिग्रामे ॥

माणेकचोक, श्रीमहावीरस्वामिजिनालय.

९६०. सं० १५१३ वर्षे माघशु० १३ सोमे श्रीमालीज्ञातीय

श्रे० लापाभा० लाडीपुत्र्या गांगीनाम्न्या मं० हरीयाभार्यया सुतदेवा-युतया श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीभट्टा० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

९६१. सं० १५०६ वर्षे........श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० विजपालभा० पातूसुतघीघाकेन पितृव्यचांपाभा०सारूपितृव्यनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथपंचतीर्थी कारापिता पूर्णिमाप० श्रीराजतिलकसूरिभिः प्रतिष्ठितः ॥

माणेकचोक, श्रीपार्श्वनाथजिनालय.

९६२. सं० १५२५ व० वैशाखवदि ११ र० प्राहतीनवास्तव्यश्रीश्री० ज्ञा० वडागोत्रे दो० वाछउभा०फनूपु० परबतनाथउभार्याहांसीपुत्रफडूआसहितेन स्वपु० श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० पू० श्रीधर्म्मशेखरसूरिपट्टे श्रीविशालराजसूरीणामुपदेशेन ॥

९६३. सं० १५१२ वर्षे माघशुदि ५ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयव्यव० रामणभा० रमादे समस्तकुटुंबेन व्यव० देपानिमित्तं श्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे प्रधानश्रीजयप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विडाणे ॥

९६४. सं० १५१० वर्षे फागु०शु०११ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० सं० देवाईतभा०सं०कर्मादेसु०सं०वीराभा०सं०लाषूनाम्न्या सु० मूलायुतया स्वश्रेयोऽर्थं जीवितस्वामिश्रीशांतिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमा० श्रीगुणसमुद्रसूरीणामु० का० प्र० ॥

९६५. सं० १५३२ वर्षे वैशाखशुदि ३ दिने श्रीश्रीमालज्ञा० सं० हाजाभा० हकूपु०हीराकेन भा० तेजूपुत्रसं० विद्याधरादियुतेन श्रीश्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः घोघावास्तव्य शुभं भवतु ॥

९६६. सं० १५१५ वर्षे माघशुदि ७ दिने गंधारवासिसं० वयरसीभा० जइतूसुतसं० नरपालेन भा० भरमादेसुतवर्द्धमानभ्रातृसं० शिवराजभा० कर्मादेसुतवस्तुपालादियुतेन मातृश्रेयोऽर्थं श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्र० तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः प्राग्वाटज्ञातीयेन शुभं भवतु ॥

९६७. संवत् १५५१ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसं० भोटाभा० सं० कुंअरिपुत्रसं० पोचासुश्रावकेण भा० राजूपुं० थावरभ्रातृरंगाभा० रंगादेमुख्यकुटुंबयुतेन सं० णचाश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन धंधूकानगरे ॥

९६८. संवत् १५६७ वर्षे वैशाखशुदि १० दिने ओसवालज्ञातीयमं० समधरभा० कीकीपु० मं० नाथाभा० चंगीपु० मं० नारदमं० नरवद् द्वितीयाभा० पूतली पु० राजपाल सहिजपाल तृतीयाभा० रहीपु० वस्तुपालसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीश्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीद्विवंदनीकगच्छे सिद्धाचार्यैभ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः मंडलग्रामे वास्तव्यः॥

९६९. संवत् १५७३ व० फागुणशु० २ रवौ श्रीभावडहारग० ओसवालज्ञा० पांटडगो० सा० षेनाभा० षेतूपु० विरसिंहभा० वगूकन्या पु० लकायुक्तया स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीविजयसिंहसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

९७० सं० १५१७ फागुणशुदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयसं० सिंघाभा० सरसतिपु० पोमाभा० पोमादेपु० महिराजवानरलाडणधना सहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीविनयप्रभसूरिभिः लीवासी ॥

९७१. सं. १५०९ वैशाखवदि ११ शुक्रे श्रीउपकेशवंशे चीचटगोत्रे देसलहरकुले साहसोजपुत्रसाहसांगापुत्रसाहश्रीसिंघ-

दत्तनाम्ना श्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथमुख्यदेवयुतः चतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रति० श्रीऊकेशगच्छे श्रीकक्कसूरिभिः ॥

९७२. संवत् १५१२ वर्षे माघवदि ५ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीओसवालज्ञातीय सो० नरसिंगभा० नागलदेसुतसो० शिषरभा० हर्षूसुतसो० सहसकिरणसो० पोमसीहाभ्यां श्रीअभिनंदनमूलनायकयुतचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसुविहितसूरिभिः ॥

९७३. संवत् १६७७ वर्षे मार्गशीर्षसित ५ रविवासरे स्तंभतीर्थे वृद्धशाखीय ओसवालज्ञातीयदो० मांईयासुतदो० हीराभार्याबा० हर्षमदेसुतया सा० मेघभार्यामयगलदेसुतसा० सहसराजभार्यया बा० फूलानाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथजिनबिंबं स्वप्रतिष्ठायां प्रतिष्ठापितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छालंकारभ० श्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टालंकारभ० श्रीविजयदेवसूरिभिः जीयादाचंद्रार्कः ॥

९७४. सं. १५३० वर्षे माघशुदि ५ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिगणपतिभार्याबासूसुतवस्ताकेन पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीवीरप्रभसूरिपट्टे श्रीकमलप्रभसूरिणा प्रतिष्ठितं विधिभिः षडहलग्रामे ॥

९७५. संवत् १५१७ वर्षे वैशाखशुक्लपक्षे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० बादाभा० मनीसुतश्रे० नाथाकेन भा० माल्हादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रीअहमदाबादनगरे ॥

९७६. संवत् १५०८ वर्षे वैशाखशु० ३ श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० नागसीभा० जासूसुतवाछाकेन भार्याअमकूसुतश्रीरंगप्रतापसीयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः खंभाइतवास्तव्यः॥

९७७. संव० १५११ वर्षे माघशु० ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० सागाभार्यासहिजलदेसुतलापाकेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं ब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः नीजरारवास्तव्यः ॥

९७८. संवत् १५१५ ज्ये० शु० १५ प्रा० श्रे० कर्मणभार्याकपूरीपुत्रकडूआकेन भार्यामानू स्वभ्रातृबडूआ भा० लीलाईप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९७९. सं० १५०१ वर्षे मा० शु० १३ कर्पटवाणिज्यवासि ऊकेशज्ञातीयश्रे० नरपालभा० नामलदेपुत्रकर्मगेन भार्याकर्मादेभ्रातृनभोजादियुतेन स्वभ्रातृश्रे० आसाश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० वृहत्तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

९८०. सं० १६६८ वर्षे आषाढशुदि २ शनौ सा० जसराज कारितचैत्ये श्रीसोमचिंतामणिपार्श्वनाथपरिकरः प्र० त० श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

९८१. सं० १४४७ वर्षे फा० शु० ८ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० गोला वृद्धभ्रातृव्य० षेतलसुतव्य० धरणभार्यासहजलदसुत व्य० भीलाकेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथमूलनायकसनाथा पंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता च श्रीमत्सूरिभिः शुभं भवतु ॥

माणेकचोक, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

९८२. सं० १४९८ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिभोलाभार्या चमकू तया भर्त्तृश्रेयोऽर्थं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः श्रीसीतापुरवास्तव्यः ॥

९८३. संवत् १५१७ वर्षे फागणशुदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमाल-

ज्ञातीयसंघवीकर्मसीभा० कर्मादेसु० पितृरामाभा० वनूश्रेयोऽर्थं सु० राजा मूलू शिवा एतैः श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसंघेन कागढावास्तव्यः ॥

९८४. संवत् १६३२ वर्षे माघव० ९ शुक्रे मोढज्ञातीयठ० कीकाभार्या....बाईपुत्रठ०नाइआख्यस्य भगिनीबा०जीवाईनाम्न्या श्रीधर्मनाथबिंबं कारापितं स्वप्रतिष्ठायां तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं स्वहस्तेन श्रीसंघेन महतादरेण। श्रीसंघस्य भद्रं भवतु ॥

९८५. संवत् १५२२ वर्षे पौषवदि १ दिने ऊकेशवंशे.... ....कारितं प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे जिनहर्षसूरिभिः शुभं भवतु ॥

९८६. संवत् १५०८ वर्षे ज्येष्ठशुदि ११ सोमे श्रीमालज्ञातीयश्रे० कर्मसीभार्यागुरीसुतवाच्छाकेन भ्रातृकान्हाभार्यामागिणि द्वयोर्निमित्तं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीब्रह्माणगच्छे प्रतिष्ठितं विमलसूरिभिः॥

९८७. सं० १५२८ वर्षे वैशाखशुदि १२ सोमे श्रीमालज्ञातीयश्रे० जयताभार्यादेवकूसुतभावडभार्याअमरी मांजाभार्यावीरूयुतेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिनाथपंचतीर्थी का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीगुणरत्नसूरिपट्टे श्रीगुणसागरसूरिभिः॥

९८८. संवत् १५१० वर्षे फागुणवदि ३ शुक्रे श्रीगूर्जरज्ञातीयमं० सहदेभा० जमकूपुत्रमं० शिवासीहासूमाकमाई तयोः आत्मश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीहर्षतिलकसूरिभिः श्रीर्भूयात् ॥

९८९. सं० १५०८ वर्षे वै०व०१० रवौ प्राग्वाटज्ञातीय पाद्रावासिश्रे० माजाभार्याफकूपुत्रगलाकेन भार्यापुहतीप्रभृतिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९९०. संवत् १५०४ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीअंचलगच्छे गच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीऊकेशवंशे मणीयलींबाभार्यावाछूपुत्रम० फाइयासुश्रावकेण भार्याहीरूसहितेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

९९१. सं० १५६३ वर्षे वैशाखशु० ६ दिने ऊकेशवंशे भंडारीगोत्रे मं० भोजापुत्र० मं० आसापुत्रमं० मूधराजभा० कस्तूराईपुत्रमं० लटकणसुश्रावकेण पुत्रपौत्रसपरिवारेण स्वभार्याश्रा० नाकूश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

९९२. संवत् १५९५ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे....शज्ञातीय साहश्रीसाभा० नाकू कारापितं श्रीसुमतिनाथ तपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरिभट्टारकश्रीविजयदानसूरिप्रतिष्ठितं । शुभं भवतु ॥

९९३. संवत् १४८८ वर्षे ज्येष्ठवदि ४ शनौ उपकेशज्ञातीय साहसामलसुतसिंघाकेन कुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराजश्रीसोमसुंदरसूरिभिः शुभलग्ने ॥

९९४. सं० १५३० वर्षे चैत्रवदि ५ गुरु श्रीश्रीमालज्ञा० महंवीरासुतम० माइआभा० माणिकदेसुतनाथासहितेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीश्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीदेवेंद्रसूरीणामुपदेशेन मालातिजग्रामे ॥

९९५. सं० १४१७ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ शुक्रे श्रीगौर्जरज्ञा० पि० मूना मा० लाछलदेश्रे० सुतम० पाल्हणसीहेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीधर्मचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

९९६. सं० १३४४ वैशाखशुदि १० आसपालभा०

मल्हणदेपुत्रसोलाछनडाभ्यां श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीगुणाकरसूरि उपदेशेन ॥

९९७. संवत् १६६९ वर्षे कार्त्तिकवदिपंचम्यां बुधे पत्तननगरवास्तव्यसा० वच्छूभार्या श्रा० श्रीबाईपुत्रसाहकान्हजीनाम्ना पुत्रसा० मेघजी सा० भीमजी सा० सीरंगजी प्रभृतिकुटुंबयुतेन श्रीशत्रुंजयोज्जयंतादितीर्थावतारपट्टः कारितः तपागच्छाधिराजभट्टारकश्रीविजयसेनसूरि आचार्यश्रीविजयदेवसूरिशिष्य उपाध्यायश्रीनयविजयगणिभिः प्रतिष्ठितः सकलसंघश्रेयसे स्तात् शुभाय भवतु ॥

माणेकचोक, श्रीवासुपूज्यजिनालय.

९९८. संवत १६४६ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ सोमे ऊकेशज्ञातीय सोनीतेजपालेन कारितं श्रीअनंतनाथबिंबं प्रति० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

माणेकचोक, श्रीआदिनाथजिनालय.

९९९. सं० १५०८ वर्षे चैत्रशुदि ९ बुधे........गोत्रे ओसवंशे सं० पासदे तत्पुत्र सं० परइपतिभा० र........तत्पुत्रसं० हीराकेन पुत्रसहितेन मातुः श्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिश्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

१०००. सं० १३४७(९) माघशु० १ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० पितृव्य० पू(र)तनसीह.............हंमहणसीहेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमुनिरत्नसूरिभिः ॥

१००१. संवत् १५२८ आषाढशुदि २ ऊकेशवंशे ढींकगोत्रे मं० सिवाभार्याहर्षूपुत्रमं० हीराभार्यारंगाईपुत्रकडूयाकेन सपरिवारेण श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

१००२. सं० १५३१ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीश्रीमा० व्यव० देपाभा० कर्मणिसुतमाणिकभार्यामाणिकिदेसहितेन स्वपितृमातृश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीकमलचंद्रसूरीणां पट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

१००३. संवत् १४८१ वर्षे माघशुदि ९ शनौ श्रीमालज्ञातीयव्य० विजाणंदव्य० मेहाव्य० षोनाभार्याषेतलदेसुतव्य० पातलेन जीवितस्वामिश्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंहसूरिभिः वृद्धतपापक्षे शुभं भवतु ॥

१००४. संवत् १५२२ वर्षे माघवदि १ गुरौ श्रीश्रीवंशे श्रे० अर्जुनभा० अहवदेपुत्रश्रे० पाताभा० अरघूपुत्रश्रे० कालाकेन भा० भावलदेसहितेन लघुभ्रातृश्रे० हीराश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

१००५. सं० १५२३ वर्षे कार्त्तिकवदि ५ सोमे कालुपुरवा० श्रीवायडज्ञातिदो० डूंगरभा० लाडिकि तया स्वमातृमं० देपाभा० गांगीश्रेयसे आगमगच्छे श्रीमुनिरत्नसूरिगुरूपदेशेन श्रीशांतिनाथादिपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता च ॥

१००६. सं० १५१३ वैशाखव० ९ शनौ वीरवंशे श्रे० हापाभार्याकांऊपुत्र्या श्रे० ठेपणभार्यया पूरीश्राविकया भ्रातृश्रे० केसव नरसिंह जेसा प्रमुखकुटुंबसहितया श्रीअंचलगच्छनायकश्रीजयकेसरिसूरि उपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

१००७. सं० १४८८ वर्षे वैशा० शु० १० गुरौ ऊकेशवंशे सा० ढोलाभार्याहीरादेसुतसा० अजेसीभार्याविजादेसुतवाछाकेन निजमातुः श्रेयसे श्रीअभिनंदनदेवबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

१००८. संवत् १५५१ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे १३ तिथौ गुरुवासरे आणंदग्रामे श्रीवायडज्ञातीयश्रे० गोवलभा० कुतिगदे पुत्री पूगी बिंबं सुतसं० देवदासभा० माईसु० श्रे० जनाभा० जसमादे सुतश्रे० चांदावांदादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता लघुशाखीयतपागच्छाधिराजश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे गच्छनायक श्रीसुमतिसाधुसूरि तत्पट्टालंकारगच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

१००९. संवत् १५९८ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ मोढवंशे गांधीसंधारणभार्यादीवडिपुत्रदेवचंदभार्याचंगाईपुत्रउदयवंतसमस्तपरिवारयुतेन श्राविका पुण्यप्रभाविका चंगाई स्वपुण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छश्रीविजयदानसूरिभिः ॥

१०१०. सं० १५३० वर्षे माघशुदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० वाछासुतमं० पूजाभा० लीलूसु० साहमूंटाभार्या सताई तया सुतनाथाचांदायुतया स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं श्रीआगमगच्छाधीशश्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्ठापितं च श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

१०११. सं० १२२६ माहशुदि १३ रवौ श्रे० सरणदेवेन सांतिम० जसयानिमित्तं कारिता प्रतिष्ठिता श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥ (पार्श्वनाथप्रतिमा)

१०१२. सं० [११]१२ वर्षे फागुणवदि १ सोमे थारापद्रीयगच्छे श्रे० नागराश्रेयोऽर्थं तस्य भार्या तिहुणदेवि श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीसालिभद्रसूरिप्रतिष्ठितं ॥

१०१३. सं० १५०९ माघे शुदि ५ गुरौ डाभिलाग्रामे प्राग्वाटव्य० लाडणभार्यापचीपुत्रव्य० हीराकेन भार्यातिलूपुत्र हानड

क्रीता धना भोजादिकुटुंबयुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१०१४. सं० १४८३ वर्षे फागुणशु० १० गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० व्यजपालभार्या वउलादेसु०व्य०डूंगरसीभार्यागोमतिसु०गंधूवरेण पितृमातृश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीगुणसागरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना ॥

१०१५. सं० १५२० अहम्मदावादे प्राग्वाटव्य०वयरसीभा० गुउरीपुत्रेण व्य० हेमराजजिनदत्तानुजेन व्य०धनदत्तेन भा०वल्हादेपुत्रमालदेवादिकुटुंबयुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिश्रीसोमदेवसूरिभिः ॥

१०१६. संवत् १५६१ वर्षे चैत्रशुदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० गणपतिभा०रंगाईसुतसा०गोविंदकेन सु०वसा सु०जीवायुतेन निजभार्याअरघाईश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं विधिना ॥

१०१७. ....कंथे व्य० श्रे० धांधासुत श्रे०राणाभार्यामंदोदरिश्रेयोऽर्थं सुतदेव..............................श्रीदेवसूरिगच्छे श्रीवज्रसेनसूरिशिष्यश्रीनरचंद्रसूरिभिः ॥

१०१८. संवत १५६३ वर्षे माघशुदि ५ सोमे स्तंभतीर्थवा० श्रीश्रीमालज्ञा० सा०काजासु०सा०रत्नपालभा०रत्नाईपु०सा०गंगदासभा०लकूपुत्रब्रह्मांहाथीश्रीवंतजसवंतप्रमुखकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीश्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसुविहितसूरिभिः ॥

१०१९. संवत् १५९८ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ ऊकेशवंशे आंचलीयागोत्रे सा०चालाभार्याकरमीपुत्रदेवसीभार्या देवलदेपुत्रसंघराजबाई

सोभागिणि स्वपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीविनयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं तपागच्छे ॥

१०२०. संवत् १४८८ फा॰शुदि ८ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिगोधाभार्यागंगादेपितृव्यनाथांभा॰ नागलदेसुतनाइया कस्य महं अभय-सीहेन मातृपितुआत्मश्रेयसे श्रीशांतिनाथपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिना तपापक्षे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१०२१. संवत् १५२० वर्षे चैत्रवदि ८ शुक्रे उप॰ शील-रीगो॰ झलारिजित्तगो॰सा॰धरणाभा॰धांधलदेसु॰तोलाकेन आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं श्रीनाणावाल॰ प्रति॰ श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

१०२२. संवत् १६७७ वर्षे मार्गशीर्षसित ५ रविवासरे स्तंभतीर्थे श्रा॰ नयणीनाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छालंकारभ॰ श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

खारवाडो, श्रीमुनिसुव्रतजिनालय.

१०२३. संवत् १३४....आषाढ.............डरलीय(?)गच्छे महं॰ कुता भा॰...........वासे श्रीशांतिनाथबिंबं का॰ प्र॰ श्रीसुमतिसूरिभिः ॥

१०२४. सं॰ १५०४ वर्षे फा॰ शु॰ १३ शनौ प्रा॰ श्रे॰ गोवलभा॰ करमादे तयोः पुत्रपांचाभा॰ नाथी एतैः मातृपितुः श्रीपद्म-प्रभुबिंबं कारापितं प्रति॰ ऊके॰ सिद्धा॰ भट्टारि॰ श्रीकक्कसूरिभिः ॥

१०२५. सं॰ १४८७ वर्षे मार्गशु॰ ९ शुक्रे श्रीओसवालज्ञा॰ पितृ॰ लूणा मातृवील्हणदेश्रेयसे सुतवस्ताकेन श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं श्रीचैत्रगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

१०२६. संवत् १५१५ वर्षे फागुणशुदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयवि० साहदेसलभा० देवलदेसु० पितृडोसा मातृकामलदेश्रेयोऽर्थं सु० सूंटाकेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन कोरडावास्तव्यः ॥

१०२७. सं० १५०९ वर्षे माघे गूर्जरज्ञातीयमं० देवसीभा० कपूरीपुत्र्या मं० तर्नदपुत्रमं०सूराभा०श्रा०कुतीनाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं का०प्रति० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थे॥

१०२८. [१३....] शुदि ९ श्रीनेर्वत(?)गच्छीय पूंगीसांगाकेन पितृव्यवसीहड.........सीहेन........श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं मलधारिश्रीश्रीतिलकसूरिभिः ॥

खारवाडो, श्रीमहावीरस्वामिजिनालय.

१०२९. संवत् १५४९ वर्षे आषाढशु० २ शनौ बोरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयठ०पासाभा० टबकूसुतठ० सरपतिभार्यावल्हादेसुतठकरसिंहाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीश्रीश्रीउदयसागरसूरिभिः श्रीटबकूश्रेयसे ॥

१०३०. सं० १५२१ वर्षे माघवदि ९ सोमे गांधीगोत्रे ओसवालज्ञा० सं० पासदेभा० चांपासिरीपुत्रसं०संसारचंद्रभा०सीतादेपुत्रसं०वीराकेन पित्रोः श्रेयसे मूलाश्रेयसे स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुंदरसूरिभिः स्तंभतीर्थवासि ॥

१०३१. स्वस्तिसं० १५१० वर्षे फागुणवदि ३ शुक्रे

श्रीहूंबडज्ञातीयठ० चनाभा० बा० रत्नू तयोः पुत्रठ० पेथाभा० बा० कर्माई तयोः पुत्रौ महिराजमुकुंदनामानौ ताभ्यां स्वपितुः श्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीविजयतिलकसूरिपट्टे भ० श्रीविजयधर्मसूरिवरैः श्रीः ॥

१०३२. सं० १५१६ वर्षे कार्त्तिकशु० १५ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० नरबदसुतसालिगसोमाक० बा० वरजूपु० पचन सचन भार्याबा० रमाईपु० सहिजा एतैः आत्मश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रति० श्रीआगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः स्तंभतीर्थे ॥

१०३३. संवत् १५७६ वर्षे चैत्रव० ८ बुधे श्रीचांपकनेरवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयदो० रत्नाभार्याधर्मिणिसुतप० कालाभ्रातृधूसाकेन भा० गंगादेयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीधनरत्नसूरिभिः ॥

१०३४. सं० १५०९ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० षीमसीसु० व्य० अमरदेभा० रत्नीसु० व्य० आल्हणसीभा० राभूसु० व्य० लाइआकेन लघुभ्रातृसाइआसहितेन स्वपितृश्रेयसे श्रीशांतिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना ॥

१०३५. सं० १५३१ वर्षे माघशुदि ५ शुक्रे प्राग्वा० श्रे० रामाभा० गूजरिपुत्रनारदेन भा० मचकूवृद्धभ्रातृश्रे० श्रीमादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१०३६. सं० १५१० वर्षे माघमासे देकावाटकीयप्राग्वाटव्य० पर्वतभा० सलूणिपुत्रसिवाकेन भा० रामतिपुत्रप्रमुखपरिवृतेन श्रीआदि-

नाथबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रेयो भवतु पूजकस्य ॥

खारवाडो, श्रीकंसारीपार्श्वनाथजिनालय.

१०३७. सं० १६७७ वर्षे कार्तिकासित ६ दिने स्तंभतीर्थवा० वृ० ओसवंशज्ञातीयसा० लंकाभार्या बाई मेघाई सुतसा० कान्हजीभार्यया श्रा० मरघादेनाम्न्या स्वकीयवक्त्रशोभाजितशशांकबिंबं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छभट्टारकप्रभुश्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरिपट्टप्रभावकभट्टारकश्रीविजयसेनसूरिपट्टप्राचीनाचलचूलासहस्रकिरणायमाण(न)भट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः सपरिकरैराचंद्रार्कं चिरं जीयात् ॥

खारवाडो, श्रीअनन्तनाथजिनालय.

१०३८. सं० १४३४ वर्षे वैशाखवदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीयमं०..........सीहभार्या धणदेवि........महं० लाडाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं महूकरश्रीगुणप्रभसूरिभिः ॥

१०३९. संवत् १५३२ वर्षे कात्तिकवदि १ सोमे श्रीमालज्ञातीयश्रे० पितृदेल्हामातृलाषीसु० बालाभार्या रामति भ्रातृ कालाभा० डाहीसुतवरसिंगेन स्वपितुः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन वालुकडवास्तव्यः श्रीरस्तु ॥

१०४०. संवत् १५२९ वर्षे आषाढवदि २ (महावदि १३ सोमे) श्रीप्राग्वाटज्ञातीयदो० वरसिंगभा० मानूपुत्रदो० देपाभा० राजू तयोः पुत्रा दो० ठाइआदो० गांगाभार्या ?सू तयोः पुत्रा दो० गोपालराज प्रमुखकुटुंबश्रेयसे श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं वृहत्तपागच्छे श्रीविजयरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीरस्तु ॥

१०४१. सं० १३८७ वर्षे माघशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृश्रे० कूंरसीह अपरमातृ कपूरदेवि मातृकील्हणदेविश्रेयोऽर्थं सुतमहिपालेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्रीपद्मदेवसूरिपट्टे श्री॰॰नदेवसूरिभिः ॥

१०४२. संवत् १६९८ वर्षे माहशुदि ९ सोमे श्रीसुधर्मागच्छे भ०श्रीविनयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमालज्ञातीयहरबाईकया श्रीविमलनाथः प्रतिष्ठितः ॥

१०४३. संवत् १६७७ वर्षे कार्त्तिकासितप्रतिपदनंतरद्वितीयायां बुधवासरे स्तंभतीर्थे ओसवालज्ञातीयसा० जगसीभार्यातेजलदेपुत्रीबाईधर्म्माईनाम्न्या कारितानि श्रीसुमतिनाथचतुर्मुखबिंबानि प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

खारवाडा, श्रीस्तंभनपार्श्वनाथजिनालय.

१०४४. सं० १३५६ ज्येष्ठव० ८ श्रीउकेशगच्छे श्रीकक्कसूरिसंताने सा० आल्हणभा० सुहवदेविपुत्रपाल्हणेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पित्रोः श्रे० प्रति० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

१०४५. सं० १३९३ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ शुक्रे सौरा० प्राग्वाटज्ञातीनठ० सज्जननिमित्तं ठ० गणपतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीरत्नचंद्रसूरिभिः ॥

१०४६. सं० १५१८ वर्षे शाके १३ प्रवर्त्तमाने चैत्रशुदि तृतीयादिने ओसवालज्ञातीयसाह कलद सुता० माकूपुत्रश्रीपाल माकु आत्मपुण्यार्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं धर्मघोषगच्छे श्रीविजयचंदसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०४७. सं० १५०७ माहशुदि ९ शुक्रे ऊ० ज्ञातीयसा०

हरसिंहभा० रूपाईपुत्रसा० सिंघराजभा० सिंगारदेव्यासु० महिराजभा० हर्षूसुतया श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१०४८. सं० १५०८ वर्षे वैशाखशु० ३ प्राग्वाटज्ञा० म० सूराभा० सीतादेसुतसाजणसिंहेन भा० वरजूसुतसहसकरणभा० रामति-श्रेयोऽर्थं श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखर-सूरिभिः ॥

१०४९. संवत् १५७१ वर्षे माघवदि १ सोमे वीसलनगर-वास्तव्य ऊकेशज्ञातीयसा० रत्नाभा० तारूसु० हीरानाथाकेन भा० माणि-किसारूप्रमुखकुटुंबयुतेन पितृव्यसाहदेवाभार्यालाडिकिश्रेयोऽर्थं श्रीमुनि-सुव्रतस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः सुविहितगच्छे श्रीसुविहि-तसूरिभिः ॥

१०५०. संवत् १६२६ वर्षे फाल्गुनशुदि अष्टमीदिने विमल-नाथबिंबं कारितं श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० साधुसुत विमळसी प्रतिष्ठितं श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

१०५१. सं० १५२९ वर्षे माघशुदि ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० सो० पांचाभा० टीबूसु० समधरभा० कूयरि द्वि० भा० कमली पितृमातृ-भ्रातृश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे भ० श्रीअमर-चंद्रसूरि उपदेशेन सर्वसूरिभिः कोहरग्रामे ॥

१०५२. सं० १५०८ चैत्रशु० ७ ऊकेशमहं० पातलभा० पोमादेपुत्रमं० आकाकेन भा० कपूरीपुत्रमं० कालाभा० रामतिप्रमुख-कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोम-सुंदरसूरिशिष्यश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः लाडउलिग्रामे ॥

१०५३. संवत् १६०० व० वइ० सु० २ गुरु चांपानेर-वास्तव्य ओसवालज्ञातिसा० धरमापु० सा० लटकण तास भार्या बा०

लखतादे तासुपु० स० रीडा-राजपाल रतनपाल चोपडागोत्रे खरतरगच्छे श्रीसूरिभिः उपाध्यायश्रीविद्यासागरप्रतिष्ठितं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं बा० लखतादेश्रेयोऽर्थं शुभं भवतु ॥

शिलालेखः ।

१०५४. ॐ अर्हं ॥ संवत् १३६६ वर्षे प्रतापाक्रांतभूतलश्रीअलावदीनसुरत्राणप्रतिशरीरश्रीअल्पखानविजयराज्ये श्रीस्तंभतीर्थे श्रीसुधर्म्मस्वामिसंताननभोनभोमणिसुविहितचूडामणिप्रभुश्रीजिनेश्वरसूरिपट्टालंकारप्रभुश्रीजिनप्रबोधसूरिशिष्यचूडामणियुगप्रधानप्रभुश्रीजिनचंद्रसूरिसुगुरूपदेशेन ऊकेशवंशीयसाहजिनदेवसाहसहदेवकुलमंडनस्य श्रीजेसलमेरौ श्रीपार्श्वनाथविधिचत्ये कारितश्रीसंमेतशिखरप्रासादस्य साहकेसवस्य पुत्ररत्नेन श्रीस्तंभतीर्थे निर्म्मापितसकलस्वपक्षपरपक्षचमत्कारकारिनानाविधमार्गणलोकदारिद्रयमुद्रापहारिगुणरत्नाकरस्वगुरुगुरुतरप्रवेशकमहोत्सवेन संपादितश्रीशत्रुंजयोज्जयंतमहातीर्थयात्रासमुपार्ज्जितपुण्यप्राग्भारेण श्रीपत्तनसंस्थापितकोद्दडिकालंकारश्रीशांतिनाथविधिचैत्यालयश्रीश्रावकपौषधशालाकारापणोपचितप्रसृमरयशःसंभारेण भ्रातृसाहराजदेवसाहवोलिय साहजेहडसाहलषपतिसाहगुणधरपुत्ररत्नसाहजयसिंहसाहजगधरसाह सलषणसाहरत्नसिंहप्रमुखपरिवारसारेण श्रीजिनशासनप्रभावकेण सकलसाधर्म्मिकवत्सलेन साहजेसलसुश्रावकेण कोद्दडिकास्थापनपूर्वं श्रीश्रावकपौषधशालासहितः सकलविधिलक्ष्मीविलासालयः श्रीअजितस्वामिदेवविधिचैत्यालयः कारित आचंद्रार्कं यावद नंदतात् शुभमस्तु श्रीर्भूयात् श्रीश्रमणसंघस्य ॥ छ ॥ श्रीः ॥

खारवाडा, श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालय.

१०५५. संवत् १५०९ वर्षे माघशुदि १० शनौ प्राग्वाट

ज्ञातीयश्रेष्ठिराणासंताने श्रेष्ठिमांडणभार्यासलषू पुत्र सूटाभार्यारत्नूपुत्र-उझाकेन भा० हरषूपु० महिपालसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्र० साधूपूर्णिमापक्षे श्रीरामचंद्रसूरिपट्टे श्रीपुण्यचंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः ॥

खारवाडा, श्रीसीमंधरस्वामिजिनालय.

१०५६. सं० १४८३ वर्षे वै० शु० ३ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पेथाभार्याप्रीमलदेसुतमांडणेन भार्या हर्षूसुतसहिसा भ्राता कर्मण धर्मण भार्या आसूसुत महिराजप्रमुखकुटुंबसहितेन पितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं नागेंद्रगच्छनायकैः श्रीगुणसागर-सूरिभिः ॥

१०५७. संवत् १५६६ वर्षे माघशुदि ५ सोमे ओसवंशे अंबि-कागोत्रे सा० सिंघाभा० कतीपु० सा० राजासा० सीपाभा० सिकूदेपु० हीरजी पद्मसी स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्रीभावडरायगच्छे श्रीकालिकाचार्यसंताने श्रीविजयसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०५८. संवत् १६७७ वर्षे कार्त्तिककृष्ण २ (प्रतिपदनंतर द्वितीयायां) बुधे स्तंभतीर्थे वद्धशाखीय ओसवालज्ञातीयसा० श्रीमल्ल-भार्यया तत्प्रथमभार्या बाईशिवादे पुत्रीबाईधनाईयुतया द्वितीयाभार्या बाई वल्हादेयुतया सा० रहिआमातृश्रा० शृंगारदेनाम्न्या श्रीअनंतनाथ-बिंबं स्वप्रतिष्ठायां प्रतिष्ठापितं च तपागच्छालंकारभट्टारकश्रीविजयसेन-सूरीश्वरपट्टोदयाचलसहस्रकिरणायमानभट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः सप-रिकरैराचंद्रार्कं चिरं श्रेयसे ॥

१०५९. सं० १५२२ वर्षे फागुणशुदि ३ सोमे श्रीडहरवाला-वास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० गोगनभार्याकउतिगदेसुतश्रे० आसा

भार्यासांऊंसुश्राविकया सुतश्रे० कडूआश्रे० चीवाश्रे० चांगाप्रमुख-कुटुंबसहितया आत्मनः कुटुंबस्य च श्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छेश्वर-श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीः ॥

१०६०. सं० १४१८ वर्षे वैशाखशु० २ बुधे श्रीमालज्ञा-तीयठ० लाडा छाडा धरणि सु० हाडा ठ० साराभा० घटीसु० देपालश्रे० सुतसांकआकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० पू० श्रीविद्याधर-सूरीणामुपदेशेन ॥

१०६१. सं० १५८९ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरु श्रीमालज्ञा-तीयश्रे० धनासुतमाधवभार्यासुहवदेसुतलषमणभार्यागौरीसुतषोना केरहा-भार्याकामलदेसुतरणायर आत्मश्रेयोऽथ श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीब्र-ह्माणगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभिः ववाणीआवास्तव्यः ॥

१०६२. संवत् १५१९ वर्षे ज्येष्ठशुदि १३ सोमे प्राग्वाटज्ञा० व्य० परवतभा० कुतिगदे पुत्र २ हरदास तेजा हरदासभा० लीलादेपु० श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीसंडेरगच्छे श्रीयशोभद्रसूरिसंता. श्रीसालिभद्र-सूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीविपलासावास० ॥

१०६३. संवत् १६१७ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ सोमे श्रीपार्श्वनाथ-बिंबं श्रीविजयदानसूरिभिः बाईदाडमदेसुतलषमणकेन कारापितं ॥

१०६४. संवत् १५१७ वर्षे माहशुदि १ शुक्रे उपकेशज्ञातौ मंडोवरागोत्रे सं० घेतुपु० महिराजपु० जमणसिंहभा० जमणदेपु० वस्ताराजा-भ्यां युतेन निजपत्नीपुण्यार्थ श्रीशीतलनाथबिंब का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीविजयचंद्रसारपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०६५. संवत् १५९३ वर्षे माघशुदि १२ शनौ श्रीधंधूकानगरे श्रीश्रीवंशे महं. नगाभा० मानूपु० महं० धीरासुश्रावकेण भा० माल्हूसु० महं कामासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपीपलगच्छे श्रीधर्मवल्लभसूरिभिः ॥

१०६६. सं० १५६९ वर्षे ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे त्रयोदशीतिथौ भौमवारे श्रीमाळीज्ञातीयलघुशाखीयसा० हादाभा० हेमादेपु०सा० बलिराजेन भा० षीमाईपु० जयचंदयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारित प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे भट्टारकश्रीनन्नसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थनगरे ॥

१०६७. सं० १४८६ वर्षे वै० शु० २ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० डूंगरसीभा० गोमतिसुतगंघूभा० लाडूनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीश्रीश्रीगुणसागरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं विधिना ॥

१०६८. सं० १३९२(३) माघवदि ११ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीयठ० अजयसीहेन सुतकेसवश्रेयोऽथ श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीचैत्रगच्छे श्रीपद्मदेवसूरिपट्टे श्रीमानदेवसूरिभिः ॥

१०६९. संवत् १५११ वर्षे वै० वदि ८ ऊकेशज्ञातीयसा० जिणीयाभार्या जालणदेसुतसा० षीमाकेन भ्रातृवेलाहाथीफनादिकुटुंबयुतेन स्वपितृनामेन कुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारित प्रतिष्ठितं साधुपूर्णिमापक्षे श्रीउदयचंद्रसूरिभिः कडीग्रामवास्तव्यः ॥

१०७०. संवत् १६०० वर्ष ज्येष्ठशुदि ३ शनौ श्रीमालज्ञातीयलघुशाखायां सा०जीवाभार्या रमाईपुत्रसा० सहिसकिरणभार्याललितादेपुत्रीमनाईसुश्राविकया श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंब कारितं प्रतिष्ठित च श्रीसंघेन ॥

१०७१. सं० १५३१ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीश्रीमा०, व्यव०देपाभा० कर्मणिपुत्रमाणिकभा० माणिकिदेसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारा० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीकमलचंद्रसूरीणां पट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

१०७२. संवत् १५२० वर्षे मार्ग.शुदि ९ शनौ श्रीओएस-वंशे सा० अदाभा० हीरूपुत्रसा० हांसासुश्रावकेण भा० करमाईपुत्रसाह-सहिसकिरण द्वितीयभार्याकपूराईसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छाधिराज श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०७३. सं० १३ (?) ९३ (?) वै० व० ११ रवौ श्रीचंद्र-गच्छें पितृव्यनरपति पितृवालनुश्रेयसे........तेन श्रीपार्श्वनाथः कारितः ....श्रीगुणाकरसूरिभिः प्रतिष्ठितः ॥

१०७४. सं० १५२३ वर्षे वै० व० ९ गुरौ आनंदग्रामे वायडज्ञातीयश्रे० मादाभा० सुहवदेपुत्रश्रे० माढमा० कुअरिपुत्रमं० भोजाकेन भार्याटबकूभ्रातृश्रे० जूठाभा० रत्नादेश्रे० वरसाभा० वनादे-पुत्रपूजादाऊआशाणादिकुटुंबयुतेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः का-रितः प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

१०७५. सं० १५२५ वर्षे वैशाखशुदि ६ सोमे ओसवाल-ज्ञातीयमंडोवरागोत्रे सा० नाथाभार्यानागलदेपुत्रसा० वीरपालसा० पासवीरसा० वीरपालभार्याविमलादेपुत्रसा० मयणपालेन भ्रातृवस्ताश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०७६. सं० १४०० वर्षे वैशाखशुदि ३ उपकेशवंशे चीच-टगोत्रे संघपतिसा० देसलात्मजसा० सहजपालभार्यानननणदेव्या संघ०

श्रीसीरंग सघ०.......सिंह सं० मूरा सं० दादूसाहाय्येन श्रीस्तंभतीर्थे संघ० धनपत्य......समवसरणं प्रति० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

१०७७. सं० १५२९ फागुणवदि त्रीज सोमे श्रीश्रीमालीज्ञा० व्य० देवदासभा० कूयरिपु० आंबाकेन भा० हेमाइसुतसिंघराजप्रमु० कुटुंबयुतेन स्वपूर्वजश्रेयसे स्वपुण्यार्थं च श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०७८. संवत् १६३२ वर्षे वैशाखशुदि ७ रवौ श्रीप्राग्वाटज्ञातीयपरीक्षकीकाभार्याबाईसहिजलदेसुतदेवराज तस्य भार्या बाई वीराई तत्पुत्रतेजपालकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरिभिः स्वहस्तेन श्रीस्तंभतीर्थे प्रतिष्ठितं शुभं भवतु॥

नागरवाडो, श्रीवासुपूज्यजिनालय.

१०७९. सं० १५०६ वर्षे माघवदि ७ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० आसाभा० राजूसुतव्य० मूलाभा० रंगाईनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना खंभायते ॥

१०८०. संवत् १५४७ वर्षे चैत्रशुदि ९ दिने सिद्धपुरवासी व्य० श्रे० जावडश्रे० कीकाभा० रमाईसुतहंसराजपहिराजमांका श्रीगौतमबिंबं कारितं ॥

१०८१. संवत् १५२४ वर्षे वैशाख ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० डूंगरसीभा०गोमतिसु०व्य०बालाभा०मकांसु०व्य०श्रीराजभा०कमलीनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीनमिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमा० श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रति० विधिना श्रीस्तंभे ॥

१०८२. संवत् १४८६ वर्षे वै० शुदि १९ सोमे श्रीओस-

वालज्ञातीयश्रे० कडूयटसुतसो० मूलभार्याबा० मुक्तादेसुतसो० शिवाकेन स्वपितुः मातृश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीः ॥

१०८३. सं० ११९८ वैशाखशुदि १० श्रीसावदेवाचार्यगच्छे वर्द्धमानपुत्रिकया पापई(?)श्राविकया श्रीमहावीरप्रतिमा आत्मश्रेयोऽर्थं कारिता ॥

१०८४. संवत् १९१७ वर्षे श्रावणशुदि २ बुधे श्रीअंचलगच्छे पूज्यगच्छाधिराजश्री५श्रीधर्म्ममूर्त्तिसूरींद्र आचार्यश्रीः ॥ १ ॥ श्रीकल्याणसागरसूरीश्वर[स]मुपदेशेन श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयसोनीजिचंदभार्याविजलदेपुत्रसोनीजीवराजभ्रातृसोनीसंग्रजीलघुभ्रातासोनीदेवकरणयुतेन चतुर्विंशतिपट्टः कारापितः आत्मश्रेयोऽर्थे प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन चिरं जीयात् । चातुर्मासिकश्रीविद्यासागरोपाध्यायैः सपरिवारैः श्रीरस्तु कल्याणं भूयात् ॥

१०८५. संवत् १५२५ वर्षे वैशाखशुदि ६ दिने वायडज्ञातीयश्रे० सादाभा० सूहवदेपुत्रश्रे० भादाभा० कूंअरिपुत्रसा० भोजाभ्रातृ जूठाकेन भा० रत्नादेव्यादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः आणंदवास्तव्यः ॥

बोलपीपळो, श्रीनवपल्लवपार्श्वनाथजिनालय.

१०८६. संवत् १४९६ वर्षे फागुणवदि २ शुक्रे स्तंभतीर्थवास्तव्यमोढज्ञातिवृद्धशाखायां ठकुरहीराभार्यासंपूरीपुत्रेण ठ० माहवेन भार्यावजूसुतजीवाजिनदत्तसहितेन स्वमातृपितृश्रेयसे स्वश्रेयोऽर्थं च आगमगच्छे श्रीजयानंदसूरीणामुपदेशेन श्रीविमलनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः शुभं भवतु ॥

१०८७. सं० १४५० वर्षे माघवदि ९ सोमे तपागच्छ(?)... हरसूरिपक्षे श्रीजयतिलकसूरि उपकेशवंशे ठ० सिंहाभा० फनूसुतकर्णसिंहेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिं० का० प्रतिष्ठितं सूरिभिः ॥

१०८८. संवत् १५४१ वर्षे माहशु० ९ गुरु श्रीभावडारगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० सं० नाथापु० सं० जगाभार्यासं० संपू भ्रा० जयतसीपु० तेजसी भा० हर्षाईपु० स्वश्रेयसे स्वपु० श्रीसुमतिनाथबिंबं का० श्रीजिनदेवसूरिपट्टे प्र० श्रीभावदेवसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०८९. सं० १५१९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे वायडज्ञातीयमं० भीमाभार्याराजूसुतवाजाभा० संपूरीसुतगोइआकेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथादिपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठापिता च दीकावाटकवास्तव्यः ॥

१०९०. सं० १५१२ वर्षे वै० शुदि १० गुरू उपकेशज्ञा० मंडोवरागोत्रे सा० जगसीहपुत्रसा० नगराजभार्यालूणश्रीपुत्रहलावरपालथिरियाश्रीराजैः मातुः पुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिं० का० प्र० श्रीधर्म्मघोषग० श्रीविजयचंदसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०९१. सं० १५२३ वर्षे वैशाखशु० ३ वीरपुरवास्तव्य नीमाज्ञातीयश्रे० तेजाभा० लाडीपुत्रश्रे० सादाकेन भार्यामंदोदरिपुत्रप्रभा.... टचापानींपादिकुटुंबयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१०९२. सं० १३११ वर्षे वैशाखशुदि ३ सोमे श्रे० महिपालभार्यामाल्हणिदेवितच्चसापई(?)श्रेयोऽर्थं सुतवीरमेन श्रीमहावीरबिंबं कारापितं ॥

१०९३. सं० १३८९ वैशाखशु० १४ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे

श्रीमालज्ञा० उ० अमीपालभार्यारतंनल पितृमातृश्रेयोऽर्थं सुतकडूआकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीजज्जगसूरिभिः ॥

१०९४. संवत् १५२९ वर्षे आषाढादि ३० वर्षे महावदि १३ सोमे श्रीप्राग्वाटज्ञातीयदेपाभार्याराजूपुत्रदो० गांगाभा० आसूसुतदो० गंगराजभा० माकूणदेप्रमुखस्वकुटुंबश्रेयसे श्रीश्रीवासुपूज्यबिंबं कारि० च श्रीविजयरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं बृहत्तपापक्षे ॥

१०९५. सं० १४...वर्षे वैशाखशु० १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० वीकमभा० साजणिभ्रा० मूजागोवलाभ्यां पित्रोः क० श्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्र० पिप्पलगच्छेशश्रीधर्मशेखरसूरिभिः ॥

१०९६. सं० १५६४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ शुक्रे वालींववास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयव्य० गदाभा० हलीसुतआबूकेन भा० अहवदेसु० वरूआसरूआप्रमु० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरि तत्पट्टे श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

१०९७. सं० १५२१ वै० शु० ३ पत्तने प्राग्वाटव्य० जूठाभा० चकूपु० वेलाकेन भा० धनाईभ्रातृमीमामांजापासादिकुटुंबयुतेन भ्रातृपोपटश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१०९८. सं० १५१३ वर्षे आषाढशुदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० राणाभा० राणीसुतश्रे० लाडणेन भा० लाषणदेसुतनारदप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्रतिष्ठापितं च ॥

१०९९. सं० १३७१ माघशुदि १० श्री.....रकगच्छे श्रीयशोभद्रसूरिसंताने श्रे० रामापु० लूणापु० वीकमसु० सोयाकेन स्वपितुः श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री...सूरिभिः ॥

११००. संवत् १६३८ वर्षे माघशुदि १३ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीओसवंशज्ञातीयसो० वच्छाभार्यावसादेसुतसो० अमीपालभार्याअमरादेनाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारापितं श्रीमत्तपागच्छे भट्टारकप्रमुश्री ५ श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

११०१. सं० १४२२ वैशाखशुदि ११ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० पितृआसलभा० आसलदेभ्रा० आल्हणसीहभ्रा० सेगाश्रेयसे व्य० वस्ताकेन श्रीचंद्रप्रभपंचतीर्थी कारिता श्रीपू० श्रीउदयाणंदसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठिता च ॥

११०२. सं० १५२५ वै० शु० ३ अहम्मदावादे दीसावाल श्रे० मेघाभा० राजूपु० प्रथमाभा० वानूपु० सिवाकेन भ्रातृसुरालटुआमाणिकभा० माणिकिसुहवदेपु० वेणादिकुटुंबयुतेन पितुः श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीर्भवतु पूजाकर्त्तुः ॥

११०३. संवत् १५६० वर्षे ज्येष्ठवदि ७ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीयसाहशिवाभा० लीलूसुतसा० पानाभार्यासा० बदाभा० जीवाई तत्पुत्रीचंपाईनाम्न्या श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना सद्गुरूणामुपदेशेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

११०४. सं० अलाई ४५ सं० १६५६ वर्षे वैशाखशुदि ७ बुधे व० कालाभा० लालबाईनाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० च तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

११०५. सं० १५८३ वर्षे ज्येष्ठशुदि १३ सोमे श्रीबोरसिद्धिमहास्थानवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयदो० श्रीवच्छभार्याशीआदेसुतदो० सीरंगाकेन वृद्धभ्रातृदो० सीधरयुतेन भा० सरीयादेपुत्रहाथीयासहितेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं स्वश्रेयसे पूर्णिमापक्षे श्रीसूरिभिः प्र० ॥

११०६. संव० १९३२ वर्षे पौषव० ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसाहमागाक० रूपाईयुतेन स्वकुटुंबश्रेयसे श्री५द्मावतीप्रतिमा कारिता ॥

११०७. सं० १६१२ वर्षे वैशाखशुदि ६ बुधे वृद्धशाखीय ओसवालज्ञातीयश्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यछामासोमचंदसुतभा०रूपचंदभार्या धिनाई श्रीशीतलनाथः प्रतिष्ठितः तपागच्छश्रीविजयदानसूरिभिः ॥

बोलपीपळो, श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालय.

११०८. संवत् १६८१ वर्षे आषाढशुदि ७ रवौ श्रीअंचलगच्छे पूज्यश्री५श्रीकल्याणसागरसूरीश्वरविजयराज्ये श्रीद्वीपबंदिरवास्तव्य श्रीउपकेशवंशाभरणसाहश्रीसहसकिरणसुतसाहश्रीसहजपालसुतकुलदीपकसाहश्रीतेजपालकारिता श्रीजिनप्रतिमा श्रेयसेस्तु भव्यैर्वन्द्यमाना श्रीअकब्बरपुरोपाश्रये श्रीः ॥

११०९. सं० १५४९ वर्षे आषा० शु० २ शनौ बोरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयदो० सुतभार्यासोमागिणिसुतदो० काणा ......श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणरत्नसूरिभिः ॥

१११०. संवत् १५४१ वर्षे वैशाखवदि ९ गुरौ श्रीमोढज्ञातीयठ० लाषाभार्यासिरीठ० मटकाकेन भार्यालाडिकिसु०सुरदासप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथस्य चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीरत्नसिंहसूरिसंताने श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे भ० श्री................. ॥

वोलपीपळो, श्रीसंभवनाथजिनालय.

११११. संवत् १६३४ वर्षे फागुणशुदि १० सोमे श्रीस्तं-

भतीर्थे सूराणागोत्रे उपकेशवंशे सं० तलासु० सं० श्रीसूराभा० वसुराईसुत सं० श्रीवंतभा० सहिजलदेपु० सं० पोइआ वीरपाल उदयकरण समस्तकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं गच्छेशश्रीसौभाग्यरत्नसूरिभिः श्रीवृद्धतपापक्षे ॥

१११२. सं० १५३४ वर्षे वै०व०१० रवौ ऊकेशसा० भीमाभा० भीमलदेपु० ताल्हाभा० जयतूपुत्रमताकेन पितृव्यसा० पोमाभूणालूणादियुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० नाणावालगच्छे श्रीधनेश्वरसूरिभिः डीसावास्तव्यः ॥

श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

१११३. संवत् १५६० वर्षे ज्येष्ठवदि ७ बुधे श्रीओसवंशे सा० का.........केन सु० सहसकिरणसहितेन भार्यामलाईपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

१११४. संवत् १५५२ वर्षे माघवदि ११ बुधे श्रीपत्तनवास्तव्यमोढज्ञातीयठ० गोनाभार्याकाऊसुतठ० राजाभार्यारंगीसुतठ० नपाकेन ठ० सपाठ० वर्द्धमानठ० विद्याधरप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीउदयसागरसूरिभिः षराकोटडीमध्ये ॥

१११५. संवत् १५२४ वर्षे चैत्रवदि ५ भूमे श्रीश्रीमालज्ञा० सा० सगरभार्यासहिजलदेपु० गोपाभार्याश्रा० कपूरीकेन पुत्रीदूसीयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीचतुर्विंशतिपट्टः मूलनायकश्रीनमिनाथप्रतिमा कारापिता प्रतिष्ठि० श्रीपूर्णि० प्र० गच्छनायकश्रीगुणसुंदरसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः वा० न्या० ज्ञानकलस ॥

१११६. संवत् १६९९ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे ओसवंशज्ञातीयमा० साहसिंहसमलभार्या रोहणिसुतजयचंद तपागच्छे भट्टारकश्रीआणंदविमलसूरिआचार्यश्रीविजयदानसूरि प्रतिष्ठितं ॥ (श्रीपार्श्वनाथबिं०)

१११७. सं० १५२९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीउपकेशवंशे सा० साषापुत्रसा० चीतवभा० रूपाईसा० आणंदेन भा० रतनीईपुत्रसा० डूंगरतेजपालभ्रातृसा० धर्मसीधारसीसहितेन श्रीवासुपूज्यस्वामिबिंबं कारित प्रतिष्ठितं च सर्वश्रीसंघेन श्रेयोऽस्तु ॥

१११८. संवत् १६१२ वर्षे वैशाखशुदि ६ बुधे स्तभंतीर्थे श्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० सधारणभा० बकूपुत्रपासावच्छापुत्र...पुण्यार्थ श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१११९. संवत् १५३१ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० ठेपणभा० करणूसुतसा० सीधाभार्यापारबती तया पुत्रसा० जसवीरसहसवीरतेजपाल विजारतनपाल जऽतादिकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः श्रीआगमगच्छे श्रीजयाणंदसूरिपट्टालंकारश्रीदेवरत्नसूरीणां श्रीशीलवर्द्धनसूरिप्रमुखपरिवारसहितानामु....... ..कारितः ....पितश्च.........॥

११२०. संवत् १५७३ वर्षे वैशाखशुदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसोनी महिराजभा० आसीसुतसो० पोमाभा० मंगाईसुतसोनीकान्हाभा० पल्हाईप्रमुखकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीनमिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे सद्गुरूणामुपदेशे। कारितं प्रतिष्ठितं विधिना श्रीचोरसिद्धिमहास्थाने ॥

११२१. सं० १६६१ वर्षे वैशाखशुदि ७ सोमे सीनापुरवास्तव्यव्य० शा० श्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० रामभार्याकोटमदेसुतसा०

लहूआभगिनीबाईजीवानाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीधर्म्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे भ० आणंदविमलसूरिपट्टप्रभावकभट्टारकश्रीविजयदानसूरिपट्टोदयगिरिदिनकरपातसाहिश्रीअकब्बरप्रतिबोधकसुविहितभ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टे पातसाहिश्रीअकब्बरसभासमक्षजितवादिवृंदगोबलीवर्दमहिषमहिषीवधनिवृत्तिस्फुरन्मानकारकभट्टारकश्री५श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

११२२. सं० १५१० माघशु० ५ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० आसाभा०माजूसुतभोजाकेन भार्या२ धर्माई१ हंसाई२ पुत्रहीरासहितेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीवृद्धतपाश्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

११२३. संवत् १६२८ वर्षे माघशुदि १३ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीओसवंशज्ञातीयसा० उदयकर्णभार्याबाईअमरादेसुतसा० देवकर्णेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रेयोऽर्थं शुभं भवतु ॥

११२४. संवत् १६०...श्रीश्रीमालज्ञातीयपा०सहिजासुतवर्धमानभा०अमरादेपुत्रनाकर श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

११२५. सं० १५१२ वर्षे मार्गशुदि ५ गुरौ श्रीमालज्ञाती० श्रे०संता........भा० राजलदेसुतधर्म्माकेन पि०मा०श्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्रति० ब्रह्माणगच्छे भ० श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः था(?)वलवास्तव्यः ॥

११२६. संवत् १५९५ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे श्रीप्राग्वंसिज्ञातीय सा०जसाभा०जसमादे श्रीआदिनाथः श्रीआणंदविमलसूरिभट्टारकश्रीविजयधनसूरि तपागच्छे सोहाका प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

११२७. संवत् १६१२ वर्षे वैशाखशुदि ६ बुधे स्तंभतीर्थ

श्रीश्रीमालीयज्ञातीयवृद्धशाखीयसा०वच्छाभार्यासोनानाम्न्या पुत्र... तेजपाल्हासंत्रादि श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं तपापक्षे श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

११२८. सं० १६२७ व० पौषशुदि १५ गुरु श्रीगूर्जरज्ञातीयवृद्धशाषायां दो० वंवकभार्यावा०जासलदेसुतदोसीविजयकर्ण श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थनगरे शुभं भवतु श्रीधरणेंद्रपद्मावतीसहिताय तुष्टिर्भवतु पुष्टिर्भवतु श्रीः ॥

११२९. संवत् १६७७ वर्षे स्तंभतीर्थे श्रीधनबाई कारितं श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारकश्रीविजयसेनसूरिपट्टालंकारं भट्टारकश्रीविजयदेवसूरिवरैः ॥ (पाषाणप्रतिमा)

बोलपीपळो, श्रीसंभवनाथजिनालय.

११३०. संवत् १५१७ वर्षे फागुणशुदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृगांगामातृवासूश्रेयोऽर्थं सं० भाव दरपु० विजयचंद्रेण वडभ्रातृनिजनिमित्तं श्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं पू० श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरिभिः ॥

११३१. संवत् १५५८ वर्षे फागुणशु० ११ गुरौ श्रीओसवंशे सो० पोमसीभा० रूडीसु० सो० जसाकेन भ्रातृसो० हांसाश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

११३२. सं० १६४४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीगंधारवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयसा० तोहीआभार्याकोडाईसुतसं० दत्तजीभार्याठकराणीसु० ठाइंहजी कारितं श्रीवासुपूज्यबिंबं प्रतिष्ठितं च श्रीतपा-

गच्छाधिराजजगद्गुरुबिरुदधारकविराजमानश्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकार श्री-
विजयसेनसूरिभिः ॥

११३३. सं० १४६६ वर्षे वैशाखशुदि ३ सोमे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयपितामहसमरानिमित्तं श्रे० सुगकेन श्रीशांतिनाथः कारितः प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीधर्मदेवसूरिशिष्यश्रीपासचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

११३४. सं० १३५० वैशाखशुदि ११ प्राग्वाटज्ञा० महं० जगसीहभार्यासिंगारदेवि तयोः श्रेयोऽर्थं........श्रीपार्श्वनाथबिंब कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविमलचंद्रसूरिभिः ॥

११३५. संवत् १४६६ वर्षे वैशाखशुदि १० सोमे श्रीमालज्ञातीयधरणीधरभार्याधांधलदेसुतमेत्राकेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीवीरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

११३६. संवत् १६५४ वर्षे पा० श्रीअकब्बरप्र० ४२ वर्षे माघवदि ९ रवौ गंगाईनाम्न्या श्रीसुमतिनाथबिंबं आत्मश्रेयसे कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपाभ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकारश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

११३७. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीगंधारवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयसा० नाइआभा० काजईसु० मं० धनजीभा० करणीसु० हेमजी कारितं श्रीअजितनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराजजगद्गुरुबिरुदधारकविजयमानश्री ५ श्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकार श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

११३८. संवत् १६५४ वर्षे पा० श्रीअकब्बरप्रवर्त्तित ४२ व० माघवदि ९ रवौ वल्लाईनाम्न्या श्रीसंभवनाथबिंबं आत्मश्रेयसे कारितं प्रतिष्ठितं तपाभट्टारकश्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकारश्रीविजयसेनसूरिभिः प्र० ॥

११३९. संवत् १५४९ वर्षे आषाढशु० ३ सोमे प्राग्वाटज्ञातीयव्य० पेथडसंताने व्य० परवतभा० रखीसुतव्य० फोकाभा० श्रा० देमाईसुतविजयकर्णेन मातृश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं श्रीआगमगच्छेशश्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं चेति भद्रम् ॥

११४०. संवत् १५२१ वर्षे आषाढशुदि १० गुरौ श्रीश्रीवंशे श्रे० रताभार्यालखकूपुत्रहेमासुश्रावकेण भा० मल्हाईभ्रा० भोजाभा० धनीसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छाधीश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन सीगीवाडाग्रामे ॥

११४१. सं० १५२९ वर्षे ज्येष्ठवदि १ शुक्रे श्रीप्राग्वाटज्ञा० साहभीमाभा० मटकूसु० डुंगरदेवराजहेमराजपंचायणजिणदाससुतापुतलितया आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथादिपंचतीर्थी कारापिता प्रतिष्ठिता च विधिना धंधूकावास्तव्यः ॥

११४२. संवत् १५१२ वर्षे फागुणशुदि ९ शनौ श्रीगूर्जरज्ञातौ मं० कर्मसीभार्यामचकूत.......प्रमुखस्वकुटुंबयुतेन पितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं श्रीवृहत्तपापक्षे भ० श्रीविजयतिलकसूरिपट्टे श्रीविजयधर्म्मसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

११४३. संवत् १५६० वर्षे माघशुदि १३ सोमे श्रीश्रीवंशे सा० जगडूभार्यासांतूसुतसा० लटकणभार्यालीलादे श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीसंघेन स्तंभतीर्थे ॥

११४४. सं० १३११ प्रतिष्ठिता श्री...सूरिभिः.........कारिता ॥

११४५. संवत् १४८९ वर्षे वैशाखशुदि ३ बुधे श्रीहुंबडज्ञा-

तीयठ० राजसीहभार्याबा० राजलदे तयोः पुत्रठ० माजाप्रियाबा० नान्हीसुतठ० हेमराजभा० तेजलदेयुतेन श्रीधर्म्मनाथबिंबं स्वश्रेयसे कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीज्ञानकलससूरिभिः ॥

११४७. संवत् १५३७ वर्षे वैशाखवदि २ सोमे श्रीश्रीमालीज्ञातीयसुगंधीमणोरभार्यारतनू सुतरसुगंधी भोजाकेन भार्या भरमादे सुतहापाधनादि समस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः ॥

११४८. सं० १५०६ वर्षे मा० शु० १० रवौ प्राग्वाटज्ञातीयमं० छड भा० देईसुतसं० हेमाकेन भा० कपूरी भ्रातृसं० मूधाभा० कमलाईसु० पूजादिकुटुंबयुतेन श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं श्रेयोऽर्थं प्रतिष्ठितं श्रीतप गच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरि शिष्यश्रीउदयनंदिसूरिभिः ॥

११४९. संवत् १५४७ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालीज्ञा० प० मालाभा० पूरीसु० प० हांसाकेन भा० रूपाई भ्रातृव्यप० मामूभा० कबाई सु० पूंजादिकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

११५०. संवत् १६२० वर्षे ज्येष्ठवदि ८ तथा ९ शुक्रे खंभायतवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां संघवीदेवाभार्याबा० हीरादे राजाधिराजश्रीभानुः राजमाता श्रीसुव्रताराणी तयोः पुत्रश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीधर्मनाथस्य बिंबं कर्मक्षयार्थं कारितं ॥

प्रतिष्ठा करनार आचार्योंनां नामोनी गच्छवार संवत्क्रमथी सूची।

अञ्चल (विधिपक्ष) गच्छ।

संवत्		आचार्य नाम	लेखाङ्क
सं.	१०२४	सागरचन्द्रसूरि	९२४
”	१२१०	आमदेवसूरि	१८८
”	१२२६	हरिभद्रसूरि	१०११
”	१२(५)२८	साधुसुन्दरसूरि	६६९
”	१२९२	जिनचन्द्रसूरि	९३०
”	१२५८	देवप्रभसूरि	५४७
”	१२५९	....प्रभसूरि	७२
”	१२६१	जय....सूरि	८४०
”	१२७०	....	९३४
”	१२७९	........प्रभसूरि	३६७
”	१२८१	जिनेश्वरसूरि	६२७
”	१२८७	रत्नप्रभसूरि	७४
”	१२९१	माण(न)देवसूरि	७२८
”	१२९४	श्रीसूरि	२३०
”	१२....	विजयसेनसूरि	८३३
”	१३०८	श्रीसूरि	७५
”	१३०९	धर्मदेवसूरि	४२९
”	”	सोमतिलकसूरि	८२०

संवत्		आचार्य नाम	लेखाङ्क
"	१३१०	नागेन्द्रसूरि	८६९
"	१३११	श्रीसूरि	११४४
"	१३२३	श्रीसूरि	२४
"	१३२८	वर्धमानसूरि	९९४
"	१३३०	........सूरि	१२७
"	१३३४	भाव(?)देवसूरि	१०२
"	१३४३	श्रीसूरि	१७७
"	१३४४	प्रद्युम्नसूरि	२३
"	१३४९	पासदेव	४७७
"	१३४७(९)	मुनिरत्नसूरि	१०००
"	१३५०	विमलचन्द्रसूरि	११३४
"	१३५६	शान्तिप्रभसूरि	११०
"	"	श्रीसूरि	९४३
"	१३६३	श्रीसूरि	४२
"	१३६७	ललितदेवसूरिशिष्य	२१३
"	१३७०	श्रीसूरि	२२
"	१३७१	सुकवि(मति)सूरि	९२१
"	"	श्रीप्रभसेनसूरि	१८७
"	१३७३	मेरुप्रभसूरि	८७
"	"	श्रीचन्द्रसूरि	१११
"	"	श्रीगुणप्रभसूरि	२०९
"	१३७६	श्रीसूरि	३०
"	१३७९	कमलप्रभसूरि	४८६
"	१३८४	धर्मघोषसूरि	२७४

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३८६	श्रीसूरि	५८३, ६४६
१३८७	,,	५५१
१३८८	,,	६०६
१३८९	जतसूरि	२८०
१३९१	मेरुप्रभसूरि	८१९
१३९३	हंसराजसूरि	७६
,,	रत्नचन्द्रसूरि	१०४५
१३९७	वज्रसेनसूरि	२३५
,,	कर्पूसेन(? ,,)	११८
१३....	मदनसूरि	४७३, ९२०
	पृथ्वीचन्द्रसूरि	४८९
१४०१	माणिक्यसूरि	१८२
१४०–	सर्वानन्दसूरि	५१२
१४०५	भावचन्द्रसूरि	३००
१४१०	पुण्यप्रभसूरि (?)	१०८
१४११	अमररत्नसूरि	३४७
१४१७	धर्मचन्द्रसूरि	९९५
१४२१	रत्नशेखरसूरि	७६३
१४२४	कमलचन्द्रसूरि	९४५
,,	देवचन्द्रसूरि	४९६
१४२५	वयरसेणसूरि	२८३
१४२६	कमलचन्द्रसूरि	५२७
१४२--	—घोषसूरि	३६०
१४४७	श्रीसूरि	९८१

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४७४	देवप्रभसूरि	४९४
१४७६	श्रीसूरि	६००
१४७७	,,	८०७
१४७९	,,	८०९
,,	भावदेवसूरिमूर्ति	६९३
१४८०	गुणाकरसूरि	५२२
१४८१	श्रीसूरि	२७२
१४८६	मुनिसिंहसूरि शीलरत्नसूरि	८०९
१४८९	श्रीसूरि	२९५, २९६
१४९२	सर्वसूरि	८५६
१४९४	श्रीसूरि	८९३
१४९५	,,	४०३
१४९८	,,	९८२
१५०७	सुविहितसूरि	१८३
,,	श्रीसूरि	२१, ५७४
१५०८	,,	९७६
१५०९	,,	२९
१५१०	,,	७८१
१५११	,,	६७०
१५१२	सुविहितसूरि	९७२
,,	श्रीसंघ	९५६
१५१३	श्रीसूरि	९५८
१५१६	,,	८११

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५२५	श्रीसूरि	९५२
१५३१	”	८७१
१५३३	....	११०६
”	श्रीसूरि	११४७
१५४२	”	१७३
१५४४	”	६६०
१५४८	—भवसूरि	९०५
१५४९	श्रीसूरि	७१२
१५५१	सद्गुरु	६०७
”	सर्वसाधु श्रीसूरि	९५४
१५५८	श्रीसूरि	११३१
१५६३	सर्वसूरि	६०२
”	श्रीसूरि	६८
१५६५	गुणाकरसूरि	३११
१५६९	श्रीसूरि	२८
१५७१	”	२४८
१५७६	सर्वसूरि	८९७
१५७७	धनराजसूरि	१२४
१५८०	श्रीसूरि	२५९
१५८८	”	६
१५९८	सर्वसूरि	३९१, ३९२
१६०—	श्रीसूरि	११२४
१६२०	”	११५०

अञ्चल (विधिपक्ष) गच्छ.

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३८९	....	७४४
१४४५	मेरुतुङ्गसूरि	४०
१४६८	"	४३
१४७१	महीतिलकसूरि	९२, ५५६
१४७३	जयकीर्तिसूरि	५[illegible]६
१४८४	"	५०२
१४८७	"	७३
१४९०	"	८८६
१४९१	"	९४३
१४९९	"	७१
१५०४	जयकेसरिसूरि	५०, ९९०
१५०८	"	२६, २२९, ८१०
१५१२	"	६३७
१५१३	"	१००६
१५१७	"	७८४, ७९६
१५२०	"	१३७, ४३४, १०७२
१५२१	"	६८१, ७७५, ११४०
१५२२	"	१८६, १००४, १०५९
१५२७	"	५०४
१५२८	"	३९९, ५१७, ६७२
१५२९	"	५८०, १११७
१५३१	"	५२५, ८३२
१५४२	सिद्धान्तसागरसूरि	३६५
१५४८	"	६८४

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५५१	,,	६७८, ९६७
१५५३	,,	६१, ९०८
१५५७	,,	६३८
१५६०	,,	११४३
,,	भावसागरसूरि	१११२
१५६१	,,	७७८
१५६३	,,	८५७
१५६४	सद्गुरु (,,)	१५७
१५६७	,,	१६१, ६६७
१५७०	,,	४४६
१५७३	सोमरत्नसूरि	४४८
,,	सुविहितसूरि	९०३
१५८१	भावसागरसूरि	४६७
१५८४	गुणनिधानसूरि	६६२
१५८७	,,	२८७, ६८३
१५९१	,,	५६५
१६००	,,	१०७०
१६४४	धर्ममूर्तिसूरि	५०३
१६५४ (अलाई ४२)	,,	६४, ५८८
१६६७	कल्याणसागरसूरि विद्यासागरोपाध्याय	१०८४
१६७०	विजयसेनसूरि (?)	३८५
१६८१	कल्याणसागरसूरि	११०८
१६८३	,,	४४३

आगमगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४३९	जयाणन्दसूरि	६३१
१४६२	अमरसिंहसूरि	२७७
१४७५	,,	३९८
१४७६	जयानन्दसूरि	४७०
१४८२	,,	६१२
१४९६	,,	१०८६
१५०३	हेमरत्नसूरि	३३८
१५०६	हर्षतिलकसूरि सिंहदत्तसूरि	२८२
१५०७	हेमरत्नसूरि	११७, ६८२
१५०८	हर्षतिलकसूरि	३४२
,,	सिंहदत्तसूरि	३१५, ८४२, ९०५
,,	देवरत्नसूरि	२२०
१५०९	,,	३३१
१५१०	हर्षतिलकसूरि	९८८
,,	सिंहदत्तसूरि	६१९
१५१२	हेमरत्नसूरि	६९५
१५१३	साधुरत्नसूरि	८००
,,	देवरत्नसूरि	३५५, १०९८
१५१५	,,	५९३
,,	हेमरत्नसूरि	४०७
१५१६	,,	१२५

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५१६	देवरत्नसूरि	४९९
"	सिंहदत्तसूरि	१०३२
"	आणन्दप्रभसूरि	८८९
१५१८	देवरत्नसूरि	८२७
१५१९	हेमरत्नसूरि	१६०, १०८९
१५२०	"	६६६
"	आणन्दप्रभसूरि } गुणरत्नसूरि }	८२४
१५२३	मुनिरत्नसूरि	१००५
१५२५	देवरत्नसूरि	९३७
१५२७	"	४६८
१५२९	"	६४३, ९४७
"	अमररत्नसूरि	११४१
१५३०	देवरत्नसूरि	१०१०
१५३१	"	११११९
१५३३	"	३०८
१५३७	सिंघदत्तसूरि (आगमगच्छीय ?)	१९६
१५४२	श्रीसूरि	१३६
"	जिनचन्द्रसूरि	९५, ८०६
१५४३	"	४३२, ५१६
१५४४	"	२४९
१५४६	विवेकरत्नसूरि	३२१, ७०६
१५४७	"	८५
१५४८	जिनचन्द्रसूरि	८३४

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५४९	विवेकरत्नसूरि	११२९
१५५२	सोमरत्नसूरि	२७६, ८९४
१५५४	विवेकरत्नसूरि	४६६
१५५९	"	८
१५६६	शिवकुमारसूरि	७१०
१५७०	"	१००
१५७३	सोमरत्नसूरि	४१४
१५७६	आणन्दरत्नसूरि	१९५
१५७८	विवेकरत्नसूरि	२९४, ३३७
"	शिवकुमारसूरि	१७१
१५७९	"	६१५
१५८४	"	३४८
१५८७	"	१९३
१५९१	संयमरत्नसूरि	६७३
१६४३	कुलवर्धनसूरि	११
१६६७	"	६१०, ६४९

उपकेश (ओसवाल) गच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
११७२	ककुदाचार्य	९१७
१३५६	सिद्धसूरि	१०४४
१३७४	"	१६६
१३८०	कक्कसूरि	५३१
१३८७	"	१४३
१४००	"	१०७६

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४२२	देवगुप्तसूरि	५४१
१४३२	”	६३५
१४३९	”	६९७
१४६८	”	५६०
१४९९	कक्कसूरि	८३५
१५०४	”	१०२४
१५०८	”	२२१
१५०९	”	९७१
१५१८	”	७६५
१५२०	”	४७५, ७५३
१५२५	”	२९७, ९१९
१५३०	देवगुप्तसूरि	९४०
१५३३	”	२०२
१५३६	”	२३७
१५६३	श्रीसूरि	७७२
१५६८	श्रीसिद्धसूरि	५३४
१–२५	मुनिचन्द्रसूरि	४७४

कडूआमतीगच्छ ।

१६८१	तेजपाल	६३६
१६८३	”	६८७

काशहृदगच्छ ।

१४६१	देवचन्द्रसूरि	४७१

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	कृष्णर्षिगच्छ ।	
१५२१	जयसिंहसूरि	४९५
	कोरण्टगच्छ ।	
१३१२	सर्वदेवसूरि	२०४
१३३२	,,	१८९
१४९१	सावदेवसूरि	७४०
१४९६	,,	७६४
१५०९	,,	२०२, ६७१
१५१५	सोम (? ,,)	८६१
१५३०	,,	२१८
१५३१	,,	६६३, ७४८
१५४९	रत्न (? नन्न) सूरि	१२३
१५६९	नन्नसूरि	१०६६
१५७३	,,	७६९
१६११	,,	६५६
१६१२	,,	६९६
	खरतरगच्छ ।	
१३५१	जिनचन्द्रसूरि	७३४.
१३६६	,,	१०५४
१४४७	जिनहितसूरि	६१७
१५०५	जिनभद्रसूरि	७३९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५०९	"	२५८, ५३०
"	जिनसागरसूरि	४२४
१५१०	"	९१६
१५१२	जिनभद्रसूरि	५८९, ६०८
१५१५	"	४९५
१५१९	जिनचन्द्रसूरि	१६१, ३७९
"	जिनहर्षसूरि	४८७
१५२०	"	४४३, ६९०
१५२२	"	९८५
१५२४	"	१४८
१५२५	"	७७, ६०५
१५२८	जिनचन्द्रसूरि	७७९, ९०६, ९३९, १००१
१५३२	"	७१७
"	जिनहर्षसूरि	३१३
१५३३	"	४२२
"	जिनचन्द्रसूरि	२२३
१५३४	जिनहर्षसूरि	४१०
१५३६	जिनचन्द्रसूरि	३४४
१५३	जिनराजसूरि	२१७
१५४४	जिनहर्षसूरि	५९७
१५५२	"	७०७, ७१९
१५६१	जिनहंससूरि	४८४
१५६३	"	९९१

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५७६	जिनचन्द्रसूरि	५७६
१५८४	जिनमाणिक्यसूरि	५०५, ९४४
१६००	श्रीसूरि उ. विद्यासागर	१०५३
१६२२	जिनचन्द्रसूरि	७२९
१६६१	"	३०२
१६६७	जिनसिंहसूरि	६९९
१६७७	"	८८२
१६७९	हर्षवल्लभगणि	८८४
१६९४	ज्ञानराजगणि	८८१
१७१३	जिनरङ्गसूरि	८८०
१७९५	जिनचन्द्रसूरि	८८३

चन्द्रगच्छ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१२७९	[वीर] चन्द्रसूरि	५२०
१३०१	नेमिचन्द्रसूरि	५९४
१३३१ (२)	रत्नप्रभसूरि	७०२
१३४४	गुणाकरसूरि	९९६
१३५३	"	१०७३

चित्रावाल (चैत्र) गच्छ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३४	पद्मप्रभसूरि	८७९
१३९४	धर्मदेवसूरि	९२६
१३८६	मानदेवसूरि	१९०

संवत	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३८७	„	१०४१
१३९१	धर्मदेवसूरि	४९
१३९२ (३)	मानदेवसूरि	१०६८
१३९७	„	२९६
१४०८	„	६५०
१४३०	धर्मचन्द्रसूरि	१४
१४४६	पासचन्द्रसूरि	५२४
१४६६	„	११३३
१४७७	गुणदेवसूरि	२६७
१४८७	जिनदेवसूरि	१०२५
१५०६	„ (चतुर्दशीपक्ष)	७५४
१५१३	रत्नदेवसूरि	३२
१५२४	रामचन्द्रसूरि	३१२

चैत्र (चान्द्रसमी) गच्छ ।

१५१८	लक्ष्मीसागरसूरि	६४५

चैत्रगच्छ (धारणपद्रीय).

१५०६	विजयदेवसूरि	५
१५१७	लक्ष्मीदेवसूरि	१९९
१५२८	„	१५३

छत्रापल्लीयगच्छ ।

१२९४	पद्मप्रभसूरि	१२३

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३४	सुमतिसूरि	१०२३

जीरापल्लीगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४४०	शालिभद्रसूरि	२१४
१४६८	”	८७४
१४७७	”	४६१
१४८३	उदयरत्नसूरि	१३०

तपागच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४४७	देवसुन्दरसूरि	१४६
१४५०	जयतिलकसूरि	१०८७
१४६९	गुणरत्नसूरि	१२०
१४७१	सोमसुन्दरसूरि	५००
१४७४	”	६४४
१४७९	”	२८६
१४८०	”	१७९
१४८५	”	७८६
१४८६	”	१९२, २६२, ८४८
१४८७	”	८८
१४८८	”	२८५, ३२८, ९९३, १०२०
१४८९	”	१३५, ३६१
”	मुनिसुन्दरसूरि	७५९
१४९०	सोमसुन्दरसूरि	१२, ६५९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४९१	सोमसुन्दरसूरि	८१३
१४९३	,,	८३
१४९६	जयचन्द्रसूरि	१९६
१४९९	मुनिसुन्दरसूरि	४६४
१५०१	,,	४५०
१५०२	जयचन्द्रसूरि	७३१
१५०३	,,	३, १०३, ३५८, ६२९, ६२९, ७४९
१५०४	,,	५३, ८५५
१५०५	,,	४६, ४८२, ४८८, ७९८
१५०६	,,	५१०, ९७९
,,	उदयनन्दि	११४८
,,	रत्नशेखरसूरि	१७, ३९६, ६४०
१५०७	,,	१०४७
१५०८	,,	७७, ८९, ३२६, ४०४, ९८९, १०४८, १०५२
१५०९	,,	७४१, १०१३, १०२७
,,	हेमहंससूरि	८२
१५१०	,,	१८०
,,	रत्नशेखरसूरि	३७, १८०
१५११	,,	५४, १५५, २२५, ८४४
१५१२	,,	६६, ३४३, ३८९
,,	उदयनन्दिसूरि	२०९
१५१३	रत्नशेखरसूरि	१६२, ४९१, ५३८, ९३३

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
”	हेमहंससूरि	४३०
१५१५	रत्नशेखरसूरि	३२, ६१, १४०, १६८, ९६६, ९७८
१५१७	”	१७६, ९७५
१५७८	लक्ष्मीसागरसूरि	३१, २२४, ४१५
१५१९	” पंडित पुण्यनन्दगणि }	१९४
१५२०	सोमदेवसूरि	१०१५
”	लक्ष्मीसागरसूरि	४०८, ५९५
”	श्रीसूरि	७०८
१५२१	सोमदेवसूरि	६३३
”	लक्ष्मीसागरसूरि	१४९, २५७, ४२८, ७२४, ७८८, १०९७
१५२२	”	३९४, ६०२
”	सोमदेवसूरि	३८२
१५२३	”	१४५, १७८, २६५, ३१७, ३९३, ४२०, ८८५, ९५३
१५२४	”	७३०, ८४३
१५२५	”	१८, २५२, २६०, २९०, ३८४, ४१८, ४७८, ५४२, ९१८, १०८५, ११०२
१५२६	”	२६४, ३०२, ८७२
”	सोमजयसूरि	३१७
१५२७	लक्ष्मीसागरसूरि	४२५

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५२८	"	७१८, ७४७, ७५६, ८५२, ८५३
१५२९	"	१९, ३६, ५९, ३०९
१५३०	"	४१६, ७४५
१५३१	" }	१०३५
	सुमतिसुन्दर (? साधु) सूरि }	८३६
१५३२	"	१५१, ६७७, ८७३
१५३३	"	७७७, ९६५
१५३४	"	८४५
१५३६	"	२०६
१५३७	"	२९१, ४२३, ६१२, ८१४
१५४०	सुमतिसाधुसूरि	८८८
१५४२	लक्ष्मीसागरसूरि	३६९, ६६४
१५४३	"	४२९
१५४६	सुमतिसाधु	४८१
१५४७	"	३१६, ३५२, ४५४, ५५३, ६१४, ७१९, ११४९
१५५१	हेमविमलसूरि	१००८
१५५३	"	६५४
१५५५	"	३२७
१५५६	"	२८४, ३०६, ३३४, ६३४
"	इन्द्रनन्दिसूरि } निगम-गच्छीय.	९९८
१५५८	"	२९१
१५६२	"	५०६
१५६३	"	११

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
,,	हेमविमलसूरि	४०२
,,	जयकल्याणसूरि	२४६
१५६३	,,	५९२
१५६५	,,	५७१, ८४१
१५६६	,,	२३९, ७६१
१५६७	,,	७३३
१५६८	हेमविमलसूरि	९०२, ९३६
१५७७	,,	९०
१५८०	,,	४३१
१५८१	आणन्दसागरसूरि	८२६
१५८४	हेमविमलसूरि	६७३
,,	सौभाग्यहर्षसूरि	३२९
१५८७	हेमविमलसूरि	७९१
१५९२	विजयदानसूरि	३१४, ११२५
१५९५	आनन्दविमलसूरि	२७०, ३८०, ४५३
,,	विजयदानसूरि	६२१, ९९२, १११६
१५९६	,,	४९६, ४९०
१५९८	,,	१०८९, १०१९
१६०१ (?)	हीरविजयसूरि	१६३
१६०३	सोमविमलसूरि	३६३
१६०४	विजयदानसूरि	६५१, ७७२
१६०५	विसासोम (? विजयदानसूरि)	११५
१६१२	,,	५४४, ६३०, ७१४, ११०७, १११८, ११२७

संवत	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१६१३	पं. धर्मविमलगणि	७३८
१६१५	विनयदे। (? दान) सूरि	३१०, ३२०, ३५१, ४०५
१६१६	"	२९, ७८२
१६१७	विजयदानसूरि	४९७, ७९४, १०६३
"	हीरविजयसूरि	६७९, ८६९, ९३५
१६२२	सोमविमलसूरि	६१६, ७५२
"	हीरविजयसूरि	३२३, ४२६, ५८५, ७४६, ७५०
१६२४	"	६३, ४३३
१६२६	"	२०९, ५७९, ६९४, ७८२, १०५०
१६२७	"	८२८, ११२८
१६२८	"	२४३, ४२१, ४५२
१६३०	"	७८९
१६३१	"	७८५
१६३२	"	२१५, २५०, ६६८, ९८४, १०५८
"	विजयसेनसूरि	५६२
१६३७	हीरविजयसूरि	५७३, ६०४
१६३८	"	२५५, ११००, ११२३
१६४२	विजयसेनसूरि	१४२
१६४३	"	५४६, ५९६
१६४४	"	७, २४२, २५१, ५२९, ५३९, ५८१, ६९८, ७३६, ८९०, ११२२, ११३७

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१६४४	हीरविजयसूरि	९९८
१६५३	"	७६२, ८६०, ९११
१६५४	विजयसेनसूरि	११३६, ११३८
१६५६	"	३५, ५७७, ११०४
१६५८	"	५६३
१६५९	"	९१३
१६६०	नयविजयगणि	७५७
१६....	राजविजयसूरि	४४७
१६६१	विजयसेनसूरि	९१४, ९१५, ११२१
१६६२	"	११३, ८५४
१६६५	नयविजयगणि	९९७
१६६६	विजयदेवसूरि	४०६
१६६७	हेमसोम—विमलसोमसूरि	६१०, ६११, ६४२
१६६८	विजयसेनसूरि	९८०
१६७७	विजयसेनसूरिमूर्ति	७५८
"	विजयदेवसूरि	७२६, २७८, ८५९, ८६४, ९१०, ९७३, १०२२, १०३७, १०४३, १०५८, ११२९
१६७८	विजयराजगणि	६६७
१६८३	विजयदेवसूरि	५७८
"	विजयानन्दसूरि	२१४, २४१, ५८६
१६९३	विजयदेवसूरि	६५
१६९७	"	३८६
१७००	"	४५८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१७०६	विजयाण (न)न्दसूरि	५६१
"	विजयराजसूरि	६४८
१७१०	"	३६८, ३८१
१७१२	विजयप्रभसूरि	९४८
१७२१	विजयराजसूरि	७७१
१७४५	उत्तमविजयगणि	३७३
१७६४	ज्ञानविमलसूरि	५६६, ५६७, ५६९, ५७०
१७९५	"	६५७
१७८४	"	९११
१८०८	रत्नसौभाग्यपा.	३७५
१८११	देवसौभाग्यग.	३७४
१८१५	विजयसौभाग्यसूरिपा.	३७१
१८३१	लक्ष्मीविजयपा.	३७६
१८४८	महिमाविमलसू.	९१२
१८६८	विजभलक्ष्मीसूरिपा.	३७२

बृहत्तपागच्छ ।

१४७८	ज्ञानकलशसूरि	९
१४८१	रत्नसिंहसूरि	८३५, १००३
१४८६	"	१०८२
१४८८	"	१००७
"	ज्ञानकलशसूरि	७०३
१४८२	"	२२३, ११४५
१५०३	रत्नसिंहसूरि	३०७, ७९९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५०७	,,	८०४
१५०८	विजयधर्मसूरि	७२२
१५०९	रत्नसिंहसूरि	४०१
१५१०	,,	११२२
,,	विजयधर्मसूरि	६२५, १०३१
१५११	रत्नसिंहसूरि	१०७
१५१२	विजयधर्मसूरि	३१९, ३२५, ८०२, ११४२
१५१३	रत्नसिंहसूरि	९६०
,,	जिनरत्नसूरि	७०१
,,	विजयरत्नसूरि	४३६
१५१५	जिनरत्नसूरि	३१४, ४००, ५१५
१५१६	,,	८४९
,,	रत्नसिंहसूरि	९६
१५१७	,,	११७, ८६२
१५१९	उदयवल्लभसूरि	४९३
१५२०	जिनरत्नसूरि	७२७
१५२१	उदयवल्लभसूरि	३३२, ५८७
१५२४	ज्ञानसागरसूरि	११४, १५२, २११, २३२
१५२५	जिनरत्नसूरि	५०७
१५२७	,,	२३७, ५०१
१५२८	ज्ञानसागरसूरि	४५१, ४५७
१५२९	,,	१०७७
,,	विजयरत्नसूरि	१०४०, १०९४
१५३०	ज्ञानसागरसूरि	९६१

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५३१	,,	१८५
१५३३	उदयसागरसूरि	२४९
१५३४	,,	६१०
१५३७	,,	५८१, ९५९
,,	विजयरत्नसूरि	२७२, ६९२, ७३७
१५४१	उदयसागरसूरि	१११०
१५४२	,,	३४५
१५४३	,,	४५, १०६
१५४४	धर्मरत्नसूरि	३३०, ७८७
१५४७	,,	३६४
१५४९	उदयसागरसूरि	६७४, १०२९
१५५२	,,	१११४
१५५३	,,	९५१
,,	धर्मरत्नसूरि	२
१५५४	उदयसागरसूरि	१९०
१५५९	लब्धिसागरसूरि	२९५
१५६०	,,	३९६
१५६१	,,	३९७
,,	धर्मरत्नसूरि	३३९
१५६४	लब्धिसागरसूरि	६८०, ७३२
१५६५	,,	१०९६
,,	धर्मरत्नसूरि	६९८, ८७६
१५६६	,,	५४५
१५६७	श्रीसूरि	२३२

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५७३	उदयसागरसूरि	२१६
”	सौभाग्यसागरसूरि	८१९
१५७६	धन (भं ?) रत्नसूरि	१०३६
१५७९	सौभाग्यसागरसूरि	३१८
१५८४	”	३३४
१५८७	विद्यामण्डनसूरि	१०, ३८३
१६०४	अमररत्नसूरि	६३९
१६३४	सौभाग्यरत्नसूरि	११११
१६५४	वैराग्यसागसूरि	८८७

थारापद्रीयगच्छ ।

[११]१२	सा(शा)लिभद्रसूरि	१०१२
१२५९	जिनदत्त(? सूरि	९२८
”	शान्तिसूरिसन्तान	६०९
१२९३	मदनचन्द्रसूरि	७९
१३०४	पुरुषोत्तमसूरि	९५५
१३०९	मदनचन्द्रसूरि	५४९
१३(?)१५	विजयसिंहसूरि	७३१
	नरचन्द्रसूरि	१०१७

देवसूरिगच्छ ।

१२७९	वयरसेणसूरि	[illegible]२२

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	द्विवन्दनीकगच्छ ।	
१५२२	सिद्धसूरि	४९२
१५२४	[,,]	३५०
	द्विवन्दनीकगच्छ ।	
१५२२	सिद्धसूरि	४९२
१५२४	[,,]	३५०
१५३१	,,	५०९
१५६०	कक्कसूरि	७२५
१५६१	,,	६९१
१५६७	देवगुप्तसूरि	९६८
१५८९	कक्कसूरि	७२१
	धर्मघोषगच्छ ।	
१३०७	ज्ञानचन्द्रसूरि	५४८
१३०--	[,,]	८०१
१४९१	पद्मशेखरसूरि	७४२
१५०९	पद्माणोदयसूरि	४३८
१५१२	साधुरत्नसूरि	१०९०
१५१४	,,	८७५
१५१७	,,	१०६४
१५१८	,,	८०, १०९, १०४६
१५२५	,,	१०७५
१५३२	,,	७२३

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५३७	पद्मानन्दसूरि	८६८
१५४३	पुण्यवर्धनसूरि	९०४
१५८(?)७	साधुरत्नसूरि	१८१

नाइ (गि)ल गच्छ ।

१२०५	....	७९५

नायलशाखा ।

१४१५	सागरचन्द्रसूरि	१८६

नागरगच्छ ।

१३९४	प्रद्युम्नसूरि	१३

नागेन्द्रगच्छ ।

१३१४	पजनू (पजुन) सूरिसं.	८२३
१३३८	महेन्द्रसूरि	९४
१३४९	जिन[सेन]सूरि	७६०
१३८७	हेमचन्द्रसूरि	६७
१४२९	„	५२
१४३३	गुणाकरसूरि	२१२
१४—	„	६५३
१४५२	उदयदेवसूरि	२४५
१४५६	...रत्नसूरि	६५२
१४८३	गुणसागरसूरि	१०५६
१४९७	पद्माणन्दसूरि	५५८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४९९	"	९३८
१५१७	विनयप्रभसूरि	९७०
१५१९	गुणदेवसूरि	९५०
१५२७	"	८७०
१५३१	हेमरत्नसूरि	८३१, १००२, १०७१
"	पद्मचन्द्रसूरि	५११
१५५२	हेमसिंहसूरि	७६६
१५६३	[मही]रत्नसूरि	३७८
१५७१	महीरत्नसूरि	७७०

नाण(ज्ञान)कीय (नाणावाल) गच्छ।

१३१६	सिद्धसेनसूरि	२५
१४१०(५)	धनेश्वरसूरि	७९३
१५२०	"	१०२१
१५३४	"	१११२
१५३५	"	७०५
१५८३	....	१६५

निर्वृत्तिगच्छ।

१३८९	पार्श्वदत्तसूरि	८१

पल्लिकीय (पल्लीवाल) गच्छ।

१३४३	....	६५५
१३८३	अभयदेवसूरि	८९९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५०१	यशोदेवसूरि	४८५
१५२८	नन्नसूरि	२२८
१५६६	उद्योतनसूरि	४४

पिप्पल (पीपल) गच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१२९६	आमदेवसूरि	४७
१३...	पद्मप्रभसूरि	५५२
१३७१	विबुधप्रभसूरि	५५२, ६२३, ८१८
,,	धर्मचन्द्रसूरि	३६२
१४३१	राजशेखरसूरि	१७५
१४००	धर्मशेखरसूरि	१०९५
१४३७	धर्मतिलकसूरि	९३१
१४९१	उदयदेवसूरि	६२८
१४९५	,,	५३६
१५०५	विजय (,,)	२०१
१५०९	,,	४३५
,,	गुणरत्नसूरि	७००
१५१२	,,	२४७
,,	उदयदेवसूरि	८७७
१५१५	,,	९८
१५२१	रत्नदेवसूरि	३८८
१५२५	गुणरत्नसूरि	५५९
,,	गुणसागरसूरि	२००

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५२७	रत्नदेवसूरि	१२१
१५२८	"	९८७
१५२९	अमरचन्द्रसूरि } सर्वसूरि }	१०५१
१५३१	धर्मसागरसूरि	८४६
१५३५	" (त्रिभवीआ)	२६८
१५४८	पद्माणन्दसूरि	८९५
१५५२	देवप्रभसूरि	४१२
१५५३	धर्मवल्लभसूरि	७५५, १०६५
१५५४	शान्तिसूरि	३४०
१५५६	सर्वसूरि	८५८
१५५९	शान्तिसूरि (तलाझीया)	३०२*
१५६०	"	११०३

पूर्णिमापक्ष ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३८७	कमलप्रभसूरि	१८४
१४०४	विद्याण(न)न्दसूरि	७१६
१४१८	विद्याधरसूरि	१०६०
१४२२	उदयाण(न)न्दसूरि	११०१
१४२३	सुमतिसिंहसूरि	९२२
१४२९	गुणभद्रसूरि	२८९
"	"	९४१
१४३२	रत्नशेखरसूरि	५९९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४५९	पासचन्द्रसूरि	४८३
१४६५	विद्याशेखरसूरि	८६६
१४७२	जयतिलकसूरि	८३०
१४८३	गुणसागरसूरि	४६५, १०१४
१४८६	"	१०६७
"	हेमरत्नसूरि	१३९
१५०५	गुणसमुद्रसूरि	८१२
१५०६	"	१०७९
"	राजतिलकसूरि	९६१
"	गुणसुन्दरसूरि	२३६
१५०७	"	४१२
"	गुणसमुद्रसूरि	४४१
१५०८	"	९५७
१५०९	"	१०३४
"	साधुरत्नसूरि	४०९
१५१०	सद्गुरु	६४७
"	गुणसमुद्रसूरि	९६४
१५११	"	१३८, ३७७, ४६२
१५१२	मुनिसुन्दरसूरि	९१
"	साधुरत्नसूरि	७९०
१५१५	जयशेखरसूरि	४७९
"	साधुरत्नसूरि	९४९
१५१७	साधुसुन्दरसूरि	१०२६

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५१७	"	९८३, ११३०
१५१८	पुण्यरत्नसूरि	१७०
"	गुणसुन्दरसूरि (? मलधारि)	८९१
१५१९	....	८२२
१५२०	गुणसुन्दरसूरि	५८
१५२१	साधुसुन्दरसूरि	६१८
१५२२	पुण्यरत्नसूरि	५३३
१५२३	राजतिलकसूरि	७९७
"	गुणसुन्दरसूरि	१९८, ५६८
१५२४	"	५५७, १११५
"	पुण्यरत्न	१०८१
१५२५	साधुसुन्दरसूरि	२२६
१५३०	देवेन्द्रसूरि	९९४
"	कमलप्रभसूरि	९७४
१५३१	गुणधीरसूरि	७५०
"	पुण्यरत्नसूरि	४४०, ४४९
१५३२	साधुसुन्दरसूरि	१०३९
१५४३	लक्ष्मीप्रभसूरि	३३५
१५४८	गुणसुन्दरसूरि	२०८
१५४९	गुणरत्नसूरि	६६५, ११०९
१५५७	गुणतिलकसूरि	३७०
१५६०	पुण्यरत्नसूरि	७७४
१५६१	"	१०१६
१५६८	सुमतिरत्नसूरि	४१९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५७३	देवेन्द्रसूरि	१०१
"	सद्गुरु	११२०
१५७५	लब्धिसुन्दरसूरि	६६१
१५७६	सुमतिरत्नसूरि	२०५
१५७७	जिनहर्षसूरि	१
१५८०	सुमतिरत्नसूरि	२७
१५८३	श्रीसूरि	११०५
१५९१	गुणमेरुसूरि	२९२

पूर्णिमापक्ष (प्रधानशाखा)।

१५१२	जयप्रभसूरि	९६३
१५१९	"	७४३

पूर्णिमापक्ष (चतुर्थशाखा)।

१५२५	विशालराजसूरि	९६२
१५३०	"	७११

पूर्णिमापक्ष (भीमपल्लीय)।

१५०३	जयचन्द्रसूरि	२७५
१५०४	"	९९
१५१६	"	६३२
१५१८	"	४१७
१५२४	"	३४
१५२६	"	३२४
१५५८	मुनिचन्द्रसूरि	११२
१५९६	"	६२

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	पूर्णिमापक्ष (भृगुकच्छीय)।	
१५७५	सागरदत्तसूरि	१६
	पूर्णिमापक्ष (छापरीआ)।	
१६१०	हर्षरत्नसूरि	६८८
	साधु पूर्णिमापक्ष।	
१५०४	रामचन्द्रसूरि	१०५
१५०६	पूर्णचन्द्रसूरि	८५१
१५०९	"	१०५५
१५६१	उदयचन्द्रसूरि	१०६९
	बृहद्गच्छ।	
१२७५	धनेश्वरसूरि	५५५
१३५६	पद्मचन्द्रसूरि	८०३
१५१९	कमलप्रभसूरि	४३७
	बृहद्गच्छ (बोकडीया शाखा)।	
१४९०	धनदेवसूरि	६२४
१५१८	मलयचन्द्रसूरि	३८७
	बृहद्गच्छ (सत्यपुरी शाखा)	
१५१७	पासचन्द्रसूरि	९८४

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	ब्रह्माणगच्छ ।	
११८९	यशोभद्रसूरि	२९८
१२३४	महेन्द्रसूरि	६२०
१२६३	विमलसूरि	९२७
१२७०	पद्युम्नसूरिसन्तान	९३२
१३११	जज्जकसूरि	३४६
१३३८	वयरसेणोपाध्यायशिष्य	१६९
१३४६(?)	........सूरि	५१८
१३७०	भद्रेश्वरसूरि	५१२
१३७१	विमलसूरि	८२९
१३८२	जज्जगसूरि	१०९३
१३८६	बुद्धिसागरसूरि	२९९
१४४५	विमलसूरि	३०४
१४४७	मुनिचन्द्रसूरि	२६९
१४६५	देवेन्द्रसूरि	८६७
१४६६	वीरसूरि	११३५
१४९२	”	५०८
१४९८	मुनिचन्द्रसूरि	३९०
१५०६	उदयप्रभसूरि	८३७
”	बुद्धिसागरसूरि	८०८
१५०८	विमलसूरि	९८६
१५०९	पजूनसूरि	१९८
१५११	”	२०७
”	उदयप्रभसूरि	५५

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
„	मुनिचन्द्रसूरि	९७७
१५१२	„	११२५
१५१३	विमलसूरि	८४
१५१६	श्रीसूरि („)	४८०
१५१७	„	५७
१५२०	„	८१६
१५२३	वीरसूरि	९०१
„	विमलसूरि	४४४
१५२४	„	६८९
१५२८	वीरसूरि	९२५
„	बुद्धिसागरसूरि	९००
१५३६	„	९४६
„	वीरसूरि	९२३
१५४९	शीलगुणसूरि	२८१, ४७६
१५५४	बुद्धिसागरसूरि	७०९
१५६१	मुनिचन्द्रसूरि	४
१५७९	वीरसूरि	७०४
१५८९	विमलसूरि	१०६१
१५९२	श्रीसूरि	२४१

भावडहा (डा)र गच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३२९	भावदेवसूरि	९२०
१३६३	वीरसूरि	१३२
१३८०	जिनदेवसूरि	६३६
१५१७	भावदेवसूरि	५३५
१५४१	भावदेवसूरि	३३६, १०८८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५६६	विजयसिंहसूरि	१०५७
१५७३	,,	७०, ९६९

मडा (ह) हडीय गच्छ ।

१३९१	सोमतिलकसूरि	७६८
१४११	माण(न)देवसूरि	४६०
१४३५	उदयप्रभसूरि	४६२

मलधारिगच्छ ।

१३५२	श्री तिलकसूरि	२७९
१३७१	,,	५१९
१३[७५].	,,	१०२८
१५०८	गुणसुन्दरसूरि	१२६, ४७२, ९९९
१५११	,,	७२०
१५१८	,,	८६३
१५२१	,,	१०३०
१५२९	गुणनिधानसूरि	२६६

मड्डु(धु)करगच्छ ।

१४१०	गुणप्रभसूरि	१०४
[१४]३४	,,	१०३८
१५१८	धनप्रभसूरि	२८८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	मेरुतुङ्गसूरिशाखा ।	
१३८६	...प्रभसूरि	२०
	राजगच्छ ।	
१४१०	हरिभद्रसूरि	५३२
१४२०	"	६४१
१४३८	मलयचन्द्रसूरि	५२६*
१४९१–९२	मेरुचन्द्रसूरिमूर्ति, मलयचन्द्रसूरिमूर्ति, मुनितिलकसूरिमूर्ति	५६४
	रुद्रपल्लीयगच्छ ।	
१५१९	देवसुन्दरसूरि	३६६
	वडगच्छ ।	
१५१०	पूर्णचन्द्रसूरि	१५४
१६३९	उदयसंघ(सिंह)सूरि	८४७
	वायट(ड)गच्छ ।	
१३५३	जीवदेवसूरि	७७६, ९०७
१३७८	राशि(सि)लसूरि	२१०
१४१५	"	५२८
१४५३	जिनदत्तसूरि	१२२

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	विद्याधरगच्छ ।	
१४४५	गुणप्रभसूरि	८७८
१४९०	देवप्रभसूरि	८१७
	खंडेरगच्छ ।	
१३७१	श्री....सूरि	१०९९
१५०३	शान्तिसूरि	५५०
१५०६	"	३५३
१५०८	"	७५१
१५१७	ईश्वरसूरि	८५०
१५१९	"	५४०
"	शालिभद्रसूरि	१०६२
१५२१	"	१३४
१५५२	शान्तिसूरि	७९२
	साव(?)देवाचार्यगच्छ ।	
११६८		१०८३
	सिद्धान्तीगच्छ ।	
१५०७	सोमचन्द्रसूरि	७६७
	सुविहितगच्छ ।	
१५६३	सुविहितसूरि--- --	१०१८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५७१	,,	१०४९
१५७९	,,	१६४

सुधर्मागच्छ।

१६५८	विनयकीर्तिसूरि	१०४२

हारीजगच्छ।

१३८३	महेन्द्रसूरि	३८
१५१७	महेसरसूरि	५१४

दिगम्बर।

मूलं(मूलसं)घ–देत्रायगण।

१४८९	कल्याणकीर्ति	११९

मूलसंघ–बलात्कारगण सरस्वतीगच्छ।

१५१६	भुवनकीर्ति	१२८
१५२५	विमलेन्द्रकीर्ति	१२९

काष्ठासंघनन्दीतटगच्छ।

१५३१	आ. वीरसेन	१४४
,,	सुमतिकीर्ति (दि०)	२३८
[१]८०२	हेमसूरि	४१